

प्राधिकार से प्रकाशित १७॥।ऽमह्म हुए अध्यम्ध

सं० 51]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 18, 1982 (अग्रहायण 27, 1904)

No. 51]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 18, 1982 (AGRAHAYAN 27, 1904)

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी ज़ाती है जिल्लसे कि यह अजग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III-खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महाजेखानरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Countroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नर्घ दिल्ली-110011, दिनांक 21 अक्तूबर 1982

सं. ए. 19014/8/82-प्रशा -। — राष्ट्रपति द्वारा श्री जी. वी. नायक, आर्ह आर. एस. (सी. एण्ड. सी. र्ह.) को 21 अक्तूबर, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर सहर्पिनयक्त किया जाता है।

# दिनाक 30 अक्तूबर 1982

सं. पी./123-प्रशा. ।—संघ लोक सेवा आयोग के कार्या-लय में स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन्न अवर सिचव, श्री पी. सी. माथ्र को राष्ट्रपति द्वारा 31 अक्तूबर, 1982 के अपराहन से निवर्तन आयु हो जाने पर सरकारी सेवा से निवृत होने की सहर्ष अनुमति प्रवान की जाती है।

#### दिनांक 8 नवम्बर, 1982

सं० ए० 32013/2/82-प्रशा० 1:—केन्द्रीय सिववालय सेवा के निम्निलिखित स्थायी ग्रनुभाग ग्रिधिकारियों को राष्ट्रपित द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट ग्रविध के लिये संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यात्रय में ग्रवर सिवव के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थाना-पन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है:——

क्रम सं० नाम					 श्रवधि			
सर्वेश्री	<del></del>							
1. के० एल० सूरी				•	•			1-8-82 से 25-9-82 तक
2. क्षी० डी० गर्मा	•	·			•	•		5-8-82 से 24-9-82 तक
८. बोर्ण डार्जनसर ३. <b>बोगिन्दर</b> नाथ	•	•		•	•			5-8-82 से 24-9-82 तक
ऽ. आगण्यर गाउ ।. डी० श्रार० मदान	•		•			,		9-8-82 से 23-9-82 तक

(18081)

# विनांक 11 नवम्बर 1982

सं. ए. 32013/1/82-प्रशा. ।—वर्ष 1981 के के. सं. सं के अधिकारियों की जयन सूची के क. सं. 12 में प्रिम्मिलित संघ लोक सेवा आयोग के के स.से. सवर्ग के स्थायी नुभाग अधिकारी श्री एचं. एम. विश्वास को राष्ट्रपति के उ 5-6-1982 से आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर के. स. से. के ग्रेड 1 में अवर सचिव के पद पर स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियम्स किया जाता है।

अवर सचिव के पद पर श्री एच. एम. विश्वास की निय्कित दिल्ली उच्च न्यायालय में 1980 की सिविल रिट याचिका सं. 511 सहित इस संबंध में दिल्ली उच्च न्यायालय में लिम्बत रिट याचिका के निर्णय की शर्ती पर हैं।

# ंदिनांक 12 नवम्बर 1982

सं. ए. 19013/1/79-प्रशा 1— वित्रा मंशालय, आधिक कार्य विभाग के पत्र संख्या ए. 19011/1/82-प्रशा - 3 विनांक 19-10-82 च्यारा आधिकविद/प्रथम सिचव, भारतीय दूतावास, बूसल्स के पद पर नियुक्ति होतू उनके चयन हो जाने के परिणामस्वरूप भारतीय अर्थ सेवा के अधिकारी तथा सम्प्रति उप सिचव, संघ लोक सेवा आयोग के पद पर कार्यरत श्री विपिन बिहारी ने 12-11-1982 के अपराहन से इस कार्यालय में उप सिचव के पद का कार्यभार छोड़ विया है।

यः राः गांधी अवर समिव (प्रशाः) संघ लोक सेवा आयोग

# गृह मंत्रालय

(का. एवं प्र. सू. विभाग)

# कोन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

## नर्इ विल्ली, दिनांक नवम्बर 1982

सं. ए-19021/14/82-प्रशासन-5----राष्ट्रपति अपने ग्रसाद से श्री सतेन्द्र सिंह, भारतीय पुलिस सेवा (उड़ीसा-1967) को दिनांक 12 नशम्बर, 1982 के प्रतिहन से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यरो, विश्लेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर प्लिस अधीक्षक नियुक्त करसे हैं।

सं. ए-19021/16/82-प्रशासन-5--- राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री विजय शंकर, भारतीय पुलिस सेवा (उ. प्र.-1969) को दिनांक 16 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हुं।

# दिनांक 22 नवम्बर 1982

सं. एच-5/68-प्रशासन-5 (भाग)——निवर्तन की आयु प्राप्त कर सेने पर, डा. एच. एल. बामी, निविधाक/केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, नर्ह दिल्ली ने विनांक 31 अक्तूबर, 1982 के अपराहन में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

# दिनांक 23 नवम्बर 1982

सं ए/35021/19/82-प्रशा -5—गांधी शांति प्रतिष्ठान एवं अन्य संगठनों से संबंधित कृदाल जोच आयोग में नियुक्ति हो जाने पर श्री विद्या भूषण, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण न्यूरों की सेवाएं दिनांक 4 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से अगले आवेश तक के लिए आयांग को सींपी जाती हैं।

> आर एस नागपाल शींसनिक अधिकारी (स्था.) के. अ. क्य्रो

महानिदोशालय, कोन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल, नर्दं विल्ली-110003, विनांक 24 नथम्बर 1982

सं. ओ. दो.-700/71-स्थापना—भारत सरकार दःख के साथ यह अधिसूचित करती है कि दिनांक 23-10-82 को श्री जी. पी. पुंज, उप-पृलिस अधीक्षक, 38 वीं वाहिनी, के. रि. पु. बल का दोहान्त हो गया है।

> ए. के. स्**री** सहायक निदंशक (स्थापना)

# महानिद्देशक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नर्द दिल्ली-110003, दिनांक 18 नवम्बर 1982

सं. ई-32015 (2)/2/81-कार्मिक—पूनिर्मृतित की अविध समाप्त होने पर श्री दलजीत सिंह ने 22 अक्तूबर, 1982 के पूर्वाह्न से के आ स्. ब. यूनिट वी. एक. ई.। एक. हरिबुवार के कमांड ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ई-16013 (2)/11/82-कार्मिक---प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर, श्री रामेश्वर सिंह, भा. पू. से. (जम्मू और कश्मीर: एस. पी. एस.) ने 29 अक्तूबर, 1982 के पूर्वाह्न से के. औ. सू. ब. यूनिट आई. ओ. सी. मथ्रा रिफाइनरी के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

#### दिनांक 26 नवम्बर 1982

सं. ई-16016/6/82-कार्मिक--प्रतिनियुक्ति पर स्था-नांतरण होने पर श्री बी. के. पोपली ने 4 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से के. औ. सू. ब. मुख्यालय नई विल्ली सहायक निदंशक (लेखा) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

> सुरोन्द्र नाथ महानिद्यास

# भारत के महापंजीकार का कार्यालय

#### नर्ह दिल्ली-110011, दिनांक 23 नवम्बर 1982

सं. 11/95/79-प्रशा.-1—इस कार्यालय की तारीख 28 मई, 1982 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्षम के राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एस. राजगोपालन को उसी कार्यालय में तारीख 31 दिसम्बर, 1982 तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा पूर्णत: अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर उस निद्शाक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री राजनोपालन का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं. 10/11/81-प्रधा -1--राष्ट्रपति, भारतीय सांस्थि-कीय सेवा के ग्रेड-1 के अधिकारी और इस समय नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में भारत के संयुक्त महा-पंजीकार के पव पर कार्यरत डा. एम. होल्ला को, उसी कार्यालय में तारीख 22 जून, 1981 के पूर्वाहन से चार वर्षों से अनिधक अविध के लिए नियमित आधार पर, भारत के संयुक्त महापंजीकार के पव पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा. होल्ला का मुख्यालय नई विल्ली में होगा।

पी. पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

विसा मंत्रालय (राजस्य विभाग)

सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण का कार्यालय

नक दिल्ली, दिनाक 24 नथम्बर 1982

का. सं. 6-सी. उ.स्व. अ. अ. /82—-श्री एम. एस. कैन्ध्र ने, जो कि पहले प्रकाशन निदेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शृल्क) नई विल्ली मे आफिस सुपरिन्दें के यद पर कार्य कर रहे थे, 24 नवम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से सीमा- शुल्क उत्पादशुल्क और स्वर्ण नियंत्रण अपील अधिकरण में सहा- यक पंजीकार के पद का कार्यभार ग्रष्टण कर लिया है।

आर एन सहगल पंजीकार

#### विस आयोग

नई विल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं. 8 वि. आ. 2 (27)-ए/82—-आठवें विक्त आयोग में फिलहाल प्रतिनियुक्ति पर तैनात श्री एम. आर. वर्मा, आर्थिक

अन्वेषक (ग्रेड-1) को 4 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक वित्त आयोग में रु. 700-1300 के वेतन-मान में अन्संधान अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

सुसवासी लाल माथुर अवर सचिव (प्रशा.)

भारतीय लेखा तथा परीक्षा विभाग

कार्यालय, निदंशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली-2, दिनांक 30 नवम्बर 1982

सं प्रशासन-1/कार्यालय आदेश 429—स्वीमान निद्देशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्निलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को 22-11-82 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक 840-1200 के वेतनकम में स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

#### ऋम संख्या

- **क्या नाम** 1. श्रीगिरधारी लाल सिक्का
- 2. श्री राजेन्द्र नाथ त्रिसा

अ. सि. मोहिन्द्रा संयुक्त निद्येषक रेखापरीक्षा (प्र.)

आर्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रवोध ग्वालियर, विनांक 12 नवस्वर 1982

कमांक-प्रशासन-1/पी. एफ. एस. एल. ए./353—श्री श्यामलाल अग्रवाल (01/81) स्थायी लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार, मध्यप्रवेश-प्रथम, ग्वालियर को अधिवार्षिकी आय हो जाने पर केन्द्रीय शासकीय सेवा से दिनांक 30-11-82 अपराह्न से सेवा निवस्त किया जाता है।

# दिनांक 19 नवम्बर 1982

क्रमांक प्रशा० एक/ले० म०/पदोन्नति/361:—महालेखाकार, मध्य प्रदेश ने निम्नलिखित स्थानापन्न मनुभाग म्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में उनके नाम के म्रागे दर्शाये दिनांक से पदोन्नत किया है:---

ऋमांक नाम					स्थायी क्रमांक	कार्यभार दिनांक	श्राबंटन
1. श्री एन० डी० मुक्ला	•	•	•	•	02/284	12-11-82 (भ्रपराह्म)	म० ले० 2

(प्राधिकार: महालेखाकार प्रथम के श्रावेश दिनांक 11-11-1982)

बी० कें० राय वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय आर्डनैन्स फौक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 15 नवम्बर 1982

सं. 14/82/ए/ई-1---वार्थक्य निवृत्ति आय् प्राप्त कर औ सुक्तमार दासगृद्धा, मौतिक एवं स्थायी सहायक, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर दिनांक 31-10-82 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> डी. आर. अय्यर बी. **बी. बी./कार्मिक**

महानिदोशालय, कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र

# बंम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1982

सं. 5/3/82-स्थापना—महानिद्देशक, कारलाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र बम्बई निम्निलिखित कर्मचारियों के क्लियी रूप से अनुसंधान अधिकारी (रसायन) के पद पर इनके नाम के आगे थी गई तिथियों से इस कारलाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिद्देशालय से नियुक्त करता है।

- 1. श्री पी. बी. लाल---20-5-1981
- 2. श्री टी. सी. साहा--20-5-1981

ए.को.चक्रवतीं महानिद्याक

#### उद्योग मंत्रालय

# (औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1982

सं. (2(651)/76-प्रशा. (राज.)--राष्ट्रपति, लघ् उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के सहायक निद्देशक (ग्रेड-2) (सामान्य प्रशासन प्रभाग) श्री बी: ए. काम्बले को उसी संस्थान में <math>7-9-1982 के पूर्वाह्न से, अगले आदिशों तक, सहायक निद्देशक (ग्रेड-1) (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19018(626)/82 - प्रशा. (राज )—विकास आयुक्त, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता मो लघु उद्योग संघद्धन अधिकारी (वैद्युत) श्री के. बी. बी. स्न्दर देशरा राव को लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में 6 मई, 1982 से, अगले आदेशों तक, सहायक निव शक (ग्रेड-2) (वैद्युत) के रूप में निगुक्त करते हैं।

सी. सी. राय उप: निदशक (प्रशा.)

# पूर्ति तथा निपटान महानिव शालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1982

सं. प्र. 6/247(295)—-राष्ट्रपति, निरीक्षण निद्देशक (धातु) जमशेवपुर को कार्यालय में सहायक निद्देशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा, धातु शाखा को ग्रेड ।।।) श्री ए. को. मजुमदार को दिनांक 13-10-1982 को पूर्वाहन में आगामी आदेशों को जारी होने तक उसी कार्यालय में उपनिद्देशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा, धातु शाखा को ग्रेड 2) को पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री मजुमदार ने सहायक निव शक निरक्षिण (धातु) का पद भार दिनांक 13-10-82 के पूर्वाह्न से छोड़ दिया और उसी दिन उप निव शक निरक्षिण (धात्) का पदभार सम्भाल लिया।

सांहन लाल क्षपर उप निदोशक (प्रशासन) (प्रशासन अनुभाग-1)

नर्ड विल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

मं प्र-1/1(758)—-राष्ट्रपति, उप निद्देशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, समूह-ए के ग्रेड-2 श्री वी. के. गूप्ता को जो इस कार्यालय मे उप निद्देशक (समन्वय) के रूप मे स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे, की श्री ओ. पी. श्रीवास्तव की प्रशिक्षण/अवकाश रिवित मे विनाक 8-11-82 से 11-12-82 तक की अविध के लिए निद्देशक (निपटान) (भारतीय पूर्ति सेवा, समूह ''ए'' के ग्रेड-1 के रूप मे तदर्थ आधार पर निय्वत करते हैं।

2 श्री गृप्ता ने दिनांक 8-11-82 के पूर्वाहन में उप निदोधक (समन्वय) का पद भार छोड़ दिया और दिनाक 8-11-82 के पूर्वाहन से पूर्ति तथा निपटान महानिद्धालय, नर्द दिल्ली में निद्धालय (निपटान) का पद भार सम्भाल लिया ।

एल . बालासृब्रमणियन उप निदेशक (प्रशासन)

#### इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रक

कलकत्ता-700020, दिनांक 24 नवम्बर 1982

सं स्था. 1-12(25)/81(.)—अधिवार्षिकी की आयु प्राप्त करने के फलस्थरूप श्री सिंडनी एच. मेक्निन, सहायक भ्ग-तान आयुक्त ने 30 अक्तूबर, 1982 (अपराहन) से अपना कार्य-भार छोड दिया है।

#### दिनांक 25 नवम्बर 1982

स स्था 1-12(52)/82()—श्री विलीप कुमार चटजीं, लेखा अधिकारी, लेखा नियंत्रक का कार्यालय, खान विभाग, भारतीय भू-सर्वेक्षण, कलकत्ता को एतद् द्वारा प्रतिनियुक्ति पर आगामी आदेश तक लेखा अधिकारी के रूप में दिनांक 17 नवस्वर, 1982 के पूर्वाह्म में नियुक्त किया जाता है।

स्भाष चंद्र मजूमदार संयुक्त लोहा और इस्पात नियंत्रक

(सान विभाग)

भारतीय खान ब्य्रो

नागपुर, दिनांक 22 नवम्बर 1982

सं. ए.-19011(199/82-स्था. ए.--श्री सी. एम. जैन, निद्शेक (प्रशिक्षण), भारतीय खान ब्यूरों के ब्यूरों आफ पब्लिक एन्टरप्राइजेस में संयुक्त सलाहकार (उत्पादन) (खनन) के पद पर प्रतिनियुक्ति होने पर उन्होंने निद्शेक (प्रशिक्षण), भारतीय खान व्यूरों का पदभार 7 अक्तूबर, 1982 के अपराह्म से छोड़ दिया है।

## दिनांक 23 नथम्बर 1982

पन्न रूप में दिनांक । अक्तूबर, 1982 (पूर्वाह्न) से सहर्ष नियक्त करते हैं।

सं. ए-19011(301)/81-स्थाः ए.—-राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री अरुण प्रसाद को सहायक सान नियन्त्रक, भारतीय सान ब्यूरो के पद पर स्थाना-

वः चः मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय स्थान ज्युरो

# श्राकाशवाणी महानिदेशालय

## नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1982

मं० 3/6/81-एस-III (भाग III)——निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरों सहायकों ने श्रपनी पदोन्नित होने के परिणामस्वरूप उनके सामने दी नई नारीखों ने श्राकाणवाणी/दूरदर्शन के विभिन्न कार्यालयों में श्रस्थायी क्षमता में सहायक इंजीनियरी के पद का कार्य-भार संभाल लिया है:—

कम सं०	नाम					तैनाती का केन्द्र	कार्यभार संभालने की तारीख
1	2					3	4
_	सर्वश्री						<u> </u>
1.	एच० एस० सीताराम					<b>श्राकाणवाणी, पोर्टब्लेय</b> र	29-10-82
2.	बी० सी० मंतरा .			•		मुख्य इंजीनियर (उत्तरी क्षेत्र) श्राकाशवाणी,	(भपराह्न)
						नई दिल्ली	18-10-82
3.	म्रार०पी०टिक्कू.					— <del>-</del> तथैव~—	18-10-82
4.	ई० नागाराजा सरमा					ग्राकाशवाणी, कलकत्ता	30-10-82
5.	पी० गोपालन .	Ď.	•			श्राकाशवाणी, पां <b>डिचे</b> री	30-10-82
							(ग्रपराह्न)
6.	म्रो०पी०गंडोत्रा .	•				उच्च शक्ति प्रेषित, खामपुर, दिल्ली	30-10-82
7.	के० मुरलीधरन .	Ē		•		श्राकाशवाणी, कोहिमा	15-10-82
8.	एच० एस० दुश्रा .	•				दूरदर्शम केन्द्र, श्रीनगर	27-9-82
9.	बी० णेखर रेड्डी .	•	•	ė	•	मुख्य इंजीनियर (दक्षिण क्षेत्र) श्राकाशवाणी, मद्रास	14-10-82
10.	कें० व्यासाराजन .	•		•		दूरदर्शन केन्द्र, कटक	26-10-82
11.	टी० जी० ग्रनन्तलवार		•	•		दूरदर्शन केन्द्र, रायपुर	29-9-82
12.	<b>वी० एस० सूर्यानरायना</b>	•	•			दूरदर्शन केन्द्र, सम्बलपुर	23-9-82
13.	एन० के० बारी .				_	दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता	30-8-82
14.	एस० बद्योपाध्याय			•		दूरदर्शन केन्द्र, कलकत्ता	27-8-82
15.	मौहम्मद जमील बनश	•	•		•	दूरदर्शन केन्द्र, श्रीनगर	29-10-82 (अपराह्न)

वाई० वर्मा, प्रणासन उपनिदेशक, **कृते** महानिदेशक

#### स्वास्थ्य संदा महानिद शालय

नर्ह दिल्ली, दिनांक 23 नवस्वर 1982

सं. ए. 19019/38/77-सी. जी. एच. एस.-1--डा. सी. (कुमारी) चन्दा जोशी, होम्योपेथिक चिकित्सक, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, का विवाह हो जाने के फल-स्वरूप, अब वह डा. (श्रीमती) चन्दा पाण्डिय नाम सं जानी जायेगी।

#### दिनांक 25 नवम्बर 1982

सं. ए. 22013/1/81-के. स. म्वा. यो.-1--केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य जयपुर से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली को तवादला हो जाने के फलस्वरूप, आ. एस. लिगंडो, होम्योपेंथिक फिजिशियन ने 3 अक्तूबर, 1982 अपराह्न सं के. स. स्वा. योजना जयपुर के अधीन होम्योपेंथिक फिजिंशियन कि पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 4 नवम्बर, 1982 पूर्वीहन से के. स. स्वा. योजना, दिल्ली के होग्यो-पेंथिक फिजिशियन के पद का कार्यभार सम्भान लिया है।

टी. एस. राव उप निदोशक (प्रशासन) केंच्र सुद्ध स्वाङ्ग योजना

# भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

# बम्बई-400085, विनांक 22 नवम्बर 1982

सं. पी.ए./79(4)/80-आर.-।।।---नियंत्रक, भाभा परमाणू अनुसंधान केन्द्र, श्री अयंत विश्वनाथ नाइक, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने होतु इस अनुसंधान केन्द्र में 4-10-1982 (पूर्वाहन) से 8-11-1982 (अपराहन) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त कते हैं।

# विनांक नवस्त्रर 1982

सं. पी.ए./73(1)/82-आर.-4—निद्शेक, भाभा पर-माणु अनुसंधान केन्द्र डा. आनंदतिर्थ विष्णु कुलकर्णी को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के प्रभाग/जनुभाग चिकित्सा में दिनांक 18-11-1982 (पूर्वाह्न) से अग्निम आदेशों तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते ह<sup>ा</sup>।

> बी.सी.पाल उपस्थापना अधिकारी

# परमाणु उन्जा विभाग नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना बुलन्दशहर, दिनांक 23 नवम्बर 1982

क. न. प. वि. प./प्रचा/26(1)/82/एस/13599—
स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न चयन श्रेणी लिपिक श्री ओम प्रकाश को, अधिसूचना सं.न.प.वि.प./प्रशा./ 26 (1)/82/एस/11019 विनांक सितम्बर 11, 1982 सं अधिसूचित, परियोजना तवर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्ति दिनांक नवम्बर 4, 1982 के अपराहन से समाप्त की जाती है।

> एस. एस.राव मुख्य प्रशासन अधिकारी

# कय और भंडार निद्शालय

**बम्बई-400001, दिनांक 9 नवम्बर 1982** 

सं० ऋ० भं० नि० 14/1(5)/71-प्र०/33010—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋष और भण्डार निदेशालय के निषेशक ने निम्न-लिखित श्रिधकारियों को उनके नामों के सम्मुख दी गई तारीखों से इसी निदेशालय में सहायक भण्डार अधिकारी के स्थायी पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त किया है:—

क्रम नाम व पदनाम सं०						मौलिक नियुक्ति की तारी <b>ख</b>	यदि स्थाई पद प्राप्त है, तो
<ol> <li>श्री एम० के० चाँको सहायक ऋय प्रधिकारी</li> </ol>	<u> </u>	•	•	•	•	1-10-1982	ऋय सहायक
केन्द्रीय ऋय यूनिट 2. श्री भाई० रामकृष्णन सहायक ऋय ग्रधिकारी	•			•	•	1-11-1982	वरिष्ठ ग्राशुलिपिक

के० पी० जोसफ, प्रशासनिक श्रधिकारी.

### बम्बई -400001, दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं० ऋ० भं० नि०/14/1(5)/77-प्र०/33302-परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय भौर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने प्रश्नी किखित प्रधिकारियों को 1 प्रक्तूबर, 1982 से इसी निवेशालय में मौलिक रूप से सहायक भण्डार अधिकारी नियुक्त किया है:---

— —— क्रम सं०	नाम भ्रौर यूनिट	वर्तमान ग्रेड	स्थायी पद यदि प्राप्त हो तो
1	2	3	4
	म्रार० एन० गृहा	सहायक भण्डार अधिकारी	भण्डारी
2. श्री	द्वीय भन्डार यूनिट बी० वाई० गोखले	सहायक भण्डार ग्रधिकारी	भण्डारी
•	ोय भण्डार यूनिट म्रार० एम० मोंडकर	सहायक भण्डार मधिकारी	भण्डारी
4. श्री प	य भण्डार यूमिट २ घ० धार० दुमा	सहायक मण्डार श्रधिकारी	भण्डारी
हैदरा	६ ग्रद क्षेत्रीय ऋय स्रौर भण्डार यूनिट		

1	2	3	4
5. श्रीटी० एन		सहायक भण्डार ग्रिधिकारी	भण्डारी
6. श्री बी० एल	•	सहायक भण्डार श्रधिकारी	भण्डारी
7. श्रीके० टी०	• •	सहायक भण्डार श्रधिकारी	भण्डारी
भण्डार यूनि 8. श्रीवी० डीव	ाट (डी० पी० एस०) भा पा प, तूतीकोरि > मोरे	न सहायक भण्डार ग्रधिकारी	भण्डारी
केन्द्रीय भण्डा 9. श्री जी० श्रा	**	सहायक भण्डार श्रधिकारी	भण्डारी
हैदराबाद क्षेर 0. श्री वी० बार	त्रीय ऋय भौर भण्डार यूनिट रहरणान	सहायक भण्डार श्रधिकारी	sum <del>ar D</del>
	<sup>न भृष्यन</sup> इ. म प वि प, कालपक्कम	त्रहायक मण्डार आधकारा	भण्डारी

. के० पी० जोसफ प्रशासन भ्रधिकारी

# बम्बई-400001, दिनांक 26 नवम्बर 1982

सं. कम. नि./23/1/81-स्थापना/36012--इस निदेशालय की तारीख 1 सितम्बर, 1982 की समसंख्यक अधि-सूचना के आगे परमाण कर्जा विभाग के कय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखाकार और स्थाना-पन्न लेखाकार (तदर्थ) श्री जे.जी. साठे को तदर्थ आधार पर 31 दिसम्बर, 1982 (अपराह्न) या अगले आदेशों में से जो भी पहले हो तक के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधि-कारी नियुक्त किया है।

बी.जी.क्लुकर्णी सहायक कार्मिक अधिकारी

# राजस्थान परमाण् विद्युत परियोजना अणुशक्ति, दिनांक 19 नवम्बर 1982

सं. रापविप/भती /3(2)/82/स्था/224—राजस्थान पर-माणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना हं जीनियर, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायिवत सहायक फोरमेंन तथा राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में ही वैज्ञानिक सहायक ''सी'' के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री डी. डी. वर्मा को इसी परियोजना में दिनांक 1-8-82 के पूर्वाहन से लेकर आगामी आदोश होने तक अस्थायी तौर पर वैज्ञानिक अधिकारी/ एस. बी. के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री डी. डी. वर्माने वैज्ञानिक अधिकारी/एस. बी. के पव का कार्यभार दिनांक 1-8-82 के पूर्वाहन में सम्भाला।

> म द गाङगील प्रशासन अधिकारी (स्थापना) बास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

# भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, विनांक 23 नवम्बर 1982

मं. 05012/जार 3/4753—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, राजस्थान परमाणु बिजली स्टोशन के स्थायी उप अधिकारी, श्री राधेष्याम सिंह को, भारी पानी परियोजना

(कोटा) में 20 सितम्बर, 1982 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न स्टेशन अधिकारी निय्क्त करते हैं।

> आर. सी. कोटिअनकर प्रशासन अधिकारी

# महानिद्याक नागर विमानन का कार्यालय नर्ष दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

सं. ए. 32013/6/81-ईडब्ल्यू (पार्ट)—-राष्ट्रपति ने श्री एल. सी. ग्प्ता, विद्युत एवं यांत्रिक अधिकारी (तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक निद्येषक उपस्कर के रूप में कार्यरत) को दिनांक 20 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में रुपये 1100-50-1600 के वेतनमान में सहायक निद्येषक उपस्कर के ग्रेड में नियमित आधार पर नियक्त किया है।

श्री एल. सी. गुप्ता को क्षेत्रीय निदोशक, बम्बई के कार्यालय में तैनात किया है।

- सं. ए. 32013/4/81-ईडब्ल्य्—राष्ट्रपति ने श्री एल. सी. गप्ता, विद्युत और यांत्रिक अधिकारी को विनांक 26 मार्च, 1982 (पूर्वाह्न) से 19 सितम्बर, 1982 तक की अविधि के लिए नागर विमानन विभाग में रुपए 1100-50-1600 के वेतनमान में सहायक निद्देशक उपस्कर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।
- 2. श्री एल. सी. गुप्ता की सहायक निद्येशक उपस्कर के रूप में नियुक्ति जारी रहने के परिणाम स्वरूप वे ग्रेड में वरि-घ्ठता या उच्च ग्रेड में पदोन्नित की पात्रता के तिए दादा करने के हकदार नहीं होंगे।
- 3. श्री एल. सी. ग्प्ता को क्षेत्रीय निद्याक, बम्बर्ड कें कार्यालय में तैनात किया जाता है।

ठाक्र दत्त सहायक निद्येषक प्रशासन निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवंशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1982

सं. 19/82—-श्री युवराज गुप्ता ने, जो पहले, राज्यस्व विभाग की पु. अ. यूनिट में विर. तक. अधि. के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के विनांक 23-9-81 के आदेश सं. 174/81(फा. सं. 22012/55/81-प्रशा. ।।) के व्वारा, सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क, स्वर्ण (नियंत्रण), अपीलीय अधिकरण की दिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानांतरित होने पर, दिनांक 12-10-82 (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदंशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में, किनष्ठ विभागीय प्रतिनिधि "गूप" "क" के पद का कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

सं. 20/82---श्री वी. श्रीधर ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पा-दन शुल्क एवम् सीमा शुल्क, दोर्ड, नई दिल्ली में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, के पद पर कार्यरत थे, ने, राजस्व विभाग के दिनांक 22-9-82 के आवोश सं. 170/82 (फा. सं. क. 22012/64/82-प्रशा. 11) द्वारा सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क एवम् स्थर्ण नियंत्रण, अपीलीय अधिकरण की दिल्ली स्थित न्यायपीठ में, स्थानान्तरित होने पर, दिनांक 11-10-82 (पूर्वाह्न) को, निरक्षिण एवम् लेखा परीक्षा निद्येशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में कनिष्ठ विभाग् गीय प्रतिनिधि ''ग्र्प क'' के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

> एस. दी. सरकार निरीक्षण निदंशक

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाश्चलक समाहर्ता का कार्यालय

केन्द्रीय राजस्य भवन

अंगलीर-560001, दिनांक 8 नवम्बर 1982 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सं 3/82—केन्द्रीय उत्पाद श्ल्क और नमक अधिनियम, 1944 की धारा 35 ई (4) के साथ पठित धारा 35 और 35 ई (2) के प्रावधानों के अन्तर्गत, मैं एतक् द्वारा, केन्द्रीय उत्पाद श्लक नियमावली 1944 के नियम 5 के अन्तर्गत प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद श्लक मृख्यान्य बेंगलीर, के सहायक समाहर्ता (विधि) को ''उचित

अधिकारी'' के रूप में प्राधिकत करता हा।

सी. के. गोपाल कृष्णन समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद श्ल्क कर्नाटक समाहर्तालय, बंगलौर

#### केन्द्रीय जल आयोग

नर्इ दिल्ली-110066, दिनांक 25 नवम्बर 1982

सं. ए-19012/951/81-स्था पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री शिव कुमार शर्मा, पर्यवेक्षक को रु. 650-30-740-35-810-व रो.-35-880-40-1000-व रो.-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 3 मर्ड, 1982 की पूर्वाहन से छ: महीने की अयिथ अथवा पव को नियमित आधार पर

भरो जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्भ आधार पर नियम्बत करते हो।

> ए. भट्टाचार्य अवर सचिव कोन्द्रीय जल आयोग

## केन्द्रीय विश्वत प्राधिकरण

नहं दिल्ली-110066, दिनांक 24 नवस्वर 1982 सं 2/45/82-प्रशासन-। (बी)—-अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्द्वारा श्री एमः सी. शर्मा, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरिंग (ग्र्प वी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदशक/सहायक इंजी-नियर के ग्रेड में 12-11-1982 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न क्षमता में नियक्त करसे हैं।

> बी. एम. लाल अवर सम्बिक

#### निर्माण महानिय शालय

#### केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, विनांक 23 नवम्बर 1982

सं. 27/जी(44)/69-इं सी-2—राष्ट्रपति ने इस विभाग के कार्यापालक अभियन्ता (सिविल) श्री आर. के. गोयल, जो कि इस समय सार्वजनिक उद्योग के स्थायी सम्मेलन के मुख्य इंजीनियर के नाते प्रतिनिय्वित पर हों, के स्वैष्छिक सेवा निवृत्ति के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तव्नुसार श्री आर. के. गोयल, 23 नवम्बर, 1982 (दापहर बाद) से सरकारी स्वा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे।

नीना गर्ग प्रशासन उपनिवेशक कृते निर्माण महानिवेशक

#### कलकत्ता, दिनांक 23 नवम्बर 1982

सं. जी. -65/80— महानिदशेक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता, श्री आर. एन. मूखर्जी विज्ञान सहायक (विद्युत) राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता को, विज्ञान-अधिकारी (विद्युत) के पद पर, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, मद्रास शासा, मद्रास में, दिनांक 11-10-82 (पूर्वाह्न) से किसी अन्य आदेश के न निकलने तक के लिये, नियमित रूप से नियक्त करने हैं।

ए. बैनर्**जी** उपनिद्शास (प्रशासन) कृते महानिद्शासन, राष्ट्रीय परीक्षा गृह कलकत्ता

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधी बोर्ड

कम्पनी अधिनियम , 1956 और ग्रेट इस्टर्न ट्रान्सपोर्ट प्राईविट निमिट डे के विषय में।

अहमवाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1982

 $\frac{1}{100}$  सं  $\frac{402}{560}$  कम्पनी अधिनियमि, 1956 की धारा  $\frac{1}{100}$  की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदब्वारा यह सूचना दी

जाती है कि इस तारीच से तीन मास के अवमान पर ग्रेट इस्टर्न ट्रांसपोर्ट प्रा. लिमि. का नाम इसके प्रतिकान कारण दिया । किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उकत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और एसोमियटेड ट्रान्सपोर्ट एण्ड एग्रीकन्चरल प्रार्डेट लिमिटोड को विषय में।

> अहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1982

सं. 523/560 सी. पी.—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एसोसिएटेड ट्रान्सपोर्ट एण्ड एप्रीकल्चरल प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नोबल इण्डस्ट्रीज प्राईविट लिमिटोड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1982

सं. 562/560/सी. पी.—कम्पनी अधिनियम, 1956 धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन माम के अवसान पर नोबल इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर में ठाट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बोटाद कोटन एसोसियशन प्राईविट लिमिटोड के विषय में

अहमबाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1982

सं. 715/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्सरण में एतब्द्वारा यह सूचना की जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बोटाद कोटन एसोसियेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और म्रत कमिर्शयल एण्ड फायनान्सर्स प्राईविट लिमिटोड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1982

मं. 1319/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की धारा (3) के अनुसरण में एतद्व्यारा यह मूचना दो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सूरत कमिर्चियल एण्ड फायनान्सर्स प्राईविट लिमिट डे का नाम इसके प्रतिकृत दिश्तिन किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

2-376GI/82

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एमराला प्राइ कोडक्टस प्राइकिट लिमिटोड के विषय मो।

अहमदादाद, दिनांक 19 नवम्बर 1982

मं. 2656/सी. पी. — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अग्सरण में एत्व्दवारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीस से तीन मास के अवसान पर एमरोना फड़ प्रोडक्टस प्राईविट लिमिटोड का नाम इसके प्रतिक्तून कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रमन प्रोमेसिंग एण्ड टोक्सटाईल प्राईविट लिमिटोड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1982

मं. 2932/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना वो जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रमन प्रोसेसिंग एण्ड टक्सटाई ल प्राईवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वेन्गार्ड बेनिफीट प्रार्डवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1982

मं. 1775/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुभरण में एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि बेन्गार्ड बेनिफीट प्रार्डवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर रे काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

एस. बी. भास्टर सहायक, प्रमण्डल पंजीयक, गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री मल्लिकार्जन फड़ ग्रेन ट्रेडर्स श्राहवेट लिमिटोड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

मं. 1087/111/560 कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री मल्लिकार्जन फाइ ग्रंन ट्रोडर्स प्राईवेट लिमिटोड का नाम, आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषदित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालाजी मरचेन्टस एसोसियेशन प्राईवेट लिमिटोड के विषय में।

# हैवराबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

सं. 1083/टी. ए. । 1/560---कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के एतंबद्वारा सूचना दी जाती हाँ कि बालाजी मरचेन्टस एसोसियशेन प्राईषेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जया लक्ष्मी लेदरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

#### हैवराबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1982

सं. 2073/टी. ए /।।।/560—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के एतद-द्वारा स्वना यह दी जाती है कि जयालक्ष्मी लेदरस प्रार्हिं विसिट का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी. एस. राज् कम्पनियों का रिजस्ट्रार आन्धुप्रदेश, हैवराबाद।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नई इण्डिया ट्रेंडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

#### मद्रास, दिनांक 23 नवम्बर 1982

सं. 1850/560/82——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदव्यारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नई इण्डिया ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे. के. रमणी कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाड

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी अबदूल ट्रॉनिंग कारपोरोज्ञन प्राइविट लिमिटोड को विषय मो।

### मद्रास, दिनांक 23 नवस्थर 1982

सं 6545/560/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतवद्यारा सूचना दी जाती है कि वी अब्दल ट्रेनिंग कारपोरेशन प्राहवेट लिसिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

काम्पनी अधिनियम, 1956 और अन्टोनी ट्रान्सपोर्ट सर्विस प्राईवेट लिमिटोड के विषय मो।

मद्रास, विनांक 23 नवम्बर 1982

सं. 3988/560/82—कंप्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदब्बारा सूचना दी जाती है कि अन्दोनी ट्रान्सपोर्ट सर्विस प्राहवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से कोट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आन्ध्रा मेलेबला कास्टींग्स एण्ड फोरजींग्स प्राइविट लिमिटेड के विषय में।

मन्नास, दिनांक 23 नयम्बर 1982

सं. 4855/560/82--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदब्वारा सूचना दी जाती है कि आन्ध्र मेलबेलाकास्टींग्स एण्ड फोरणींग्स प्रार्ह-वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और माइकोटेक कोस्टिंग्स निर्मिटेड के विषय मी।

मद्रास, दिनांक 23 नवम्बर 1982

सं. 3748/560/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतदब्वारा सूचना वी जाती है कि माइकोट के कास्टिंग्स लिमिट डे का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है. और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अयोधया प्राइविट लिमिटेड के विषय में।

मन्नास, दिनांक 23 नवम्बर 1982

सं. 3559/560/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारों 560 की उपधारा (5) की अनुसरेण में एतदद्वारा सूंजना दी जाती है कि अयोधया प्राहर्किट लिमिटेड का नाम आंज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

इ. सेलय,राज कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाड ⊭

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मोमले में एवं मैसर्स दी महाबीर फायनेन्स एण्ड ट्रॉडिंग कम्पनी प्रार्घवेट लिमिटेड के विषय मे।

ग्यांलियर-474009, विनांक 23 नवम्बर 1982

सं. 981/पी. एस./सी. पी./2933--कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अंतर्गत एतव्यारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर मैसर्स दी महावीर फायनेन्स एण्ड ट्रेडिंग कम्पनी प्रार्शबंट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विराद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया आएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो आयेगी।

कस्पनी अधिनियम, 1950 के मामले में एवं मैसर्स शिव शक्ति फायनेन्सर्स एण्ड ट्रोडर्स प्रार्हवेट लिमिटोड के विषय में।

ग्वालियर-474009, दिनांक 23 नवम्बर 1982

सं. 1171/पी. एस./सी. पी./2936——कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अंतर्गत -एतद्दारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से सीन मास की समाप्ति पर, मैसर्स शिव शिक्ष फायनेन्सर्स एण्ड ट्रेडर्स प्राइविट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विराद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रिजस्टर से काट दिया जायेगा एवं अधित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

> सुरेन्द्र क्मार सक्सेना कम्पनी रिजस्ट्रार, मध्यप्रदोश, ग्हालियर।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बलरामपुर फार्म प्राइविट लिमिटोड के विषय में ।

कलकत्ता, 24 नवम्बर 1982

सं. एल./27143/एच.-डी./1956--कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा (2) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यालय कलकत्ता ने दिनांक 21-1-1980 के आदोशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आवेश दिया है और राजकीय समापक,। उच्चन्यालय, कलकत्ता को उसका राजकीय नियुक्त किया है।

हं. कम्मनियों का सहायक राजिस्ट्रार परिचम बंगाल, कलकत्ता।

कार्यालय आयकर आयुक्त संवर्ग नियन्त्रण प्राधिकारी कानपुर

आदोश

कानपुर, दिनांक 29 अक्तूबर 1982

सं. 90—-श्री किशन लाल, (अनु जाति) आयकर निरीक्षक, आगरा प्रभार को आयकर अधिकारी (ग्रुप ''बी'') के रूप में रु. 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 के बेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से और अन्य आदेशों तक नियुक्त किया जाता है। यदि बाद में पाया गया कि उनकी यह नियुक्त विद्यमान रिक्तियों से अधिक की गई है तो वे पदावनत किये जाने के योग्य होंगे। पदोन्नित पर उनकी सेवायें आयकर आयुक्त, अग्गरा के अधीन सौंपी जाती है जो कृपया उनका पदस्थापन आदेश जारी करेंगे।

ह./-शारदा प्रसाद पाण्डोय आयकार आयक्त, संवर्ग नियंत्रक प्राधिकारी कानपूर।'

# बायकर विभाग

#### भाग्रकर भागुन्त का कार्यालय

कोचीन, दिनांक 3 नवस्बर, 1982

#### ग्रायकर

## भनुसूची

ऋम सं०	मण्डल का नाम	श्रायकर श्रक्षिकारी का पद संज्ञा	क्षेस्राधिकार
1	2	3	4
1. सर्वे सर्किल-	1 एरणाकुलम	श्रायकर श्रधिकारी, सर्वे सर्किल-1 एरणाकुलम	(I) ग्रालुबा, एरणाकुलम भौर मट्टाचेरी के ग्रायकर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्राधिकारी के श्रन्तर्गत, सर्वे सिकल-1, एरणा- कुलम में 15 नवम्बर 1982 तक भ्रायकर में निर्धारित या निर्धारण योग्य सभी मामले।

1 2 3 (11) श्रालुबा, एरणाकुलम तथा मट्टाचेरी के श्रायकर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के श्रंतर्गत सर्वेक्षण के फल स्वरूप श्रविष्कृत सभी नई निर्धारिती। (<sup>111</sup>) श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 127(1) के श्रनुसार श्रायकर ग्रधिकारी को हस्तान्तरित किये गये और किये जाने वाले निर्धारितियों के सभी मामले।

> जी० ग्रार० पट**र्वधन** ग्रायकर ग्रायुक्त, कोचिन

#### धनकर

सी सं० 1(209)/जी० एल०/82-83:--

सं० 7/82-83:—धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) की धारा 8 ए की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त प्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं इस कार्यालय के समय समय पर सूचित पुरानी अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए धनकर आयुक्त, कोचीन, में निदेश करता हू कि संलग्न अनुसूची की कोलम (3) में बताये हुए धनकर अधिकारी 15 नवम्बर, 1982 के पूर्वीह्न से कोलम (4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों श्रेणी आदि कोलम (4)में दी गई हैं।

## भ्रनुसूची

ऋमासं० मण	डल का नाम	Ī	धनकर श्रधिकारी का पदसंज्ञा	क्षेत्राधिकार
	1	2	3	4
1. सर्वे मर्कि	ल-1 एरणा	<b>कुलम</b>	धनकर श्रधिकारी, सर्वे सर्किल-1 एरणाकुलम	<ul> <li>(I) श्रालुबा, एरणाकुलम श्रीर मट्टाचेरी के धनकर मण्डलों के प्रावेशिक क्षेत्राराधिकार के अन्तर्गत, सर्वे सिकल-1, एरणाकुलम 15 नवम्बर 1982 तक धनकर में निर्धारित या निर्धारण योग्य सभी मामले।</li> <li>(11) एरणाकुलम तथा मट्टाचेरी के धनकर मण्डलों के प्रावेशिक क्षेत्राधिकार के श्रन्तर्गत श्रायकर निर्धारण के लिये सर्वे सिकल-1, एरणाकुलम की सूची में चढ़ाई गई धनकर निर्धारितयों के सभी मामले।</li> <li>(111) धनकर श्रिधिनयम 1957 की धारा 8 वी के अनुसार धनकर श्रिधकारी को हस्तान्तरित किये गये और किये जाने वाले निर्धारितयों के सभी मामले।</li> </ul>

#### उपहारकर

सी॰ सं॰ 1 (209)/जी॰ एल/82-83 [8/82-83]:---उपहारकर प्रधिनियम 1958 (1958 का 18) की धारा 7ए की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए एव इस कार्यालय के समय समय पर सूचित पुरानी अधिसूचनाओं का प्रधिक्रमण करते हुए उपहारकर आयुक्त, कोचीन, मैं निदेश करता हूं कि संलग्न अनुसूची में कालम (3) में बताये हुए उपहारकर अधिकारी 15 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्न में कालम (4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी श्रादि कोलम (4) में दी गई हैं।

# <mark>प्र</mark>नुसूची

कम संख्या मण्डल का नाम	उपहारकर ग्रधिकारी का प	प्रवसंज्ञा क्षेत्राधिकार	
1	2 3	4	
<ol> <li>सर्वे सिकल-1 एरणाकुलम</li> </ol>	उपहारकर श्रधिकारी, सर्वे सर्किल-1 एरणाकुलम		म श्रौर मट्टाचेरी के उपराज्यमण्डलों के ार के श्रन्तर्गत, सर्वे मर्किल-1, एरणाकुलम

भाग III —खण्ड 1	भ	ारत का राजपत्न, दिसग	बर 18, 1982 (अग्रह्मण 27, 1904) 1809	3
1	2	3	4	
			में 15 नवम्बर 1982 तक उपहारकर में निर्धारित य निर्धारण योग्य सभी मामले। [ (II) एरणाकुलम श्रौर मट्टाचेरी उपहारकर मण्डलों के प्रादेशि। क्षेत्राधिकार के श्रन्तर्गत सभी नये निर्धारिती जिनके क निर्धारण श्रभी तक श्रायकर या धनकर के विषय नहीं किया है। (III) उपहारकर श्रिधिनियम 1958 की धारा 7 बी के श्रनुसा उपहारकर श्रिधिकारी को हस्तान्तरित किये गये श्रौ किये जाने वाले निर्धारितयों के सभी मामले।	ु <b>क</b> नर में

(जी० म्रार० पटवर्धन,) उपहारकर म्रायुक्त, कोचिन प्ररूप थाई. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०-2/एस०भ्रार०-2/ 3-82/6903--- श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इर्सकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हीरनकुदना, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई विस्ली में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीप एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- 🕊) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अनतः अन्त, उकत् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री हकम चन्द स्पूत्र श्री नरायण दास तथा जी० ए० श्री मांगे राम श्रौर श्री बलवान सिंह निवासी-2039, रानी बाग, शकुरबस्ती, बिल्ली-34 (अन्तरक)
- 2. श्री अरुन कुमार कथूरिया सुपुत्र श्री राम जाल कयूरिया निवासी--बी-3, कीर्ति नगर, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम को मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 28 बीघ, ग्रौर 16 बिश्वे, स्थापित ग्राम हीरनक्दना, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 3-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई बिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०आर०-1/3-82/ 9005—अतः भुझे, सुधीर चन्द्रा

कायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 5037-38 है, तथा जो प्लाट नं० 3, नेताजी सुभाष मार्ग, दिरयागंज, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायं अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्सा प्रिक्षकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिज स्ट्रीकरण श्रिष्ठिन मार्च, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 82 को पूर्वेक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री राम सरूप सुंखीजां मुपुत्र श्री उधो दास, निवासी 1/34, गीता कालोनी, दिल्ली-31

(अन्तरक)

 श्री सुरेन्दर कुमार वलेचा सुपुत्न श्री चमन लाल वलेचा निवासी 3/5037-38, नेताजी सुभाष मार्गे, दरिया गंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

45 प्रतिशत श्रविभाजित हिस्से प्रो० नं० 5037-38, प्लाट नं० 3, साबादी 206. 2/3, वर्ग गज, नेताजी सुभाष मार्ग, दिग्यागंज, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षमः प्राधिकारी सहायकं श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 9-11-82

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

सं अग्रई ० ए० सी ०/एक्यू ०-2/एस० आर०-1/3-82/9014-अतः मृक्षे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3/144, है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणत है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मीसीचत उद्देश्य से उच्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया प्या है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए और√सा
- (ब) एसी किसी आग या किसी धन वा अन्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

उत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् : -- (1) श्री मोहन लाल पाहूजा सुपुक्ष श्री परमा नन्द पाहूजा, द्वारा उसके जी० ए० श्री मुरलीघ वलेचा सुपुत्र श्री हुलब राय वलेचा, निवासी 1-बी०/32, रमेण नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री निरंजन बलेचा सुपुत्र श्री गुलाब राय, निवासी 3/144 रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्रब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसुधी

प्रो० नं० 3/144 पर पटाधारी श्रिधिकार, तादादी 100 वर्गगज, स्थापित रमेण नगर, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ला**रीख** : 9-11-1982

मोहर 👙

प्ररूप आइं.टी.एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रैंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० म्रार०-2/ 3-82/9009—यत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 4598-12-बी है तथा जो दरियागंज , नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 3—376 GI/82 श्री धरम पाल गोला पुत्र श्री ग्रार० एन० गोला
 (2) श्रीमती देवी रानी गोला पत्नी श्रीधरम पाल
 गोला, निवासी—-4598-12-बी, दिखागंज, नई
 दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० इनडेन्टो प्राइवेट लि०, 598-12-बी, दिरया-गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

# अन्ल्ची

1/2 भाग बेसमेंट तादादी 1023 वर्ग फीट श्रौर 1/2 भाग फ्लोर ग्राउन्ड तादादी 936.85/वर्ग फीट, प्रो० गोला कौटेज मकान नं० 4598-12-बी वरियागंज, नई विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-11-1982

प्रकप भाई ० टी ० एन ० एस ●-----

आगमार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

ोक्रार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०-2/एस०भ्रार०-2/ 3-82/7001—अस: मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्रधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्यु 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम—हैबतपुरा, नजफगढ़, नर्ष विरुली में स्थित है (ग्रीट इससे उपावक ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1982,

को पूर्वों कर सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल को क्लाह प्रतिकत ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक क्लाह, निक्निलित उद्योद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति क क्षा से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायिह्य में कभी करन या उसस बनने में पाविष्ठा के लिए बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियी उत्राश प्रकट नहीं किया पा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री सत्यार्थ प्रकाश, श्रमर नाथ, विद्या सागर, श्रीर रिशी-पाल मुपुत्रगण श्री सीतल दास, निवासी—ग्राम—हैबत-पूरा, नजफगढ, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्री हरी प्रकाण गुप्ता सुपुत्र श्री मोहन लाल गुप्ता, निवासी—605 नजफगढ, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप;--

- (क) इस स्कान के राजपंत्र में प्रकाशन को तारोब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्धना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान न्विस्थित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्यी

कृषि भूमि 1 किला, खसरा नं० 97, स्थापित—ग्राम— हैबतपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-11-1982

प्रस्य सा€+ टो+ एन+ एख•-----

# ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-म (1) के प्रधीन मूचना नारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०/-2/ 3-82/6915—-अतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम—बुरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1982,

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का आरण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिबक रूप से अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुइ किसी श्राय की बाबत, छक्त झिन नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में मुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रम्थ शास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अविनियम, या धन-कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की श्राचा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की श्राचा 269-ज की उपधारा (1-) के अभीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री शाम सुन्दर सुपुत्त श्री भतर सिंह, ग्राम ब्रारी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मतपाल यादव एँज एम० जी० मास्टर मनोज, मास्टर गिरीण मास्टर हेमन्त, मास्टर चिनु, निवासी क्वार्टर नं० 23, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धासीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सं अंधी क्ष्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

# अनुसुची

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे, 2 बिघ्वे, खसरा नं० 525/1; ग्राम बुरारी, विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज II, नई दिस्ली

तारी**ख** 3-11-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०म्रार०-2/3-82/6904---म्रातः सुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफगढ़, विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो, पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन विनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री इन्त्राज सिंह सुपुत्र श्री ग्रमर सिंह, वे स्थम् ग्रीर जी० ए० श्रीमती धापो देवी विधवा पत्नी श्री हरद्वारी लाल, रिव कुमार श्रीर महेश कुमार सुपुत्रगण श्री बेतराम ग्रीर पुरन लाल मुपुत्र श्री ग्रमर सिंह, सीरी भगवान, गोदिलया हुग्रा सुपुत्र श्री राम कंबर जयप्रकाश गोदिलया, हुग्रा सुपुत्र श्री हरद्वारी लाल, निवासी गली छावालीया, नजफगढ़, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ग्रानन्द कुमार, सुपुत्र श्री मीरी चन्द निवासी-रेवाड़ी, हरियाणा, श्री ग्रजीत कुमार सुपुत्र श्री मेहर चन्द, राम भगत सुपुत्र श्री बंसीधर, निवासी घनसा रोड, नजफगढ़, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शबवां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तावादी, 4 बीघे, 4 बिश्वे, मुस्तातील नं० 31, किला नं० 3, नजफगढ़, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, विल्ली, नई विल्ली-110002।

तारी**व** : 3-11-1982

मोहार 🤈

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 3 नवस्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/ 3-82/6930—श्रतः, मुक्के, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम—किरोरी सुलेमान, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख, मार्च 1982

को प्योक्त संपत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुं अे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री तारा चन्द सुपुत्र श्री सीरी निवास, श्री सुभाष चन्द सुपुत्र श्री हरी राम, श्रीमती जीवन देवी विभ्रवा पत्नी श्री सीरी निवास श्रौर श्रीमती रेनु देवी, पत्नी श्री सुभाष चन्द, निवासी—ग्राम—किरोरी सुलेमान, दिल्ली (अन्तरक)
- श्रीमती रेनू गोइंका पत्नी श्री श्रंजानी गोइंका, निवासी—19/78 पजाबी बाग, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं:।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध मं कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 बिघे 12 विश्वे, खसरा नं० 909, 910, स्थापित—ग्राम—किरोरी मुलेमान, दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्राजन रज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 3-11-1982

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस -----

भायकर मिविनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज II, नई दिल्ली

नई दिरुर्ला, दिनाक 3 नवम्बर 1982

निर्देश स० भ्राई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०म्रार०-2/3-82/7021---श्रत सुक्षे, सुधीर चन्द्रा,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चान 'उस्त प्रधिनियम' हा गया है), की धारा 269-व के अप्रोग मजन प्रधिकारी की, यह विक्वाम करन का कारण है कि स्थानर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/नक्षये म स्रधिक है

ग्रीर जिसका स० कृषि भृमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली प्रणासन, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस्से उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वे नार्यालय नई दिल्ल में रिजस्ट्रीवरण श्रधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधान दिनार मार्च, 1982

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मूख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है चौर मुझे पः विषयाम करने का कारण है कि यथान्त्रींना समालि के तिच्याम करने का कारण है कि यथान्त्रींना समालि के तिचन बाजार मूला, उनके दृष्यमान प्रतिफल ने, है। दृष्यमान प्रतिफल का तन्द्रह् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरको) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐमे प्रस्तरण के लिए तम गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में खन्त अन्तरण लिखिन में बाम्निकि कर ये कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किनो भ्राय की बाबत सक्त भ्राधि-नियम क भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य मे कमी करन या उसमे बचने में पुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1924 (1922 का 11) या उनत ग्रंधिनियम, या धन-कर श्रंधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अत, उनत प्रशितियम की धारा 269-प के धनुनरण में, में, उनत पश्चितियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निस्तिवित् स्मित्सों, स्पति (--- श्रः सुरर्जात सिंह सुपुत्र श्रां प्रांतम सिंह और श्रामती रिष्म भिल्ला सुपुत्री श्री देसा सिंह घोपडा, निवासः ग्राम बुरारी, दिल्ली प्रशासन दिल्ला द्वारा जा० ए० श्रा बलदेव राज,

(श्रन्सरक)

2 श्री पुनात म्रानन्द सुपुत्र श्रा वेद, सुपुत्र श्री ताराचन्द प्रकाण, निवासी 46, डिफेंस कालोनी मार्केट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिता)

को यह पूजना जारो कर के प्रजॉक्त सम्मति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपन में प्रकाशन की नारी का से 45 विन की प्रविध था तस्तं केशी क्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में सभापन होती हो, के भीतर पूर्वीका क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना क राजपत्र में प्रकारन को नारी खास ४० दिन क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकत किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:---क्समें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया सवा है।

# नन्त्री

कृति स्मि तादादा 4 बीघे, श्रीर 2 बिग्वे, एरिया ग्राम ब्रारी, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रिधकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नाराख 3-11-1982 मोहर: प्रेंस्प बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न्न (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-11, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवस्वर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू-2/एस०श्चार०-2/3-82/7022—श्रतः मझे, स्धीर भन्द्रा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्राम-बुरारी, ¦दिल्ली प्रशासन, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इनसे उपाबक श्रनुसूच में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उब्विय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्रीमती दलजात भल्ला पत्नी श्री, सुरर्जान सिंह भल्ला एण्ड श्रीमती रूप राना पत्नी श्री प्रातम सिंह भल्ला, दोनों निवास ग्राम-बुरारा, दिल्ल प्रणासन, दिल्लं . हारा जा० ए० श्री बलदेव राज सुपुत श्री ताराचन्द । (अन्तरक)
- 2 श्रामतः धरम देवा मुनुतः श्राः राम सरन दास भसःन, निवासो-46, डिफेंस कालोनोः, मार्केट, नई दिल्लः। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

हृषि भूमि का 2/3 भाग भूमि नादादी, 3 बिघे एण्ड 1 बिग्ने (उतरी भाग) मुस्तातील नं० 122, किला न० 5/1, स्थापित-ग्राम-बरारी, दिल्ली प्रभासन, दिल्ली।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम ग्रधिकारः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारंखि: 3-11-1982

मोहार :

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० छाई० ए० सी०/एक्यू-2/एस० छार०-2/3-82/6929—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-किरोड़ी सुलेमान, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर जो पूर्ण

में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनोक मार्च, 1982

क्य से वर्णित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कें]
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान श्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और
धस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स किस्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कभी करने या **एससे बचने में सुविधा के** सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधितियम, या घत-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में युविधा के लिए;

स्रतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की जपकारा (1) के अभीन निम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- शी ताराचन्द सुपुत्र श्री मीरीनिवास, श्री सुभाष चन्द सुपुत्र श्री हरी राम, श्रीमती जावन देवी विधवा पर्ती श्री सीरीनिवास श्रीर श्रीमती रेनु देवी, पर्ती श्री सुमाव चन्द, निवासी किरोड़ा सुलेमान, दिल्ली।
- (अन्सरक) 2. श्रा विनोद कुमार सुपुत श्रा सीरीनिवास, निवासो-एच-122, ग्रगोक बिहार, दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खकत सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्दो का, जो उकत प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अमसची

क्रुषि भूमि तादादी, 9 बीघे 14 बिग्वे, स्थापित-ग्राम-किरोड़ा सुलेमान, विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीख:** 3-11-1982

मोहर ः

प्रकृप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-2/3-82/ 7026---म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मन्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली प्रशासन दिस्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिस्ली के भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक मार्च, 82

को पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविध्य के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--4--376 GI/82

 श्री बलजीत सुपुत्र श्री इन्द्राज, निवासी ग्राम-बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 मै० वी० के० इलैक्ट्रिक कं०, 1173, कुचा महाजनी चांदनी चौक, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि (1-13) खसरा नं ० 122/15/1/2, ग्राम-ब्रारी, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, विल्ली

दिनांक 3-11-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

# नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-पूठ कलां, दिल्ली-41 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च 1982,

को पूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य में काम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरफ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  छोटू राम सुपुत श्री छंगा, निवासी ग्राम पूठ कलां, दिल्ली-41

(भ्रन्तरक)

2. श्री रणबीर सिंह सुपुत्र श्री छोटूराम, (2) संतोश देवी, (3) धनपति मुपुत्रीगण श्री छोटूराम, निवासी ग्राम श्रीर पो० पुठ कलां, दिल्ली-41

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शैतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिलग जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया हैं।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 20 बीघे 3 बिश्वे, जो सम्पूर्ण भूमि 40 बीघे 56 बिश्वे का 1/2 भाग है, ग्राम पूठ कलां, दिल्ली-41 में स्थित है, खसरा नं० 2/2/15, 24/1, 25/1, 3/17, 18, 19, 23, 48/23/2, 24/2, 53/5, 6/1, 60/4, 106/37।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक: 3-11-82

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

ब्रायकर अधिनियम 1981 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

मार्न तरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/3-82/9049--- ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन मध्य प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का का**रण है** कि म्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ह० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० ए०-20, है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 82 को पूर्वोक्त सपत्ति के उाचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांश सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का यन्द्रह प्रतिपात अधिक है सौर भन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निनिबिन उद्देश्य मे उन्त अन्तरण निवामें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से सुद्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अपनिर्दा बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में मुविधा के निए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को बारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीम, निम्निसिश व्यक्तियों, अभीत् ६---  श्रीमती खीला पत्नि श्री कंवर सिंह, निवासी ग्राम नवादा, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० मनमोहन सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी एन०-92, कीर्ती नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जा के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इप मूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध; को भी
  अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तित्यों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस प्वता ह राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

म्बड्टीकरण:--इसमें प्रपुत्त सन्दों प्रीर पदों का, श्री असत प्रश्नित्यम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

2-1/2 मंजिला मकान नं० ए-20, कीर्ती नगर, नई दिल्ली, एरिया ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली, तादादी-175 वर्गगज।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिनांक: 3-11-1982

## प्ररूप भाई० टी० एन● एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 3 नवम्बर 1982

निवेश स० ब्राई० ए०मी०/एसयू०-2/एस० ब्रार०-1/3-82/9052—ब्रतः मुझे, मुधीर चन्द्रा ब्रायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ब्रधीन सभाम प्राधिकारी की पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिनका उनित वाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० ई०-38, है तथा जो रणजीत सिंह रोड, प्रादर्ण नगर, ग्राम भारौला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मार्च 82

- को पूर्वोक्त समानि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित को गई है सौर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफन ने ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्वह प्रतिशत से सक्षिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छद्य्य में खबत अन्तरण लिखित में बास्तविक ऋप में कथित नहीं किया गया है:--
  - (क) अन्तरण से हुई किसा आग को बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बचने में पुविधा के लिए; और/या
  - (म्ब) ऐसी किसो जार या किया घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारताय आयकर मिस्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिस्रिनियम, या घन-कर भिक्षिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा छिपान में सुविधा के खिए;

प्रताक्षत्र, जनतं प्रधिनियमं की घारा 269 ग के प्रनुतरण में, में, जनतं अधिनियम की धारा 269 श्व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिखियतं व्यक्तिमों प्रधित् :---

- मैं० मित्तल कंस्ट्रक्शन कं०, ई-38, श्रादर्श नगर, दिल्ली, द्वारा भागीदारी श्री दया राम मित्तल श्री बृज मोहन मित्तल और श्रीमती मनभारी देवी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रामेश्वर श्रग्रवाल सुपुत श्री केशो श्रग्रवाल, मार्फत श्रजय श्रायल इण्डस्ट्रीज, ई-40, इण्डस्ट्रीज एरिया, सोनीपत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में <mark>कोई मी आक्षेप:</mark>---

- (क) इस मूचना के राषात्र में प्रकाशन की नारी ख से 45 दिन ही अवधि या तत्मम्बाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, औ भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रम्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

#### अनुसूची

प्लाट नं ० ई-38, तादादी 375 वर्गगज, स्यापित-रणजीत सिंह रोड, भ्रादर्भ नगर, एरिया ग्राम-भरौला, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, दिल्ली

तारीख: 3-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 नत्रम्बर 1982

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/3 82/8990—-अतः मुझे, सुधीर जन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है तथा जो कीर्ती नगर, एरिया बसईदारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक्र रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :--

- 1. श्री गोबिन्द राम सेठी सुपुक्ष श्री जन जगननाथ निवासी एच-49 कीर्ती नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
- 2. श्री केवला देवी श्रार्या (2) सुमिह्ना देवी श्रार्या (3) सूर्या प्रकाश भार्या, (4) गीता जैसवाल श्रीर (5) शशी श्रार्या, सभी निवासी-हावड़ा,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् हे—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूची

प्रो० नं० एच०-49, तादादी 200 वर्गगज, स्थापित श्राबादी 'कीर्ती नगर,' एरिया बसईदारापुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-2, विल्ली, नई विल्ली

दिनांक: 3-11-1982

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 3 नवम्बर 1982

निदेश सं० म्राई०ए०सी०/एक्य्०/2/एस० भ्रार०-1/3-82/ 9035—म्रन: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2189 है तथा जो (पुराना 1406), कुचा श्रिकलखान, कुचा जान खान में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय, श्रकानी कलां मस्जीद बाजार सीताराम, दिल्ली भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री ग्रशोक कुमार कपूर सुपुत्र श्री दीना नाथ कपूर श्रीर श्रीमती कमलेश कपूर, पत्नि श्री अशोक कुमार कपूर, निवासी 2189 कुचा अखिकल खान बाजार सीताराम, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कैलाश मेहरा सुपुत श्री लाला जगन नाथ मेहरा, निवासी-807 कटरा नील चान्दनी चौक, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वितयों में से किमी व्यक्ति स्वारा;
- (थं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# वन्त्रची

2189 (पुराना नं० 1406), बना हुग्रा प्लाट तादादी 72 वर्गगज, कुचा श्रक्तिल खान, कुचा जान खान, श्रकाबी कर्लो मस्जिद, बाजार सीता राम, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 3-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निदेश मं० भ्राई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-2/3-82/

7040---श्रत : मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम तेजपुर खुर्द, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर १ समें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितियां उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निम्नित में नास्निवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपासे में स्विधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त प्रिवित्यित का श्रास 269-म के स्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रिवित्यम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के स्रोतीन, निस्नलिखित क्यक्तियो स्राथीत :---  श्री राम नारायण सुपुत्र श्री जग लाल, निवासी-तेजपुर खुई, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गुरदयाल कौर पत्नि एस० प्रीतम सिंह गिल, निवासी—श्री०-50, एन० कृष्णा पार्क, नजफ गढ, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से
  45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद फिसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
  के प्रास निक्षित में किए जा सकेंग '

स्यक्तीकरण:—- हममें प्रयुक्त अन्तों भीर पर्दों का, भी उमत धर्धिनयम र घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्ध होगा जो उम अन्याय में दिया गया है:

# अनस्**ची**

कृषि भूमि नादादी 7 बीघे 2 बिश्वे, स्थापित-ग्राम-तेजपुर खुर्द, दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनोक: 3-11-1982

प्रकप् भाइं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यांलय, सङ्गायक आयक र आयुक्स (निरीक्षण)
श्रजैंन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 3 नवस्वर 1982

निदेश सं० आई० ए०सी० /एक्यू०/2/एस आर०-2/3/-83/6995—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम झरोदा कलाँ, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक मार्च 1982

को प्योंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उचत जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; आँर√या
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात्:——  श्री श्रीथी सिंह सुपुत्र श्री सुभ राम, निवासी—ग्राम ग्रीर पो० झरीदा कलाँ, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

2. श्री दीप चन्द सुपुत्न श्री धरमा, श्रीमती हंस कौर पित्न स्व० श्री चिरंजी लाल, निवासी—ग्राम श्रौर पो० झरौदा कलां, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि तादाधी 9 बीघे 12 बिक्त्रे, खसारा नं० 31/3/1, 31/3/2, 31/3/3, 31/4 ग्राम भरौदा कलां, नई दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली 110002

दिनांक: 3-11-1982

मोहरः

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2,

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982 निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०/3-82/ 7033—-श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तिस जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम पालम, नई दिल्ली-45, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल जिम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविद्ध रूप से कथित नहीं किया भया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत; उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में पुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्योजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रन ग्रम, उक्त गिष्ठिनियम की भारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——
5---376GI/82

 श्री ताराचन्द सुपुत श्री छोटू, निवासी ग्राम श्रौर पो० पालम, नई दिल्ली-45

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बी० के० कलसी पत्नि श्री सरूप सिंह, मार्फत श्री ग्रजीत सिंह, निवासी-149 विष्णु गार्डन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

भूमि तादादी 2 बीघे, ग्राम पालम, नई दिल्ली-45

सुधीर **प**न्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 3-11-1982

मोहर्

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) को अभीन स्**भ**ना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2,

नई दिल्ली, विनाक 3 नवस्थर 1982

निदेश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०म्रार०-2/3-82/ 6944--म्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 200 वर्गगज है, तथा जो ग्राम तिहाइ, दिल्ली नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1982

को पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- 1. श्री जसबीर सिंह सुपुत्र जगवीश सिंह, निवासी 17/35, तिलक नगर, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री खोम चन्द सुपुत्र श्री राम चन्द, निवासी 17/ 36 गीता कालोनी, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असस्त्री

200 वर्गगज , ग्राम तिहाड़, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-2, दिल्ली।

दिनांक: 3-11-1982

प्रकृप धाई । टी० एन । एव ।

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व(1) के प्रधीन सूचता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/3-82/6948-—श्रनः मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन संज्ञम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम झरौदा, मजरा बुरारी, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मार्च 82

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त ग्रीविनियम के श्रीन कर देने के ग्रन्तरक के वासिस्व में करने या उससे अजने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरतीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा की 269-गके प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकृति !— (1) श्री एस० धर्म सिंह सुपुत एस० बटन सिंह, निवासी-8629 किंगन गंज, गौ साला मार्ग, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मास्टर राहुल पी० गोयल सुपुत्र एस० वेद प्रकाश, निवासी सी-54/2 'द' माल, विल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त नव्यति के प्रार्वन के यव्यस्य में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप पूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 10 बीघे और 19 बिग्वे, बना हुआ खसरा नं० 15/1(4-16), 16-5/1(3-3), 16/6/2(3-0), ग्राम—सरौदा, मजरा बुरारी, दिल्ली

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

विनांक: 3-11-1982

# प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2,

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० श्रार०-2/3-82 6961—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिस की संख्या कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम तेजपुर खुर्व, विल्ली में स्थित ह(श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से शुर्ह किसी आय की बाबत, उन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :-- (1) श्री राम नरायण सुपुत्र श्री जग लाल, निवासी-ग्राम-तेजपुर खुर्द, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बिशन कुमार, ब्रह्म प्रकाश श्रौर विजय पाल सुपुत्रगण श्री राम नारायण, निवासी—प्राम-तेजपुर खुर्दं दिल्ली ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याथ में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि तावादी 10 विषे 11 विषवे, स्थापित-प्राम—तेजपुर खुर्द, दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3 नवम्बर 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्वेश मं० भ्राई० ए. सी०/एत्रयू०/2/ एस० भ्रार०-2 3-82/6941--अतः मुझे, सुधार चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसका स० भूमि है तथा जो ग्राम-ममूरपुर नरेला, दिल्ल. प्रशासन दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत ताराख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थातु :--- 1. श्रा राम किनश सुपुत्र श्री फूले, निवासी---ग्राम--ममूरपुर नरेला, विल्ला प्रशासन दिल्ला।

(ग्रन्तरक)

 श्री राम चन्दर, श्री राम किश्रान ग्रीर श्री दया नन्द, सभी मुपुत्रगण श्री माया राम, सभी निवासी-40-पाना उदयन नरेला, दिल्ली प्रभान दिल्ला-40 (ग्रन्तरिता)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की शामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 19 बिघे 8 बिग्वे, स्थापित —-प्राम— ममूरपुर नरेला, दिल्ला प्रशासन दिल्ली।

> सुधोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II विल्लो, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-11-1982

प्रकप भाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जनरेज-II, नई दिल्ली

नई, दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश मं० म्राई० ए० सा०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-2/3-83/6931—-यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम किरोड़ी सुलेमान, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारताय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान नाराख मार्च, 1982

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्धेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त मिश्रितियम की बधीन कर दोने के मन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे वृषने में सुविधा के सिए; ब्रॉट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृत्ः— श्री तारा चन्द सुपुत्र श्री सीरा निवास सुभाष चन्द सुगुत्र हरी राम, श्रामती—-जावन देवी विधवा पत्नी श्री सीरी निवास, श्रौर श्रामती रेनु देवा पत्नी श्रा सुभाष चन्द्र, निवासा-ग्राम---किरोड़ा सुलेमान, दिल्ला।

(म्रन्तरक)

2. श्रां सीरी निवास, सहदेव मील, सुरान्त्र कुमार सुपुत्रगण श्रा एन० दास, निवासी --बहादुर गढ़, हरायाणा। (भ्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्**स्**ची

कृषि भूमि तादाधी 4 बिचे 12 विषवे, स्थापित—ग्राम— किरोई। सुलेमान, दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज II, विल्लो, नई दिल्लो-110002

विनांक : 3-11-82

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सा०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-2/3-82/6992---यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० जुिष भूमि है तथा जो ग्राम—मसुदाबाद, न जंकगढ़, दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्राकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय नई दिल्ली में भारताय रजिस्द्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीदान, नारीख मार्च, 1982

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना माहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः——  श्रामती तारा टन्डन पत्नी श्री एम० सी० टन्डन निवासी—बी०/7 एन० डी० एम० ई० भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती भारतो देवी पत्नो श्री मदन लाल टन्डन, निवासी-2563, तेलियारा, दिल्ली।

9

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्सम्बनी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि ताबावी 5 बिघे 17 बिघवे, (म्राउट आफ 13 बिघे भौर 15 बिघवे) खसरा नं 33 मिन (3—8), 35 मिन (3—10), 34 मिन (3—8), 32 मिन (3—1); भौर 40 मिन (1—8), स्थापित ग्राम—मसुदाबाद, उप-तहसील—नजफगढ़, नई दिल्ली।

> सुधीर अन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-11-1982

मोहर 🖫

## प्रकप बाई० टी॰ एन॰ एस॰----

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज- , नई दिल्ली

नई दिल्लं, दिनाक 3 नवम्बर 1982

निर्देश म० श्राई० ए० स१० /एक्यू०-2/एम० श्रार०-2/3-83/6939---यत मुझे सुधीर चन्द्रा,

श्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिश्चित्यम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्षये से अधिक है

ग्रीर जिसके। स० कृषि भृमि है तथा जो ग्राम—हस्तसाल दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इमस उपाबद्ध अनुसूच) में पूर्ण कथ से विण्त), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तार ख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य मे कम क वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण सं हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मधि-नियम के भ्रधीन कर देने कं भ्रम्तरक के वागितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

श्रा एस० के० त्यागी सुपुत्र श्री ध्रा० पा० सिह, निवासी—ग्रीम—हस्तसाल, पा० उत्तम नगर, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

2 श्रामती केमर बाई पत्ना श्रा दौलत गम, निवास। वा०-2/1, ग्रणोक विहार भाग-2, दिल्ला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप 1--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं; बही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसुची

भूमि तादादो 1 बिघे, स्थापित ग्राम--हस्तसाल, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनिरेज-II, दिल्ली,नई दिल्ली-110002

ताराखा 3-11-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की • धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, नई दिल्लः

नई दिल्लाः, दिनांकः 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं अर्डि ए० सं ० /एक्यू०/2/एस० प्रार०-2/ 3-82/6996---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसका सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—कादीपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिट्राकर्ता ग्रिधिकार। के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तार्राख मार्च, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक सूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---6---376 GI/82 1. श्रा इन्द्रजात सिंह माहना सुपुत्र एल० दियान चन्द माहना, निवासा--डा०-1/7, राजोरा गार्डन, नई दिल्ला।

(भ्रन्तरक)

2. श्रा मुभाव खन्ना आंर छादर खन्ना सपुत्रगण श्री केदार नाथ खन्ना, निवासा—नं० ओरिजानल रोड, करोल वाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितः)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### सम्बद्धी

कृषि भूमि तादादी 14 विषे 8 बिश्वे खसरा नं० 1347 (4-16), 1346 (4-16), 1328(4-16), स्थापित—ग्राम—कादीपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-∏, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 3-11-1982

प्ररूप गाई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

े निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० प्रार०-2/ 3-82/6993—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात उक्त विधिनियम कहा गया है) की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से विधिक हैं.

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—मसुदाबाद, नजफगढ़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वे क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्तह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ भाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिजित में बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 श्रीमती तारा टंडन पत्नी श्री एम० सी० टंडन, निवासी—बी०/7 एन० डी० एस० ई० भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भारती देवी परनी मदन लाल टंडन, निवासी-2563 तेलीवारा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिमा गया है।

## अमुसूची

कृषि भूमि तावादी 4 बिघे श्रौर 17 बिश्वे, (श्राउट श्राफ 5 बिघे श्रौर 18 बिश्वे) स्थापित — ग्राम मसुदाबाद, उप-तहसील — नजफगढ़, नई दिल्ली, खसरा नं० 35 मिन (2—10), श्रौर 34 मिन (3—8)।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः गयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :——

तारीख: 3-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

# आयुक्तर मिश्रिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/3-82/7002---यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा ग्रायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इसमें इस दे पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व क अवोच नजा प्राप्तिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-व्यए में ग्रांधक है

ग्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—हैबतपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्जट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विक्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूरा उनके दृश्यमान प्रतिकत ने, ऐसे यूश्यमान प्रतिकत का पन्हे प्रतिशा में अधिक है और अन्तरक (सन्तरको) और धन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐस धन्दरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक कर में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी धाव की बाबत, छक्त धीधनियम के धन्नीत कर देने के घण्तरक के बावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या;
- (॥) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर भिश्तियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अत्र, उसर प्रधितियम की प्राप्त 269-म के धन्तरण में, में अस्त प्रधितियम को नारा 269-म की उपधारा (1)

के अधीन निम्नुसिन्धित व्यक्तियों , अधित:--

 श्री सत्यार्थ प्रकाश, ग्रमर नाथ, विद्या सागर, श्रीर रिशी पाल सुपुत्रगण श्री सीतल दास, निवासी ग्राम—हैंबतपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

2 श्री राज कुमार सुपुत श्री नानु राम, निवासी-942 नजफगढ़, नई दिल्ली।

(बन्तरिती)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धालेंग :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों । पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवित्त, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वनित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितक के किसो भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास निश्चित में किएजा सर्केंगे।

स्पष्टी तर ल:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्स सिधिनयम के अध्याय 20-क में परिमाचित है, वहा अर्थ होगा जो उन ग्रन्थाय में दिया गरा है।

#### अनसची

कृषि भूमि तादावी 1--किला, खसरा नं 98, ग्राम---हैबतपुरा, नजफ गढ़, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 3-11-1982

# प्रस्प भारी टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 2, नई विल्ली नई दिल्ली; दिनांक 11 नयम्बर 1982

निदम सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० म्रार०-1/ 3-82/9069—-यतः मृझे, सूधीर चन्द्रा

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी संख्या श्रोबराय श्रपार्टमेंन्ट है, तथा जो 2-णामनाथ मार्ग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 को 16)के श्रधीन मार्च, 1982

में पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के सिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैसर्स ईस्ट इण्डिया होटल्स लि० 7-शाम नाथ मार्ग, बिल्ली-54।

(अन्तरक)

2. नन्द्र बाला ढीलन, 2-शाम नाथ मार्ग, दिल्ली-54।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसूची

श्रपार्टमेंट न० टेरेस 6, ब्लाक-सी०-II, श्रोबराय श्रपार्ट-मेंट, 2-शाम नाथ मार्ग, दिल्ली-54।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-11-1982

प्रारूप आह्र.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०-2/एस० श्रार०-1/ 3-82/9037—यसः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2-शाम नाथ मार्ग है तथा जो श्रोबराय ग्रपार्टमेंट, 2-शामनाथ मार्ग, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च-

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपलि बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, एसं दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  मैसर्स ईस्ट इण्डिया होटल्स लि०, 7-णाम नाथ मार्ग, दिल्ली-54।

(म्रन्तरक)

 श्री जे० श्रार० लाल, श्रोबराय डुप्लेक्स नं० 8, ब्लाक-सी-II, 2-शाम नाथ मार्ग, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारांख से 45 दिन की अवधि या तत्मेंबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पब्दोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। गया हाँ।

## अनुसूची

ग्रोबराय भ्रपार्टमेंट डुप्लेक्स नं० 8, ब्लाक-सी०-II, 2-शाम नाथ मार्ग, दिल्ली-54।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 2, दिल्ली,नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-11-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 11 नवम्बर 1982

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० म्रार०-1/ 3-82/9041---यत मझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० 28, ब्लाक डी-1 है जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समित का जिचल बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री ज्ञान सिंह बेदी सुपुत्र सरदार राम सिंह बेदी, निवासी-बी-274, डेरा गाला नगर, दिल्ली। (प्रन्तरक)
- 2 श्री महादेव प्रसाद खरिकया सुपुत्र एल० श्री फुलचन्द खरिकया, गीता देवी पत्नी श्री महादेव प्रसाद निवासी-125-कटन स्ट्रीट (कलकत्ता)। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

क्ष मजिला मकान न० 28, ब्लाक-न० डी०-1, माडल टाउन, दिल्ली एरीया--511.6 वर्गगज।

> मुधीर अन्द्रा सक्षम प्रधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 11-11-1982 मोहर

# प्रकप् बाई. टी. धृनु, एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क भायकर भायक्क (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 9 नवम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० न्नार०-1/ 3-82/9036—यतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 2-शाम नाथ मार्ग है तथा जो श्रोबराय डुप्लेक्स अपार्टमेंट, 2- शामनाथ मार्ग में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त बन्तरण निखित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया क्या हैं:--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बायत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सियो; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 मै० दि० ईस्ट इण्डिया होटल्स लि० — 7-शाम नाथ मार्ग. दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री विजय विर वान्चू श्रौर श्रीमती कमला वान्चू, ग्रोबराय डुप्लेक्स-3, श्रोबराय ग्रापंटमेट, 2-णाम नाथ मार्ग, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थितताों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (■) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्थी

आंबराय अपार्टमंट, आंबराय डप्प्लैक्स-3, ब्लौक-सी-1 एड लान, 2-शाम नाथ मार्ग, दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-11-1982

## प्ररूप भाई० टी० एन । एस०

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश स० आई० ए० सीं०/एक्यू०-2/एस० आर०-2/ 3-82/6969---यत. मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए स प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम — सिंघु दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वाका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिक्रत ने ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रत का पन्दह प्रतिगत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बोब ऐने अन्तर्ग के लिए तय पाया गता प्रतिक्रत, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में दाहन्विक रूप भ कथिन तहां किया गरा है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कैमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग क भ्रनुसरण में में उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

- श्री दलेला एलीयम बाले, सुपुत्र श्री शिव नाथ, निवासी—ग्राम श्रीर पो० मिचु, दिल्ली।
- 2 मैमर्स लैन्ड एण्ड फाईनेन्स कं०, 3-डाक्टर्स लैन, गोल मार्केट, नई दिल्ली द्वारा उसके भागीदार श्री श्रार० सी० मेहता, इत्यादी।

(अन्तरिती)

**(अन्तर**क)

को यह प्रवता गारा करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का स 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी क्य क्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपन मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के श्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहा अर्थ होगा, जो उस श्राध्याय में दिशा गया है।

## वन्स्ची

भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिघवे, ग्राम सिम्, दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम श्रिधिशारी सहायक श्रायकर श्राथुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 9-11-1982

प्ररूप आहूर. थी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, अहमदाबाद

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/एम० भ्रार०-2/3-82/6970— श्रतः मुझे मुधीर चन्दा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम सिंधू दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908.का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमा

को प्योंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उमसे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री दलेला एलीयस बाले सुपुत्र श्री शिब नाथ, रिवासी ग्राम ग्रीर बी० सिब्, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 इन्टरनेशनल लैण्ड एण्ड फाइनेन्स कं०,
 अ डाक्टर्म लेन, गोल मार्केट, नई दिल्ली द्वारा उसके भागीदार श्री स्नार० मी० मेहता, इत्यादि । (अन्तरिती)

कां यह मुचना जारी करके पूर्वीवत सम्पन्ति के बर्जन के लिए भार्यगिष्ट्यिं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिग्वे, ग्राम 'सिंधु, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा , सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 , अहमवाबाद

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के नभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:---

मोहर :

तारीख : 9-11-1982।

7-376GI/82

प्रकृष आहु".टी.एन.एस.,------

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

, अर्जन र<sup>\*</sup>ज--2, भोपाल नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस श्रार०-2/3-82/6937—श्रत मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 27/72 है तथा जो पजाबी बाग, एरीया बसईदा-रापुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्स मपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मृल्य, उत्तर्क ने जिए के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिक उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीप्र/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (7922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

बतः बन, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्युक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्रीमती विद्या वती सेठ विधवा पत्नी श्री द्वारका दास,
  - (2) श्री प्रेम नाथ सेठ सुपुत्र श्री धारका दास सेठ,
  - (3) श्री कमल सेठ सुदुव श्री द्वारका दास सेठ,

निवासी: 27/72 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रोशन लाल चावला, (2) श्री जगवीश चावला सुपुत्रगण श्री मीठा राम निवासी: 1857, नूर गंज, पूल बंगस, दिल्ली।

(श्रन्तरिः।)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनदा सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काहि भी माक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिंच- बहुभ किसी अन्य क्यक्ति बुनारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकांगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनसूची

1/2 भाग प्रो० नं० 27/72 पंजाबी बाग, एरीया ग्राम-बसदंबारापुर, दिल्ली, तादादी 545 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 9-11-1982।

प्ररूप आई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

निर्देशसं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०-म्रार०-1/3-82/9002,-भ्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 65, ब्लाक 'डी' है तथा जो बाली नगर, एरीया बस इंदारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे ब्वने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

श्रतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निफिखित व्यक्तियो, अर्थाक् ः श्री सुरीन्दर कुमार सुपुत्र श्री शोरी लाल,

निवासी: सी०-63, बाली नगर, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

 श्री शोरी लाल सुपुत्र श्री गिरधारी लाल एण्ड देविन्धर कुमार सुपुत्र श्री शोरी लाल, निवासी: सी०-63, बाली नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के सिग्र कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं.!

## अनुसूची

2/3 भाग प्रो॰ नं॰ 63, ब्लाक 'डी' तादावी 255. 1/3 वर्ग गज (ग्रविभाजित) बाली नगर, एरीया ग्राम : बसह्वारापुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली, टोटल भूमि तादादी 383 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-11-1982।

मोहरः

गहप मार्किटी० एन● एस●──

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल नई दिल्ली, दिनौंक 9 नवम्बर, 1982

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/2/एस०-प्रार०-2/3-82/7061-प्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हो) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो श्रम्बर हाई, नियर कुतुव पुर तहसील नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1998 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविद्या के जिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों, अर्थात् ः—

- श्री राम स्वरूप सुपुत्र श्री शिब्बन ग्रौर राम धारी, करण सिंह सुपुत्र श्री तुहि राम, निवासी : ई०-66, मंगला पुरी, नई दिल्ली-45। (श्रन्तरक)
- श्री सतनाम सिंह सुपृत्र श्री लक्षमण सिंह,
   निवासी : बी०-77, भाग 2, मायापुरी,
   नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना हे राजाप्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर नकत स्थानर नमाति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

हपध्वीकरण .--इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उसन अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय प दिया गया है।

## अनुसूची

श्रविभाजित भूमि 1/2 भाग, भूमि तादादी 19 बिघे 13 विश्वे, मुस्तातील नं० 39, किला नं० 19, 23/2, 24/1, 24/2, श्रौर मुस्तील नं० 48, किला नं० 3, 4, स्थापित स्रम्बर हाई, नियर कुतबपुर, तहसील नजफगढ़, नई दिल्ली ।

(सुधीर चन्द्रा) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-11-1982 ।

मोहर 🖫

## भूक्य बाद् . टी . एव . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ध (1) के सुधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर, 1982।

निदेश सं० आई० ए०सी०/एक्यु०-2/एस०-आर०-2/3-82/7060-अतः मुझे सुधीर चन्द्रा ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उषित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रम्बर हाई, नजफ गढ़, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तुरण लिखित में बास्तिब्क रूप से किथा गया है:--

- (क) जनगरण से हुई किसी नाय की वायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के जुन्तुरक के वायित्व में कभी करने या सससे वचन ने सुनिधा के निए; बार/या
- (ए) एसी किसी आय या किसी धृत अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने यें सुविधा के लिए

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री राम म्बल्प सुपुत्र श्री शिख्यन श्रीर राम धारी, करण मिंह सुपुत्र श्री तुही राम,

> निवासी : ई०-66, मंगला पुरी, नई दिल्ली-45। (श्रन्तरक)

 श्री धरमदेव सोलंकी सुपुत्र मास्टर हरी किशन सोलंकी, निवासी : श्रार० जेड-2-ए/1, राज नगर, पालम कालोनी, नई बिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

### अनुसूची

श्रविभाजित भूमि 1/2 भाग, भूमि तादादी 19 बिघें 13 बिघें, मुस्ततील नं० 39, िकला नं० 19, 23/2, 24/1, 24/2 और मुस्ततील नं० 48, िकला नं० 3, 4 स्थापित ग्राम 3, 4, स्थापित ग्राम श्रम्बर-हई, तहसील नजफ गढ़, विल्ली ।

सुधीर चन्द्रा, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण भर्जन रेंज-2 श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-11-1982

प्रक्ष काई ्₁ टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रूज-।।, नह विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982 सं० फ्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० घार-1/3-82/9020-घतः मन्ने, मुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 1-सी/36 है तथा जो रोहतक रोड, करोल बाग, नई विल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपावड प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिस्ली में प्रधिनियम रजिस्ट्रीकरण, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मार्च, 1982।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चोहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री बचन सिंह, प्रताप सिंह और मुस्न्दिर सिंह, निवासी: 1-सी०/36, रोहतक रोड, करोल बाग, नई विल्ली।

(अन्सरक)

 श्री कमल कुमार, प्रबीन कुमार ग्रौर राकेश कुमार, निवासी: 3-सी/33, रोहतक रोड, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी<del>व से</del>
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति नं० 1-सी/36 रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली 2-1/2 मंजिला मकान का क्षेत्रफल 286.08 वर्ग गज ।

सुझीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्चन रेंज-<sup>II</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख: 9-11-1982

मोइस् 🖫

प्ररूप मार्च. टी. ९न्. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्वालय, स्हायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982 सं श्राई०ए०सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार-1/3-82/ 9027ए---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ल के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 5122 ए०, है तथा जो रूई मन्डी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उबाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, मार्च, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्निरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिवक क्ष्य से किया गृमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एरे गिकिसी आय गाकिसी थन या अन्य आस्तियों , जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम , 1922 ११७22 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखत व्यक्तियों, सुधीतु :--

- श्रीमती नरिसनी देवी पत्नी श्री विशेषन लाल, निवासी 1261, रंग महल, नोबेल्टी सीनेमा, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- श्रीमती भागवती देवी पत्नी श्रो सुरज भान, निवासी - रेवाड़ी, बारा हजानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारके से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुई, वहुँ कर्ष होता को अस्त अध्यास में विधा क्या है।

#### अमुसूची

म्युनिसीपल नं० 5122-ए, तादादी 107.6 वर्ग मोटर, छई मंडी, सदर बाजार, दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली।

नारीख: 9-11-1982।

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।।, नहाँ विल्ली नई दिल्ली, विनांक 9 नवम्बर, 1982

सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०-2/ए स० ग्रार-1/3-82/8997---ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० 2206 है तथा जो इलाका नं० 8, गली शंकर काली मस्जिद, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 15) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की ग्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्कित गृतिस्तयों, अधीत् :---  श्रीमती सत्यवती धर्मपत्नी श्री हजारी शेर सिंह नथा मुपुती पिडनराज जय नारायण, निवासी - 2208/12, भाग-2, बाजार मीताराम, दिल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री कैलाग चन्द सुपुत्र श्री ग्रजमोहन लाल व श्रीमती सन्तोष कुमार पत्नी श्री ग्रजमोहन लाल, निवासी-: 2255, गली डकोटान, तुर्कमान गेट, विस्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिक्ष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविक्ष, जो भी अविक्ष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

## अनुसूची

श्राधा हिस्सा बिला बटा हुश्रा, मिनजुमले सालिम बिल्डिंग एक मंजिला जिसकी ग्राउन्ड फ्लोर में दुकान मौजूद है, वमय एक टीन शेंड लगभग 320.09 वर्गगज, प्रो० नं० 2206 गली शंकर, काली मस्जिद, इलाका नं० 8, विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली ।

**सारीख**: 9-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नर्इ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982 सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू-2/एस० म्रार-2/3-82/6905—— म्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000.

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबंद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, मार्च, 82 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्ट अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं क्ष्मुं किसी काय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्रिधा के सिए;

भतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 8—376 GI/82 1. श्री इन्द्राज सिंह सुपुत्र श्री श्रमर सिंह, वे स्वयं ग्रीर जी० ए० श्रीमती धावपो देनी विधवा पत्नी श्री हरद्वारी लाल, रिव कुमार ग्रीर महेश कुमार सुपुत्र श्री चेत राम, ग्रीर पुरन लाल सुपुत्र श्री अमर सिंह, संरी भगवान गोदिलया सुपुत्र श्री राम कंवर, जयप्रकाश गोदिलया हुआ सुपुत्र श्री हरद्वारी लाल, निवासी: गली छावालीया, नजफगढ़, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री राज कुमार सुपुत्र श्री नानु राम,
   निवासी: 942, नजफगढ, नई दिल्ली।
  - (2) वेद प्रकाश सुपुत्र श्री मोहन लाल, निवासी: 605, नजफगढ़, नई विल्ली।
  - (3) पवन कुमार सुपुत्र श्री बाबु राम, निवासी: 193, नजफगढ़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे 7 बिघ्ने, मुस्तातील नं० 31, किला नं० 4/1, नजफगढ़, नई विस्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 3-11-1982

प्रकल बाह<sup>र</sup>. दी. एम्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

कार्य्यालय, श्राह्मयक ग्राप्यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज- , नई दिल्ली नई दिल्ली, क्षितांक 9 मचम्बर 1982

सं० न्नाई०ए०सी०/एक्यू-2/एस० भ्रार-1/3-82/8998---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित किसका उच्चित क्षावर स्थावर संपरित किसका उच्चित क्षावर स्थावर संपरित किसका उच्चित क्षावर संपरित किसका उच्चित किसका उच्चित

कौर जिलाकी सं० 2206 है तथा जो इलाका नं० 8, गली शंकर, काली मस्जिद, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1982

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अध्यक्ष है कि यथापूर्विक्स सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अध्यक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत कव विश्वतिक विश्वति विश्वत अन्तरण कि विश्वत में कास्तविक कप से कि धित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अब्बूबरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्रीमती खत्यक्ती पत्नी श्री हजारी गेर सिंह, सुपुत्री पंडितराज जय नरायण , निवासी-2208/13, भाग-2 बाजार सीताराम , विल्ली ।

(अन्तरक)

 श्री महेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री मुझा लाल व श्रीमती श्राणारानी पत्नी श्री महेन्द्र कुमार निकासी-3161 गली सुदामा बाजार सीताराम दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा स्माम्स होती हो, के भीतर व्यक्तिस क्षिकता में से किसी व्यक्तिस्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीख तसे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संप्रतित में हिन्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्काक्षरी के पस, सिक्सित में किए आ-सकोंगे।

स्पद्धकरण: ----इसमे प्रमुक्त शक्तों और पर्वों का, जो उपत अधिकियम, के जुध्कय 20 कि में पहिमहिकत हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

श्राधा हिस्ता बिना बटा हुग्रा निज्ञमुमले सालिम बिस्डिंग एक मंजिला जिसकी ग्राउन्ड फ्लोर में दुकान मौजूद है, वमय एक टीनशैंड लगभग 320 09 बर्गगज प्रो० नं० 2206 गली शंकर, काली मस्जिव बलाका नं० 8 दिल्ली।

> मुधीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , दिल्ली नई विल्ली।

तारीखाः : 9-11-1982

प्रसम्ब अनुद्रिक्ष टी॰ एत ० एम० -

स्रायहर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के प्रधीन स्वना

#### भारक मरकार

मन्दर्गलय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 9 नवम्बर 1982

सं० ब्राई०ए०सी०/एक्यू-2/एस० श्रार-1/3-82/8993----श्रत:, सुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर प्रिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् <sup>क</sup> उक्त प्रिमिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के प्रधीन सन्नम पाक्षिकारी की प्रह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिस म उनित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रिक है

गौर जिसकी सं० ए-11 है तथा जो 45-द माल दिल्लो में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पितफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकार अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्तलिखित उद्देश्य न उना अनारण लिखित में बास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण म हुई किसा अग्य को बावत उक्त प्रधि नियम कथ्रधीन कर देने कथन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसम बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो ग्राय या किसो शत या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या श्वन-कर ग्रिशिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः शव, उनत् ग्रिधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, छक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ध की उपन्यास (1) के भूभीन, निम्निशिक्षित व्यक्तियों, वर्णत् :--  मैं० रेन्टी असं एण्ड फाइनेन्सी यर्स प्रा० लि० 45-दी माल दिल्ली-7।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पूनम बाधवा पत्नी श्री सुधीर बाधवा निवासी: 24/21 शक्ति नगर विस्ली।

(ग्रम्लरिती)

को यह सूचना जारी करके पृक्षांचन सम्परितः को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन क उप्पना में काई मा अन्क्षेत्रः ---

- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की जारी का से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूझी कर व्यक्तियों मे ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपका में प्रकाशन की तार्राक्क सें 45 दिन के भींतर उक्त स्थावरः सम्मत्ति में? हिंतक बद्ध किसी अन्य अपनित द्वारा अधोक्काकारी, की पास निश्चितः में किए जा सक्ती।

्रवदीकरग:—-इसमं प्रयुक्त गम्बों भीर पर्वाका, जो उक्त ग्रंथिनियम के श्रष्टपाय 20क में परिकाधिका, है, कही प्रयं होना, जन उस प्रध्याय में, विया गया हैंं।

### अनुसूची

फ्लैट नं ० ए-11, ताबाधी 110 बर्ग मीटर 45 दी माल दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारीः सहायक श्रायकर श्रायुक्तः (निरीक्षण) श्रिजन रेज-II, दिल्ली, नई विल्ली

तारीख : 9-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, 9 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० |2|एस० श्रार-2| 3-82/6968—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-सिधु, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की आअत, उच्क अधिनियम के अधीन कर वाने के अस्तरक के वास्तित में करी गरने प्रायससे अच्चों में स्विधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

 श्री दलेला एलीयस बाले, सुपुत्र श्री शिव नाथ, निवासी—— ग्राम श्रौर पो० सिंधु, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. इन्टरनेशनल लैन्ड एण्ड फाइनेन्स कं०, 3-डाक्टर्स लेन, गोल मार्केट, नई दिल्ली द्वारा उसके भगीदार श्री श्रार० सी० मेहता, इत्यादि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्यादरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

भूमि तादावी 4 बीघे 16 विश्वे, ग्राम-सिंधु, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्राक्षण) भ्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 9-11-1982

मोष्ठर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) हार्जन रेंज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० श्रार/-2/3-82/6971—यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-सिंधु, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1982

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रसिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्तु अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृषिधा के लिए;

 श्री दलेला एलीयस बाले सुपुत्र श्री शिव नाथ, निवासी—-ग्राम ग्रीर पो० सिंधु, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 इन्टरनेशनल लैण्ड एण्ड फाइनेन्स कं०, 3-डाक्टर्स लेन, गोल मार्केट, नई दिल्ली द्वारा उसके भागीदार श्री श्रार० सी० मेहता, इत्यादि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुस्**ची

भूमि तादादी 8 बीघे 4 बिश्वे , ग्राम-सिंधु, दिल्ली .

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिति व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख: 9-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

असबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

### भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश'सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस ग्रार-2/3-82/6967—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तक पश्कात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 259 के को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-सिधु, विल्ली में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करले का कारण है कि समापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्ति शितयों) के बीच १०० तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का पन्ति जियों ने बार कर कर अन्तरण कि नियं में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुर्द जिस्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजिल्य में कमी अरमे या उससे कममें में सुविधा के लिए; और/था
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री दलेला एलीयस वाले सुपुत्र श्री शिव नाथ, निवासी— ग्राम और पो० सिध, दिल्ली

(श्रन्तरक)

2. इन्टरनेशनल लैण्ड एण्ड फाइनेन्स कं०, 3—डाक्टर्स लैन, गोल मार्केट, नई विल्ली, द्वारा उसके भागीदार श्री श्रार० सी० मेहता, इत्यादि,

(भन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.म सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भी र उका स्थावर मम्पति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पछीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गका हैं।

# अनुसूची

भूमि तादादी 8बीघे 8 बिग्वे, ग्राम-सिंघु, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>, दिस्ली, नई विस्ली-110002

तारीख: 9-11-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  ${
m z}$ र्जन रेंज $^{-1}$ I, नई दिल्ली  ${
m r}$ नई दिल्ली, दिनांक  ${
m 9}$  नवम्बर  ${
m 1982}$ 

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू/2/एम० भ्रार-1/3-82/9025—यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ ए. से अधिक है और जिसकी संस्था मकान नं 5/22-ए, है, तथा जो रूई मंडी, दिल्ली सदर वाजार दिल्ली में स्थित है (और इसम उपाबद्रध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के रूपयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तर्रारितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्रीमती नरायनी देवी पत्नी श्री बसेहशर लाल, निवासी——
   1261 रंग महल, नवेल्टी सीनेमा दिल्ली
  - श्री रमेश चन्द सुपुत्र श्री सूरज भान, निवासी—-बाड़ा हजारी रेवाड़ी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क्ररके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज़क्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

प्रो॰ तादावी 107.6 वर्गमीटर के साथ दो बुकान, म्युनि-सीपल नं॰ 5122-ए, रुई मण्डी, सदर आजार, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-11-1982

मोहरः

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस श्रार०-1/ 3-82/8983—यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1391 से 1400 है, तथा जो वार्ड नं० 5, मालीवाड़ा, दिल्ली-6 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च 1982,

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-सत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः मंग उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- पोकर मल जैन सुपुल स्व० श्री घासी राम, निवासी— 3739 गली जामादार, पहाड़ीधीरज, विरुत्ती,
   (2) श्रीमती घीला देवी पत्नी श्री घाविनाथ जैन, निवासी—1/5334, गली नं० 14, बलबीर नगर, एक्सटेनशन, शाहदरा, दिल्ली-6
- 2. श्री श्रगोक कुमार जैन सुपुत्र श्री सुमत प्रसाद जैन श्रीमती सविता जैन पत्नी श्री श्रगोक कुमार जैन, निवासी—25, कैलाग श्रपार्टमेंट, नई विल्ली (श्रन्तरिती)

क्येयह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्याक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

## अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 1391 से 1400, बार्ड नं॰ 5, मालीबाड़ा, दिल्ली-6, एरिया 166 वर्ग गज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-11-1982

### प्रकृप आई० टी० एन० एस•-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 260-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

प्रजन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982 निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-2/

3-82/6910—यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा, भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा

१८,५-स के अभीन एक्ष्म पाधिकारी का यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/ रा में अधिक **है** 

श्रौर जिसकी सं० कृषि भिम है, तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को प्वािंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ष है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक त निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाप्यत्व म केसा करन या उसस बचन म साबिध। क लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, ष्टिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
9—376 31/82

- 1 श्री पवन कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री तिलक राम, निवासी—156, भाग-2, गुजरनवाला टाउन, दिल्ली (भ्रन्तरक)
- 2. श्री खेराती राम पुरी सुपुत्र स्व० श्री खडक सिह निवामी---50-सुनेता कौफी परेड कोलबा, बम्बई-5। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में ऋदे भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 2 बिघे 11 विघवे, खसरा न० 510 ग्राम—बुरारी, दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-<sup>1</sup>I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 3-11-1982

# 

आयकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज-2, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० /एक्यू/2/एस० मार०-2/3-82/6988---यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम—बुरारी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्रा श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982,

को प्वेंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिंतफल के लिए अन्तरित की गईं है निर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का अधिक बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिस्ता से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कत, निम्नितिश्वित उद्योग्य से उस्त अन्तरण कि चित में बास्तिष्क रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुर्क किसी शाम की बाबत उन्तर श्रीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

 श्री देव दत्त भ्रोर परमा नन्द सुपुत्रगण श्री राम सिंह, निवासी—ग्राम बुरारी, दिल्ली

(भन्तरक)

 श्रीमती शामा जैन भौर सन्तोष जैन, निवासी---886-एल, किदार बिल्डिंग, सब्जी मंडी, दिल्ली

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्बद्धिक के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त स्थिकताों में से किसी स्थिकत बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वकाश्वरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

#### अनुसूची

भूमि तावादी (1-19) खसरा नं० 515/1, ग्राम---बुरारी, दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई दिस्ली

नई दिल्ली, विनांक 3 नवम्बर 82

निदश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-2/ 3-82/6994—यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम—मसुदाबाद, नजफ़ गढ़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के ग्रधीन तारीख, मार्च 1982,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में सस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती तारा टंडन पत्नी श्री एम० सी० टंडन, निवासी—वी/7 एन० डी० एस० ई० भाग-2, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- श्रीमती भारती देवी पत्नी श्री मदन लाल टंडन, निवासी—2563 तेलीवाड़ा, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सृभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 विन के भीतर जक्त सम्पत्ति में हितबद्धा
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास
  सिस्सित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### **अम्**स्ची

कृषि भूमि तावाषी 3 बिघे और 1 विश्वे, (श्राउट ग्राफ 6 बिघे और 9 विश्वे), खसरा नं० 32 मिन (3-1), श्रौर 33 मिन (3-8), स्थापित ग्राम— मसुदाबाद, उप-शहसील नजफ गढ़, नई विल्ली ।

सुधीर धन्द्रा सक्षम प्राधिकारी -सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 3-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्जी

नई विल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०/3-82/6966---यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम—सिंधु, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितियत उद्योग्य से उसक अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजूने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, चिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्

 श्री जागे श्रौर बस्तावर सुपुत्नगण श्री मिश्री, निवासी---प्राम सिंधु, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. इन्टरनेमनल लिण्ड एण्ड फाईनेन्स कं०, 3-डाक्टर्स लैन, गोल मार्केट, नई दिल्ली द्वारा भागीदार श्री आर० सी० मेहसा, इत्यादि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि तादादी 9 बिघे ग्राम--सिंघु, दिन्ल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयर्कर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 9-12-1982

प्ररूप भाष्ट्र. दी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सि॰/एवयू/2/एस० श्रार०-2/3-82/7019---यतः, मुझे, सुधीर शन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 '1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथ जो खसरा न० 275 लाल डोरा, ग्राम—बिन्दापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपादद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रुजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिंधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982.

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंक्त नम्पित का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दश्यमान प्रतिफल का पदृष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन्, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती भ्ररिवन्दर कौर भ्रानन्द पत्नी श्री जगतार सिंह श्रानन्द निवासी—32/78 पंजाबी बाग, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. मै॰ आरती इन्डस्ट्रीज, ग्राम--बिन्वापुर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित मो हितबद्यथं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित मों किए जा स्कोंगे।

स्यस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

2 कमरे के साथ बना हुग्रा चहारदीवारी भूमि की तादादी 205 वर्ग गज, खसरा नं० 275, स्थापित—लाल डोरा, ग्राम—विन्दापुर, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) मर्ज रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-11-1982

प्रस्थ आइं.टा.एन गस . -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-2/3-82 6965---यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उभित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम—सिधु, विल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विल्ली है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है.—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री जागे शौर बख्तावर सुपुत्रगण श्री मिश्री, दोनों निवासी—ग्राम सिंधु, दिल्ली

(मन्तरक)

2. इन्टरक्नेशनल लैण्ड एण्ड फाइनेन्स कं०, 3-डाक्टर्स लैन, गोल मार्केट, नई विल्ली, द्वारा उसके भागीदार श्री श्रार० सी० मेहता इत्यादि,

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्तित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास, अधोहस्साक्षरी के पास सिश्चित में किए वा सकी वे

स्वव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त किंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अतस्त्री

भूमि तादादी 8 बिथे ग्राम-सिंधु, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई विली-110002

तारीख : 9-11-1982

प्रकम आर्थ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निर्जीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-2/3-82/6960—यतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा ,

आयकर बिधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

घौर जिसकी सं० सी-245, है तथा जो हरी नगर, घंटाघर, नई दिल्ली में स्थित है (घौर इससे उपाबद अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिषकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण संहृद्ध किसी आय कां बाबत उक्त आंध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औह/बा
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :—-  श्री ग्रणांक कुमार ग्रीर भ्रश्वनी कुमार सुपुत्रगण श्री चुनी लाल निवासी—ए/195 हरी नगर, घंटाघर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सोना देवी पत्नी श्री राम दुलार, जयसवाल, राम कुमार श्रोर राम संवारे, सुपुत्रगण श्री बृज लाल जयसवाल, निवासी—डब्ल्यू-8-33, मायापुरी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी श से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं। गया हैं।

## अनुसूची

प्लाट नं० सी-245, तादादी 220 वर्गगज, खसरा नं० 2065 स्थापित हरी नगर, घंटाघर, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-11-1982

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश सं अाई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/3-83/6938—यत:, मुझे, मुधीर चन्द्रा,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 95 है, तथा जो ग्राम तिहाड़, श्रवादी मीनाक्षी गार्डेन, नजफगढ़, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती मुन्दर कौ श्रानन्द पत्नी एस० महिन्दर सिंह भानन्द, निवासी— io 9334 मुलतानी डांडा पहाड़ गंज, सदर थाना रोड़, नई दिः ली

(भ्रन्तरक)

 श्री राकेण कुमार सुपुत श्री मोहन लाल कुमार, निवासी—-डब्ल्यू-जेड-15/ए, मीनाक्षी गार्डेन, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

प्लाट भूमि नं० 95 एरिया 203 वर्गगज, ग्राम—तिहाड़, ग्रबादी—मीनाक्षी गार्डेन, नजफ गढ़ रोड़, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 9-11-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एस. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर भायक्त (निरोक्तण)

भ्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-1/ 3-82/8977—यस:, मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1535. है तथा जो बार्ड नं० 5, नई सड़क, (श्रमीर चन्य मार्ग) दिल्ली-6, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982,

को पूर्वेक्ति संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; आर्/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की ज़रधारा (1) के बभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित्:—— 10—376 GI/82

- 1. (1) विजय नरेश गुण्ता सुपुत स्व० श्री रामजी लाल रइस
  - (2) श्री एम॰ एल॰ गुप्ता (मुसाद्दी लाल गुप्ता) सुपुत स्व॰ श्री मिठ्ठन लाल रहम,
  - (3) श्री श्रीराम गुप्ता सुपुत्र स्व० श्री मिठ्ठन लाल रइस, निवासी—श्रहाता भेन्दु मल, जी० टी० रोड, गाजिशाबाद (यू० पी०), सदस्य एच० यू० एफ० रामजी लाल रइस (बिगर एच० यू० एफ०)

(भ्रन्तरक)

2. शिव राम गावर, श्री राजवीर गावर, मुपुत्रगण श्री श्रजयपाल शर्मा, निवासी—1762 चिराखाना, नई सडक, दिल्ली-6

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवानित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाबाकिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# अनुसूची

पहली मंजिल तादावी 738.28 वर्ग फीट, दूसरी मंजिल तादावी 562.40 वर्ग फीट, स्टेयर ऐट ग्राउन्ड फ्लोर नं० 1535, तादावी 48 वर्ग फीट, स्थापित—नई सड़क (ग्रमीर चन्द मार्ग) बार्ड नं० 5, दिल्ली-6।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्रा<mark>धिकारी</mark>

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

**नारीब**: 9-11-1982

# प्ररूप आई० टी• एन० एस•---

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दि∵ांक 3 नवम्बर 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस० श्रार-2/3-82/ 6991—श्रत , मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य., 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 7, रोड नं 17 है तथा जो क्लाश-सी, ग्राम शकुरपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च: में ग्रीर प्र्ण रूप से वर्णित (), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्णत्य नई दिली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1918 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वाक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्से यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

(1) श्रीमती लाभ कौर, कुलदीप सिंह एण्ड एस० जसपाल सिंह सभी निवासी, 7/17, पंजाबी बाग, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सत्यानन्द भार्या एण्ड श्री नरेन्द्र श्रुमार भार्या, दोनों निवासी जमुना लाल बाजार स्ट्रीट कलकत्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याप्त;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींश से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-त्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकीर।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

# अभूस्ची

मकान नं० 7, रोड नं० 17, क्लाश-सी, एरिया-557.15 वर्गगज, पंजाबी बाग, शकुरपुर, दिल्ली

सुधीर चन्द्रा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-11002

अतः, अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 3-11-82

प्रस्पं आहरी. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर, 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार० 2/3-82/7047----श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नवादा मजरा, हस्तलाल, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) है ग्रीधन तारीख मार्च 1982

को प्रवेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह जिश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से गिथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे कचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर्धा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान्ः--- (1) श्री नन्द सिंह चावला एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०) सी-4, राजोरी गार्डन, नई विल्ली द्वारा श्री नन्द सिंह चावला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० संतोख सिंह और एस० भुषिन्दर सिंह सुपुत्रगण सेठ विलोक सिंह निवासी 1/6-बी, पूसा रोड, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

1/4 भाग कृषि भूमि तादादी 12 विघे थ्रौर 2 विष्वे, खसरा नं० 821 (5-15), 822 (6-7), के साथ टयूब वैल, स्थापित-ग्राम नवादा मजरा, हस्पताल, दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा मक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई विल्ली-11002

ता**रीख**: 3-11-82

प्ररूप बाह् .टी.स्न.एस्.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

निर्देश सं अग्नाई० ए० सी ०/एक्यु ०/2/एस० आर०-2/3-82/7046-- अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो प्राम नवादा मजरा, हस्तसाल, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध. अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1982

प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पोया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कजी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आयं या किसी भन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं कि मा गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अबं, उसा अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसा अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (1) के अधीन, निश्निसिखतुं व्यक्तियों, अधीतः—

(1) श्री किरवाल सिंह वाबला एण्ड सन्स (एच.पू.एफ.) सी-4, राजोरी गार्डन, नर्ड दिल्ली वृजारा कर्ता श्री किरपाल सिंह वाबला,

(अन्तरक)

(2) श्री एस . सोहन सिंह और एस . शेर सिंह सुपृत्र श्री सेठ त्रीलोक सिंह निवासी-1/6-बी, पुसा रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया हैं।

# धनुसूची

1/4 भाग भूमि तादावी 12 विघे श्रौर 2 विश्वे, खसरा नं 821 (5–15) 822 (6–7), के साथ ट्यूबवैल, ग्राम-नवादा मजरा, हस्ससाल, दिल्ली

मुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ना**रीख**ं 3-11-82 मोहर .

# प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० /2/एस० श्रार०-2/3–82/7043—श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

क्रिंगेर जिसकी संख्या जे-6/62. है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नई दिल्ली के श्रधीन तारीख मार्च 82

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाम की वावत, उनके मिनियम के मधीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते वचने में सविधा के सिए; बौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिमित त्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री गुरचरन सिंह सुपुत्र एम० सरदार सिंह, निवासी सी-ए/43 विसाल इन्क्लेव, नई दिल्ली, भौर (2) देवकी नन्दन सुपुत्र श्री केदार नाथ, निवासी-ई-3, रतन पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फूला कोछर पत्नी श्री इकबाल सिंह, निवासी सी-46, सुदर्शन पार्क, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूर्यमा बारी करके पृवाँकत सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी जन्म स्थाबत द्वारा, जथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त खेळों और पर्वो का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्यान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विया नवा हैं।

# अनुसूचीं

प्रो० नं० जे-6/62, तादादी 160 वर्गगज, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, भ्राम-ततारपुर, दिल्ली

> मुधीर चन्द्रा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 10--11-82

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

18158

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पुणे पुणे 411004, दिनांक 10 नवम्बर 1982 निर्देश सं० सी० ए० 5/771/एस० श्चार०/हवेली-II/82-83 —यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

अायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन श्रीर उसके ऊपर का मकान सी० टी० एस० सं० 614ए, नाता पेठ है तथा जो पूना में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक हवेली-II, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एसा किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्री हुसेनबी सुलतान साहब गोकाककर 614ए, नाना पेठ, पूना-2

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री पूनमचन्द कचरदास मलगट
  - 2. पोपटलाल दलीचन्द मलगट
  - कचरवास दलीचन्द मलगट 12119 कसबा पेठ, पूना-11

(ग्रन्तरिती)

(3) 12 किराएदार और श्रन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अधिकत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्याहै।

# अनुसूची

जमीन भ्रौर उसके ऊपर का मकान सी० टी० एस० सं० 614ए, नानापेठ, पूना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 2071 जो मार्च 82 को दुय्यम निबन्धक हुबेली II पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 10--11--1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अभीन स्मना

### भारत सुरकारु

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूणे

पुणे, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निर्देश सं० सी० ए० 5/772/एस० श्रार० हवेली II/82~83—यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 47/3ए, एफ० पी० नं० 70/3ए, एरंडवणा, पूना 4 है तथा जो पूना-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक हवेली II पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियस के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्थिधा के लिए;

(1) श्री ग्रम्हण गणेश नागपुरकर 52/सी, पारिजात, गोखले रोड, दादर, बाम्बे

(भ्रन्यरक)

(2) मैसर्स रिव प्रोमोटर्म भागीदार श्री ए० सी० शाह श्रीर श्री लक्ष्मीचन्द छान्नीया 461, बुधवार पेठ, पूना-2

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संम्यत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्व्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

### अनुसूची

जमीन धौर उसके ऊपर का मकान सर्वे नं० 47/3ए, एफ० पी० नं० 70/3ए, एरंडबणा पूना-4

(औस कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क० 1563 जो मार्च 82 को दुय्यम निवन्धक हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :----

तारीख: 10-11-82

भोहर :

प्र**क्**प आहर्ष टी, एन. एस. <del>------</del>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज- , कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज II/कल/1982-83---यत: मुझे, सी० रोखामा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात 'खबत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण 🕫 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5 तिनतस्ला है तथा जो 2 के भ्रलिपूर एभिनिय कलकत्ता 27 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 31-3-82

को पर्वोक्स संपरिस के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से धूर्य किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम 1957 (1957) का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भनिधाके लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण . में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) दि उद्दर्श क्लिक को । प्रापरेटिव हाउमिंग गो० नि० (अन्तरक)
- (2) कूमारी श्रर्जुन लाल जैन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वाकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचसे 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथा कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क्रा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु", वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

क्षेत्र 1671 वर्गफुट फ्लैट नं० 5 तिनतहला, तथा जो 2 के श्रिलिपूर एभिनिय कलकता 27।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16!

तारीख : 12-11-82

प्ररूप् आईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-11, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी-23/रेंज-II/कल/1982-83---यत: मुझे, सी० रोखामा,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० एफ० नं० 1 एक तल्ला है तथा जो 2 के श्रलिपुर एफिनियु कलकत्ता 27 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-3-82

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह् गित्रात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितौ (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

श्रतः अक्षं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
11—376 GI/82

(1) दी उद्दर्ख किलफ को० ग्रापरेटिव हार्डामग सो० लि०

(अन्तरक)

(2) डा० गोपाल दास दत्तानि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सर्कोंगे।

स्मक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

### अन्स्ची

क्षेत्र 1620 वर्गफुट एफ० न० 1, एक तल्ला है तथा जो 2 के भिलपुर एभिनियु कलकत्ता-27

> सी. राखामा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, कलकत्ता-16

तारीखा . 12-11-82

माहर :

प्ररूप माई. टी. एन. एस. - - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-JI, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए०सी-24/ग्रार-11/कल/82-83—यतः मुझे, सि० रोखामा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० नं० 11.6 तल्ला है तथा जो 2 के श्रलिपुर एभिनियु कलकत्ता 27 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-3-82

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गावा प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) दि उद्दर्ख किलफ को॰ श्रपरेटिव हाउसिंग सो लि॰ (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सीता देवी मुरारका

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास तिवित में किए जा सकोंगे।

स्पक्त किरण:---इसमें प्रयुक्त कब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

क्षेत्र 1579 वर्गफुट एफ० नं० 11.6 तस्ला में है तथा जो 2 के मिलपुर एभिनियु कलकत्ता 27

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता -16

ता**रीख** : 12—11—82

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

### भा<u>रत</u> सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलक्सा, विनांक 12 नवम्बर 1982 .

निर्वेश सं० ए० सी० 25/म्रार-II/कल/82-83—यतः मुझे, सी० रोखामा

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एफ० नं० 6 में 4 तल्ला है तथा जो 2के भिलपुर एभिनियु कलकत्ता-27 में स्थित है (भौर इससे उपायद भ्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधिकारी के कार्यालय एस० भार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31-3-82

को पूर्वोक्षत सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निज्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थान् :—

- (1) दि उद्दन्ड क्लिफ को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सो० लि० (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पा देखी गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सञ्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

क्षत 1602 वर्गफुट एफ० नं० 6, 4 तल्ला म है तथा जो 2के म्रालिपुर एभिनियु कलकत्ता-27।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

सारी**ख**: 12-11-1982

मोहर -

प्ररूप गाई. टी. एन. एस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए०मी०-27/ग्रार-II/कल०/82-83---यतः मुझे, सी० रोखामा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्धाम करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एफ० नं० 8, 5 तल्ला है तथा जो 2के ग्रिलपुर एक्न्यू कलकत्ता-27 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णच्य से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 31-3-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ्र(क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्∕वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अनं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) को अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) दि उद्दन्ड क्लिफ को० भ्रापरेटिव हाउसिंग सो० लि० (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एन० के० तिव्रेवाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अभृसुची

क्षेत्र 1504 वर्गफुट एफ० नं० 8,5 तल्ला में है तथा जो 2के ग्रालपुर एवेन्यू कलकत्ता-27 में स्थित है ।

> मी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, कलकत्ता-16

तारीख: 12-11-82

प्ररूप बाह .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज , कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी०-28/ग्रार-II/कल०/82-83--यतः

मुझे, सी० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एफ० नं० 4, 3 तल्ला है तथा जो 2के भ्रालपुर एवेन्यू कलकत्ता 27 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० भ्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31-3-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी लाय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपान में सृतिभा के लिए;

- (1) दि उइन्ड क्लिफ को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सो० लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रदीप कुमार सरोगी

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के मास लिखित में किए जा सकींगे।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनस्यी

क्षेत्र 1664 वर्गफुट एफ० न० 4, 3 तल्ला में है तथा जो 2कें ऋलिपुर एवेन्यू कलकत्ता 27 में स्थित है

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

नारीख : 12-11-82

मोहर

प्रस्त अन्द्री ही एम गुरू -----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज , कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए० मी० 26/ग्रार-II/कल०/82-83--यतः मुझे, सी० रोखामा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एफ० नं० 7, 4 तल्ला है तथा जो 2के भ्रलिपुर एवेन्यू कलकत्ता 27 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31-3-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिस्तित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किल्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उमय देनने में मृदिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन्छर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तिनयों, अर्थात् —

- (1) दि उद्दन्ड क्लिफ को० श्रापरेटिय हाउसिंग सो० लि॰ (अन्तरक)
- (2) श्री बबिन्द्र कुमार गुप्ता

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोत सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासे लिखित में किए जा सकोगे।

स्मन्दीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्त्वीं

क्षेत्र 1678 वर्गफुट एफ नं० 7, 4 तल्ला में है तथा जो 2 के ग्रिलिपुर एवेन्य कलकत्ता 27, में स्थित है।

> सि० रो**खा**मा मक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज I<sup>I</sup>, कलकत्ता-16

तारीख 12-11-1982 मोहर प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269म (1) के धंजीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवस्वर 1982

निर्देश सं० ए०सी०--29/ग्रार-II/कल०/82--83----यतः मुझे सी० रोखामा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन सिधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन सक्षम शिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भीर जिसकी सं० एफ० नं० 3 एक तल्ला है तथा जो 2के भ्रलिपुर एवेम्यू कलकत्ता 27, में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर, पूर्णक्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31-3-82

को पूर्वोक्त मन्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दूबयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह बिश्वास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रति-फल विश्नविधित उद्देश्य से उक्त बन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से किंचन नहीं किया गण है हिल्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्राधीन कर देने के शन्तरक के दायिक्ष में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अण्य भास्तियों की, जिम्हे घारतीय कायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या घन-कर अधि-नियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती क्षारा प्रकट महीं किया वथा था या किया जासा चाहिए चा, क्रियाने में सुविधा के बिए;

बतः, अव, उन्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अविनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) दि उइन्ड क्लिफ को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सो० लि० (अन्तरक)
- (2) श्री बिमल कुमार सरोगी

(अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप .--

- (ह) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन हा अप्रिध, जो भी प्रविध बाद में सनाप्त ज्ञाना हो, के मौतर पूर्वीका व्यक्तियों में स किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रजीहरूनाक्षरी के पाप निखित में किए का स्कॉर्ग।

स्पद्धीकरगः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जा उत्तर श्रिष्ठितियम के स्रघ्याय 20-क में परिमापित है, बही स्रयं होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

क्षेत्र 1739 वर्गफुट एफ० नं० 3 एक तस्ला में है तथा जो 2के फ्रालिपुर एवेन्यू कलकत्ता 27, में स्थित है।

सी० रोखामा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, कलकत्ता-16

नारीख: 12-11-82

भाहर:

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए०सी०-30/प्रार-11/कल/82-83--यतः मुक्के, सी० रोखामा

बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एफ० नं० 9. 5 तल्ला है तथा जो 2के श्रलिपुर एभिनियु कलकत्ता-27 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-3-82

को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का चन्द्रह प्रतिचत अधिक है और बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गवा प्रतिकाल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है :—

- (क) अन्तरभ ते हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उसमे बचने में सुविधा के निए; बरि/वा
- (ब) एंसी किसी भाव या किसी भन या बन्य बास्तियों का., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) दि उडन्ड क्लिफ को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सो० लि० (श्रन्तरक)

(2) श्री के० के० तिम्रेवाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

क्षेत्र 1700 वर्गफुट एफ नं० 9. 5 तल्ला में है तथा जो 2के म्रिलपुर एभिनियु कलकत्ता 27।

मी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, कलकत्ता-16

सदः शव, जनत निधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नुधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, नर्थात्:——

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ए०सी०-31/फ्रार-II/कल/82-83--यतः, मुझे, सी० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० नं० 2. एक तल्ला है तथा जो 2के श्रलिपुर एभिनियु कलकत्ता-27 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख 31-3-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आयकी बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) दि उइन्ड क्लिफ को० भापरेटिव हाउसिंग सो० लि० (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रनिल कुमार सरोगी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हों।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

क्षेत्र 1504 वर्गफुट एफ नं० 2.2 तस्ला में है तथा जो 2के भ्रतिपुर एभिनियु कलकता-27 ।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 12-11-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश नं० पी० स्नार० नं० 2166/23-I/82-83---यन: मुझे, स्नार० स्नार० साह

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 198 पैकी टी० पी० एस० 14, एफ्० पी० 266, सब प्लाट 2-1/एफ, है। तथा जो 2-1/डी, 2-1/डी, 2-1/डी, 2-1/डी, 2-1/डी, होटल सिद्धार्थ, शाहीबाग, में स्थित हैं (स्थ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-3-82 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से न्म क दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उजित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती रलाबेन पीयुपभाई चैतन्यप्रसाद दीवानी की ग्रोर से फुल मुख्तयार श्री डाह्याभाई ग्रमथाराम पटेल 9, वृन्दाबन कोलोनी, शाहीबाग, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शाहीबाग रामेन्धर को० ग्रो० हा० सोसाईटी की ग्रोर से सेकेटरी—— प्रहलादभाई बेचरदास पटेल 32, नलकुज सोसायटी, सिविल ग्रस्पताल के पीछे, शाहीबाग, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

### अमृस्ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल  $278.70\times6$  वर्ग मीटर 1672 वर्ग मीटर है जो शाहीबाग श्रहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्टरार श्रहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 3693, 3694, 3697, 3698, 3701 श्रौर 3702/16-3-82 है।

श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-!, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-11-82

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० --

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० प्रार० ये० सी० नं० 252/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

पायकर प्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/• द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2-120 है, जो सत्यन्नापल्ली गुंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुंटूर में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 4, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरिता की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; औड़√या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्री पी० हनमंतराव पिता नागेंद्राम, रुद्रांवरम गांव, सत्यन्नापल्ली तालूक, जिला गुंटूर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० व्ही० सत्यनारायण पिता श्री पी० वेंकटेस्वरलू पालक ग्रौर माता एन० समराज्यम्मा मेन रोड, सत्यभापरूली, गुंटूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना नारो ताके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यनाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### नन्त्वी

घर नं० 2-120, सूर्या टाकीज, सत्यन्नापल्ली गुंटूर जिला विस्तीर्ण 106 चौ० गंज, रजिस्ट्री के विलेख नं० 2702/82 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, गुटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम मधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराकाव

तारीख: 8-11-1982

प्रकण नाइ . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 253/82—83——यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 89/1, 67/3, 90/1, ग्रीर 2, 700 है ग्रीर जो तंगिलमुंडी सोमावरापाडू यूलूरु में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्णें हूँ एस से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय यूलूरुमें भारतीय रजिस्ट्रकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन मार्च, 1982

को पृष्टिंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का, निम्निलिसित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिविक स्प से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिवत व्यक्तिमों, अर्थात् :—  श्री एम० कन्नायम्मा पति गोविन्द राव, युलूर

(म्रन्तरक)

(2) श्री यूलूरू को-म्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाईटी यूलूर

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पृत्रों कर सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- स्थावर सम्पत्ति में हिंत- स्थावर सम्पत्ति के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

तिगलामुडी म्नार० एस० न० 700, सोमावरपाडू, मार० एस० नं० 89/1 म्रौर 2 म्नार० एस० नं० 67/3, 90/1 म्रौर 2 रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1715/82 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी यूलेरु।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रारकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-82

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1982 निर्देश सं० श्रार० ये० सी० नं० 254/82—83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 90/1 श्रौर 2 है, जो सोमावरपाडू यलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय येलूर में भारतीय रजिस्ट्र-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वीक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री बी० कोडम्मा पति वेंकटरामय्या, वेलूर

(ग्रन्तरक)

(2) येलूर को-श्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाईटी, येलूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :----

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावाा संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्ष।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

भूमि, सोमावरपाडू, म्रार० एस० नं० 90/1 म्रौर 2 विस्तीर्ण 1-14-1/2 सेंटस, येलूर के पास रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 254/82 रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी येलूर

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्रार० ये० सी० न० 255/82-83--यत मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके परचात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० श्रार० एस० न० 67/3 है, जो मोमावरपाडू येलूर स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय येलूर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

मतः अश उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम भनम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री डी॰ सन्यासम्मा पति नागराजु, येलुर

(भ्रन्तरक)

(2) येलूर कोम्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाईटी येलूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रतस्त्री

1 एकर भूमि, सोमावरपाडू, येलूर के पास, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1638/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी येलूर

> एम० जेगन मोहन सक्षम ऋधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1982 निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 256/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 700 है, जो तिमिलनाडु येलूर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय येलूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जी० सूर्यनारायण स्रौर श्रन्य पिता चीक्षा श्रप्पना येलूर

(ग्रन्तरक)

(2) दी येलूर को-भ्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाईटी वेस्ट मांदावरी, येलूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

2.16 एकर भूमि, टांमेलामुडी, श्रार० एस० नं० 700 येलूर के पास, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 256/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी येलूर

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन एथ -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 नवम्बर, 1982

निर्देश स० ये० मी० न० 257/82-83--यत मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० श्रार० एस० 89/2, सोमावर पाडू येलूर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय येलूर में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है गाँर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल का, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसित उद्वश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क)) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ज्ञारण को बायरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों करे, जिन्हों भारतीय बाय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के बिद्द;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्री एम० ग्रदालक्ष्मी पति एस० ग्रप्पाराव, येनूर

(भ्रन्तरक)

(2) दी को-स्रापरेटिव बिल्डिंग सोसाईटी, येलूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वों कत संस्पतिस के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - कर्मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्सूची

1 एकर 27 सेंटम, भूमि सोमावरपाडू, येलूर के पास, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 1602/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी येलूर

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एसं ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निद्येश नं. आर. ये. सी नं. 258/82-83---यतः म्फे, एम. जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं श्री लक्ष्मीनारायणा है, तथा जा राइस मिल्स् सतेन्नापल्ली मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतन्नापल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी कडने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

सत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात—— 13—376 GI/82  श्री वाइ नारायण राज्यिता नागराज्य, मोरीसपेट, तनाली।

(अन्तरक)

2 (1) पी गोपय्या पिता मूब्बय्या और अन्य 4 . सरोन्नापल्ली, तालूक, जिला गृटुर।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

सपत्ति, श्री लक्ष्मीनारायणा राइस और आटे ली गिरनी, मतेन्नापल्ली, गूटूर, विस्तीर्ण 2091 ची. गज रिजस्ट्रीकृत विलोग न. 1145/82 रिजस्ट्रीवर्ता अधिकारी सरोन्नापल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज,`हैदराबाद।

तारीख: 9-11-1982

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदेश सं० अ/र० ये० मः० न० 259/82-83--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 र-एड. से अधिक है

ग्रीम निवस, सब इ ० वं० 176/3 है जो सतेन्नायल्ली में स्थित है (ग्रीम इक्ते ज्याबद्ध अनुपूच में ग्रीर पूर्णक्ष के विधित है), मिन्द्री ज्वा प्राथकार के व्यर्थात्म सतन्नायल्ल में भारतीय रिजन्ड्रिक्षण अविनिष्म, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च, 1982

को पूर्विकत सम्पिए के नाचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उवत अन्तरण तिसित में वास्तविक ज्य से कथित नहीं किया एया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में न्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा '269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्राः वाई० नागराजू पिता नारायण राजू, मोरोसपेट, तेनाला

(म्रन्तरक)

(2) 1. पी० मीपय्या पिता सुबय्या और भ्रन्य 4, सतेभापर्ला, तालुक, जिला गुंटूर

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां सूरू करता हूं।

उक्क सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भगुसूची

सम्पत्ति घर नं० 176.3 श्रा लक्ष्मोनारायण रा**इस ग्रौ**र ग्रहेकी गीरनी, सतेनापल्ली, गुंटूर, रजिस्ट्रं कृत विलेख नं० 1145/82 रजिस्ट्राकर्ती श्रीधहार स्ते**स**पल्ली, गृटर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायत ग्रायकर ग्रायुक्त (निर क्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तार्थिख : 9−11−82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्खायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 नवम्बर 1982

निवेश सं० ये० सी० नं० 260/82-83--थत मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्दित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० डी० न० 176 है तथा जो तेनापल्ली से स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूच। मे भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रा कर्ता श्रीध कारा के कार्यालय वेलाई सतनापल्ली मे भारतीय रजिस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन मार्च, 1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
फन के लिए अन्तर्भ की गई है और मुझ यह विश्वान करन का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्य तन
प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है
और अम्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्य) के बीच लेस
अम्तरण के निए तय प्राच गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्देश्य से
उनन श्रन्तरंग जिखिन में नाज्निक स्र्य में कथिन नहीं किया गया
है :---

- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए और/या
- (क्य) एसी किसी आय या किसी धृत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिस्त व्यक्तिसीं अर्थात् :---

- (1) 1. बाइ० वेफेट राजू पिता नारायणराजू मार्डपस्सी तेनाल गटूर (श्रन्तरक)
- (2) 1. पं ।० गोपय्या पिता सुबय्या और अन्य 4 सतन्नापल्ला, गुटूर

(श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुची

सम्पत्ति घर नं० 176/3, 0.73 सेटम श्री लक्ष्मीनारायण राइम ग्रीर फ्लोर मिल्म, सतेनापल्लो गुटूर, रजिस्ट्रेग्ट्रन विलेख नं० 1380/82 रजिस्ट्रीफर्ती ग्रिधिकारा मतन्नापल्ली ।

> एम० जेगन माहन नक्षम ग्रांधकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज, हेदराबाद

नारीख ' 9—11—1982 मोहर प्ररूप आई. फी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 9 नवम्बर 1982

निदेश स० ग्रार० ये० सा० न० 261/81-82---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी स० श्रार० एस० नं० 553/2 है, जो भामावरम स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, भीमावरम में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान मार्च, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमता गहो० सोता सावित्र। पति नारासोम्हाराव, • घर नं० 23-1-2 (1), भोमावरम, वेस्ट गोदाबरो जिला

(भ्रन्तरक)

(2) दा म्इट कम्पनाइव को ग्रापरेटिव बिल्डिंग मोसाइटो लिं० नं० 160-एफ, भामावरम, ग्रह्यक्ष, एस० एम० डेविड, भामावर०

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोंक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

समाति सर्वे नं० 553/2, विस्तोर्ण 0.80 सेंटम, भीमा-वाम, प्रजिस्ट्री पृत विलेख नं० 667/82 रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी भीमावरम।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्राय<del>क</del>र श्रायु<del>गत</del> (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** · 9—11—1982

प्ररूप० भाई• दी० एन० एस०------

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदेश मं० म्रार० ये० सी० नं० 262/82--83---यतः मुक्को, एम० जेगन मोहन

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अार ० एस० सं० 333/2 है, जो भामावरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय भामावरम में भारताय र्जिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिपत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया वहीं किया वया है:—

- (क) जनसरण से हुई किसी काय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  (1) श्री के० रमना श्री पित वेंकटेस्वरा राव, भामावरम, घर नं० 23~1-2-2, वेस्ट गोदावरी जिला

(भ्रन्तरक)

(2) दा स्टेट एम्पलाईज को-स्रापरेटिव बिन्डिंग सोसाईटी लिं० नं० 160-एफ, भीमावरम, ग्रध्यक्ष,: एस० एम० डेविड, भीमावरम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोकन सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत परमति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बच्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति स्रार०एस०नं० 553/2, 0.80 सेंटसभीमावरम, रजिस्ट्राकृत विलेख नं० 666/82 रजिस्ट्रोकर्ता स्रधिकारी भामावरम

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 9-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ज (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैसराबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 263/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरंगास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं अप्रार एस० नं ० 553/2 है, जो भी मायरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भी मावरम में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिशत से, एसे स्वयमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिशित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्-/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निस्ति क्यूक्तियों सुभात् ः—

(1) श्री बी० श्रेयनन्यास्वामी
 पिता श्रीरामामुर्ती
 घर नं० 23-1-2 (4),
 भीमाथरम

(भ्रन्सरक)

(2) दी स्टेट एम्पलाईज को-ग्राप० रेटिव बिल्डिंग सोसाईटी लि० नं० 160-एफ०, श्रव्यक्ष श्री एस० एम० डेविड भीमावरम

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्वों का, जो उक्क विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्वी

सम्पत्ति भार०एस० नं० 553/2, विस्तीर्णं 0.80 सेंटस, भीमावरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 668/82 रजिस्ट्रीकर्ता भिध-कारी भीमावरम

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 9~11~1982

प्रक्य आधै.टी.एन.एस.------

जायकार जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदेश सं० घार० ए० सी० नं० 264/82-83---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्रार एस व नं 553/2 है जो भीमावरम में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भीमावरम में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शागित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
  - (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर कौधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीतः, निम्निलिसिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० व्ही० राधाकृष्णामूर्ति, पिता श्रीराममूर्ती घर नं० 23-1-2 (3) भीमायरम

(ग्रन्तरक)

(2) दि स्टेट एम्पलाईज को-ग्रापरेटिव बिह्डिंग सोसाईटी लि० नं० 180-एफ०, ग्रध्यक्ष श्री एस० एम० डेविड, भीमावरम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मिति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 - कमें परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्वी

सम्पत्ति, एस० नं० 553/2, विस्तीर्ण 0.80 सेंटस भीमावरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 669/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी भीमावरम

> एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 9-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 265/82-83-यत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० डी० नं० 2-2-40 है, तथा जो तन्कू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्णक्ष्य से विणत है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तन्कू में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982 में पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान श्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान श्रतिफल में, एसं रहयमान श्रतिफल का पन्द्रह श्रितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्थमों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

. अत: अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्रीमती सी० एच० श्रह्मरमा और श्रन्थ पति सूर्यनारायण शर्मा, तनुकू

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० बलराम मूर्ती श्रौर श्रन्य पिता वेंकटरत्नम, तनूकू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में काई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### वन्स्ची

सम्पत्ति, धर नं० 2-2-40 ध्रमेसमेंट नं० 678, विस्तीर्ण 361.60 चौ० गज, सज्जापूरम गाव, तनूकू, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 651/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी तनूकू

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

निदेश सं० श्रार० ए० मी० नं० 266/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 20/2 है, जो सज्जूपुरम तन्कू में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय तन्कू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उश्वित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उजित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उत्भ अन्तरण लिखित में वास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है....

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मा सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए थान छिपाने में सिप्धा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
14—376 G1/82

(1) श्रीमती मी० एच० क्रम्हरंगा भ्रौर भ्रन्य पति सूर्यनारायण शर्मा, तनूकू

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० बलराम मूर्ती पिता वेकटरत्नम. श्रीर उनके पुत्र तनुक्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वीक्त ज्यक्तिया में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा सपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुसूची

घर सम्पत्ति श्रार० एस० न० 20/2 विस्तीर्ण 364 3 0 चौ० गज० गाव सज्जापुरम, सरकारी श्रार्टस कालेज के पास बाजू तनूक् रजिस्ट्रीकृत विलख न० 663/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तनूक्।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहासक आयक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख 9-11-1982 मार्

# प्ररूप आईं० टी• एन• एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक स्नायकर स्नायुक्त (निर्राक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

निवेश सं० स्नार० ए० सी० नं० 267/82-83-यत: सुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सभम प्राध्यकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं बीठ नं 30-1-12 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तिक स्प में किथा नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियस की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- —

(1) श्री के० वी० पद्मनाभाराव पिता वरण घवय्या गव्हरनरपेटा, विजयवाड़ा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० श्रीनिवासा राव पिता वेंकटेग्वर राव, श्ररदालपेटा, विजयवाड़ा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तार्य से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपहित में हित- खद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क पा परिभूगियन हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया हैं।

### अनुसूची

विस्तीर्ण 101 चौ० गज० थेच्ड हाउस एन० टी० एस० नं० 660 मुनीसीपाल वार्ड नं० 25, रेवेन्यू वार्ड नं० 9, ब्लाक नं० 13, घर नं० 30-1-12, विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2073/82 रजिस्ट्रीकर्त श्रिधकारी विजयवाड़ा

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-11-1982

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

# ग्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

निदेश सं० ए० सी० नं० 268/82-83--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रक्षीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से ग्रिधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० घर नं० 30-1-12 है, जो विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रिजस्द्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रिधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखान के सम्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) सम्सरण से हुई किसी माय की बाबत, छन्त श्रिष्ठिनयम, के श्रश्चीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसा भाष या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भाधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में भृविधा के लिए;

अत: ग्रांब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्राधीन, निस्तालिया व्यक्तियां पर्यात्:-- (1) श्री के० बी० राघवराव पिता बी० सूर्यप्रकाश राव गबरनरपेट, विजयवाड़ा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० वी० ग्रप्पाराव पिता के० वेक्सटेकर राव श्रारूनदलपेटा, विजयवाडा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क संबंध में कोई भी ग्राक्षेत :---

- (क) ६स सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनः के राजपत्र स प्रकाशा का तारी । से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखिन में किए जा सर्केंगे।

स्पष्किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है!

# अनुसूची

मंपत्ति एन० टी० एस० न० 660, विस्तीर्ण 101 चौ० गज० घर नं० 30-1-12, मुनीसीपल वार्ड नं० 25, रेबेन्यू वार्ड नं० 9, विजयवाडा रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2070/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी विजयवाड़ा

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 9-11-1982

प्ररूप आर्दः टी. एन्. एसः. - -- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० न० 269/82-83--यतः मुझे, एस० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० डी० नं० 30-1-12 है, जो विजयवाडा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रे:करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) प्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-िक रूप से कथित नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अध्यत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) 1. के० वी० रघूनाधराव पिता वेंकट पदमनाभराव, गधर्नर, पेंटा, विजयवाड़ा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० श्रीनिवासा राव पिता वेंकटेस्वर राव, श्ररदालपेटा, विजयवाडा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिर-बव्ध किसी अन्य क्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति एल० टी० एस० नं० 660, घर नं० 30-1-12, विस्तीर्ण 101 चौ० गज, थेचड हाउम के साथ भूमि म्यूनिसपाल वार्ड नं० 25 रेवेन्यू वार्ड नं० 9, विजयवाड़ा रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2074/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी विजयवाड़ा।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**: 9-11-1982

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 270/82-83--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० घर नं० 30-1-12 है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तृष्क रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को शबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने के सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारती? आयकार अधिनियम 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में हिवा से लिए:

अप्तः अप्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री के० व्ही० घासुदेव राव पिता के० व्ही० भूर्यकाश राव गव्हरनरपेटा, विजयवाड़ा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० वी० म्रप्पाराव पिता के० वेंकटेश्वर राव ग्राउनदलपेटा, विजयवाडा ।

(मन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के बजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### यन्स्ची

सम्पत्ति एन० टी० एस० नं० 660 घर नं० 30-1-12, विस्तीर्ण 101 चौ० गज, मुनीसीपल वार्ड नं० 25 रेवेन्यू वार्ड नं० 9, ब्लाक नं० 13, विजयवाड़ा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2072/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजय बाड़ा

एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-11-1982 मोहर: प्ररूप बाद् . टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 271/82--83---यतः मुझे एम० जेगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. रो अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० 30-1-12 है, जो विजयवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 6) के श्रिधीन मार्च, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उण्जित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन बार प्रोने को शन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० व्ही० मधुप्रसाद, राव पिता पदमानाभाराव गव्हनैरपेट, विजयवाड़ा-2

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० व्ही० श्रीनिवासा राव पिता वेंकटेसवर राव श्रारुलकमपेट, विजयवाडा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उनत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कांह भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से '45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:-इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति एन० टी० एस० न० 660, मुनीसीपाल वार्ड नं० 25, रेवेन्यू वार्ड नं० 9, ब्लाक नं० 13, बिस्नीर्ण 101 चौ० गज, घर नं० 30-1-12, श्रसेंसमेंट न० 21707, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2075/82 रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी विजयवाडा

एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-11-1982

प्ररूप आई. टो. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक ९ नवम्बर 1982 निदेश सं० आर० ए० सी० न० 272/82-83-यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृज्य 25,000/- रुपये मे अधिक है

श्रौर जिसकी मं० घर नं० 30-1-12, है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णस्प में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यश्य से उक्त अन्तरण लिलित में बाम्तविक कप में कथित नहीं किया गया हैं.--

- क) अन्ताता से हुई फिली आया की बाबता, उपल अधिनियम को एभीन कर होने वे अन्तरक वे दायित्स में कामी करने या उससे क्षमने में सृविधा अधिना, अर्थिया
- (स) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उवन अधिनियम, या धन-कार और्शनियम. 19 र 11957 का 27) व एयाजनार्थ जन्नियत। देश । एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सविधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ कर उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो अर्थात् --- (1) श्री कें० व्ही० एस० प्रकाण राव पिसा बीरा राघवय्या गवर्नस्पेट, विजयवाडा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० व्ही० श्राप्पाराव पिता के० वेंकटेस्वर राव, ग्रारनदलपेट, विजयवाडा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

### उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में स कि.सी त्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन को भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति मो हिनबद्ध किसी जन्य अधिक व्याप्त, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित मो किए जा सकरी।

स्पक्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अ**भूस्**ची**

घर सम्पत्ति एन० टी० एस० न० 660, मुनीसीपाल वार्ड नं० 25, रेबेन्यू वार्ड नं० 9, ब्लाक नं० 13,/धर नं० 31-1-12, भ्रमेस्मेट न० 21707, विस्तीर्ण 101 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2071/81 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी विजयवाडा ।

एम० जेगन मोहन मक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 9-11-1982

# प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निवेश सं० न्नार० ए० सी० नं० 227/82-83-प्यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके रण्यान् 'उक्त रिधिनियम कहा गया है), ही बारा 169-ख के प्रशेन उसम गिंधकारों की, गई विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पश्चिम, जिसहा उचिन बाजार मुख्य 25,000/- क्या के पश्चिक है

श्रीर जिसकी सं० 23-6-8 है, जो पटनम बाजार गुंट्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुंट्र में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकास, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

नियम, 1908 (1908 का 16) कथ्रधान माच, 1982
को पूर्वोक्त मम्पति है उचिन गांगर यह ये कम के
दूर्यमान रिफन के जिए प्रतिति ही एर् है गौर मुझे पह
विश्वाम करने हा हारण है कि प्रयाप्त्रोंकर सम्पत्ति है।
उचित बाजार पूर्व्य उसके हुम्प्यमान प्रतिकत्त में, ऐसे
दूर्यमान प्रतिकल का पंद्यत प्रतिशत से प्रिष्टक है और
प्रत्यमान प्रतिकल का पंद्यत प्रतिशत से प्रिष्टक है और
प्रत्यमान प्रतिकल का पंद्यत प्रतिशत से प्रिष्टक है और
प्रत्यमान प्रतिकल का पंद्यत प्रतिशत से प्रिष्टक है और
प्रत्यमान प्रतिकल के निए तथ प्राया गया रिनकत, निस्तिलिखित
उद्देश्य से उका प्रत्याण निवित्त में श्रम्यिक स्था से कथित
नहीं किया गया है।——

- (क) प्रन्तरण से रूई किथी प्राप्त का अप्याप्त उक्त प्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरण के द्वापिता मैं कभी करने या उसपे बचने वें सुविक्षा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्रात वा किसी धन या श्रव्य सास्तियों की, जिल्हे भारतीय आयकर ग्रिधितियम. 1922 (1922 हा 11) या उन्हा प्रधितियम. 1922 श्रा 11) या उन्हा प्रधितियम. या श्रतकर प्रधितियम, 1957 (1957 27) प्रयोजनार्थ श्रन्तियी द्वारा श्रक्त होते विया स्था था या किया जाता चाहिए था, कियाने मैं प्रविधा के लिए;

भात: भाष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सर्रण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सी० एच० शिवाजी पिता वेंकटरत्नम, फैन्सी मर्चेन्ट, कुमारी पालम स्ट्रीट, विजयवाडुा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ए० गंगा तायारु
पति श्री एम० कोटेश्वर राव
केश्वर श्राफ श्री हनुमान श्राइरन स्टोरस पटनम बाजार, गुंटूर

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके प्वींकत सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) एन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इय मूचना ने राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तव्य किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोह्म्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उकत श्रिक्त नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रव होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

# अमृस्ची

घर नं० 23-6-8, पटनन बाजार, गुंटूर, विस्तीर्ण 25 1/3 चौ० गज० मैदान प्रौर प्रथम तल० इमारत रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2496/82 र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुटूर

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1982

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

कॉयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 नवम्बर, 1982

सं० श्रार० ए० सी० 228/82-83---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारफ हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी में० टी० एस० न० 150.167 है, जो तेनाली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची मे भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का कंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य वास्तियों को, जिन्ह भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनुकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
15—376 G 1/82

- (1) श्रो बी० सूर्यंनारायणा पिता सत्यनारायणा मृतीं, 16-21-13. पचमुखा श्रजनेयूलू स्वामी स्ट्रीट, तेनाली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सी० एच० श्रीनिवासा राव पिता लक्ष्मय्या, घन न० 15-8-12, मार्केट यरीया, तेनाली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षर कि बास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

टी० एस० ने० 150, 167, इमारत, विस्तीर्ण 548 चौ० गज, तिलक रोड, चेंचूपेटा, 1 वार्ड, 6वा ब्लाक, नेनाली, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1154/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी नेनाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 8-11-19**8**2 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 8 नवम्बर, 1982 .

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 229/82-83—यतः मझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 150 ग्रीर 151 है, जो तेनाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तेनाली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री बी॰ सूर्येनारायणा पिता सत्यनारायणा मूर्ति, 16-21-12, पंचमुखा श्रंजनेयूलू स्वामी स्ट्रीट, तेनाली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी॰ एच॰ श्रीनीवासा राव पिता लक्षमय्या, भर नं॰ 15-8-12, मार्केट यरीया, तेनाली। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्सूची

इमारत, तिलक रोड, चेंचूपेटा, 1 वार्ड, 6 ब्लाक, टी० एस० नं० 150 झौर 151, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1438/ 82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी तेनाली, विस्तीर्ण 548 चौ० गजा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1982

### प्रक्य आई.टी.एन.एस. ----

# नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन स्थान

भारत सरकार

कायलिय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

### श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाब, विनांक 8 नवम्बर, 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० न० 230/82-83---यतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 4-4-123 है, जो गुटूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचास से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के सभीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में कमी कर्म वा उस्से वचने में सृविधा के सिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिन्मा में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. बाई० मृतय्या पिता वेंकटरायड्
  - 2. श्रीमती वाइ० सवीक्षमा पति मुतय्या
  - 3 श्री वाई० सत्यनारायणा राव,
  - 4. श्री वाई० मलीकार्जून राव
  - श्री वाई० पूर्णचन्द्रा राव
  - 6. श्री वाई० ग्यानस्वर राव
  - 3 से 6 मुतय्या के पुत्र है। कोलाकलूरु, तेनाली तालुक, जिला गुंट्र।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० एच० प्रश्नपूर्णम्मा पति लक्ष्मीनारायणा 5 बी, लाइन, सेकड आस रोड, चंद्रमऊली नगर, गुंटूर। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्परित के अर्जन के सम्बन्ध भें कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
  अविकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

धर संपत्ति घर नं० 4-4-123 5वी लाइन, चब्रमौली-नगर, गुंटूर, विस्तीर्ण 237-3/9 चौ० गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2248/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8-11-1982

प्ररूप : आहें . टी . एन . एस . ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाव

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1982

निर्देश सं० भार० ए० सी० न० 231/80-83---यतः मुझे, एम० जोगन मोहन

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० डी० न० 198 है, जो नाल्लापाडू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालया, गृदूर मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के तत बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्ति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निस्तिबिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और∕या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती जी० कृष्णा कुमारी, पति वेंकटा रेड्डी, स्तंबावाजारुव, गुट्र।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० साबासिवा रेड्डी, पिता रामामूरती रेड्डी, विजयावाडा।

(अम्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की शामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्रित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रमुक्त करूपी गरी पदों का, को उसते अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

कुल्ली जमीन नाल्लापाडु गाव, गुंटूर नगर निगम घर नं॰ 198, विस्तीर्ण 3-04 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2374/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी गुंट्र।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8-11-1982 मोहर: प्रकृप आहू".टो. एन. एस. ------

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1982

निर्देश म० श्रार० ए० सी० नं० 238/82-83—यतः
मुझे एम० जेगन मोहन
आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थादर संपत्ति, जिसका उचित नाजार

मून्य 25,000/- र से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डी० नं० 581/ए श्रीर 481/सी है, तथा
जो गुंटूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,
गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908
का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत., उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुशिधा के लिए;

बतः बद, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग कै बनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० नागामाल्लेस्वाराम्मा, पति वेंकाटा पुल्लाराव, श्रौर ग्रन्य एक, गुंटूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी॰ टी॰ सिवाय्या, पिता पाद्दाय्या, पुराना गुंटूर, गुंटूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित म किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रष्टियाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रष्टियाय में विका गया है।

# अमुसूची

बंजार भूमि गुटूर ग्रामीण भाग नं० 581-ए ग्रौर 581-सी विस्तीर्ण 4.94 सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2307/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज, हैदराबाद।

नारीख: 8-11-1982

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० काकिनाडा स्कॅड-234/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 139/1, 140/3 ए श्रीर 140/3, 142/20 है. जो गुटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णे क्या से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिकारों के कार्यालय, गुटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिकार 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरातियों)के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक ख्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री सी० एच० वी० ग्रनानता लक्ष्मी नारायाणा पिता ए० सूरयानारायाणा, गुटूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वै० इम्नारेड्डी, पिता चिन्नापारेड्डी रेंटाचि-ताला, गुंट्र जिला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्स्यो

घर संपत्ति कोरिटिपाङ्ग् गुटूर नगर निगम विस्तीर्णं 1244.4 चौ० गजश्रौर 0.22 सेंट्स नं० 139/1, 140/3 ए०, 140/3, 142/20, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2914/82 रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी गुंटूर।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैक्सराबाद

नारीख: 8-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्षराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० कांकिनाडा स्केंड-234/82-83—यत :मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं एस नि 215 है, जो सूरयाराव पेट काकिना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकिना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिपक का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जरु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :---- (1) श्री एम० बी० क्रिशना, पालक श्रीर पिता श्री एम० बेकाटेस, कार्किनाडा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० सत्येन्द्रा मदन, पिना श्यान सुन्दर राव, काकिनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एकड़ 2 भूमि सूरयाराव पेट काकिनाडा नगर काकिनाडा वार्ड नं० 2 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी काकिनाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-11-1982

महिर:

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

मायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व (1) के प्रशीत सूचन।

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ध्रार० ए० सी० नं० काकिनाडा स्कंड-235/82-83—यक्षः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 215 है, जो सूरयाराव पेट काकिनाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्या-लय, काकिनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1982

(1908 का 16) के प्रधान ताराख मान, 1982
को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार
मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशन से श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रीधितियम के श्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आए या किसी बन सा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आत्र-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) सा उक्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्निरिती द्वारा प्रकट निहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीत, निम्नुलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एम० वेंकाटप, पिता सरत्रारायुडू, काकिनाडा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० ण्याममुन्दारा रंगाराव, काकिनाडा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इप सूत्रता के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरमम्बन्धी क्यक्तियो पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविधि बाद में सक्सी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीनर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  निखित में किए जा मर्केंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रपृक्त शब्दां ग्रौर पदों का, जो खक्त ग्रिश्चित्रम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रांकोगा, जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

### बनुसूची

1 एकड भूमि सुरयाराव पेटा, काकिनाडा नगर निगम, वार्ड नं० 2, सर्वे नं० 215, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2447/ 82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काकिनाडा।

> एम० जे**ग**न मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज हैक्**राबा**द

दिनांक : 8-11-82

अरूप आइ .टी . एन . एस . ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1982

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 236/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ) कि भारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 25/1 श्रीर 26/1 है,
तथा जो काकिनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी
के कार्यालय, काकिनाडा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982
को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उपात बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण शिचित में वास्तिवक
रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त बिधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 16—376GU/82

(1) श्री के॰ ताताब्बाय, पिता रामास्त्रामी, तिम्मा-पुरम।

(भन्तरक)

(2) श्री डी० ऐरविन थामसन, काकिनाडा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए पा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

### **ज्नुस्ची**

1 एकड़ 32 सेंट्स कुल्ली जमीन रामानाय्या पेट काकिनाडा नगर निगम, ग्रार० एस० नं० 25/1 श्रीर 26/1 रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2364/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, काकिनाडा।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 8-11-1982

मोहरः

प्ररूप आर्फ्ट, टी. एन्. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1982 निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 237/83-83-यत: मुझे, एम० जंगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43**) (जिसे इसमें** इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 600 है, जो कार्किनाडा भीमावरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भीमावरम में भारतीय रजिस्द्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रेतिफल निर्म्नलिखित उद्देषयों से **उक्त अन्तरण लिखित** में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य **आस्तिया**ें को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अवृक्षरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269- व की उपभाग (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री जी० गोपाल विठल पिता वेंकटय्या
  - श्री जी० नागा वेंकटथ्या नायडू, नागालिक होने के नाते पालक भ्रौर पिता श्री गोपाल विठल, घर नं० 22-11-13, 14वां वार्ड, वेंकटय्या नायडू विधी, भीमावरम्-1 ।

(श्रन्सरक)

(2) श्री टी० वेंकटेश्वर राव पिताश्री टी० प्रकाश राव यल० जी० पाडू विपारु, गोलावनीर सीप्पा, भीमावरम तालुक, वेस्ट गोदावरी जिला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज़न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपुत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्तु होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 विनु के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरुण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगाओं उस अध्याय में दिया गया है।

### यगस्यो

कृषि भूमि भीमावरम म्युनिसिपल लिमिट, श्रार० एस० नं० 600, 3-16-3/4 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 688/ 82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, भीमावरम।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जेन रेंज, हैदराबाद।

तारीच: 8-11-1982

मोहरः

प्रस्पुः आहीः, दीः, एतः, एसः, त----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुम्बना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निर्ाक्षण)

श्वर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1982

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० न० 238/82-83—यतः मुक्ते, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० ग्रार० एस० न० 600 है, जो भीमावरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भीमावरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1982

को प्वेंक्ति संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथुपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्त्विक रूप से कृष्यत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख्) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ज्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के निलए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपुधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीस् :--

- (1) 1. श्री वी० गोपाल विठल पिता वेंकटम्या
  - 2. श्री जी० नागा वेंकय्या नायडू, नाबालिक होने के नाते पालक श्रौर पिता श्री गोपाल बिठल, घर नं० 22-11-13, 14वा वार्ड, वेंकटया नायडू विथी, भीमायरम-1।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी॰ चीना वेंकटेश्वर राव पिता श्री टी॰ प्रकाश राव, एल॰ जी॰ पाडू सीवारु, गोलाव-नीतीप्पा, भीमावरम तालुक, वेस्ट गोदावरी जिला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-कृमें परिभाषित गया हैं।

### अनुसूची

कृषि भूमि भीमावरम, विस्तीर्ण 3-16-3/4 सेट्स ग्रार० एस० नं० 600, रजिस्ट्रीफृत विलेख नं० 686/82 रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी. भीमावरम।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 8-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. २८८-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4,3) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं अगर ए० सी० नं 239/82-83 यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-, रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० धार० एस० 600 है, जो भीमस्वरूप में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूभी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भीमवरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अता अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री जी० गोपाल विठ्ठल पिता वेंकटय्या
  - (2) श्री जी० नागा वेंकय्या नायडू, नाबालिग होने के नाते उनके पालक श्रीर पिता श्री गोपाल विठ्ठल 22-11-13, 14 वा वार्ड, वेंकय्य नायडू विधि भीमावरम-1

(भ्रन्तरक)

2. श्री टी॰ वेंकटेश्वर राव पिता श्री टी॰ प्रकाश राव. एल॰ जी॰ पाडू सीवारू, गोस्लाबनीतीपा, भीमावरम तासुक, जिला वेस्ट गोदावरी।

् (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितब स्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुस्**ची

श्रनुसू<del>ची</del>

कृषि भूमि, भीमावरम, मुितसिपाल लिमिट, ग्रार० एस० नं० 600 3-16 3/4 सेंटस् रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 690/82 रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी भीमावरम ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम भ्रधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैवराबाद

विमांक: 8-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 240/82-83-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार्र को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० 600 है, जो भीमावरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भीमावरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रितिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किया आय की बाबल उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री जी० गोपाल निठ्ठल पिता वैंकटम्या
  - (2) श्री जी० नागा वेंकस्या नायडू, नाबालिग होने के नाते उनके पालक भीर पिता श्री गोपाल विठ्ठल, 22-11-13, 14 वा वार्ड, वेंकस्य नायडू विधि भीमावरम-1

(भन्तरक)

 श्री टी० चीना वेंकटेश्वर राव पिता श्री टी० प्रकाश राव, एल० जी० पाडू सीवार गोललावनीतीप्पा, भीमाथरम, तालूक, जिला वेस्ट गोदावरी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्पादितयों में से किसी स्पक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए था सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि, भीमावरम मुनीसिपाल लिमिट, भार० एस० नं० 600~3-16~3/4 सेंटस् रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 687/82 रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भीमावरम ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम मधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जम रेंज, हैवराबाद

विनांक: 8-11-1982

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर मायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 241/82/83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 387 है, जो श्रंकिरेड्डी पालेम गुंटूर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत विधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य सं उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबतः, उक्त बिभिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अपुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थीस् :---

- (1) श्री पी० रामाय्या, पिता जाध्यय्या ध्रौर भ्रन्य 4, लालपुराम, गृंदूर तालूख, गृंदूर जिला। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रो एन० सीताय्या, पिता, कोटाय्या ग्रौर ग्रन्य चंद्रामली नगर, गुंटूर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई थी आसेप हन्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्चवा के राजपत्र में प्रकासन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### सरक्री

बंजर भूमि नं० 387 ग्रंकिरेड्डीपालेम गुंदूर विस्तीर्ण 1.2 1/2 सेंटस, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2821/82 रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी गुंदूर।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 8-11-1982

प्रकृष आहे. टो. एन. एस. ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार् कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैवराबाद

हैक्राबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 242/82-83-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिरत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

भौर जिसकी सं० 3/100 शेयर है, जो श्रीनिवामा महल गुंटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक मार्च, 1982

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिय उददेश्य से अक्त अन्तरण निष्ठित में वस्तिविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से दायित्व में कभी करने वा उससे अवने में सूर्विधा के लिए, और/मा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था. किया स्विका के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के व्यवस्था में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखितु व्यक्तित्यों, अर्थात् ६—— (1) श्री एन० अनदराजू पिता नीरंजन भ्रन्य एक मंगल गिरी गुंटुर

(भन्तरक)

(2) श्रीमती वाई० श्रीलक्ष्मी पति सत्यनारायण मंगलगिरी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों का व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ता में टिकाए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

3/100 शेयर सिनेमा थेटर जो श्रीनिवास महल के नाम से मंशहूर है, मंगलिंगरी, गृंटूर रजिस्ट्रीकृत विनेख नं० 1662/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी गुंटुर ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम श्रधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजैन रेंज, **हैदराबा**द

विनांक: 8-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 243/82-83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 25/1 है ग्रौर 26/1 है, जो कािकनाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रीधकारी के कार्यालय, कािकनाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री के० रामास्वामी, पिता, सैराय्या, तिम्मापुरम, (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ ऐरविन थमसन, पिता सालमन जाकब, काकिनाडा (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

#### अनुसूची

कुल 1 याकर 32 सेंटम कुल्ली अमीन रामानाय्या पेटा, काकिनाडा नगन निगम श्रार० एस० नं० 25/1 श्रौर 26/1, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2365/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी काकिनाडा ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **हैदरा**बाद

दिनांक: 8-11-1982

# प्रकप आई• टी• एत • एस० ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० नं० 244/82-83—यतः मुझे, .एम० जेगन मोहन,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- इसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० घर नं० 380-ए है, जो रेड्डी पालम गुंटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनाक मार्च, 1982।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एरे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त की निम्नीलिचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिबक स्थ से किथा नहीं किया नया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत: कथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-गं के, जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-वं की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिजित स्विक्तियों, प्रथित् :---  श्रीमती ए० मानीक्यम्मा पति वेंकटप्पा रेड्डी पालग गृदुर, शिवरल्, गृंदूर जिला।

(ग्रन्तरक)

- 2 (1) व्ही० केशवनारायणा पिता राजगोपालराव
  - (2) व्ही० बाबू नागेन्द्र मारूनी वरप्रसाद पिता राम-चंद्रस्या
  - (3) ए० वेंकटरामस्या पिता चलमस्या
  - (4) ए० पदनागराव पिता रामलिंगय्या गुंटूर (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाेंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिश्वरण:--ध्रसमें प्रयुक्त स्थ्यों और पदों का, जो उक्त किपिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्**स्ची

बंजर भूमि, रेड्डी पालम गुंटूर पंचायत, विस्तीर्ण डी० नं० 380/ए, रजिस्ट्रीकृप्त विलेख नं० 2167/82, 1.10 सेंटम् रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी गुंटूर ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज़, हैदराबाद

दिनांक: 8-11-1982

मोइर:

प्ररूप आहें, टी. एन्. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवस्बर, 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 245/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 7-1-23 है, तथा जो गांधीनगर, काकीनाडा में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत त्यिक्तियों, अर्थात् :---

 श्री एम० पूलमराजू पिता बापीराजू, गांधी नगर, काकीनाधा।

(भ्रन्तरक)

 श्री एन० जांन पिता वेंकटरतनम, धर नं० 7-1-25, गांधीनगर, काकीनाडा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यिक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ——इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

धर संपत्ति धर नं० 7-1-25, वार्ड नं० 1, गांधीनगर, विस्सीर्ण 475 वर्ग गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2167/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी काकीनाडा ।

> ाम् जोगन मोहन मक्षम प्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 8-11-1982 मोहर: प्रारूप नार्च.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्दर, 1982

निदेश सं श्रार ए० सी 246/82-83— श्रत: मुझे, एम० जेंगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित काजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 7-1-25 है, जो गांधीनगर, काकीनाडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) अलारणं से हाई किसी आय की दावत, उक्त निपनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निस्ननिवित क्यक्तियों, अधीत् हिन्स  श्रीमती पी० यल० नरसयम्मा, पति श्री पूल्लम राज गांधीनगर, काकीनाडा ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एन० मरीयम्मा, पति श्री एन० जांन, धर नं० 7-1-25, गांधीनगर, काकीनाडा।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कार्ए भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धर सम्पत्ति नं० 7-1-25, वार्ड नं० 1, गांधीनगर, काकीनाडा, विस्तीर्ण 475 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2195/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी काकीनाडा।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-11-1982

# प्रकर्ण आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भायां लिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निवेश सं० श्रारं० ए० मी० 247/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रु से अधिक है

भीर जिसकी स० 13-2-15 श्रीर 13-2-16 है, तथा जो काकीनाडा, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकरी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1982

को पृषोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वास कर्भे का कारण है कि यथापृष्यित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्थ में कमी करने दा उससे अधने में सृविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नतिकित स्थिनियमें अर्थात्ः--

- (1) श्रीमती डी० व्ही० रामनयम्मा पति श्रीः रामचन्द्र
  - (2) श्री डी० पी० के० एल० एन० राजू पिता श्री रामचन्द्रराजू
  - (3) श्री डी॰ रामचन्द्र चक्रवर्ती,
  - (4) श्री डी॰ बी॰ व्ही॰ श्रीहरी राजू पिता स्वर्गीय रामचन्द्रराज्
  - (5) श्री डी॰ नवीन पिता श्री बी॰व्ही॰ श्रीहारीराजू, काकीनाडा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री सती वीर रेड्डी पिता वेंकट रायडू, श्रलीयास वेंकट रेड्डी, तिलक स्ट्रीट, काकीनाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस्वार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर संपत्ति धर नं० 13-2-15 श्रौर 13-2-16 काकीनाडा, विस्तीर्ण 861.92 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2242/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी काकीनाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद।

तारी**ख: 8-**11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 248/82-83—अतः मुझी, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

भीर जिसकी संख्या 13-2-15 भीर 13-2-16 है जो काकी-नाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर जो पूर्ण रूप मे वृणित है), रस्जिई। कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अभीन, निम्निशिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती डी० व्ही० रामनयस्मा पति रामचन्द्रराजु,
  - (2) श्री डी० पी० के० एल० एन० राजू पिता रामचन्द्रराजु,
  - (3) श्री डी० रामचन्द्रचक्रवर्ती,
  - (4) श्री डी० बी० व्ही० श्रीहारी राजू पिता लेट रामचन्द्रराजू,
  - (5) श्री डी॰ नवीन पिता श्री बी॰ व्ही॰ श्रीहारीराजू, काकीनाडा।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती साती शाताकुमारी पति वीर रेड्डी, तिलक स्टीट, काकीनाडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

घर संपक्षि धरनं० 18-2-15 ग्रौर 13-2-16 काकीनाडा। विस्तीर्ण 527.3 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 2243/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, काकीनाडा।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ) निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 8-11-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सभीन स्पना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निदेश संब्ह्यार० ए० मी० 247/82-83—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8-20-11 है तथा जो काकीनाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय काकीनाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 82 को पूर्ववित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्स विधिनियम के जभीन कर योगे के जन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती प्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) के अधीन', निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती एम० श्यामालांबा पित शिवराय, नं० 10-86, सिकिन्दराबाद, श्रौर 5 अन्या, काकीनाडा ।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती डी०बी० रामानायाम्मा पति लेट रामाचन्द्राराजू, श्रन्या 5, गांधीनगर, काकीनाडा।

(भ्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत्र सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धर सम्पति धर नं० 8-20-11 चावालीवारी वीधी काकीनाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2405/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी काकीनाडा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: ६-11-1982

माहर :

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

**जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंक्षर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निदेश सं० म्रारं० ए० सी० 250/82-83—म्प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर मंण्टित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 48-1-8 है, जो पालाकोल, में स्थित है (भौर इससे उपाधद्ध भ्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पालाकोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में फ्रमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये; और/गा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिशः व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री सी० एक० रावी शंकर पालाक श्रीर पिता श्री मी० एक० सूरया नाराशाना राज, दोइडीपटला, नारायापुरम तालुका, वेस्ट गोदावरी जिला ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० रामाकिशना रेड्डी पिता सूरया नारायाना, धर नं० 11-1-23, 5 वार्ड, पालाकोल ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- सद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्स्ची**

धर नं० 48-1-8 पालाकोल, विस्तीर्ण 356-6, चौरस गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 711/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पालाकोल।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ,

तारीख: 8-11-1982

•प्ररूप आर्ड्ः टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 251/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2-120 है, जो सात्तेना पाल्ली, गुंटूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गुंटुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च, 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक है सिए तय सिक्त में अस्तिक सिक्त सिए तय सिक्त में अस्तिक सिक्त सिए तय सिक्त सिक्त

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिभाने में सुविधा के लिए;

जतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~

- भी पी० हनुमंताराव, स्दरावाराम गाव, साल्वेना पार्ली, गृहर जिला। (श्रन्तरक)
- श्री एन० पी० वेकाटेस्वारलू, किराना विजिनेस, काटामूरवारी वीधी, सात्तेना पाल्ली, गुटूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही मुक्क करता हुँ।

# दक्त स्व्यत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस. सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रग्नुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

धर सम्पत्ति धर नं० 2-120 सूरया टाकीस के पास, सात्तेना पाल्ली गुंटूर, विस्नीर्ण 116 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1287/82, रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी सात्तेना पाली ।

> एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 8-11-1982

मोहर 🕹

प्ररूप आइ. टी. एन एस. -----

**काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-ष (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० म्रार० ए० मी० नं० 312/82-83—म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वतस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है जो बोधन, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बोधन में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मार्च, 1982 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलियित उद्देश्य से उचन अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत, व्यक्तियाँ अधीतः——
18—176⊕1/32

- श्री इमामुद्दीन शेख इमाम पिता नीजामुद्दीन शेख इमाम, जी० पी० ए० एम० शेख इमाम, पोखाराम, बोधन । (ग्रन्तरक)
- श्री अरोफ अली खांन पिता अब्दुल रहमान खान, पीचाराम, बोधन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारत में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त अन्दौं और पर्वों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नगुसूची

भूमि सर्वे नं० 12 भ्रौर 16/2, विस्तीर्ण 4 एकड, 35 गूंठे, पोचारम, बोधन तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1025/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, बोधन ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप आहर्षे. टी. एन. एर. - - - ----

नामकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 313/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है जो बोधन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बोधन में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य स कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शुष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किवा जाना चाहिए था छिपारों में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- श्री इक्रामुद्दीन शेख इमाम पिता निजामुद्दीनशेख इमाम, जीव पीव एव मुमनाजुनीमा बेगम, बोधन ।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रमीफ ग्राली खान पिता अब्दुल जब्बार खान, बोधन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्धरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोक्स्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण --इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिवा गया है।

#### जन्सूची

भूमि सर्वे नं० 15/17, विस्तीर्ण 2 एकड, 21 गुंठे, बोधन तालुक, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1022/82, रिजस्ट्रीकर्ता मिश्रकारी, बोधन ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 10-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 314/82-83—श्रत:, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

र्श्वीर जिसको सं० भिम है जो कल्लूर गाव म स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पुर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कर्नूल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्तत अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उन्तत अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—

 श्री एस० पी० पापन्ना पिता एस० वाई० पेट्टा पापन्ना, कर्न्ल ।

(भ्रन्तरक)

 श्री भ्रार० थीमय्या पिता श्रार० सी० देवदानम, कर्नूल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपित्त के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि कल्लूर नगर, कर्नूल, सर्वे नं० 624/1, 649/1, विस्तीर्ण 0.98 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1238/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, कर्नूल ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर<sup>्</sup>मायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सृपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 315/82-83—म्प्रतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि तथा जो कल्लूर गांव में स्थित है (धौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कर्नूल, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब उयस अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——  श्री जी० ग्रब्बूल रेड्डी पिता श्री जी० शिया रेड्डी, दीनेदेवरपाडु गांव, कर्नूल ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स लेपाक्षी इस्टेट ट्रेडर्स , मैनेजिंग पार्टनर, वाई० बालरेड्डी पिता वाई० ग्रंतय्या रेड्डी, 66/45, कोत्ता, कर्नूल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पथ्वीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

र्भीम कल्लूर गांव, कर्नूल नगर, विस्तीर्ण 1 एकड, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1325/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी, कर्नूल ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-11-1982 मोहर:

# प्रक्य भार ,दी .पन .पन .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### नारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनाक 10 नवम्बर 1982

निदेश स० श्रार० ए० मी० न० 316/82-83—श्रत, मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० भूमि है, जो कल्लूर गाव में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कर्नूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पहु एतिशात से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में स्थिधा क लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री जी० कृष्णा रेड्डी पिता संजीय रेड्डी, दीनेदेवरपाडू गाय, कर्नूल तालुक।

(ग्रन्तरक)

मैसर्स लेपाक्षी एस्टेट, ट्रेडर्स,
 मैनेजिंग पार्टनर,
 वाई० बाल रेड्डी पिता वाई० श्रंतय्या रेड्डी,
 66/45, कोत्ता, कर्नूल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि कल्लूर, गांव कर्नूल नगर, विस्तीर्ण 2 एकड, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 1326/82, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, कर्नूल।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, हैदराजाद ।

तारीख: 10-11-1982

मोहर

प्ररूप आहुँ, ट्री. एन. एस.

नायुकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

#### धारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैबराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 317/82-83—श्रतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्नर निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है जो कल्लूर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कर्नूल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1909 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियम के बधीन कर दोने के बन्धरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के बिस्कृ बाँद/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जय, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्मृलिवित व्युक्तियों जर्भीत् ः→

- श्री ए० राजेस्वाराप्पा
   (2) ए० बोजेस्वराप्पा पिता, शनमुखप्पा,
   कदनेदेवरपाडु, कर्नूल तालुक।
- (अन्तरक)

  2. मैंसर्स लेपाक्षी इस्टेट ट्रेडसं,
  मैनेजिंग पार्टनर,
  श्री वाई० बालरेड्डी पिता श्री भंतय्या रेड्डी,
  66/45, कर्नूल ।
  (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रूक करता हुं।

### उक्त सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नामोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध्या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्यो भी अविध्या नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूची कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्री के वास सिसित् में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकर्ष्यः न्यास्य प्रवास्य विद्या विद्या का , जो अवस्य २०-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनस्य सी

2 एकड़ भूमि कल्लूर गांव, कनूंल नगर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1331/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, कर्नूल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराकाद।

प्तारीख: 10-11-1982

प्ररूप आई दी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्स (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनाक 10 नवम्बर 1982

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० न० 318/82-83—श्रत मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है जो कल्लूर गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कर्नूल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अतिरातियाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:--- श्री जी० शिवारेड्डी पिता जी० सजीवा रेड्डी, देवरपाडु, कर्नूल ।

(भ्रन्तरक)

2 मैंसर्स लेपाक्षी इस्टेंट ट्रेडर्म मैंनेजिंग पार्टनर श्री बाइ० बालरेड्डी, पिता श्री अतय्या रेड्डी 66/45 कर्नुल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहनी अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

### अमुसुची

1 एकड भूमि कर्ल्र गाय कर्न्ल, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1329/82, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी कर्न्ल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, हैदराबाद

तारी**ख** - 10-11-1982 मोहर -

# प्रक्ष वार्ड.टी..एन्..एस . ------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### स्वपुर चंड्रकर

# कार्यास्य, सहायक बायकार आयुरह (निर्देशिय)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर, 1982

निदेश सं० ध्रार० ए० सी० नं० 319/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विध्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यक्ति, दिख्का उचित बाबार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है जो कल्लूर गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कर्नूल में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मार्च 1982 को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्त-विक रूप में किथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरम सं हुई किसी नाम की नानत, उनत् श्रीचीननम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कानी करने ना उससे बुचने में स्विभा के निए। बाड/ना
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या क्या आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या वनकार अधिनियम, या वनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्वीवया के स्विष्ट

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--

- श्री जी० दाना रेड्डी, पिता जी० संजीवा रेड्डी दीने खेरपाडू, गांव, कर्नूल, तालुक।
   (श्रन्तरक)
- मैसर्स लेपाक्षी इस्टेट ट्रेडर्स, मैनेजिंग पार्टनर वाइ० बालरेड्डी पिता श्रंतस्या रेड्डी 66/45, कोता कर्न्छ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णम के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत् सम्पत्ति के नुर्वंग के सम्बन्ध में कोई भी बाखोप्:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी समिश बाद में समान्त होती हो, में भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां वृत्तियां
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उनत स्थावर संपरित में हितवक्ष किसी बन्द व्यक्ति दुवारा अध्यहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अमृत्यी

कल्लूर गांव में भूमि, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 1330/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कर्मल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-11-1982

प्रसम्प आई. टी. एन. एस 🕒 ⋯

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेण सं० म्रार० ए० मी० नं० 320/82-83—म्रात मुझे, एम० जेगन मोहन,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है जो कल्लूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कर्नूल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19---376GI/82

 श्री जी० मोहन रेड्डी पिता जी० शिवा रेड्डी दीनेदेवरापाडू, कर्नूल तालुक।

(भ्रन्तरक)

2 मैंससं लेपाक्षी इस्टेट ट्रेडर्म, मैंनेजिंग पार्टनर बाह० बालरेड्डी पिता श्रंतस्या रेड्डी 66/45, कोता कर्नूल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

ह्यच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

1 एक भूमि कल्लूर गाय कर्नूल रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1327/82 रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधिकारी कर्नूल ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप नाइ. टी. पन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982 संब्राट वेब्सीव नंव 321/82-83--श्रतः मुझे; एमव जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावरा सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट है, जो गांधीनगर हैदराबाद म स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् नाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उच्चेश्य से उच्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक कप से किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिमिनयम की जभीन कर वीने की अन्तरक जी दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धार 269-म कौ उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) मैसर्से कामत निरुद्ध्यें, बाई०एस० ए० कामत, नी०3, जिन्दू शार्पिंग सेंटर, तीलक रोड, जम्बई,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती धार० सूदर्शन पति टी सुदर्शन, 1.7-1072/शी०, श्रार० टी० सी० एक्स रोड, हैदराबाद ।

(घ्रन्सरिती)

को ग्रह सूचना पार् करके पूर्वों का सम्पत्ति के वर्षन के हिसए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पृत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वार अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

## जनसर्थी

प्लाट मं० बीं०-8, मुनीसीपल नं० 1-1-524/ए प्रौर ए1, गांधीनगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 670 चौ० फीट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1811/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगम मोहत सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)** भर्जन रेंज है**दद्वाबाद**

तारीच : 10-11-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद; दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ये० सी० नं० 322/82-83--- ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य् 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि है जो तोंगलगृङा हैदराबाद मलकपेट, में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्राझमपुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण

मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)

के अधीन, निम्मिशिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) एस० बालय्या पिता नरसीम्हा, 16--11-163, मुसारामबाग, हैवराबाद । (अन्तरक)

(2) मैसर्स गंगा को-ग्रापरेटिव हार्डीसग सोसायटी लि० बाइ० सेकेट्री श्री डी० ग्रनिलकुमार, 2-2-1105/7, तिलकनगर, हैदराबाद । (अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिरयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, तीगलगुडा मलकपेट, विस्तीर्ण 7485.18 भौ० मीटर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 773/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी भ्राक्षमपुरा ।

> एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्त्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 10-11-1982

मोहर 🗓

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ये०सी० नं० 323/82-83-श्रतः मुझे, एस० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या भूमि है, जो तीगलगुडा, हैदराबाद मलक-पेंट में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राझम-पूरा में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रिधनियम 1908 (1908का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयको सायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:-- (1) श्री बी० पाडू म्रलियांस बी० पांडू रेड्डी,
 16-11-183,
 मुसाराम बाग, हैंदराबाद

(ग्रन्सरक)

(2) भैंसर्स गंगा को-श्रापरेटिव हाउजींग सोसायटी, बाइ० मेकेट्री, श्री डी० ग्रनिलकुमार, 2-2-1105/7, तीलकनगर, हैंदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **मन्स्**ची

जमीन कुल खुला प्लाट, सर्वे नं० 22/ए ग्रौर 38/ए (भाग) तीगलगुडा, विस्तीणै 7532 चौ० मीटर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 787/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी ग्राममपूरा ।

> एम॰ जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

नारीख : 10-11-1**98**2

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ये०सी० नं० 324/82-83--श्रतः मुझे, ए.म० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है, जो तीगलगुडा, हैदराबाद मलक-पेट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय आसमपूरा मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982

में पूर्विक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरणं मो, मौ, अक्त अधिनियमं की धारा 269मं की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :-- (1) श्री बी० पांडू, प्रालियास, बी० पांडू, रेड्डी, पिता रंगा दूड्डी घर नं० 16-11-183, मुसारामबाग, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स गंगा को-श्रापरेटिव हाउजींग सोसायटी, नि० बाई० सेकेट्री श्री डी० श्रनिलकुमार । 2--2--1105/7, तीलकनगर, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुस्ची

भूमि तीगलगुडा मलकपेट, विस्तीर्ण 10214 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 772/82 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्राममपुरा ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखः : 10--11--1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं० श्रार० ये०सी० नं० 325/82-83-श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 137/1, 2 ग्रौर 5 है, जो हैदराबाद, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से स्वतः अंतरण लिखित में बास्त्रीव्क रूप से स्विथत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री डी० मी० नरसीम्हा रेड्डी पिता एस० दूड्डी, 17-10-410, सहदाबाद, हैदराबाद । (भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स तीरुमला को-म्रापरेटिव हाऊजींग सोसायटी, बाइ० ऊमावती रेड्डी, मालकपेट, हैदराबाद । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का भाग विस्तीर्ण 97 सेंटस, सर्वे नं० 137/1, 137/2 श्रौर 137/5, सददावाद, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1869/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण,) म्रजन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीत् .—

तारीख . 10~11−1982

भोहर:

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्य, स्झायक आयकर आयुक्त (निर्शेक्षण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद हैक्सराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं० म्रार० ये०सी० नं० 326/82-83---म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात: 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है, जो तीगलगूडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती '(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयु की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) नंदिया पिता स्रंतय्या श्रांबरपेट, हैदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) मैसर्स प्रार्थिय नगर, को-प्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, लि० घर नं० 3-6-361/46, होमाय-यतनगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 273 चौ० गज सर्वे नं० 64, 65, भौर 66, तीगलगुडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2217/82 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 10—11—1982

अरूप बार्ड. दी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982 सं० श्रार० ये०सी० नं० 327/82-83--श्रतः मुझे एम०, जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क कारण है कि स्वावर संति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० जमीन है, जो तीलगगूडा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 16) के के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और भूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से, एसे बस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किना आय की बाबन खकन अजि-नियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के आपए: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी ितसी बाय या किसी घन या मन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर प्रिविद्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएँ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, खिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निव्यक्तिका व्यक्तियों, अधीन निव्यक्तिका व्यक्तियों,

(1) श्री धनंजवा पिता नंतस्या, श्रांवरपेट, हैंदराजाद

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्न प्राराबदनगर, को-श्रापरिटव हाउसिंग सोसायटी, लि० घर नं० 3-6-361/46, हीमायतनगर, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया-गया है।

#### मन्त्रची

जमीन का खुला प्लाट, सर्वे नं० 64; 65, ग्रौर 66 तीगलगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 2731 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2216/82 रजिस्ट्रीकर्ता, ग्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाड

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप वार्षे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रृजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982

सं० म्रार० ये०मी० नं० 328/82-83---म्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जमीन है, जो तिगलगूडा हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 20—376G1/82 (1) श्री दास पिता मंदया, ग्रांबरपेट हैंदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स म्रार्रावंदनगर को-म्रापदूटिय हाउजीग सोसा-यटो, लि० घर नं० 3-6-361/46, हीमायतनगर, हैंदराबाद

(अन्तरिती)

क्यों यह सुचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 64, 65, श्रीर 66, तीगलगुडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 2731 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2215/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मो**हन** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैवराबाव हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1982 निदेश सं० श्चार० ये०मी० नं० 329/82-83--श्चतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है जो तीगालगूडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह जिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्षिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सुधीन, निम्निलिखित स्थितित्यों, अर्थात:—— (1) श्री म्ननिल कुमार पिता श्री नंवाया, म्राबरपेट, हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) मैंसर्स भ्रारविंदनगर को-भ्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि०, घर नं० 3-6-361/46, हीमायतनगर, **है**दराबाद

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूम्ना के राजपण में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में द्वितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ननसची

भूमि तीगालगुडा, विस्तीर्ण 2731 चौ० गज सर्वे नं० 64, 65, श्रौर 66 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2214/82 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख : 10-11-1982

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनाक 10 नवम्बर 1982 निरोश स० III/608/ग्रर्जन/82-83--ग्रतः, मुक्षे, प्रबोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या म्यूनिसीपल होल्डिंग न० 23 ए (पुराना) 56 (नया) वार्ड न० 1 (पुराना) 4 (नया) सर्किल न०2 बहादुर सुखराज राय रोड, मोहल्ला—खंजरपुर भागलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भागलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1~3—1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिल्त बाजार मूल्य उसके इस्प्रमान प्रतिफल से, एसे इस्प्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

(1) श्रीमती हरजिन्दर रेखी जोजे श्री शमशेर सिंह रेखी द्वारा श्री शमशेर सिंह रेखी बल्व, डा० डी० पी० सिंह, निवासी सी०-3, कसाई कालोनी, मोहल्ला थाना, डोरन्डा, जिला रांची।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण दोकानिया (एच० यू० एफ०) बल्द श्री मोहन लाल दोकानिया, निवासी—सूजागंज, थाना कोतवाली, जिला--भागलपुर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षपे :---

- (क) इस सूचना के राजएत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी व्यक्ति इवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अनुसूची

जमीन मय तीन मंजिला पक्का मकान जिसका रकवा 03 55 हैक्टेयर्म है तथा जो बहादुर सुखराज राय रोड, मोहल्ला—खंजरपूर, थाना बरारो, जिला—भागलपुर में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसका संख्या 2394 दिनांक 1-3-82 मे विणत है एव जिसका निबंधन जिला भ्रवर निबंधक पदा-धिकारी, भागलपुर के द्वारा सम्पन्न हुम्रा है।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज परिक्षेत्र, बिहार,पटना।

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप आहुरै.टी.एन.एस.------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक, 10 नवम्बर 1982

निदेश मं० III/609/म्रर्जन/82-83---म्रतः, मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या विसका मं० 1-1691 दिनांक 5-3-82 के अनुसार मौजा कुन्डा, देवधर जिला, संथाल परगना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-3-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्धिष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा किए. और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कान्ता श्रगोडा, निवासी 69, चौरंगी रोड, कलकत्ता, 20। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रोता देवी, निवासी---शेल बाला राय रोड, देव घर, (संस्थाल परगना)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के टर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समाहै।

## मन्स्ची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रक्कवा 3 बीघा 10 कट्ठा है एवं जो मौजा कुन्डा, देवघर जिला—संस्थाल परगना, में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 1—1691 दिनांक 5-3-1982 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन सबर्राजस्ट्रार श्राफ एस्यूरेन्सेज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना,

नारीखा: 10-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना दिनाक, 11 नवम्बर 1982

निवेश सं० 1H/616/प्रर्जन/82-83-प्रत<sup>-</sup>, मुझे, प्रबोध कुमार, दूबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1169/बी (1169/बी० 2 जैसा दिणित) वार्ड सं० [I (पुराना) है तथा, जो हरमु ग्रौर भुईया टोलो रोड, जिला रांची, में स्थित हैं (ग्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राची में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 3 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोरे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रनिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातः—

#### श्रन्लग्नक 1

बेचने वाले का नाम

- (1) मोस्मात महमुदा खातुन जौजे—स्व० हसन जोलानो,
  - (2) श्रीमती श्रखतरी खातुन जौजे–मोहम्मद मखे-उद्दीन
  - (3) श्रीमती ग्रहमदो खातुन जौजे—मोहम्मद महमूद ग्रालम
  - (4) श्रीमती मसुदा खातुन जौजे-मोहम्मद शमशेर
  - (5) सैयदा खातून जौजे-मोहम्मद शेरजुल हक

- (6) श्रीमती इस्मत खातुन जौजे-मोहम्मद तबरैक्स खान
- (7) रफत खातुन
- (8) निखत खातुन
- (9) नुसरत खातुन
- (10) सनाउल्लाह जोलानो
- (11) जेयाउल्लाह जोलानो ग्रीर
- (12) हवीबुल्लाह जोलानो।

नं० 2 से 12 स्व० हसन जोलानों के पुक्ष एवं पुक्षी नं० 1,3, 5, श्रौर 7 से 12 निवासी—चर्च रोड, धाना, लोग्नर बजार, जिला राची,

न० 2 निवामी डोरन्डा, थाना डो्रन्डा, जिला राची,

नं० 4 निवासी-काके रोड, थाना-काके, जिला-रांची नं० 6 निवासी पुरुलिया राड, थाना-लोअर बजार, जिला-राची

न० 9, 10, 11, 12, नावालिग द्वारा मोस्मात मुह्मुदा खातुन।

(ग्रन्तरक)

2. स्रोम प्रकाश स्रग्नवाल

(2) श्री चन्द्रभान अग्रवाल वल्द स्व० शिवलाल श्रग्रवाल, द्वारा मैससं हरयाणा ट्रान्सपोर्ट कम्पनी, निवासी इरगू टोली, जिला रांची।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मात्र जमीन जिसका रकवा 4 कट्ठा 12 छटांक भौर 12 स्ववायर फीट है तथा जो हरम स्रौर भुईयां टोली रोड, जिला—रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 2059 दिनांक 3-3-82 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला श्रवर निबंधक पदाधिकारी, रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख : 11-11-1982

प्ररूप बाह्र . द्वी . एन . एस . ------

भायकर आधिनियम . 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 11 नवम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या होल्डिंग संख्या 17 है तथा, जो राजेन्द्र नगर कालोनी, साकची थाना शहर जमशेदपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-3-1982

को पूर्वा निस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों नत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्धरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में कृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी सरदार हरबन्स सिंह, 83 महास्मा गांधी रोड, श्रागरा कन्टोमेंट, थाना श्रागरा, जिला श्रागरा (उ० प्र०) द्वारा, प्रतिनिधि मुत्रंशीर उद्योग पिता स्व० निजाम उधीन, 16 राजेन्द्र नगर, कालोनी, थाना साकची, जमशेदपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शुर्मा बनर्जी पति श्री सुशील कुमार बनर्जी, 17 राजेन्द्र नगर कोपरेटिग, थाना साकची, जमशेदपुर, जिला सिंह भुम (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख स 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, शो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पंखीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## वम्स्ची

जमीन जिस पर दो मंजिला पक्का मकान है । जिसके निचले सतह में तीन कमरा, डायिनिंग स्पेश, दो रसोईघर, एक भंडार कमरा, एक गैरेज, दो शौचालय, एक स्नानघर साथ में शौचालय श्रौर वराण्डा एवं श्रांगन जिसके चारो तरफ पक्का दिवाल तथा दूसरे मंजिल में पांच कमरा, एक डायिनिंग स्पेश, दो शौचालय, एक स्नान कक्षा, एक रसोईघर, इत्यादि । जो राजेन्द्र नगर, कालोनी थाना साकची, शहर जमशेद पुर जिला सिंह-भूम में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 1774 दिनांक 6-3-1982 में विणित है तथा श्रवर निबंधक जमशेदपुर द्वारा पंजीकृत हुआ है ।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, पटना

नारीख: 11-11-1982

प्ररूप. आर्घ. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 3/613/म्प्रर्जन/82-83---म्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

भायकर ग्रिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिषितियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ. से ग्रिषक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट सं० 1374 श्रीर 1375, होल्डिंग सं० 619/ए, बार्ड सं० II बी० है तथा जो, राजस्थान रोड, वर्दमान कम्पाउन्ड, जिला रांची, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला ग्रिधकारी के कार्यालय, रांची में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधन तारीख 18-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिये अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधक है और ग्रन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरिज (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरज के लिये तय पाया प्रयाप्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त ग्रन्तरण विखित में वास्तिक रूप ने कियत नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, धनत अधिनियम के बश्चीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या धससे बचने में सविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जन, उक्तः अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबिस स्थितस्यों, सुभत् क्र--- श्री गीतम घोष बल्द श्री तारक नाथ घोष गठित प्राभिकर्ता द्वारा श्री तारक नाथ घोष निवासी राजस्थान रोड, वर्दमान कम्पाइन्ड, जिला रांची, । (श्रन्तरक)

ध्रनुलग्नक 1

- (1) श्रीमती प्रतिमा चौधरी
   जौजें-श्री सुजीव चौधरी
   निवासी राजस्थान रोड, वर्दमान कम्पाउन्ड,
   जिला रांची ।
  - (2) श्री कीर्ति चौधरी वत्द स्व० उमापदो चौधरी निवासी गारदा बाबू स्ट्रीट थाना/जिला रांची।
  - (3) श्री सत्यवता सिन्हा वल्द श्री ग्रबनीन्द्र नाथ सिन्हा ।
  - (4) श्रीमती उतपला सिन्हा जौजे श्री मत्यबृता सिन्हा दोनो निवावी थरपखना एच० बी० रोड, जिला रांची ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के क्षिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी स्थिन्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ला) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्त सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य क्यक्ति बारा ग्रघाहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्वष्टी करण: ---इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम क श्रुष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रष्ट्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

जमीन मय दो मंजिला पक्का मकान जिसका रकवा करीब-करीब 0.56 एकड़ हैं तथा जो राजस्थान रोड, वर्दमान कम्पाउन्ड जिला राची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका सं० 2387 दिनांक 18-3-1982 में वर्णित है तथा जिसका निबधन जिला भ्रवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज,पटना

तारीख: 11-11-1982

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस. - - - --

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, उमहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 3/614/श्रर्जन/82-83—श्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दूबे,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी मंख्या प्लाट सं 1169 बी (1169/बी०-1, जैमा दिशत) वार्ड मं 2 (पुराना) है तथा, जो हरमु और भुइयां टोली रोड, जिला राची, में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रांची में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख 2-3-1982

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना क्रोहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री नी जार श्रालम बल्द स्व० मो० वसोस्हीन, निवासी अर्च रोड थाना, लोग्नर बाजार, जिला रांची।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रोम प्रकाण श्रग्नवाल बल्द स्व० णिवलाल श्रग्नवाल, द्वारा मैसर्स हरयाणा ट्रांसपोर्ट कम्पनी निवासी इरगु रोड, जिला रांची,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

#### श्रन्युची

मात्र जमीन जिसका रकवा 4 कट्ठा 12 छटांक भ्रौर 12 स्कवायर फीट है तथा जो हरमु भ्रौर भृदयां टोली रोड जिला रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप मे वसिका सं० . 2049 दिनांक 2-3-1982 में वर्णित है तथा जो जिला भ्रवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 11-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना, पटना दिनांक, 11 नवम्बर 1982

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बांजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 1169/बी (1169/बी (1169/बी -3 जैसा दिश्त), बार्ड संख्या II (पुराना) है तथा, जो हरमु श्रीर भुईया टोली रोड, जिला—रांची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वेणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रांची, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 2—3—82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसत में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य कोस्सियों को जिन्हों भारतीय आय-कंर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21—376GI/82.

(1) इनामुल हक वस्य स्थ० मो० वसोघ्दीन, निवासी चर्च रोड, याना, लोअर बाजार, जिला—— रांची

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्रमान श्रग्रंवाल वल्द स्व० णिवलाल श्रग्रवाल, द्वारा मैंसर्से हरयाणा ट्रांसपोर्ट कम्पनी, निवासी इरग् रोड, जिला रांची ।

(ग्रन्तरिती)

कों यह सूंचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामी से 30 विन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हुतारा;
- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्साहरीकरण '---इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उत्कल अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## मनुसूची

मात्रं जमीन जिसका रकवा 4 कट्ठा 12 छटांक श्रीर 12 स्कवायर फीट है तथा जो हरमु श्रीर मुईय टोली रोड में जिला—रांची में स्थित है एव पूर्ण रूप से विसका संक्या 2048 दिनांक 2~3-82 में वर्णित है तथा जो जिला श्रवर निबंधक पदाधिकारी, राची के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्भन परिक्षेत्र बिहार, पटना ।

ता**रीच** : 11-11-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना दिनांक, 10 नवम्बर 1982

निर्देश सं० III/610/श्चर्जन/82-83—श्चतः, मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-श्य के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं तौजो सं 524, सकिल सं 6, वार्ड लं 2, होस्डिंग सं 397 ए (पुराना हो लं 312 ग्रौर 102) एस पी लं 782 (पार्ट) 783 (पार्ट) एवं 784 (पार्ट) है तथा, जो एक्जीबीसन रोड, जिला पटना, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16—3—1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्विध्य से उक्त ब्रन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः उक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्षत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिलित स्योक्तयों, अर्थातः .—

> ङन्दु बाला सैन ट्रस्ट, एक्जीवीसन गोड, पटना—1 द्वारा ट्टों

(1) डा० सुधांशु कुमार सेन,
 वल्द स्व० नरेन्द्र नाथ सैन,
 निवासी—फ़ेजर रोड
 थाना—कोतवाली
 जिला—पटना,

- (2) श्री गकर प्राशुतीय सेन बस्द-स्व० प्राशुतीय सेन, निवासी-प्रजीजा इंगाम फ्लेट एस० पी० वर्मा रोड, थाना-कोतवाली जिला-पटना,
- (3) श्रीमती तपती सेन जौजे स्व० उमापति सेन, निवासी--तारा रीडिंग रोड थाना--फुलवारी शरीफ, जिला, पटना । (श्रन्तरक)
  - मैसर्स यास्री ट्रेवल्स प्रा० लि०,
     एक्जीवीशन रोड, पटना द्वारा डायरेक्टर
    श्री सुरीन्द्र ग्राहुजा वल्द श्री ग्रार० पी० ग्राहुजा,
     निवासी, एस० के० नगर, पटना--1।
     (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

जमीन मय एक मंजिला पक्का मकान जिसका रकवा करीब-करीब . 78 कट्ठा है तथा जो एक्जीवीमन रोड, थाना—कोतबाली, जिला—पटना में स्थिल है तथा पूर्ण रूप से जिसका विसका संख्या 23 97 दिनांक 16—3—1982 में विजत है एवं जिसका निबंधन जिला प्रवर निबंधक पदाधिकारी, पटना द्वारा सम्पन्न हुमा है।

> प्रबोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

तारीख: 10-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना दिनांक, 11 नवम्बर 1982

निर्देश सं॰ III/612/ग्रर्जन/82-83—ग्रतः, मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. मे अधिक है

श्रौर जिसकी खाता संख्या 33, खसरा सं० 41, वार्ड नं० 34, सिकल नं० 24 हो० नं० 468/361 तौजी सं० 5453 है तथा, जो श्रानन्दपुर बोरिंग केनाल रोड, पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख

5-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पर्शित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उस्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री प्रेम बहादुर माथुर बल्द स्व० चन्द्र कुमार माथुर, श्री कोशल किशोर माथुर उर्फ दीपक जो वल्द उक्त श्री प्रेम बहादुर माथुर, निवासी—मोहल्ला बाबू बाजार, थाना-श्रारा, जिला—ग्रारा ।
- (2) श्रीमती प्रेम शीला गुप्ता जौजे डा० मदन मोहन गुप्ता 2, मदन मोहन गुप्ता बल्द स्व० विश्वनाथ गुप्ता, निवासी—ग्रामधमार, धाना—ग्रारा मुफसिल, जिला—भोजपुर ।

(ग्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिण्टों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जिसका रकवा कुल चार कट्ठा भू-भाग भवन पोख्ता दो मंजिला छतदार, मौजा—राजापुर हमन जो इन दिनों भानन्दपुर के नाम से बोरिंग केनाल रोड पर स्थित है जिसका थाना—श्री कृष्ण नगर, जिला—पटना एवं पूर्ण रूप से प्रसिका संख्या 2163 बिदनाक 5-3-1982 में विणित है तथा जिला भवर निबंधक, पटना द्वारा पंजीकृत हुन्ना है ।

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख: 11-11-1982

# मुक्य बार् ु टी. एन. एवं ------

मायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षक) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर दिनांक, 12 नवम्बर 1982

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या एक भूमि का प्लाट है तथा जो जसपाल नगर, अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बाँगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अर्तारितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया मित-फल, निम्नुलिचित उद्देष्य से सक्त अन्तर्क निम्तुलिचत में वास्त-विक कप से किथात नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की नावत उक्त निध-नियम के न्थीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुखने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (ब) एसी किसी आध या किसी धन या जन्य बास्तियों को, बिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूत-कर अधिनियम, या भूत-कर अधिनियम, या भूत-कर अधिनियम, वा 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;

वतः वव, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ए के वनुवारण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की सम्भारा (1) के अधीन निम्नुसिचित व्यक्तियों, वृष्णियः— (1) भी बलदेव सिंह पुत्र रंगा सिंह, वासी सुलतान विड, ममुतसर ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री कुंदन लाल पुत्र वीरया राम, वासी जोहल राजु सिंह, जिला—श्रमृतसर,

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर संख्या 2 में कोई किरायेवार हो (वह मयक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है),

को यह भूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के भास निजित में किए जा सकेगे।

स्पद्धाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियर गवा है।

## वर्स्ची

एक भूमि का प्लाट 420 व० ग० जो जसपाल नगर, ग्रमतसर में है जसा सेल डीड नं० 21720/18-3-1982 रेजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह माई०म्रार०एस० सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 3, चन्त्रपुरी ममृतसर।

तारीख : 12-11-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ASR 82-83/331—अतः, मुझे प्रानन्द सिंह भार० भाई० एस०, भागतर अधिनयम, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधितियम' हहा गया त्), की भारा 269-अ के अधीत नक्षम गाधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर मंगला, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० से मिशक है

श्रीर जिसकी संख्या एक भूमि का प्लाट है तथा जो गोकल का बाग श्रमृततर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूबी में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), 'जिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वास्त सम्पत्ति के उनित बाजार पूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह बिश्वाम करने हा कारण है कि यथापूर्वोक्त मंगत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एंस ध्रयमान प्रतिकल का गन्द्र प्रतिश्वत सं प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एंस अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नानिका उन्ध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष से कथित नहीं हिया गया है 1—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ज्या उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जुर्धात :---

- (1) श्री भ्रजीत सिंह पुत्र बंता सिंह, वासी—-ठैठगढ़, तह्सील—-तरहन, जिला---भ्रमृतसर। (भ्रन्तरक)
- (2) मैसर्स एस० श्रमर मकेनीकल वर्क्स, गोकल का बाग इस्ट मोहन नगर, श्रमृतसर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 से कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिस के मिक्षिभोग में सम्यत्ति है)
- (4) भ्रौर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के **मर्जन** के **लिए** कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उद्दर सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में ठाई मो प्राक्षेप

- (क) इस पूजना के राजनत में नकागन की तारीत से 45 दिन की अविश्व या तासम्बन्धी क्यक्तियों पर सूजना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसा व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारी। से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पढ़ क्षेत्र :- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पतों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

एक भूमि का प्लाट 277.7 व०ग० जो गोकल का बाग सुलतानर्विड, ग्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 22243/ 25-3-1982 रजिस्ट्रीकर्ता धिष्ठकारी, ग्रमृतसर में वर्ज है।

> म्रानन्द सिंह माई० मार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज 3, चन्त्रपुरी, ममृतसर।

तारीख: 12-11-1982

त्ररूप नार्इं.टी. एन . एस . -----

आवकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 2**69-व (1) के अधीन सुच**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक, 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ASR/82-83/332--श्रतः, मुझे, श्रानन्द सिंह ग्राई०ग्रार० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के श्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विशन्स कदने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- दें विधक है

श्रीर जिसकी संख्या एक जायदाद कड़ा करम सिंह श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नित सिंसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण म तुई कियो आय को बावत **उक्त अधि**-नियम, के संधीत कर देने के धन्तरक के वावित्य में कमी करने या **उक्ते अजने** में सुविधा के लिए: धीर/या
- (ख) ऐसी किनी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम; 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, क्रियाने में बुविद्वा के लिए;

कत. श्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री मनिद्र पाल सिंह पुत्र गुरुवचन सिंह, दिनवार कोर पत्नी गुरुवचन सिंह, 195—शास्त्री नगर, श्रमृतसर।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी महिदर कुमार जैन, 3/4, भाग, श्ररहनत कुमार रोजेश कुमार पुक्षान महिदर कुमार 1/4 भाग, 132 जंगी शिवाला कटडा हरीसिंह श्रमृतसर ।  $\frac{1}{4}$ 

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके श्रिभधोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसुची

एक जायदाद 227 व० ग० जो बाबार हकीमा वाला कमडा करम सिंह, श्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 22420/ 29-3-1982 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर,

तारी**ख** : 12—11—1982

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायक्त निरीक्षण म्प्रर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, विनांक

निर्वेश सं० ए० प्रार० 1/4686/82-83-प्रत:, मुझे, श्रार० के० बकाया.

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पद्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है,), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै

भ्रौर जिसकी संख्या सी० एस० नं० 4/207 श्राफ परेल शिवरी डिवीजन है तथा जो परेल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रध-कारी के कार्यालय, बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख 16~3-1982 डाकुममेंट नं० बाम्बे 703/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, ऐसे इध्यमान प्रतिफल का पन्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अमितयों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2.7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) बैंक भ्राफ महाराष्ट्
- 2. श्रीमती लक्ष्मीबाई नारायण चौधरी
- 3. श्रीमती वनमाला राजाराम चौधरी पार्टनर्स भ्राफ मैं० निर्णय सागर प्रेम (मार्टगेजर व्हेन्डर्स)

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्री दिन मोहंमद सी० चनारा
  - श्री सदरुद्दीन एन० भानजी
  - 3. श्री सबमोहम्मद ए० चाका 4. श्री हबीब बी० राजन पेपर सेल्स (इंटरनेशनल) बैंक भ्राफ महाराष्ट्र (अन्तरिती)
- (3) 1. श्रीमती लक्ष्मीबाई एन० चौधरी
  - 2. श्रीमती वनमाला श्रार० चौधरी पार्टनर्स श्राफ मै० निर्णय सागर प्रैस (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क रता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

ग्रन्सुची जैसा कि विलेख सं० बाम्बे 703/80 ग्रौर जो उप-रजिस्टार, बम्बई दिनांक 16-3-1980 को रजिस्टई किया गया है।

> ग्रार० के० बकाया सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बम्बई,

तारीखाः

## प्रकप बाइं.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्टना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 8 नवम्बर, 1982

निर्वेश सं० 34382 — अतः, मुझे, मंजू माधवन, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 1376 है, तथा जो 32 कास, 4 'T' क्लाक जेयनगर बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के का लिय, जेयनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5-5-1982

को पूर्वांकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, ऐसे रूथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिकत उद्देश्य से उकन अन्तरण लिखित में वास्तिबक क्ष्य से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोवनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अभिनियम कौ भारा 269-ग की अपभारा (1) को अभीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अभीत्:—— (1) नीला गोपाल कृष्णन,
 1376, 32 -कास,
 4 'T ब्लाक, जेयनगर, बेंगझूर 2

(भ्रन्तरक)

(2) वि० एम० रामचन्द्र एवं एन० भारति, 27, सेयिन्ठ जान्स, चर्च, रोड, बेंगलूर 5।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृशांधत सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(बस्तावेज 446 तारीख 5-5-1982) 1376, 32 कास  $4\,^{\prime}T^{\prime}$  ब्लाक, जेयनगर, बेंगलूर 560011।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगजुर ।

तारीख : 8-11-1982

25,000/-रा. से अधिक है

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर बंगलर, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 34,893—अतः, मुझे, मंजशू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्शात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

भ्रौर जिसकी सं०कृ 67-68 फिट 84, श्रव 102 है, तथा जो गोविन्दप्पा रोड, वसवंगुडी, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से प्वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बसवंगुडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई,

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उबत शीधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---22=376GI/82 (1) मांति बाई 102, गोविन्दाप्पा रोड, वसवंगुडी, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० ए० मत्यनारायण रेड्डी, 403, श्रविन्यू रोड, बेंगलूर 2।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अंजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: →-इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>3</sup>।

## अनुसुची

(दस्तावेज सं० 580 तारीख 19-5-1982) पुराना न० 67-68 फिट 84, श्रव 102, गोविन्दाप्पा रोड, बसबंगुडी बंगलूर-4,

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, रेंज बेंगलूर

तारीखा: 8--11-1982

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्भीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) धर्जन रेंज बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 11 नवम्बर

निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 62/3430/81-82—श्रतः मुक्को, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सर्वे न० 84 है तथा जो दोडुतोगुरू गांव बेगूर होब्ली बेंगलूर मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय, बेंगलूर सर्किल तालुक में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख 29-3-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्त-

- (क) जन्तरण ने हुई किसी जाय की वायतं, उक्त जिथिनियमं के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (स) एंसी किसी अगय या किसी धन या अन्य वास्तियां का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था छिपाने में सृजिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, नुमित्:—— (1) श्री श्रार० जेयदेव, 37, पुलिस स्टेशन रोड; बसवगुडी, बेंगलूर-4।

(ग्रन्तरक)

(2) लक्ष्मण कुमार डागा, 39, कर्मासयल स्ट्रीट, बेंगलूर--560001। (श्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बह्वी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज 9777 तारीख 29-3-82) सर्वे नं० 84, 23 एकड़ 14 गंठा दोड्डतोगुरू, बेंगलूर होब्ली, बेंगलूर सर्केंट तालुक ।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख : 11-11-1982

## प्ररूप धाई॰ टी॰ इन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर ।

बंगलूर, दिनांक 2 नवम्बर, 1982

म० सी० आर०-62/35467/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके एकाए 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 260-ख के अधीन सक्यम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 80 (पुराना सं० 292/3) है, तथा जो IV मैन रोड, मल्लेखरम्, बेंगलूर-3 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख 29 जून, 1982

को पूर्वोकत सम्यक्ति के उचित बाजार पूर्य से कम के बृग्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृग्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकृत प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्सरिती (अन्तरितियों) के बीम ऐसे अन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बाह्नविक्त हम ने किया नहीं किया गया है।—-

- (क) अन्तरम में हुई किसी आप की बाबत खब्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, ध्रिपाने म सुविधा के सिए;

श्रतः अयः उक्त ग्रधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त ग्रिधिनियमं की धारा 269-श की छपधारा (1) को अभीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- कुमारी एन० सम्पूर्णम्मा श्रीर कुछ लोग
 न० 9-ए, मिल्रदी रोड, बसवनगुडी,
 बेंगलूर - 4 (श्रन्तरक)

 दि बेंगलूर श्ररबन कोश्रापरेटिव (श्रपार्टमेंट) हौिसिंग सोसायटी लिमिटेड, नं० 9, नेहरू नगर, बेंगलूर - 20 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहिया करना हूं।

उनत सम्पति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई मो खांकीय ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तस्तवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में क्लाशन की तारीं ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अंग्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

संस्टोकरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिकाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

#### बन सची

(दस्तावेज सख्या 1239/82-83 ता० 29-6-82) सम्मत्ति है जिसहा सं० 8 (पुराना सं० 292/3) जो IV मैन रोड मल्लेक्वरम, बेंगलूर - 3 मे स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन क्षेत्र, -यंगलूर

नारीख : 2-11-1982 मोहर:

## प्ररूप बाइ .टी एम . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज बंगलूर

बेगलूर, दिनाक 8 नवस्वर 1982

स्० सी० प्रार०-62/34291/81-82—-यतः मुझे मजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. में अधिक है

और जिसका स० 131, डि० न० 14/1, 23 और 24 है, तथा जा तेन्काभेट वार्ड, मदानिधम्भूर विलेज\* में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुभूवों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उडुपी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 मार्च, 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसको अवने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त क्रीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित्ति व्यक्तियों, अर्थातः :---\*उद्गी तालूक, डी० के० डिस्ट्रोक्ट

- शःमती नागवेणः श्रौर बुछ लोगः, उनके जीव पाव एव होलडर श्रामता नागवेणः है, श्रीमता नागवेणा सुब्बराया का पत्नीः, श्रक्तइरकाड, उडुपा तालूक, एसव केव डिस्ट्रिक्ट । (श्रन्तरक)
- 2 श्रामता वासन्ता पत्ना एम० श्रादर, ''पारिजाता'' मस्पे, काडाबूर विलेश उडुपा तालूक, एस० के० । (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कस 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सवाग ।

स्पष्टीकरणः--- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

(दस्तावेज मं० 1160/81-82 ता० 30-3-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 13, डि० नं० 14/1, 23 और 24 नेकापेट वार्ड, मुदानिधम्भूर विलेज उडुपी तासूक, सौत केनरा डिस्ट्रिक्ट।

> मंजू माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरक्षिण श्रजंन रेज, बेगलुर ।

नाराखाः 8-11-1982

प्रकल आहें. टी एस. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ण** (1) के सधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज; बंगलूर

बेंगलूर, दिनावः 2 नवम्बर, 1982

सं० सं०क्षार० नं० 62/34367/82-83/एक्यु०/बंा०---यतः मुझे मंज् माध्यन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- स अधिक है

श्रीर जिसका सं० 955 है तथा जो II, मैंन रोड, IV भलाक, राजाजा नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूच, मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्र कर्ती श्रिधकार के वार्यात्य राजाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रधान ता 15-5-1982।

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में उक्त अधिनियमः की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

- श्रीमती के ० ति6मलम्मा ग्रीर श्रीमत, नागमणी एम० कुमार 19/1, 8वीं मैन रोड, IX कास, मल्लेशवरम, बेंगलूर - 3 (अन्तरिती)
- 2. श्री राम श्रीतार गुप्ता श्रीर श्रामता रेखा श्रार० गुप्ता, 955, II मैन रोड, राजाजानगर, बेंगलूर - 560010 (श्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत ने पकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबाब किसी धन्य व्यक्ति ब्राटः, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 678/82-83 ता० 15-5-82) सम्पत्ति हैं जिसका सं०  $955/I^{1}$  मैन रोड, IV भलाक राजाजी नगर, बेंगलूर - 560010 हैं।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

ारीखः । 2-11-1982 मोहरः प्रकृत बार्ड. टी. एन. एस्.,-----

ग्रायकर प्र<mark>धितियम, 1961 (1961 का 43) की</mark> धारा 269 घ (1) के **मधी**त सु**चना** 

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 नवम्बर 1982

सं० सी० ग्रार०-62/34906/82-83---यतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपय से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 17-ए (मदरन् पोरभन) है, तथा जो इंडस्ट्रीयल सर्वव राजाजीतगर एक्स्टेन्शन, यभवंतपुर, बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता अधि हारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन 27 मई, 82

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उकत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रिष्ठिनियम या वन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया ज्ञाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- लेट श्रीमती कांचना भाई (2) श्रा मती पारवर्ता भाई,
   (3) श्रीमता चेतन भाई के० पी० सी० इनवेस्टमेन्ट्स
   उनके पावर श्राफ ग्रटारनी होलंडर, श्री यशवन्त
   जोवा भाई, नं० 10, श्रलसूर रोड, बेंगलूर 8
   (श्रन्तरक)
- 2. श्री के॰ जी॰ सूर्यनारायण गुप्ता
  - (2) श्रीमती के० एस० शातेम्मा, वैक/धाफ श्री सूर्य नारायण गुप्ता, 117/ए, भुल टेंपल रोड, कास, बेंगलूर-19

(3) श्री वेंकटाचलपती (4) श्रीमती पी० श्रीलक्ष्मी वैफ/ग्राफ पी० वेंकटाचलपती,

नं ० 61/62, ईस्ट पार्क रोड, मल्लेशवरम्, बेंगलूर-3

(5) श्री डी॰ रामान्जनेयलू, (6) श्रीमती डी॰ ग्रार॰ श्रश्वत्तम्मा, वैफ/ग्राफ श्री डी॰ रामान्जनेयलू,

नं० 79/4, मागडी रोड, बेंगलूर-23

(7) के० श्रीदर, (8) श्रीमती श्रीरंगम्मा वैक/ध्राफ लेट के० दारैस्वामी ऐय्यगार, नं० 29, 3rd मैन रोड, राम मोहन पुरम्, बेंगलूर - 21 श्री राघवेंद्रा एटरप्रैसस के नाम से परिचित्त है।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना, की तामील से 30 दिन की भविधि; जो भी भविधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे :

क्ष्यक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त सक्दों भीर पर्वों का, जो उक्त स्रधि-नियम, के भड़्याय 20क में परिभाषित है; बही अब होगा जो उस भड़्याय में विया गया है।

### वनुसूची

(दस्तावेज सं० 874/82-83 ता० 31-5-1982) सम्पत्ति है जिसका सं० 17-A (दक्षिण पोर्शेन) जो इंडस्ट्रियल सर्वेब राजाजीनगर एक्स्टेनशन, यशवंतपुर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजू माधवत सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-बंगलूर

तारीख : 6-11-1982

प्ररूप गाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 नवम्थर 1982 सं० सी० ग्रार० 62/34905/82-83/एक्यु०/बी०---यतः, मुझे मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. में अधिक है

25,0007 रु. स अधिक हुं श्रीर जिसकी सं० 17/ए (उत्तर पोरशन) है तथा जो इंडस्ट्रियल सर्वेब, राजाजीनगर एक्स्टेनशन, यशवंतपुर, बेंगलूर में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण कप मे विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 मई, 82 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोबत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पितशन से अधिक हैं और धन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखन में वास्तिवक कप से कथित नहीं गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दाबिस्त में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया या शिहा जाना चाहिए था खिपासे में सुविधा न सिया;

भतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, तक्त अधिनियम की छारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् : -

 लेट श्रीमती कांचन भाई, (11) श्रीमती पारवती भाई श्रौर श्रीमती चेतनभाई, के पी० मी० इनवेस्टमेन्ट्स उनके पावर श्राफ श्रटारनी होलडर है श्री यणवंत जीना भाई, नं० 10, श्रलसूर रोड,बेंगलूर ।

(अन्तरक)

- (1) श्री के० श्रीदर, नं० 29, III मैन रोड, राममोहनपुरम्, बेंगलूर - 21 ।
  - (2) श्रीमती वेदम्मा, वैफ/श्राफ एम० तिरुमलाचार नं० 46, 'VI कास, मल्लेरावरम, बेंगलूर-3
  - (3) श्री के० जी० सूर्य नारायण गुप्ता, नं० 111/ए०, भुल टेम्पल रोड, कास, बेंगलूर-19
  - (4) श्रीमती के० एम० शांतम्मा वैभ/धाफ श्री के० जी० सूर्य नारायण गुप्ता, नं० 117/ए०, भुल टेम्पल रोड कास, बेंगलूर-19
  - (5) श्री पी० वेंकटाचलपत्ती, नं० 61/62, ईस्ट पार्क रोड, मल्लेशवरम, बेंगलूर-3
  - (6) श्री पी० वेंकटेश बाबू, नं० 61/62, ईस्ट पार्क रोड, मल्लेशवरम, बेंगलूर-3
  - (7) श्री डी० रामान्जनेयलू ख़ौर श्रीमती डी० ग्रार० श्रशवत्तम्मा वैफ/श्राफ डी० रामान्जनेयलू, नं० 79/4, मागडी रोड, बेंगलूर-23 श्री नरसिंहा एंटरप्रेंसस् से परिचित है।

को यह सूचना **जारी कर्यने पूर्वोक्त संपरित के अर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्तयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 873/82-83 ता० 27-5-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 17/ए० (उत्तर पोर्शन) इंडस्ट्रियल सर्बेब, राजाजी नगर एक्स्टेनणन यशवंतपुर, बेंगलूर ।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

तारीख: 6-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज -II, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 8 भ्रक्तूबर 1982 सं० सी०भ्रार० नं०-62/35201/82-83/एक्यु०/बी०—यतः मुझे, भंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6 श्रौर 7 है तथा जो पूर्णा शेशाचार लेन, चिक्कपेट बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29 मार्च, 1982.

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए:

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :----

- (2) श्री कोटा श्रार० सुब्बय्या शेट्टी श्रलियास नंदकुमार, नं० 13/1, श्रशोका पिल्लर रोड, 2रा भलाक, जयनगर, बेंगलुर - 11।
  - (2) कोटा 'घ्रार० प्रकाश कुमार, नं० 120, सर्वेयर्स स्ट्रीट, बेंगलूर - 4

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सोना एंटरप्रेयसस्

नं० 79, वानी बीलास रोड, बसंबनगुडी, बेंगलूर-4 उनके पारट्नरस: (1) के० सत्यनारायण, (2) के० जी० मुरली, (3) के० जी० प्रम्बत, (4) के० जी० सूरेश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त काच्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(दस्तावेज सं० 968/82-83 ता० 29-3-1982) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 6 भ्रौर 7 जो पूर्ण शेशाचार लेन, चिक्कपेट बेंगलुर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 8-10-1982

## प्रकप साई॰ टी॰ एव॰ एव॰------

# भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बेगलूर बेंगलुर, दिनांक 23 भ्रक्तूबर 1982

सं० सी० म्नार०-62/34311/81-82/एक्यु०/बी०~~यत: मुझे, मंजु माधवन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक **ह**ै श्रौर जिसकी सं० 442 है, तथा जो ग्रवेन्य रोड, बेंगलूर में स्थित है, (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त संपर्तिस के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रक्रिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददाश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कर के अक्तरक के दायित्व में कमी करने वा असमे बचने में सुविधा के शिए और ।
- (ख) ऐसी किसी आध्याय किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, वा धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) र प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या खिपाने में संविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---23 --- 376 GI/82

- श्री एस० श्रम्भुल खामोम,
   नं० 47, डिस्पेन्सरी रोड, कलासिपाल्यम् बेंगलूर-2
   (श्रन्तरक)
- 2. श्री बी० जी० राघवेंद्रा गुप्ता, नं० 205/सी०, 6वी A मैंन रोड, जयनगर,<math>3rd भलाक, बेंगलूर - 11

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इप सूचना के राजपत्र म प्रकायन को नारीक से
  45 दिन की धविध का तस्सम्बन्धी आकिनमों पर
  सूचना की तामीन मे 30 दिन को अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकन
  व्यक्तियों में ने किसी स्थिकन द्वारा
- (ख) इस यूचना के राजपन में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पत्तों का, जो उक्त श्रीवित्यम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्रची

(दस्तावेज 4469/81-82 ता० 22-3-82) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 442, को प्रवेस्यु रोड डिबीजन मं० 18, वेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, बंगलूर।

तारीख: 23-10-1982

(भ्रन्तरिती)

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.------

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 3 नवम्बर 1982

मं० सी० भार०नं० 62/34271/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-, रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं 0 107/67 है, तथा जो V, ब्लाक, VI मेन, जेयनगर बेंगलूर-II में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जेयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-3-1982

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के कन्तर्य (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर धेने के जन्तरक के धीयत्व में कमी करने वा उससे जचने में स्विधा कें लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री सरोजा जेयराम,
 18. ग्रोल्ड वेटनरि हास्पिटल रोड,
 बसवंगुडी, बेंगलूर-4।
 (श्रन्तरक)

 श्री सुब्बाराव छवान्
 14, इरलाजि वेंकटप्पा लेन,

तिगलर्पेट, बेंगलूर - 2 ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

#### अम्सूची

(धस्सावेज सं० 5347 ता० 24-3-1982) । भूमि का नं० 107/67, V ब्लाक, VI मेन, जैयनगर, बेंगसूर - 11 ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

**नारीख**: 3-11-1982

प्ररूप आइ. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बेंगल्र

बेंगलुर, दिनांक 3 नवम्बर 1982

सं० 34540—-यतः मुझे, मंजु नाधवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 198 ई० है, तथा जो III ब्लाक, जेयनगर, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जेयनगर में रजिस्ट्रीकरण

भिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-4-1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वनस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिपत्त, निम्निलिखित उद्यवस्य से उन्तर अन्तरण चिचित में वास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपक्त जिभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री के० के० विश्वनाथ,

9, ।-मेन रोड, टाटा सिल्क् फार्म, बेंगलुर-4 ।

(भ्रन्तरक)

श्री रत्नम्मा,
 121/6वीं मेन रोड, IV ब्लाक,
 जॅयनगर, बेंगलूर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में दिएसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकर्षे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नन्स्ची

(दस्तावेज सं० 63 ता० 7-4-1982) भूमि का सं० 198 ई०, जो **III** ब्लाक जेयनगर बेंगलूर-11 में स्थित है।

> मंजु माधकन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निराक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर।

नारीख: 3-11-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं० सी० ब्रार० नं०-62/34456/82-83---यतः मुझे मंजु

माधचन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कह्य गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 118/1 है, तथा जो कुग्जी बंडुवार्ड, उडुपि, शिवल्ली गांव मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय उडुपि में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ता० 17-3-1982

को पूर्वां क्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वर्षकों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती साधित्री सरलया ।
- श्रीमती के० विजय लक्ष्मी सरलया कॉलग राष लेन, उडुपि।

(ग्रन्तरक)

- 2 (1) विट्टल् ग्रकरन् बोसले
  - (2) हीरा बाई विट्ठल बोसले

कलिंग राव लेन, उद्दुपि ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सभ्यत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशम की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अभिहस्तम्शरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्तीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### क्रमची

(दास्तावेज सं० 1140 ता० 17-3-1982) सर्वे नं० 118/1, शिवल्ली गांव, उडुपि कूजजिबेड, वार्ड ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेंगसूर

नारीख : 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जिम रेज, अंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 12 नवस्बर 1982

सं० न्नार० सी०-34429/81-82—यतः मुझे, मंजु —

माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनाल 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रंत. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० 138, 137, 26/2, 26/5 है, तथा जो गारगोडूर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मोम्वारपेठ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 18 मार्च, 1982

को पृथोंकत संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्सरित की भई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीकों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चांक्य से उन्त अन्तरण लिखित में नम्सिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्बरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्रीमती लूसी डिसौसा,
 श्री राबर्ट रोजारियो की पत्नि
 कम्बार, सोम्बारपेठ।
 (श्रन्तरक)

2. श्री बी० एस० चेगप्पा, ऐ० ग्रो० बी०, मडिकेरि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्तिकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

(दस्तावेज 1086 ता० 18-3-1982) सर्वे नं० 138, 137, 26/2, 26/5 गारगोडूर।

> मंजु माध्रवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 12-11-1982

मांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 12 नवम्बर 1982

सं० सी० मार०-62/34256/81-82---यतः मुझे, मंजु माधवन

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1, 2, 3, 4 है, तथा जो सरिपुरा गोलूर होबली, तुम्कूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तुम्कूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधियनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4 मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से ऐसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किम्निन्मित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री कर्नल ग्रमरित प्रकाश बाटीजा,
   नं० 4, त्रिज स्ट्रीट, लांग फोर्ड टबुन, बेंगलूर।
   (ग्रन्तरक)
- श्री राज कुमार मुखानि,
   श्री एम० सी० मुखानी के पूत
   मे फ़ेर रोड, प्लाट नं० 402,
   कलकत्ता-700019।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3681 ता० 4-3-1982) सर्वे नं० 1, 2, 3, 4 सरिपुरा गोलूर होब्सी, सुम्कूर तालुक।

> मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 12-11-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं० सी० म्नार० 62/34257/82-82/एक्यु०/बी०---यतः मुझे, मंजू माधवन,

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संज्ञम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/-बप्ए से प्रधिक है

भौर जिसंकी सं० 6/1, 10/1, 11, 12, 13 है, तथा जो सारिपुरा गोलूर होब्ली तुम्कूर में स्थित है (भौर इस से उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय तुमकूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ता० 4 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक म्य में किश्न नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतिय आए-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :──

- श्री ग्रमरित प्रकाश भातेजा, सन/श्राफ जेतानन्द, नं० 4, त्रिष्ट्ज, स्ट्रीट, लांगफोर्ड टौन, बंगलुर। (श्रन्तरक)
- श्री अरबिंद कुमार सुकानी सन/ग्राफ एम० सी०, मुकानी,
   नं० 4, मे फेर रोड, प्लाट नं० 402,
   कलकत्ता 700019।
   (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वां के राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वां की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया, में से जिल्ली त्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भी गणतन स्थापन सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पाम विक्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3680/81-82 ता० 4-3-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 6/1, 10/1, 11, 12, 13 जो सारिपुरा, गोलुर होब्सी, तुमकुर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगपुर

तारीख: 12-11-1982:

महिर:

प्ररूप नार्दः टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं० सी० श्रार०-62/34255/81-82—यतः, मुझे, मंजु माधवनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 92 है, तथा जो मंचागोंडानाहरूली विलेज, तुमकूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तुमकूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के िक्षए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ अन्तरिती ष्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री श्रमिरित प्रकाण भानेका, सन आफ जेता आमंद, नं० 4, बिङ्ज स्ट्रीट, लांगफीर्ड टौन, बंगलूर । (अन्तरक)
- श्री मनीचन्द सुकानी, सन/श्राफ फूल चन्द सुकानी, नं० 4, मे फेर रोड, प्लाट नं० 2, कलकत्सा - 700019।
   श्री मनीचन्द सुकानी, सन्दिक्ती

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्भित्त में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा नशोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंने

स्यक्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3682/81-82 सा० 4-3-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 92 जो मंथागोंडानाहल्ली विलेज तुमकूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख: 12-11-1982

प्रूप नाइ. टी. एन. एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना । मस्तम्रत्

(अन्तरक)

2 करूर इन्विस्टमेन्ट्रम

(श्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 नथम्बर 1982

निवेश स० 9658—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000 रु. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० सं० 255/ स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णितहै) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करूर मे रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1982

(डाकुमेंट सं० 865/82)

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे इर्ड किसी बाय की बाबत, उथत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 24-376 GI/82

को यह सूचना आरी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सार्थ से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अजत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

भूमि ग्रार० एस० सं० 255/6, करूर डाकुमेट सं० 865/82)

श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 3-11-1982

मोहरः

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

1. श्रो राजामनी ग्रम्माल

(भन्तरक)

3 भी बी० सिवकुमारन

(ग्रन्तरिती)

भार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 9693/82—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै मायकर म्भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जि्सका उचित जाज़ार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० थार्ड सं० 6, ब्लाक सं० 12 मौर 13 है, जो चिदम्बरम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय चिदम्बरम, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मार्च, 1982

(बाकुमेंट सं० 331/82)

में पूर्विस्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण ही कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से सिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पात्रा नवा प्रतिफल, निम्मिलिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :--- क्ये यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ब) इस सूचना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टिकरणः —-इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया हुँ।

#### मन्स्यो

(भूमि बार्ड सं० 6, ब्लाक सं० 12 ग्रीर 13, चिवम्बरम डाकुमेंट सं० 331/82)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीच 16-11-1982 मोहर: प्ररूप जाई. टी. एन. एस. -----

1. श्री वेदास्त देसिकर देवस्थान,

(भ्रन्तरक)

2. श्री एल० मुत्तस्या,

(ग्रम्सरिती)

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मदास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 17107—स्रतः मुझे, झार० पी० पिल्लै, आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूस्थ 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी प्लाट सं० 13814, एस० सं० 3550 मैलापुर गांव सौत, है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मैलापुर, मद्रास में (डाकुमेंट सं० 445/82 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विकृ स्पास किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाग की बागत, उत्का अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तिबाँ को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गृया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः सम उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- का यह सूचना जारी करके पुत्रांक्य सम्मरित के कुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 विन की नविध या तत्सम्बन्धी स्विनत्तवों क्र सूचना की तामीन से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकिस अवितयों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्वी

भूमि प्लाट्रं सं० 13 श्रीर 14, एस० सं० 3550, मैलापुर गांव सौत मद्रास, (आकुमेंट सं० 445/82) ।

> भार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख** 16-11-1982 मो**ह**र: प्ररूप बार्च. टी. एन्. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

1. खी संगरन पिल्लै,

(भ्रन्तरक)

2. पुश्पावल्ली,

(श्रन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-JI, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निवेश सं० 17031—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 74, सेकन्ट स्ट्रीट, फानपेट मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मद्रास में (डाकुमेंट सं० 637/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीभ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिबक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियमं के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पस्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्यी

भूमि ग्रीर निर्माण-74, सेकन्ट स्ट्रीट, फानपेट मद्रास-35 (डाकुमेंट सं० 637/82)।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 16-11-1982 मोहर: प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनाक 16 नवम्बर 1982

निदेश स० 17042/82--- ग्रत मुझे, ग्रार०पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० 70, पिल्लैयार कोयिल स्ट्रीट, टेनामपेट, है, जा मद्रास-18 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से यणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय मैकापुर, मद्रास (डाकुमेट स० 380/82) म र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाव मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अतिरती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल सं, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अतरक (अतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अंतरण से हुर्फ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिद्म व्यक्तियों, अर्थात् :--- गैसर्स पी० के० सप्कै एम० बी० श्रत्यक्कर, श्रीर एम० मोहमेट

(ग्रन्तरक)

2 मैसर्स पी० जु० राम चन्द्रन,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रूक करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिली बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकींगे।

स्यब्दीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 70 पिल्लैयार कोयिल स्ट्रीट, मद्रास-18 (डाकुमेट स॰ 380/82)।

> ग्नार० पी० पिल्लें सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख 16-11-1982 मोहर प्ररूप भाई० टी• एन•एस•----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का .43) की धारा 2699(1) के ग्रक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनोक 16 नवम्बर 1982

निव श सं. 17069—यतः मुभी, आर. पी. पिल्लै, स्कीम, मद्रास है, जो में स्थित है (औा इससे उपाबद्ध आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट सं. 429, इन्द्रा नगर हाउसिंग बोर्ड स्कीम मेद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय सैटापेट, मग्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक स्था में कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दागिस्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, खीर/या
- (ख) एसी किसो भाय या निसी घन या भन्य खास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६1. श्री एम. सूरमा प्रकाश

(भ्रन्तरक)

2. श्री के जी कामेश

(ब्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के स्वर कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लागील से 30 दिन की भ्रविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबळ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्यवदीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दी श्रीर पदों का, जो उत्त प्रिक्ष-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

# नन्त्वी

भूमि और निर्माण-प्लाट सं. 429, इन्द्रा नगर हाउसिंग बोर्ड स्कीम, मदास-डाकुमेंट सं. 1275/82

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजि-।।, मग्रास

तारी**व** : 16-11-1982

मोहर 🛭

प्ररूप बाई.टी.एन्.एस.,------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 17045—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 3900/1, प्लाट 4, युग रोड, चेमीयर्स रोड, है जो मद्रास-28 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मैलापुर, मद्रास (डाकुमेंट सं० 411/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वा कित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उव्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन् या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवभा के लिए;

जतः अभ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्रीपी भ्रार० शंकर कुमार

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एन० जिरीजा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थळिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण श्रार० एस० सं० 3900/1, प्लाट सं० 4, युग रोड, चैमीयर्स रोड, मद्रास-28 (डाकुमेंट सं० 411/82) ।

> श्चार० पी० पिल्लै सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ц, मद्रास

नारीख 16-11-1982 मोहर : प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निह्रीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 3—ा मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जी० एस० सं० 321, संगतूर है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम (डाकुमेंट सं० 838/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक मार्च, 1982

में पूर्वित सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

1. एस० वेन्कटाचलम,

(ग्रन्तरक)

2. श्री मारीयम्मा राम मूर्ती

(भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

भूमि ग्रौर निर्माण जी० एस० सं० 321, संगनूर (डाकु-मेंट सं० 838/82) ।

> श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

तारीख :16-11-1982

मोहरः

प्रारूप आर्ड.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 9706—श्रतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ली, श्री आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० बी-12, ब्लाक सं० 33, टी० एस० सं० 3/183/2 है, जो तेन्तूर, उरैपूर, तिरुची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उरैपूर, तिरुची में (डाकु-मेंट सं० 391/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16 ) के ग्रधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थाने छिपाने में सूनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- 25---376 GI/82

1. ए० आर० छिवम्बरम

(मन्तरक)

2. श्रीमती ए० सुन्दराम्बाल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तत संपतित के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकिंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

भिम ग्रौर निर्माण सं० प्लाट सं० बी-12, ब्लाक सं० 33, टी॰ एस॰ सं॰ 3/123/2, तेन्नूर गांव, उरपूर, तिश्वी में (डाकुमेंट सं॰ $\frac{7}{4}391/82$ ) ।

न्नार० पी० पिल्लै सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

ता**रीख**ः 16-11-1982

प्ररूप बाई॰ टा॰ एत॰ एस॰----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 16 नवम्बर 1982

निवेश सं० 11981—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० टी० एस० सं० 7/1876, पुराण सं० 322, नयी सं० 890 है, जो 981, 893, रांगे गौडर रोड, कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (जाकुमेंट सं० 1045/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक मार्च, 1982 को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्नरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप सं किथत नहीं किया गया है:---

- (अ) अन्तरण से हुई जिसी प्राय की बाबत उक्त प्रक्रि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/स
- (ख) ऐसी किया आप या किसी धन या प्रस्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षिनियम, या धन-कर भिक्षित्यम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिक्षा के लिए;

भतः श्रम, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन,, निक्निसिधत व्यक्तियों, अर्थात् ध-- (1) श्रीमती एन० सुशीला

(भ्रन्तक)

2. श्री के० कनकसवापति

भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माधीप :---

- (क) इस सूच ा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संगक्ति में हित-वद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों श्रा, जो उक्त श्रिष्ठिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है. वहीं श्रर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# **जन्**स्ची

भूमि झौर निर्माण सं० टी० एस० सं० 7/1876, पुराण सं० 322, नयी स० 890, 891, 893 रांगे गौडर रोड, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 1045/82)

श्रार० पी० पिल्लैं सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-प्र, मद्रास

तारीख: 16-11-1982

प्रारूप आई. टी.एन.एस.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 17066—अप्रतः मुझे, भ्रार० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काएण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 5, श्रहयार गांव, सैदापेट है जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची म श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सैदापेट, मद्रास (डाक्सेंट सं० 1103/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 82 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय याकिसी धन याबन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), याउक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् ः ---

1. श्री मनमोहन रे

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शीला लुल्ला,

(मन्तरिती)

को यहस्चना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधियातत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

भूमि न्नार० एस० सं० 5, ग्रडयार गांव सैदापेर, मद्रास (डाकुमट सं० 1103/82) ।

> श्रार० पं।० पिस्लै सक्षम अधिकारा सहायक ग्रायकर श्रायकत (निर्राक्षण) श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 16-11-1982 मोहर:

प्रकप भाइ .टी. एन. एसं. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-11, मदास

मद्रास, दिनांक 11 नवस्बर, 1982

निवेषा सं० 17051—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ज्लाट सं 76 (टी एस सं 8) इन्द्रा नगर, है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्या से विणित हैं) रिजर्स्ट्राकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय जे एस श्रार - II, सैदापेट, मद्रास (डाकुमेंट सं 970/82) में रिजर्स्ट्राकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक मार्च, 1982

को पूर्वो प्त सम्पत्ति के, उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोच्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना चाहिए था. कियाने में सूर्विभा के सिए;

अतः अव, अवत अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं.. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री एस० कम्नी,

(ग्रन्तरक)

 डाक्टर एस० जान्यान्मुगम भीर डाक्टर बिम्दा (भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं ।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 6, 10 करास स्ट्रीट, (प्लाट सं० 76), इन्द्रा नगर, मद्रास-20 (डाकुमेंट सं० 970/82)। .

मार॰ पी० पिरूलं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख 11-11-1982** मोहर: ाक्षप भाई• टी॰ एक• १म•⊸

आयकर अधिनियम 196 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्राप्ति सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II, मन्नास

मद्रास, दिनांक 16 तवस्वर 1982

निदेश सं० 17101—अतः भुझे, आर०पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 249-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वाप करने का कारण है कि स्थावर संगति जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राप्त एस० सं० 4573/15 श्रीर श्राप्त एस० सं० 4573/46 है, जो सं० 9, लीत केसल सौत स्ट्रीट, मैलापुर, मद्रास-28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिप्ट्रा त्या श्रीधकार। के बार्यालय मैलापुर, मद्रास (डाकुमेंट लं० 520/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधंत दिनांक

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट ही और मूफे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वों क्स संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के सिए; ब्रॉट्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा हो तिए;

अशः अक्, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्निल्लित व्यक्तित्यों, वर्धातुः— 1. श्री सी० एच० ए० हुसैनी हरून

(मन्तरक)

2. श्रीमती सीला स्टेस्ला

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **वर्जन के निए** कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूधना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
  धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा ध्रघोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रम होगा, जो उस ग्रध्याय मे दिया गया है।

#### वगस्त्री

भूमि म्रोर निर्माण म्रार० एस० सं० 4573/15 मौर म्रार० एस० सं० 4573/46, सं० 9, लीत केसल, सौत स्ट्रीट, मैलापुर, मद्रास-28 (डाकुमेंट सं० 520/82)।

> भ्रार० पी० पिस्सै सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 16-11-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निवेश सं० 17106— प्रतः मुझे, प्रार० पी० पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एस० सं० 1738, प्लाट सं० 4, ए० वी० एस० एकेन्यू है, जो मैलापुर, मदास (डाकुमेंट सं० 446/82) में स्थित है (और इपमे उपावद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के जार्यालय मैलापुर, मदास में रिजस्ट्री करण श्रिधितियम 1908 (1908 हा 16) के श्रिधीन दिनांव मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण सिवित में वास्त्विक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— 1. श्री मृत्तु वेंकटाचलम ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० शणमुगम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता 🜓

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांक्त स्थाबतयों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सं० एस० सं० 1738, प्लाट सं. 4; ए० बी० एम० एवेन्यू, मैलापुर गांव (डाकुमेंट सं० 446/82)।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-II, मन्नास

तारीख: 16-11-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम , दिनांक 6 नवस्थर 1982

निदेश सं. 11938---ग्रतः मुझे, श्रार०पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० एस० सं० 427/1, एहीमडै गांव है, जो कोयम्बत्र तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बतुर, (डाकुमेंट सं० 1153/82 ) में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 11-3-1982

को पूर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एेसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसे किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

सरस्वती और दृष्ण वेजि.

(मन्तरक)

2. श्राः नाच्चीमृत्त्

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिर के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

भृति एस० सं० 427/1, एटटीमडै, गांव कोयम्ब**त्**र तालुक डाक्मेंट सं० 1153/82)

> म्रार० पीं० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, मद्रास

सा**रीख:** 6-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंख-II, मदास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निवेश सं० 17066---यतः मुप्ते, श्रार० पा० पिल्लै,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 5, है, जो श्रष्ठयार गोव, सैदापेट मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सैदापेट, मद्रास (डाक्सट सं० 1102/82 में रिजस्ट्री करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सा० मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की घावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- श्री गंबादर मीका

(ग्रन्तरक)

2. श्रामतः माला लुल्ला, (2) पिया लुल्ला, कुमार्रः पूजा लुल्ला । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा नकोंगे।

स्पष्किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मन्स्ची

भूमि श्रार० एस० सं० 5 श्रख्यार गांव सैदापेट, मद्रास । (डाकुर्मेट सं० 1102/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 16-11-1982

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 17066—या: मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव ग्रारव एसव संव 5 है, जो प्रडयार गांव, सैंदापेट मद्रास में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सैंदापेट, मद्रास (डाक्ट्रोकेट संव 1101/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---6---376 GI/82

श्री रधीन्द्र नात रे

(ग्रन्तरक)

2. मैं ० पी० वी० प्रसीशन, वक्सं प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स मंपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पध्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

भूमि श्रार० एम० सं० 5, श्रखयार गांव सैंदापेट, मद्रास (डाक्मेंट सं० 1101/82)

श्रार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 16-11-1982

मोहर 🗈

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस. -----

1. श्री एन० पा० सोमसुन्दरम श्रीर श्रदर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्री वी० सुभमनियम

(धन्सरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त अाथुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 11985 -- यतः मुझे, श्रार० पो० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसका सं० जा० एस० 28 है, जो कुमारपालयम गाँव, कोयम्बेत्तूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारा के कार्यालय कोयम्बेन्त्तूर-II (डाक्समेंट सं० 1219/82) में भारताय रजिस्ट्राकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान 16-3-1982

को पूर्धेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ——

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### अनुसूची

(भूमि-जी० एस० सं० 28, कुमारपालयम, कीयम्बेत्त्र तालुक डाकुमेंट सं० 1219/82) ।

> म्रार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- , मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख: 16-11-1982।

मोहार 🕸

प्रस्त्य बार्षः टी. एन. एस . -----

ा. श्रामता गोरा सवासियम श्रीर अदर्स

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती वो० उमयाल भौर घदर्स

(ग्रन्तरितः)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं 11976—यतः मुझे, श्रार पा पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 9/27 है, जो डोर स्० 130 विवेकानंदा रोड, कोयम्बेल्तूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बल्तूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कनी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, च्लिपाने में स्विधा के लिए;

का यह स्वा जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उन्त सम्पत्ति के भवन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध साम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्विधारा में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए वा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### **मनुस्**ची

(भूमि श्रोर निर्माण—डोर सं० 130 (टी० एस० सं० 9/27) विवेकानंदा रोड, कोयम्बेत्तूर—डाकुमट सं० 1047/82)

म्रार० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :---

सारोख: 16-11-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

1. मैं० टी० निलगिरी टी० एस्टेंट लिमिटेड

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमर्ताः भार० मनुश्राम्माकः

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 16 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 11988—यतः मुझे, आर० पा० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 277, 276, 356/2, है जो मेलूर गाव, कूनूर में स्थित है (डाकुमेट सं० 200/82) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कूनूर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चोद्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अंतरण से हुई किसी आय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(भूमि—एस० सं० 277, 276, 356/2, मेलूर गांव, कूतुर—डाकुमेट सं० 200/82)।

ग्रार० पी० पिरूलें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 16-11-1982।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

1. श्री बी० क्वष्ण कुमार

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० पान्डु रंगा

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज--II, मद्रास मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 17041---यतः मुझे, श्रार० पं० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रार एस० 1832/12, प्लाट नं 0 12 सं 0 113 है जो श्री घंगा श्रपार्टमें द्स मलापुर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण फूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय मैलापुर, मद्रास, डाकुमेंट सं 0 378/82 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पृत्रों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल के। पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी साथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

### अमृसुची

भूमि श्रीर निर्माण—प्लाट सं० 12, श्रार० एस० सं० 1832/12 स० 113, श्री घंगा श्रापार्टमेंट्स, मैलापुर मद्रास (डाकुमेट स० 378/82) ।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-II, रेंज मद्रास ।

तारोख: 16-11-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

1. श्रामती मीनाक्षी

(ग्रन्तरक)

2. श्रोमती मोना नारायण

(भ्रन्सरिती)

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राभ, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश मं० 17044—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 3739, सं० 3 है जो 3 केंसट स्ट्रीट सीतम्मा कालीनी, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुभूषी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मैलापुर, मद्रास में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रजीन नारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्मिधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिम्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण एस० मं० 3739, सं० 3 केसंट स्ट्रीट, सातम्मा कालोनी, मदास-18 (डाक्सेंट सं० 403/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 16-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

एन. एस. ---- 1. श्री एम० राजगोपाल मौर मदर्स

(मन्तरक)

2. श्रो एस० चोक्कलिंगम

(भ्रन्तरिती)

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II,मद्रास

मद्रांस, विनांक 16 नवम्बर 1982

निदंश सं 11941—यत: मुझे, श्राप्त पाल पिल्ले, आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसका सं० के० एम० एम० तियेट्टर डोर सं० 12. 6, 212ए 212सी०, 214, 212 डी, 213 हैं जो ऊटटी मेयिन रोड, चिक्तातासम्पाकयम मेटट्रपालयम में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रमुझा में ग्रौर पूर्ण स्प से विणित हैं), रजिस्ट्राकर्ता ग्रधिकारं। के कार्यालय मेट्ट्रपालयम (डाकुमेंट सं० 557/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तिकितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# जगुसूची:

(भूमि श्रोर निर्माण-के० एम० एम० तियेट्टर, डोर सं० 12767 212ए, 212सी०, 214, 212डी०, 213, ऊट्टी मेयिन डोड, मेट्ट्रपासयम---डाक्ट्रमेंट सं० 557/82) ।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , मद्रास ।

तारी**ख**ः 16-11-1982

(अन्तरक)

प्रकप कार्षः टी. एन. एस.------मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रष्टीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 11938—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, श्रायकर, श्रिश्रित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिशित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रीधक है

ष्प्रौर जिसकी सं० एस० सं० 427/1, एटटीमडै गांव कोयम्बेत्तूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बेत्तूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या सम्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब., उत्भत्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उत्भत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के स्थीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्रीमती सरस्वथी, पत्नी श्री के. रामास्वामी नायडू, कृष्णावंणी पुत्री श्री के. रामास्वामी नायडू, कुन्या-मृथुर जि. कोयम्बेटूर ।
- श्री रामालिंगम पुत्र श्री करूप्पासामी गुण्डर काण्डे-गण्डन सलाए, एट्टीमाडए, कोएम्बेट्र तालुक (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानता में से किसी स्थानत ब्रागा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त खुब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्च होगा, जो उस मध्याय में विमा गया है।

# अनुसूची

(भूमि--एस० सं० 427/1, एट्टीमडै गांव कोयम्बेत्त्र ---डाक्मेंट सं० 1154/82)।

> श्रार० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 6-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्) भूर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 63/MAR/82—यतः मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पच्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्ठाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 3'2 है जो कालपप श्राचारी स्ट्रीट मद्रास-3
में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से
बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ
(डाकुमेंट सं० 820/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982
को पूर्वोक्त संपीत के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्मे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्दह
प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
27—376 GI/82

(1) श्री एम० एस० एम० सैयद मोहमद भूवारी श्रौर श्रदर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० कुप्पुसामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजएत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण 32 कालपप श्राचारी स्ट्रीट मद्रास (डाकुमेंट सं० 820/82)

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

(1) मैसर्स किरन कैमिकलस।

(ग्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स महेन्दरा वेरहथसीनग कारपोरेशन, कलकत्ता। (अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, विनांक 18 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 60/MAR/82—यतः मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० सर्वे सं० 1325/1 ए० है, जो 34, मादवरम जिल्लेज में स्थित है धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सेमबियम (डाकुमेंट 259/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- '(क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण :—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

भूमि सर्वे सं० 1325/1ए०, 34 मादवरम विस्लेज मद्रास । (डाकुर्मेट सं० 259/82)

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-,I मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

तारीख: 18-11-1982

प्ररूप आई० टी० एत० एस०----

आयकर **स**धिनियम, 19**61 (1961 का 43) की** घारा 269-च (1) के सबीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 18 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 64/एम० ए० श्रार०/82-यत: मुझे, एस० लहरी, श्रायकर श्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके ग्रेचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बंधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से श्रीधक है

श्रौर जिसकी सं० 8 है जो कनदपप चेट्टी स्ट्रीट मद्रास I में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाकुमेंट सं० 837/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है मौर युक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिपत से मधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रदेश्यों से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कचित महीं किया गया है। → -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त आविक नियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्य में सभी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः-- 1. श्री राजेन्द्र लाल।

(भन्तरक)

2. पवारी बाय।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकातन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) ५स सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य ध्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वध्दीकरण । च∽इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर वनें का, जी खबन अधि-निवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा नी उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसुची

भूमि श्रौर निर्माण 8, कनदपप चेट्टी स्ट्रीट मद्रास 1। (डाकुमेंट सं० 837/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 18-11-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 75/MAR/82—यत: मुझे, एस० लहरी, आयकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 479/1 भौर 480 है जो वृह्मुकाट्टन स्ट्रीट पेरियमेट मद्राम 3 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त श्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेट (डाकुमेंट सं० 344/82) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1982

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारां प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नकः चन, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उन्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :— 1. श्री मानिक्कम चेट्टी भ्रौर भ्रदर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दौलतराम ग्रौर ग्रदर्स ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते '45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो जक्त 'अधिनियम, के अध्याय 20 क में पेरिभार्थित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

# वन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण सर्वे सं० 479/1 श्रौर 480 यूत्तुकाट्टन स्ट्रीट, पेरीयमेट मद्रास-31 (डाकुमेंट सं० 844/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप बाहु . टी. एन . एस . ------1. श्री बी० के० पनकजम्माल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० मह्लेसवरी।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 6 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 78/MAR/82--यतः मुझे, एस० लहरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 / रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 278 है श्रौर जो सीदनहामस रोड चुलै मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट (डाक्मेंट सं० 390/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च 1982

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मृल्य, उसके इरयमान प्रतिकल से, एसे इरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित मे- वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आगकी बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

वतः वय, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधियासत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त -व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

# धनुसूची

भूमि भौर निर्माण 278 सीदनहामस रोड चुलै मद्रास। (डाकुमेंट सं० 390/82)

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 6-11-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जन, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 91/एम० ए० ग्रार०/82—यतः मुझे, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 93/14--931/1बी० है जो बोगनपल्ली किस्सनगीरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किस्सनगीरी (डाकुमेंट सं० 457/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में घास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्युधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्युक्तियाँ, अर्थात :--

1. श्री एम० चैन्नैयन (ग्रन्तरक)

2. श्री के॰ ए॰ एस॰ कदिखेलू भौर भ्रदर्स (भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 93/14--931/1बी०, बोगनपल्ली, किस्सन-गिरी (डाकुमेंट सं० 457/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक<sup>-</sup>र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, मद्रास ।

तारीख: 11-11-1982

प्रकृप झाई• टी• एन• एस•-----

# आवकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269±ष (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, भोपाल

मद्रास, विनांक 12 नवम्बर 1982

निदेश सं० 93/एम० ए० प्रार०/82—यतः मुझे, एम० लहरी, ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चान् 'उक्न अविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रयोग पत्रम गांत्रिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर पम्नीत जिसका उचित बाजार पूर्व 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसको सं० 15 है, जो बजनै कोयील स्ट्रीट मद्रास-82 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय से मिबयम (डाकुमेंट सं० 1127/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मुख्यसे कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रात्तिति की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐम् दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित हैं से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जीधीन्यमं, की भारा 269-न के अनुतरण कों, में ,उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपधास (1) के जधीन, निम्निल्सित् व्यक्तित्यों, अर्थात् ह्र— 1. श्री येगावल्ली भीर भदर्स

(अन्तरक)

2 श्री के० बी० मनिवासगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के लिए कार्यवा**हियां गुरू करता** हूं।

उरत सम्मत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षीप:→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसनें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदों का, जो उसन श्रीध -नियम के अध्याय 20- हमें परिभाषित हैं, वही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 15, बजनै कोयील स्ट्रीट,मद्रास-82 (डाकुमेंट सं० 1127/82) ।

> एम० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवस्वर 1982

निदेश सं० 98/एम० ए०आर०/82—यतः मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 31, है जो वेनकैयर स्ट्रीट मद्रासा में स्थित (श्रीर इससे उपावज मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकत श्रीधकारी के कार्यालय,सौकारपेट (डाकुमेंट सं० 109/82) मे रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रीध सारीख मार्च, 1982

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री रवी और भ्रदर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्री परमेसवरम्मा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 31, वेनकैयर स्ट्रीट मद्रास । (डाक्मेंट सं० 109/82) ।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-<sup>1</sup>, मद्रास ।

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 नवम्बर, 1982

सं० 103/मार्च/82—यतः मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 285 श्रौर 287 है जो किस्सनगीरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकार। के कार्यालय किस्सनगीरी (डाकुमेंट सं० 437/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---28-376 GI/82 1. श्री मनियमबारी नाट्टार

(ग्रन्तरक)

2. श्री भार० रामन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### नम्स्यो

मूमि मर्वे सं० 285, 287 किस्सनगीरी (डाकुमेंट सं 437/82) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुकंत रेंजुओ, मद्रास

तारीख: 18-11-1982।

प्ररूप आहूर, टी. २५. एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

न्नर्जन रेज- ${f I}$ , मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 नवस्बर, 1982

सं० 130/मार्चे/82~-यतः, मुझ, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6 है, जो नारत माट स्ट्रीट, तिरचेनगोट में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय तिरचेनगोट (डाकुमेंट सं० 591/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त की अभियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिद्धः

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के समुद्रारण मों., में उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्री टि० एम० कनदसामी

(मन्तरक)

2. श्री सेनितल फिनामस

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन् के लिए कार्बवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रथ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्थलकी जरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो 'उक्त जीवनियम', के लक्ष्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# जन्तुची

भूमि ग्रौर निर्माण 6, नारत माट स्ट्रीट तिरुचेनगोट (डाकुमेंट सं० 591/82)।

एस० लहरः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मब्रास ।

दिनांक: 18-11-1982

प्रक्ष मार्ड. टी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज-I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 18 नवस्वर, 1982

सं० 118/मार्च,/82—यतः, मुझे, एस० लहरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं॰ सर्वे सं॰ 284/2 है, जो ग्रैयन सनिक्षमयम निलक कोट्ट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय बाटिपट्टी (डाकुमेंट सं॰ 189/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम,1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभाषा (1) के अभीन निम्नीलिखित स्थितियों, अर्थात् :--

1. श्री राजानगम

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रननपूरनी श्रम्माल

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थानकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वनुसूची

भूमि सर्वे सं० 284/2 भैयन तनिच्चयम, निलक्कोट्टै (डाकुर्सेट सं० 189/82) ।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज.-१, मद्रास ।

नारी**ख**: 18-11-1982

प्रकृष आहु". टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(1) श्रीमती कुष्न वेनि धम्माल

(मन्तरक)

(2) श्रीपी० ग्रार० किन्द्रमादवन

(भन्तरिती)

#### भारत सरकार

269-भ (1) के अभीन स्चना

कार्यालयं, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 17007--यतः, मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर संपानि दियका उच्चित बाबार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 31, 32, श्रौर 33, ब्लाक सं० 17, नायडू लेन है जो कोट्टस्परम ग्रठयार मद्रास म स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्लौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, मद्रास सैत में (डाक्न्मेंट सं० 1066/82) रजिस्ट्री उरण श्रधिनियम 1908 (1908) का 16) के श्रधीन मार्च 82

को पृथो क्स संपृतित के उचित वाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त्रण सिक्ति में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 💳

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की नावत, जनत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी भन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय अायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) याउक्त अधिनियमः, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

उक्त प्रधिनियम, की बारा 269- च के अनुसर्ग में, मैं, उक्त अधिनियम को भाष 269-च की उपभाग्र (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्पात् 🖫 —

को यह सुभाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप्.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकत व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के **पास लिखित** में किए जा सक ने।

स्मब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित है, वही जुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यवा 🐉 🎉

#### वन्स्यी

(भूमि भौर निर्माण दी० एस० सं० 31, 32 भौर 33 न्लाक सं० 17 नायडू लेन कोट्टरपुरम, ग्रठयार, मद्रास-डाकू-मेंट सं॰ 1066/82)

> मार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत निरीक्षण मर्जन रेंज-II, मब्रास

तारीख : 16--11--82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीपी० द्यार० झांगर कुमार

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीबी० एन० नरेन्द्रा (कर्ता)

(मन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-]I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश स॰ 17046--यतः मुझे, श्रार०पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एत. से अधिक है<sup>\*</sup>

मौर जिसकी सं० म्नार एस सं० 3900/-प्लाट सं० 4, 1, युग रोड है, जो चेमी यरस रोड, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रिकारी के कार्यालय मैलापूर, म्द्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मार्च 1982 (डाकुमेंट सं० 410/82)

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सी, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एरें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रेतिफल निम्नेलिखित उबुद हम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा करें लिए।

अन्तः अन्त अन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, डक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निस्ति सिंत व्यक्तियों, अर्थात :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना कीं तामील सैं 30 दिन् की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सुचनाको राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जासकों गे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 🗗 ।

#### अनुसूची

(भूमि ब्रार० एस० सं० 3900/1 प्लाट सं० 4, पुग रोड, चेमियरस रोड, मद्रास-28 (डाकुमेंट सं० 410/82)

> म्रार० पी० पिरुसै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-ध, मद्रास

तारीख: 16-11-82

मोहरः

त्ररूप भार्ष. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनाक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० 17075—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लं श्रायकर श्रिधिनयम 1961 ﴿1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिं, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर विज्ञान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय द्रिपलीकेन मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 82

(डाकुमेंट सं०: 179/82)

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी अब या किसी धन या अन्य असिसयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीत निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती महालक्शमी मुनुस्वामी नायक् भौर भवसं

(मन्तरक)

(2) मैसर्स भारस्यातैका के०टी०एम० श्रब्दुल कादर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्थळीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

(भूमि श्रौर निर्माण, 115, जनरल पेट्टरस रोड, मद्रास-2—डाकुर्मेंट सं० 179/82)

> श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**च**: 16-11-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 16 नवस्थर 1982

निदेश सं० 17113—-यत:, मुझे, प्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 14, सं० 4/208, है जो एस० जी० ग्रार० रोड, पलवाकुम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सैवापेट, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1982 (डाक्मेंट सं 1083/82)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिकों अथितः :--- (1) श्री बी० बी० चन्द्र सेगर

(मन्तरक)

(2) श्री के० एस० नूर मोहम्मद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिस्थः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नगुज्ञी

(भूमि और निर्माण भार० एस० सं० 14 प्लाट सं० 42, डोर सं० 4/208 एम० जी० भार० रोड, पलवाक्कम सं० 142 चेंगलपट डिस्ट्रिक्ट डाकुमेंट सं०: 1083/82)

> श्चार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक जायक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीखा: 16-11-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवस्थर 1982

निवेश सं० 1/मार्च/82—यतः, मुझे, एस० लहरी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/- रः. से अधिक है
और जिसकी सं० 31 एटपालयम स्ट्रीट है, जो मद्रास-3 में स्थित
है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सौकारपेट (डाकुमेंट सं०
112/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन मार्च 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इध्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और जंत-रिसी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1)) जी० मुन्स्वामी नादार श्रौर धदर (श्रन्तरक)

(2) श्री एम० सूनदरम

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस सूधना के राजपश में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इस्मी प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और निर्माण 31, एटपालैयम स्ट्रीट मद्रास (डाकुमेंट सं० 112/82)

एम० सहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 12-11-82

प्ररूप गाइ.टी.एन.एस. -----

प्रायंकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की शासा 269-व(1) के प्रश्नीस सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 2/मार्च/82—यतः, मुझे, एस० लहरी——, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया इं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु में अधिक है श्रीर जिसकी सं० 7, वरवेयर स्ट्रीट है, तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय सौकारपेट (डाकुमेंट सं० 120/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिकात का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अभित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों का , जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था , जिपाने में सुविधा के सिए:

1. श्रीमती सरस्वती बाई ग्रौर ग्रदर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्री जे० रिचारट सेलधराज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण 7 वरदैयर स्ट्रीट मद्रास-1 (डाकुमेंट सं 120/82) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, मद्रास

तारीखा : 1,8-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 3/मार्च/82--यतः, मृत्ते, एस० लहरी, मायकार अधिनियुम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उभित बाजार भृत्य 25,000/- फ. से अधिक है भीर जिसकी सं० 24 है, तथा जो वैद्नाथ मुदली स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट (डाक्सेंट सं० 124/82) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1982 को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचितः आजार म्ल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नसिवित उक्केच्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिये; और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त श्रिभिनयम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त श्रिभिनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्निसित व्यक्तियों, जुमीत् ६1. श्री एस० द्वारका नाथ श्रीर श्रदर्स

(ग्रन्तरक)

2. श्री वी० सुब्रहमनय चेट्टी ग्रीर ग्रदर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### कर संची

भ्मि भ्रौर निर्माण 24, वैद्यनाथ मुदली स्ट्रीट मद्रास-1 (डाकुमेंट सं० 124/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, मद्रास

तारीखा : 12-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत महकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास-1, दिनांक 18 नवम्बर 1982

निर्देण सं० 4/मार्च/82—यतः, मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 9 है, तथा जो श्रान्टीयपपन नायकन स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट (डाकुमेंट सं० 113/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उण्चत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उण्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुव्ह किसी आय की नायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, क्रियान में सुनिधा के हैं क्य;

अतः शब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृके अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री चगनलाल श्रीर श्रदर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जुमर बाई श्रौर श्रवर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में दित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

# जन्**स्यों**

भूमि और निर्माण 9, श्रान्टीयपपन नायकन स्ट्रीट मद्रास-1 (डाकुमेंट सं० 113/82)।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 18-11-1982

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

भद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 6/मार्च/82--यतः, मुझे, एस लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 248 है, तथा जो सीटहामस रोड मद्रास में

स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेट (डाकुमेंट सं० 364/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनिवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर√या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री ए० सी० सनम्गम ग्रीर ग्रदर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्री टीना श्रलैस एम० टी० कनना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसुकी

भूमि श्रौर निर्माण 248, सीदहामस रोड मद्रास । (डाकुमेंट सं० 364/82) ।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 11-11-1982

प्ररूप आई. दी. एन.एस. - ---

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 घ(1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 नवम्बर 1982

निर्देश मं० 44/मार्ज/82—यतः, मुझे, एस० लहरी, आयहर प्रश्नित्यम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमं स्थिते प्रशाद उक्त अधिनियम कहा गया है), की आरा 269—ख क मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिनता उचित बाजार पूर्य 25,000/- र. में अधिक है

म्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 61/3, 62 श्रौर 98/1-2सी है, तथा जो वटमंगलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पारूर (डाकुमेंट सं० 72/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रकारक (प्रन्तरकों) प्रांर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उचित अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किया नहीं किया नया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत जक्त आधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे शतने म सुविधा के क्रिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर धीवनियम, या धन-कर धीवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में

अतः अवः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ।—— 1. श्री तनगवेल नायनार

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुबरमनिय चैट्टीयार

(ग्रन्तरिती)

हो **यह न्व**दा जारो कर प्रविका उम्प्री के अ**र्जन** के लिए कार्यवाहियां करता र ।

अपन तमानि ह अर्जन र अने में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस नुबना के राज्यक्ष में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन की प्रविध मा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीआ से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में नमान्त होतो तो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकासन की तारीख से 45 १६० के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोज्ञनाक्षरी के पाग लिखिन में किए जा मर्केंग :

स्पब्दीकरण: —हममें प्रयुक्त शक्दों और पदों का जा उक्त श्रिषिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बही अब भेगा, जी सम अध्याय मे दिया गया है।

# अमृसूची

भूमि सर्वे सं० 61/3, 62 श्रीर 98/1-2 मी वटमंगलम । (डाकुमेंट सं० 72/82) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 18-11-1982

प्रारूप आर्धः.टी.एन.एसः.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 नवम्बर 1982

निर्देश सं० 50/मार्च/82—यतः, मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

मीर जिसकी सं० 75 भीर 76 है, जो माधवाक्कम टानक रोड किलपाक मद्रास-10 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाकुमेंट सं० 75 6/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मार्च 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नही किया गया है :—

- (क) अनत्रण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

1. डाक्टर के० बी० भास्कर राव श्रौर श्रदर्स

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती के० पुष्पा फारम्मा श्रौर श्रदर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण 75 ग्रौर 76, माधवाक्कम टानक रोा , किलपाक मद्रास-10 । (डाकुमेंट सं० 756/82) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 11-11-1982

प्रकृप आहूं.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर मामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निर्देश स० टी श्रार-23/82-83/एस एल 659/ श्राई० ए० सी० एसीक्यू श्रार० श्राई/कलकत्ता—यतः, मुझे, सी० रोकामा,

ब्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रबंत सक्षम प्रापिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है।

ग्रीर जिसकी स० 5 है, तथा जो भ्रार० ए० कलकत्ता मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-3-1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कृप से कियत नहीं किया गया है:---

- क। अन्तरण मं हुई कि नी आय की बाबत, उक्त आहि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य के में हमी करने या उसस बचने में पुविधा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना वाहिए था, किया सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मे, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थादः— 1 श्री राधेश्याम जालान एण्ड श्रदर्स

(अन्तरक)

2 श्रीमती चम्पा देवी द्वारा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ननुसूची

5 कमाक स्ट्रीट, कलकशा मे श्रवस्थित, मकान का प्लाट न $\circ$  बी/6 जो खीड न $\circ$  I=2692, श्रनुसार जी 12-11-82 तारीख में रजिस्ट्री हुश्रा ।

सी० रोकामा सक्षम प्रधिकारो महायक आयकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेज, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 12-11-1982

प्रस्प आई.टा.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं० टा०ग्राग०-33/82-83/एस० एल० नं० 660/ग्राई० ए० सी०/एक्यु/ग्राग०- $\mathbf{I}/$ क्ल०—सनः मुझे, सि० रोजाम।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिपका में 5 है, तथा जो कमाक स्ट्रीट, नल हता। में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बनावता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रध न तारीस 23 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, जिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---•

1. श्री राध स्थाम जालान एन्ड मथना देवी जालान

(अन्तरक)

2. श्रीमती सबिता मीहता

(भ्रन्तरितं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

5 कमाक, स्ट्रोट, कलकत्ता ग्रबस्थित, मकान का प्लाट नं० ए०बी०/7 जो डीड नं० ग्राई०-2429 ग्रनुसार 23 मार्च, 82 में रजिस्ट्री हुन्ना।

> सि० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

नाराख : 12-11-1982 ।

प्ररूप बाह्र . टी. एन . एस . ------

आयकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलक'ता कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं० टी०न्नार०-30/82-83/एस एल-661/न्नाई० ए० सी०/ एक्यु०/न्नार०-I/कल०--यतः मुझे, सि० रोकामा

अगयकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 5 है तथा जो कमाम स्ट्रंग्ट कलकत्ता में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कत्ता प्रधिकार के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12 नवम्बर, 82

को प्वा नित सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्निलिकित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बिल्क में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त बिधिनयम, के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के निवार और/या
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) जे अभीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ए— 1. श्रो राधेश्याम जालान एन्ड धवर्स

(ग्रन्तरक)

2. सस्य नारायण बेरोक्स एन्ड झादार्स

(ग्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की वदिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवाराः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गक्ता हैं।

#### मन्स्पी

5 कमाम, स्ट्रीट, कलकत्ता भ्रवस्थित मकान का 2.22प्रति यत राईट, टाईटल जो प्लाट नं० डी/3 है।

> सि० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहाधक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्दक्षण) ग्रर्जन रेंज, 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड. कलकत्ता-16

तारीख: 12-11-1982

मोहर:

√v-376 GI/82

(म्रन्तरक)

(श्रन्तरिती)

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982 सं०टीं० प्रार०-47/82-83/एस एल-762/प्रार्द० ए० सी० (एक्यु०)/प्रार०-1/कल०—यतः मुझे सि० रोकामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-ए है तथा जो रबीनसन स्ट्रीट कलकता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय (एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 6 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

1. श्री गणेसलाल पुरुसोत्तम् दास

थी नारायण प्रसाद सान गेनेरीया

कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

## मनुसुची

5-ए० रबीनसन् स्ट्रोट कलकत्ता श्रव स्थित प्लाट नं० 3-ए० (भारतल्ला) जो 1636 वर्ग फिट, है श्रौर डीड नं० 2039 धनुसार 6 मार्च, 1982 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> सि० रोकामा मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 54, रकी श्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 12-11-1982

मोहरः

1. श्री गणेस लाल, पुरुसोत्तम, दास

(भ्रन्तरक)

2. श्री नन्दन प्रसाद सानगेनेरीया

(श्रन्तरिती)

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक, 12 नवम्बर 1982

स॰ टी॰ श्रार॰-48/82-83/एस एल-663/ग्राई॰ ए॰ सी॰ एक्य॰)/ग्रार॰-1/कल॰---यकः, मुझे सि॰ रोकामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- फ. से अधिक है

भौर जिसकी स० 5-ए० है तथा जो रबीनसन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उपत अधिनियम के अभीन कर देने के अभ्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भया धन या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

5-ए०; रबीनसन स्ट्रीट, कलकत्ता-17 मे श्रवस्थित मकान का प्लाट नं० 3-बी० जो 1636 वर्ग फिट है।

> मि० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, 54, रफी श्रहमंद किदवाई रोड, कलकक्ता-16

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधिन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक : 12-11-1982

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. ------

# नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-म् (1) के सभीन स्मान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं० टा० भार०-42/82-83/664/माई० ए० सो० (एक्यु) भार० 1/कल०—यत:, मुझे सि० रोकामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम शिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाबार मृष्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसका सं० 227/2 है सथा जो ए० जे० सि० ब्रोस रोड कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भर्धान तारीख 12 नयम्बर, 1982

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य . उसके ध्रमान प्रतिफल से, एते ध्रमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक स्प स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुए जिल्ली आप की वायत सकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीहर/वा
- (ब) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य वास्तियों को, विन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाले में सुविधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिचित व्यक्तियों, मर्थात् :--- 1. श्री अतिश चन्द्र सिनहा

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती सिंबता देवी आय

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

#### अनुसूची

ग्रविभक्त मकान का 1/3 हिस्सा जो 227/2 ए० जे० सि० बीस रोड, कलकता में श्रवस्थित श्रौर जो 32 कट्टा 15 छटाक जमीन पर है।

> सी० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भर्जन<sup>\*</sup>रेंज, 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16।

विभाकः 12-11-1982

मीइर :

प्रकृप क्षाई० डी॰ एन॰ एस०----

मायकर अभिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के झसीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

सं० टी॰ मार॰-32/82-83/एस एल-665/माई॰ ए॰ सी॰ (एक्यु॰) मार॰-1/कल॰--यतः मुझे, सि॰ रोकामा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त मिश्रीनयम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 5 है तथा जो कमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है, (भीर इससे उपाबद अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकार। के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख 23 मार्च, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ए हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे एश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सूबिधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री राधेश्याम, जालान, एन्ड ग्रादासं

(मन्तरक)

2. श्रीमती उमा विनानी

(मन्तरिती'

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिल् एतव्यवनारा कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के पर्वत के संबंध में कोई भी बाक्षेप 1--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकल्यन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवक्ति, जो मे यवदि बाद में समायन हीती हो, के सीतर मूर्जाकर वयक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन को तारीचा से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितवद किसी प्रस्य स्थक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी
  के पास निवास में किए का सकेंगे।

# वन्तुवी

5 कमाक स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित सकाम का प्लाट नं॰ ए॰/4 जो डाड नं॰ ग्राई॰ 2430 अमुसार ग्रार॰ ए० कलकत्ता का यफ्तर में 23-3-82 तारीख की रजिस्ट्रो हुआ है।

> सि॰ रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त निरीक्षण भर्जन रेंज, 54, रफी भहमद किदबाई रोड, क्सकत्ता-16

ब्तंः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षीत :-—

तारीख: 12-11-82

महिर:

प्रक्य बाह्य, टी., एन., एस.,---

मायकर ज्धिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के म्भीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज , कलकत्ता-6

कलकत्ता-16, विनांक 12 नवस्बर 1982

निवेश सं० टी ब्रार-29/82-83/एस एल/666/ब्राई ए सी/ एक्यु झार-1/कल०—यतः मुझे, सी० रोकामा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 5 है तथा जो कमाक स्ट्रीट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण झिधनियम, 1908 (1908 का 16) के झिधन, तारीख 23-3-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(क्न्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति -फल्, निम्नलिखित् उद्दबेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सृविधा के सिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी आयं वा किसी धृतृ मा बृत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

भतः अब, उन्त आंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन, निस्नृतिवृत्ति व्यक्तियों, स्थात् :—

- (1) की राधेश्याम जालान, एष्ट भादसी
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रवीप कुमार, भग्नवाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वों क्य, संपृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य स्थितित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बृही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# रन्युची

5 कमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का प्लाट नं०: बी/1 जी 23-3-82 तारी**ख** में बी/सी नं० शाई-2435 श्र<u>न</u>सार श्रार० ए० कलकत्ता का कार्यालय में रजिस्टी हथा।

> सी॰ रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 54, रफी भहमव किववाई रोड, कलकत्ता-16

तारी**ख** : 12-11-82

मोहर 🛚

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज, फलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवेश सं० टी श्रार-31 82-83-एस एल न० 667-श्राई ए सी एक्यू श्रार-1/कल यतः नुझे सी रोकामा जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्शास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूंख्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 5 है तथा जो कमाक स्ट्रीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलक ा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-3-1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से काम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देष्यों से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विचा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री राधेश्याम, जालान एण्ड धदर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मदनलाल अईन, एण्ड घदर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादाः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

5 कमाक स्ट्रीट कलकत्ता में श्रवस्थि मकान का प्लाट नं अ सी/5 जो 23-3-82 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> सी० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 54, रफी अहमद किदवाई रोड, कललत्ता-16

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो., मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप काई. टी. एन. एस.----

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के स्थीन सूचना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकला, विंनोक 12 मवस्वर 1982

निर्देश सं० TR-52/82-83/SL 668/I.A.D. Acq. R-I/Cal.—-यतः, मुझे सी० रोकामा बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं०79/1 है तथा जो फियासें लेन में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय कलकता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-3-82
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बूल्य से कम के
बूण्य वान राम्किन के निए सम्बर्धित की गई है और मुझे एक्ष्र विश्वाम करने का कारण है कि स्पापूर्वोक्त सम्बत्ति का
अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस
बूश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभत से प्रधिक है और
सन्तरक (सन्तरकों) पीर सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच
ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत
बहेश्य से उक्त सन्तरण तिथित में वास्तविक रूप से किवन
बही किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्नरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के जिए। और/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी क्षत या कम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर मिस्रितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्योजनार्च मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना जाहिए वा छिपाने में मुविधा के सिए;

ग्रतः श्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण म, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269-न की उनवादा (1) के बधीन निभ्नुसिचित् व्यक्तियों, जर्थात्⊹— (1) श्री मंदन मोहन सेन एण्ड ग्रवसें

(अन्तरक)

(2) मह्० जाह्रौगीर एण्ड भादर्स

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त तस्रति के पर्नत से पर्वन्ध में होई भी राक्षीर ----

- (क) इस पूचना के राजपत्र में तकायत की नारीख ने 45 दिन की भवधि या तस्त्रं की व्यक्तियों पर सूचना की नामील ने 30 दिन की अवधि, जो की भवधि बाद में समाप्त क्षेत्री हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (खा) इस मुक्ता के राज्यात में असामान को तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसका किसी परंग्यातित द्वारा, प्रधोदन्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा नकेंगे।

स्पर्का कराः — काने प्रमुक्त गरदो ग्रीगरडों का, जो उक्त धानि नियम के प्रष्टमा 20-क्त में परिभाषित हैं कही पर्वे होग, जो उपक्रमान में विद्यासप

## वन्सृची

79/1 फिपार्स लेन, कलकत्ता श्रवस्थित श्रांसिक एक तस्ला श्रांसिक दो तस्ला मकान जो 15-3-82 तारीख में एस० श्रार० ए० कलकत्ता का दफ्तर में डीड नं० I-2065 अ़नुसार रजिस्ट्री हुमा।

सी० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, 54, रफी भ्राहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख - 12-11-82 मोहर: प्ररूप बाई० ही० एन० एस०---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निवेश सं० TR-21/82-83/SL. 669/I.A.C. Acq. R-I/Cal.—यतः, मुझे, सी० रोकामा नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्भाप प्रधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्पर् से प्रक्षिक है

ग्रीर जिसकी सं० 56 है तथा जो स्ट्रांड रोज स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकसा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 31-3-82

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का क्ष्यह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वाक्तविक क्य मे क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, खनत अधि-नियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमीत्री करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मौर/या,
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या घम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्ठिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनियम, या धन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुक्ति के लिए।

अतः अब, उना प्रजितियन हा आरा 269-ए ह, प्रतुसरण में, में, उन्त अभिनियम की धारा 269-ए की जपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 31---376 GI/82

(1) श्री विनोव, कुमार सावाजी

(मन्तरक)

(2) कुमारी रेखा पोदार

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उरत सम्पति हे प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रद्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यक्ष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो का, जो उत्त ग्रीध-नियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

सम्पत्ति जो 31/3/82 तारीख में रजिस्ट्रार भाफ एस्यरेंस कलकत्ता के दफ्तर में डीड नं $\circ$  I-2869 भ्रनुसार रजिस्ट्री हुमा।

सी० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 54, रकी अहमद किदयई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 12-11-82

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवस्वर 1982

निदेश मं० TR-26/82-83/SL. 670/I.A.C. Acq. R-I/Cal.—वतः, महो सी० रोकामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उचत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वारा करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित काजार मन्य 25,600/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिलकी मं० 2बी है तथा जो राजेश चन्द्र मिमिन में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारो के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन तारीख 18-3-82

को पर्वोदन संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के रश्यभान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त मापीता का उचित बाजार मूल्य, उराके उरयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिपतियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिम्बित व्यक्तियों, अर्थातु:--

(1) एपलायेस प्रापर्टीज

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीप्रेम काडर एण्ड श्रदर्स

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को अवधियातत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामिल सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशनकी तारीखसे 45 विम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभाहस्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

प्रापर्टी जो श्रीड नं : I-2459 धनुसार 18-3-82 तारीख में सब रजिस्ट्रार भ्राफ कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्ट्री हम्रा ।

> सी० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 54, रफी अहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 12-11-82

प्ररूप आहर्ष, टी. एन. एस. ----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 ग्रक्त्वर 1982

निदेश स॰ TR-40/82-83/SL. 671/I.A.C. Acq. R-I/Cal.—यतः मुझे, सी० रोकामा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रा. से अधिक है भौर जिसकी सं० 5 है तथा जो कमाक स्ट्रीट में स्थित है (भ्रौर उसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधि-

कारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-3-82 को पृथक्ति संपत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यु आस्तियोँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कोलिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य की उपधारा (1) के अभीन मिम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :---

(1) श्री राधेश्याम जालान

(ग्रन्तस्क)

(2) श्री पद्म देखी जईन, एण्ड भ्रदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप .----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, अर्भी अविधि बाद में समाप्त हाली हो, के भीतर प्वक्रित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस स्वनाको राजपक में प्रकाशक की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

**स्पष्टीकरण:---इ**समे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

5 क्रमांक स्ट्रीट कलकत्ता में ग्रवस्थित, प्लाटनं० डी/5 जो डोडनं०: I-1634 भ्रनुसार 3-3-82 तारीख में भार० ए० कलकत्ताकादफ्तरमें रजिस्ट्रीहुम्रा।

> सी० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, 54, रफी ध्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 15-16-82

त्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

म्रायकर म्राधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज कलकत्ता

कलफत्ता, दिनाक 15 ग्रस्तूबर 1982

R-I/Cal --- यतः, मुझे सी० रोकामा भायकर प्रधिनियम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त भिष्ठितियम कहा गया है), की बारा 269-ख के धर्बीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपए से प्रविक है, भीर जिसकी सं० 5 है तथा जो कमाक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 3-3-82 को पूर्वोक्त सम्पति क उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त प्रश्माल का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बौर भग्तरक (मन्तरको) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐत अन्तरग क लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उत्रेक्त से उन्त प्रनारगतिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वावत उक्त प्रधिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कृमी करने वा अससे बचने में सुविधा के लिया और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय मायकर भ्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनयम, या अन-कर अधिनियम, \_957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के. जन्सरण् में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के जभीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ जुर्भात् :— (1) भी राधेश्यामं जालान एण्ड झदर्स

(मन्तरक)

(2) भी विमला देवी दागा एन्ड प्रवर्स

(भन्तरिती)

भी यह सूचना आरी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्त म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 15 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की ध्रविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का क्यितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के मीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में दितवड़ किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिस में किये जा सकेंगे.

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त मक्दों शीर पदी का, को छक्त अछिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अये होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

#### अवस्थी

5 कर्माक स्ट्रीट कलकत्ता में भवस्थित मकान का प्लाट नं०: बी/5 जो डीड नं०: I-1635 श्रनुसार 3-3-82 तारीख में भार०सी० कलकत्ता के दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> सी० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 15-10-82

मोहर 🖰

# प्ररूप बाई॰ टी॰ एव॰ एत॰---

भायकर प्रविचियम, 1961 (1961 सा 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मन्तूबर 1982

निदेश सं० TR-39/82-83/SL 673/I.A.C. Acq. R-I/Cal.—यतः मुझे, सी० रोकामा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन सल्यम प्राधिकारी को, यह विश्वाम हरों का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ब्यं में अधिक है और जिसकी सं० 5 है तथा जो कमाक स्ट्रीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-3-82

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित वाशार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाशार सूहर, उसके दृश्यमान अतिफल ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र अ प्रतिशत ध्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिश्वल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत चनत प्रधिनियम के प्रश्लीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में चर्मी करने या उसने बचने में सुविज्ञा के जिए; और/या
- (ख) ऐनी किसी ग्राम या किसी घन या श्रम्य आधितमों की जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिविनयम, या वन-कर ग्रिबिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सृविधा के जिए;

प्रतः जब, उक्त जिञ्चितियम की धारा 269-ग के जनुसक्य में; में, उक्त प्रक्षितियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के प्रशीम, निम्मिकित व्यक्तियों, जबीत :--- (1) भी राधेश्याम जालान एण्ड घदर्स

(धन्तरक)

(2) श्री सोभागति वागा एण्ड घदर्स

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  प्रविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में दित- बार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोत्रस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

#### अनुसूची

5 कमाक स्ट्रीट कलकत्ता में भवस्थित मकान का प्लाट मं $\circ$ : v/5 जो डीड नं $\circ$ : I-1633 भनुसार भार $\circ$  ए $\circ$  कलकत्ता में 3-3-82 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

सी॰ रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज, 54 रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारी**थ**: 15-10-82

प्ररूप जाई.टी.एन,एस.-----

आर्थिक रे अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, विनाक 12 नवम्बर 1982

निदेश सं॰ TR-120/82-83/SL. 674/I.A.C. Acq. R-I/Cal.—यतः, मुझे, सी॰ रोकामा

आंधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 16 है तथा जो लिन्टन स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-3-82

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आम मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सीचंधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:--

(1) श्रीमती कमला घटजी एन्ड ध्रदर्स

(मन्तरक)

(2) श्रीए० के० चौधरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्ये:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति जो कि डीड नं॰ I-183 भनुसार 15-3-82 तारीक्ष में रजिस्ट्री हुआ।

सी० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, 54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता--16

**तारीख**: 12-11-1982

प्रसप भाई• टी॰ एन• एस•-

आयकर मिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-न (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर प्राय्क्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निदेश सं० TR-119/82-83/SL. 675/I.A.C. Acq. R-I/Cal.—यत: मुझे, सो० रोकामा मायकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उका पिवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षण प्राधिकारी की बहु विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क• मे अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 16 है तथा जो लिन्टन स्ट्रीट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख 15-3-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए प्रत्निरित का गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल स ऐन दृश्यमान प्रतिकल का पण्डल प्रतिशत प्रक्षिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रश्नरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय का वाबन, खबत ग्रीश्वनियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के ग्रायत्व में कमी करने ए उससे बचने में मुविश्वा के किस्ट; ग्रीर/मा
- (ख) एसी किसी पाय या किसी धन या धन्य भास्तिओं की, जिन्हें भारतीय पायकर अधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियान में सुंबधा के लिए;

अतः यब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्रीमती कमला चटर्जी एन्ड घदर्स
- (福刊表示)

(2) मिसेस नूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त समाति के धर्जन लिए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्बन्धि के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :→→

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि जावि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूजना के राजरत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी द्वारा क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त गम्हः और पर्वो का, जो सक्त अधिनियम के मध्याय-20क में परिभाषित है, बही प्रयंत्रामा जो सम अध्याप में दिया क्या है।

## वनुसूची

16 लिन्द्रन स्ट्रीट कलकत्ता में भ्रवस्थित मकान का साउवर्न पौरशन जो श्रीड नं० I-184 अनुसार 15-3-82 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> सी० रोकामा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 54, रफी श्रहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 12-11-1982

प्रसप बाई० टी० एन० एस०----

धायकर सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-च (1) के पत्रीन सृचना

#### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 नवम्बर 1982

सं प्राई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस० म्रार० 2/3-82/ 7017--- मत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भाव कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन समम बाजिकारी को, यह विक्थाम करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्यमें से पश्चिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गढ़ी खोसरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुवाँक्त सम्मत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीभ कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये और/वा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

- (1) श्री महा सिंह सुपुत्र श्री हरी सिंह, निवासी ग्राम मुखमेल पुर, दिल्ली।
  - (बन्तरक)
- (2) म्रोम प्रकाश, जय प्रकाश, प्रेम प्रकाश सुपुत्र श्री निवासी ग्राम मुख्यमेल पूर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं!

उना पन्तति के प्रका के पन्तरम में कीई भी धान्नेप:~~

- (क) ६4 सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन का भवधि या तस्तवंत्री व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जा भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यकिन द्वारा, धक्षोत्स्नाक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकीने।

स्मञ्जीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों घोर पदों का, जो उक्त पश्चितियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस प्रष्टयाय में विया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 59 बिघे 19 बिस्पे, खसरा नं० 130, 138/2, 139, 140, 146/2/2, 352, 383, 395, 396, 397, 400, 401, 413, 414, 415, ग्राम गढी खोसरा, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलस व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 3-11-1982

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi, the 21st October 1982

No. A.19014/8/82-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. V. Naik, IRS (C&CE), as Under Secretary in the office of UPSC, with effect from the forenoon of 21st October 1982 until further orders.

#### The 30th October 1982

No. P/123-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri P. C. Mathur, a permanent Section Officer and officiating as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31st October 1982.

#### The 8th November 1982

No. A. 32013/2/82-Admn. I—The President is pleased to appoint the following permanent section Officers of CSS to officiate as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission on ad-hoc basis for the period shown against each:—

S. Name No.		Period	
S/Shri			
1. K. L. Suri .			1-8-82 to 25-9-82
2. B. D. Sharma	1		5-8-82 to 24-9-82
<ol><li>Yoginder Nath</li></ol>			5-8-82 to 24-9-82
4. D. R. Madan			9-8-82 to 23-9-82

#### The 11th November 1982

No. A.32013/1/82-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri H. M. Biswas, a permanent Section Officer of the CSS cadre of UPSC, included at S. No. 12 of the Select List of CSS Officers for the year 1981, to officiate in Grade I of CSS as Under Secretary on regular basis with effect from 15th June 1982 until further orders.

The appointment of Shri H. M. Biswas, as Under Secretary is subject to the decision on the writ Petitions pending in the Delhi High Court in this connection, including the Civil Writ Petition No. 511 of 1980 in the Delhi High Court.

#### The 12th November 1982

No. A.19013/1/79-Admn.I.—Consequent on his selection for appointment as Economist/First Secretary, Embassy of India, Brussels vide Ministry of Finance, Department of Economic Affairs letter No. A.19011/1/82-Admn.III, dated 19-10-1982, Shri Bepin Behari, an officer of the Indian Economic Service and presently working as Deputy Secretary, Union Public Service Commission relinquished charge of the post of Deputy Secretary in this office with effect from the afternoon of 12th November 1982.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the

No. A-19021/14/82-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Satinder Singh, IPS (OR-1967) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 12th November 1982.

No. A-19021/16/82-D.V.—The President is pleased to appoint Shri Vijay Shankar IPS (UP-1969) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 16th November 1982. 32—376 GI/82

#### The 22nd November 1982

No. H-5/68-ADV (Pt.).—Dr. II. L. Bami relinquished charge of the office of Director/C.F.S.L., New Delhi on the afternoon of 31st October 1982, on superannuation.

#### The 23rd November 1982

No. A/35021,19/82/Ad.V.—Consequent on his appointment in the Kudal Commission of Inquiry on Gandhi Peace Foundation and other Organisations, services of Shri Vidhya Bhushan, Dy. Supdt. of Police CBI, have been placed at the disposal of the Commission with effect from the forenoon of 4th November 1982, until further orders.

R. S. NAGPAL

Administrative Officer (E)

# DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110003, the 29th November 1982

No. O.II-700/71-Estt.—The Government of India regret to notify the death of Shri G. P. Puni, Dy. S. P. of 38 Bn., CRPF, on 23-10-1982.

A. K. SUR1

Assistant Director (Estt.)

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL

#### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 22nd November 1982

No. E-32015(2)/2/81-PERS.—On expiry of term of his re-employment Shri Daljit Singh relinquished charge of the post of Commandant, CISF Unit, BHEL, Hardwar w.e.f. the forenoon of 22nd October 1982.

No. E-16013(2)/11/82-PERS.—On transfer on deputation, Shri Rameshwar Singh, IPS (I&K: SPS) assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, I.O.C. Mathura Refinery, with effect from the forenoon of 29th October 1982.

#### The 26th November 1982

No. E-16016/6/82-PERS.—On transfer on deputation. Shri V. K. Popli assumed charge of the post of Asstt. Director (Accounts), C.I.S.F. Hqrs., New Delhi with effect from the forenoon of 4th November 1982.

SURENDRA NATH Director General

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 23rd November 1982

No. 11/95/79-Ad.I—In continuation of this office Notification of even number dated the 28th May 1982, the President is pleased to appoint Shri S. Rajagopalan, Section Officer in the Office of the Registrar General, India, New Delhi as Deputy Director in the same office, by transfer on deputation, on a purely temporary and *ud-hoc* basis, for a further period upto the 31st December 1982.

2. The headquarters of Shri Rajagopalan will be at New Delhi.

No. 10/11/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. M. Holla, an officer belonging to Grade-I of the Indian Statistical Service, and at present working as Joint Registrar General, India in the office of the Registrar General, India, New Delhi. on ad-hoc basis, as Joint Registrar General, India in the same office, on a regular basis, for a period not ex-

ceeding four years, with effect from the forence n of the 22nd

18330

June 1981.

2. The headquarters of Dr. Holla will be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

#### MINISTRY OF FINANCE

#### DEPARTMENT OF REVENUE

OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE & GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 24th November 1982

F. No. 6-CEGAT/82.—Shri M. S. Kainth lately working as Office Supdt., in the Directorate of Publications Customs, and Central Excise, New Delhi, assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, New Delhi in the forenoon of 24th November 1982

R. N. SEHGAL Registra:

#### FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 10th November 1982

No. 8 FC 2(27)-A/82.—Shri M. R. Verma, Economic Investigator (Grade I), at present on deputation to the Eighth Finance Commission, is appointed as Research Officer in the Finance Commission in the scale of Rs. 700—1300 with effect from the forenoon of 4th November 1982 and until further orders.

S. L. MATHUR U.S. (A)

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT.

#### CENTRAL REVENUE

New Delhi, the 30th November 1982

No. Admn.I/O.O No. 429.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints the following permanent Section officers of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840—1200 with effect from the forenoon of 22nd November 1982 until further orders:—

- Sl. No. and Name
  - 1. Shrl G. L. Sikka.
  - 2. Shri R. N. Trikha.

A. S. MOHINDRA

Joint Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, M.P.

Gwalior, the 12th November 1982

No. DE.I/PF-SLA/353.—Shri S. L. Agrawal (01/81) a permanent Accounts Officer of the Office of the Accountant General-I Madhya Pradesh, will retire from Central Government service on 30th November 1982 afternoon on his attaining the age of superannuation.

The 19th November 1982

No. DE. I/GOs-Promotion/361--The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the undermentioned substantive Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of R<sub>3</sub>. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 12th November, 1982 afternoon:—

SI.		Permt. No.	Date of joining	Allocated to.
1.	Shri N. D. Shukla	02/284	12-[1-82 AN,	AG. II.

(Authority: AG. I orders dated 11-11-1982).

B. K. ROY, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 15th November 1982

No. 14/82/A/E-1.—On attaining the age of superannuation Shri Sukumar Dasgupta, Subst., & Permit Assistant, Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-10-1982 (A.N.).

D. R. İYER DDG/Personnel

# DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 19th November 1982

No. 5/3/82-Estt.—The Director General, Factory Advice Service & Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint the undermentioned officers to the post of Research Officer (Chemical) in the Directorate General Factory Advice Service & Labour Institutes in a substantive capacity with effect from the date mentioned against their names:—

Shri P. B. Pal-20-5-1981.

Shri T, C. Saha-20-5-1981,

A. K. CHAKRABARTY, Director General

#### MINISTRY OF INDUSTRY

## DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 24th November 1982

No. 12(651)/76-Admr.(G)—The President is pleased to appoint Shri B. A. Kamble, Asstt. Director (Gr. II) (General Administrative Division). Small Industries Service Institute, Kanpur as Assistant Director (Gr.I) (General Administrative Division) at the same Institute with effect from the forencon of 7-9-1982 until further orders.

No. A.19018(626) /82-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shrl K. B. V. Sundereswara Rao, Small Industry Promotion Officer (Flectrical), Small Industries Service Institute, Calcutta as Assistant Director (Gr.II) (Electrical) at Small Industries Service Institute, New Delhi with effect from the forenoon of 6-5-82 until further orders.

C. C. ROY. Dv Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS, (ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 22nd November 1982

No. A6/247(295).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Majumdar, Assistant Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service—Met. Branch) in the office of Director of Inspection (Met) Jamshedpur as Deputy Director of Inspection (Met) (Grade II of Indian

Inspection Service—Met. Branch) on purely ad-hoc basis in the same office with effect from forenoon of 13-10-1982 until further orders.

2. Shri Majumdar relinquished the charge of the post of ADI(Met) on the forenoon of 13-10-1982 and assumed charge of the post of DDI(Met) on the same date.

S. L. KAPOOR, Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals.

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1 the 23rd November 1982

No. A-1/1(758).—The President is pleased to appoint Shri V. K. Gupta, Deputy Director of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') and who was officiating as Deputy Director (Coordination) in this office, to officiate as Director (Disposals) (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis, in the Training/Leave vacancy of Shri Q. P. Srivastava, for the period from 8-11-82 to 11-12-82.

2. Shri Gupta relinquished charge of the post of Dy. Director (Coordination) and assumed charge of the post of Director (Disposals) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forencom of 8-11-82.

S. BALASUBRAMANIAN, Dy. Director (Admn.)

# MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF STEEL)

IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 24th November 1982

No. EI-12(25)/81(.).—On attaining the age of superannuation Shri Sydney H. McGian, Asstt. Commissioner of Payments has relinquished the charge of the post with effect from 30th October, 1982 (AN).

#### The 25th November 1982

No. EI-12(52)/82(.).—Shri D. K. Chatterjee, Accounts Officer, office of the Controller of Accounts, Department of Mines, GSI, Calcutta-1, is hereby appointed on deputation as Accounts Officer, with effect from the forenoon of the 17th November, 1982, until further orders.

S. C. MAZUMDAR, Jt. Iron & Steel Controller

# (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 22nd November 1982

No. A-19011(199)/82-Estt.A.—On his deputation to the Bureau of Public Enterprises, as Joint Adviser (Production) (Mining), Shri C. M. Jain. Director (Taining), Indian Bureau of Mines, has relinquished the charge of the post of Director (Training) in the Indian Bureau of Mines on the afternoon of 7th October, 1982.

#### The 23rd November 1982

No. A.19011(301)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Arun Prasad to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-10-82.

B. C. MISRA, Head of Office. Indian Bureau of Mines.

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 24th November 1982

No. 3/6/81-SIII (Pt. III):—Consequent upon their promotion, the undermentioned Sr. Engineering Assistants have

assumed charge of the posts of Assistant Engineer at differen offices of AIR/Doordarshan in a temporary capacity from the date mentioned against each:—

S. No.	Name	<del></del>		Station where posted	Date of joining
S/SI					
1. H. S.	. Seetharam	٠		AIR Portblair	29-10-82 (A.N.)
2. B. C.	. Mantro .			CE (NZ), New Delhi.	18-10-82
3. R. P.	Tikhu , ,	•	•	CE(NZ) New Delhi.	18-10-82
4. E. N	agaraja Sarma .	•		AIR, Calcutta.	30-10-82
5. P. G	opalan .			AIR, Pondicherry	30-10-82 (A.N.)
6. O. P.	Gandotra .			HPT, Khampur, Dell	30-10-82 ni
7. K. M	[urlidharan .	•		AIR, Kohima	15-10-82
8. H. S.	Dua			DDK., Srìnagar	27-9-82
9. B. Se	khar Reddy .	•		CE (SZ) AIR Madras.	14-10-82
10. K. Vy	asarajan .			DDK, Cuttack	26-10-82
11. T. G.	Ananthlawar .			DDK, Raipur	29-9-82
12. V. S.	Suryanarayana	•	٠	DDK, Sambalpur.	23-9-82
13. N. K.	Bari .			DDK, Calcutta	30-8-82
14. S. Ba	ndopadhaya			DDK, Calcutta.	27-8-82
15. Moho	l. Jamil Bakash		٠	DDK, S rinagar.	29-10-82 (A.N.)

Y. VARMA,
Dy.Director of Administration
for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 23rd November 1982

No. A. 19019/38/77-CGHS.I.—Consequent on her marriage, Dr. (Kumari) Chanda Joshi, Homocopathic Physician, Central Govt. Health Scheme, Delhi will be known as Dr. (Smt.) Chanda Pandey.

#### The 25th November 1982

No. A. 22013/1/81-CGHS.I.—Consequent on his transfer from Central Govt. Health Scheme, Jaipur to Central Govt. Health Scheme, Delhi Dr. S. Lyngdoh, Homocopathic Physician relinquished charge of the post of Homocopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Jaipur with effect from the afternoon of 3-11-1982 and assumed charge of the post of Homocopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of 4-11-1982.

T. S. RAO, Dy. Director Admn. (CGHSJ)

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION CENTRAL COMPLEX

Bombay-85, the 22nd November 1982

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Jayant Vishwanath Naik, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 4-10-1982 (FN), to 8-11-1982 (AN).

#### The 29th November 1982

No. PA/73(1)/82-R-IV/1129.—The Atomic Research Centre, appoints Dr. Anandatirth Vishnu Kulkarni as Resident Medical Officer in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of November 18, 1982 until further orders.

B. C. PAL, Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 23rd November 1982

No. NAPP/Adm./26(1)/82/S/13599.—Officiating appointment on ad-hoc basis of Shri Om Prakash, a Permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Project as Assistant Personnel Officer notified vide notification No. NAPP/Adm/26(1)/82/S/11019 dated September 11, 1982 stands terminated with effect from the afternoon of November 4, 1982.

M. S. RAO, Chief Administrative Officer.

#### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 9th November 1982

No. DPS/4/1(4)/71-AdM ./33010—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Officers in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Purchase Officer in the same Directorate with effect from the dates mentioned against each:

Sl. No.	Name and Designation	Date of sub- stantive apptt.	Permanent post held, if any.
A	ari M. K. Chacko, Asstt. Purchase Officer, Central Purchase Unit.	1-10-1982	Purchase Assistant
2. \$	Shri I. Ramakirshnan, Asstt. Purchase Officer, Central Purchase Unit.	1-11-1982	Sr. Stenograph <sup>er</sup>

#### The 10th November 1982

No. DPS/4/1(5)/77-Adm./33302—The Director, rate of Purchase and Stores, Department of Atomic appoints the undermentioned officers in a substantive capacity against permanent posts of Assistant Stores Officer in the same Directorate with effect from October 1, 1982;—

Sl. Name and Unit No.	Present Permanent grade post held, if any
1 2	3 4
1. Shri R. N. Guha Central Stores, Unit.	Assistant Storekeeper Stores Officer.
2. Shri V. Y. Gokhale Central Stores Unit.	Assistant Storekeeper Stores Officer.
<ol><li>Shri R. M. Mondkar Central Stores Unit.</li></ol>	Assistant Storekeeper Stores Officer.
<ol> <li>Shri H. R. Dua Hyderabad Regional Purchase &amp; Stores Unit.</li> </ol>	Assistant Storekceper Stores, Officer.
5. Shri Y. N. Dadlani Kota Regional Purchase & Stores Unit.	Assistant Storckeeper Stores Officer.
6. Shri B. L. Rao Stores Unit (DPS), HWP, Talchar.	Assistant Storekeeper Stores Officer.

1	2	3	4
Sto	K. T. Ummer ores Unit (DPS), HWP, icorin.	Assistant Stores Officer	Storekeeper
	i B. D. More entral Stores Unit.	Assistant Stores Officer	Storckeeper
Hy	i G. R. G. Choudhary /dcrabad Regional rchase & Stores Unit	Assistant Stores Officer.	Storekeeper
Ste	i V. Balakrishnan ores (Unit DPS), MAPP, alpakkam.	Assistant Stores Officer	

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

[PART III—SEC. 1

#### Bombay-400001, the 26th November 1982

No. Ref. DPS/23/1/81-Est./36012.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated September 1, 1982, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Jaganath Gopal Sathe, a permanent Assistant Accountant and officiating Accountant (ad-hoc) to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-960 upto December 31, 1982 (AN), or until further orders whichever is earlier.

B. G. KULKARNI Administrative Officer-II

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 19th November 1982

No. RAPP/Rect/3(2)/82/S/224.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri D. D. Verma, a quasi-permanent, Assistant Foreman in RAPP and officiating Scientific Assistant 'C' working in Rajasthan Atomic Power Project on Regular Establishment to the post of Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the same Project in a temporary capacity with effect from 1-8-1982 until further orders.

Shri Verma assumed charge of his post in the grade SO/SB on the forenoon of 1-8-1982.

M. D. GADGIL Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

#### HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 24th November 1982

No 05012/R3/4753.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shi Radhey Shyam Singh, a permanent Sub-Officer of Rajasthan Atomic Power Station to officiate as Station Officer in Heavy Water Project (Kota), with effect from the forenoon of September 20, 1982 until further orders.

R. C. KOTIANKAR
Administrative Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd November 1982

No. A-32013/6/81-EW(Pt.).—The President is pleased to appoint Shri L. C. Gupta, Electrical & Mechanical Officer (Officiating as Assistant Director of Equipment on ad hoc basis) to the grade of Assistant Director of Equipment in the Civil Aviation Department, in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600 with effect from the 20th September, 1982 (Forenoon) on regular basis and until further orders.

Shri L. C. Gupta is posted at office of the Regional Director, Bombay.

No. A-32013/4/81-EW.—The President is pleased to appoint Shri L. C. Gupta, Electrical & Mechanical Officer to the grade of Assistant Director of Equipment in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 in the Civil Aviation Department on ad hoc basis for the period from 26th March, 1982 (Forenoon) to 19th September, 1982

- 2. The continued ad hoc appointment of Shri L. C. Gupta as Assistant Director of Equipment shall not bestow on him a claim for seniority in the grade or for eligibility for promotion to the next higher grade.
- 3. Shri L. C. Gupta is posted to the Office of the Regional Director, Bombay.

THAKAR DATT,

Assistant Director of Administration

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT

(Customs and Central Excise)

New Delhi, the 25th November 1982

No. 19/82.—Shri Yuv Raj Gupta, lately posted as Senior Technical Officer, Revision & Appeal Unit, Department of Revenue, on transfer to the Delhi Bench of the Appellate Tribunal, Customs, Excise & Gold Control vide Department of Revenue Order No. 174/81 (F. No. 22012 55/81-Ad.I) dated 23-9-81 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi w.e.f. 12-10-82 (forenoon).

No. 20/82.—Shri V. Sridhar, lately posted as Senior Technical Officer in the Central Board of Excise and Customs, New Delhi on transfer to the Delhi Bench of the Appellate Tribunal, Customs, Excise and Gold Control vide Department of Revenue Order No. 170/82 (F. No. A.22012/64/82-Ad.II) dated 22-9-82 assumed charge of the post of Junior Departmental Representative Group 'A' in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi w.e.f. 11-10-82 (F/N).

S. B. SARKAR Director of Inspection.

# OPFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE &

## CENTRAL EXCISE

Bangalore, the 8th November 1982

No. 3/82.In exercise of the Powers Conferred on me under Rule 5 of the Central Excise Rules 1944, I hereby authorise Assistant Collector of Central Excise (Legal) Headquarters Office, Bangalore, to be the Proper Office under the Provisions of the Section 358(2) & 35E(2) read with Section 35E(4) of the Central Excise & Salt Act 1944.

C. K. GOPALAKRISHANAN, Collector of Central Excise Karnataka Collectorate, Bangalore.

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 23rd November 1982

No. A-19012/951/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Shiv Kumar Sharma, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 initially for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 3rd May, 1982.

A. BHATTACHARYA
Under Secy.
Central Water Commission.

## CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-66, the 27th November 1982

No. 2/45/82-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri M. C. Sharma. Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 12th November, 1982.

B. M. LALL. Under Secy.

# DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 23rd November 1982

No. 27-E/G(44)69/ECIL—The President is pleased to accept the notice of voluntary retirement of Shri R. K. Goel, Executive Engineer (Civil) of this Department, at present on deputation as Chief Engineer to standing Conference of Public Enterprises, to retire from Government Service. Accordingly Shri R. K. Goel will retire from Government Service in the afternoon of 23rd November 1982.

NEENA GARG
Dy. Director of Administration
for Director General (Works)

## DIRECTORATE OF NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta, the 23rd November 1982

No. G-65/S.O.—The Director General, National Test House. Calcutta has been pleased to appoint Srl R. N. Mukherjee, Scientific Assistant (Electrical), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Electrical) in the Office of the National Test House, Madras Branch Office Madras on a regular basis with effect from 11-10-82 (F/N) until further order.

A. BANERJEF,
Dy. Director (Admn.)
for Director General, National Test House Cal.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

GUJARAT
In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s.
Great Eastern Transport Pvt. Ltd

Ahmedabad-9, the 19th November 1982

No. 402/560.—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months, from the date hereof the names of the M/s. Great Eastern Transport Pvt. Ltd. Unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Associated Transport & Agricultural Pvt. Ltd.

Ahmedabad-9, the 19th November 1982

No. 523/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months, from the date hereof the names of the M/s. Associated Transport & Agricultural Pvt. Ltd. Unless cause is shown to the Contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M (s. Noble Industries Pvt. Ltd.

Ahmedabad-9, the 19th November 1982

No. 562 560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months, from the date hereof

the names of the M/s Noble Industries Pvt. Ltd. Unleas cause is shown to the contray, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s.

Board Cotton Association Ltd.

Ahmedabad-9, the 19th November 1982

No. 715/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months, from the date hereof the names of the M/s. Botad Cotton Association Ltd. Unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Surat Commercial & Financies Pvt. Ltd.

Ahmequbad-9, the 19th November 1982

No. 1319/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months, from the date hereof the names of the M/s. Surat Commercial & Financies Pvt. Ltd. Unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Emerela Food Products Pvt. Ltd.

Ahmedabad-9, the 19th November 1982

No. 2656/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months, from the date hereof the name of the M/s. Emerela Food Products Pvt. Ltd. Unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1936 and of M/s.
Raman Processing & Textile Pvt. Ltd.

Ahmedabad-9, the 19th November 1982

No. 2932/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months, from the date hereof the name of the M/s. Raman Processing & Textile Pvt. Ltd. Unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vengard Benefit Private Limited.

Ahmedabad, the 19th November 1982

No. 1775/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Vengard Benefit Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. B. MASTER

Asstt. Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sri Mallikarjuna Food Grain Traders Private Limited

Hyderabad, the 22nd November 1982

No. 1087/TA-III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of Sri Mallikarjuna Food Grain Traders Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Balan Merchants Association Private Limited

Hyderabad, the 22nd November 1982

No. 1083/TA-III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of baiaji Merchants Association Private Limited has this day been struck on the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Jayalaxmi Leathers Private Limited

Hyderabad, the 22nd November 1982

No. 2073/TA-HI/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jayalaxmi Leathers Priyate Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956 and of New India Trading Company Limited

Madras, the 23rd November 1982

No. DN/1850/82.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 (3) of the Companies Act, 196, that at the expiration of three months from the date hereof the name of New India Trading Company Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. I. Abdul Wahld
Tanning Corporation Private Limited

Madras, the 23rd November 1982

No. 6545/560/82.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. T. Abdul Wahid Tauning Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Antony Transport Service Private Limited

Madras, the 23rd November 1982

No. 3988/560/82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Antony Transport Service Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Andhra Malleable Castings & Forgings Private Limited

Tamil Nadu, Madras, the 23rd November 1982

No. 4855/560/82.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Andhra Malleable Castings & Forgings Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Microtec Castings Limited

Madras, the 23rd November 1982

No. 3748/560/82.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

the name of M/s. Microtec Castings Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jayodhaya Private Limited

Madras, the 23rd November 1982

No. 3599/560/82.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jayodhaya Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd./- ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. The Mahabeer Finance & Trading Company Private Limited.

Gwalior, the 23rd November 1982

No. 981/PS/CP/2933.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. The Mahabeer Fimance & Trading Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck-off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shiv Shakti Financiers and Traders Private Limited

Gwalior, the 23rd November 1982

No.1171/PS/CP/2936.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Shiv Shakti Financiers and Traders Private I imited

unless cause is shown to the contrary, will be struck-off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Balgrawpur Farm Private Limited
Calcutta, the 24th November 1982

No. L/27143/H-D/1956.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 21-1-80 and the Official Liquidator/court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

Sd./- ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal, Calcutta

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOMETAX (CADRE CONTROL AUTHORITY) KANPUR

Kanpur, tht 29th October 1982 ORDER

Establishment-Central Services-Group 'B'—Gazetted-Promotion Transfers & Posting of—

No. 90.—Shri Kishan Lal (SC) Inspector of Income-tax Agra Charge is appointed to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810 EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the date of taking over the charge and until further orders. He will be liable to reversion in case it is subsequently found that his appointment have been made in excess of the vacancies available. On promotion his services are receded the free of of the Commissioner of Income-tax. Apra who will issue his nosting orders.

S. P. PANDE Commissioner of Income-tax Kanpur

## INCOME TAX DEPARTMENT

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Cochin, the 3rd November, 1982

No. 6/82-83:—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (Act 43 of 1961) and in supersession of all the notifications under section 124 issued in this behalf from time to time, I, the Commissioner of Income-tax, Cochin, hereby direct that with effect from the fore-noon of the 15th November, 1982, the Income-tax Officer specified in column 3 of the Schedule appended hereto shall perform the functions of an Income-tax Officer within the area and in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof:—

### **SCHEDULE**

\$1. No.	Name of Circle,	Designation of the Income-tax Officer.	Area of Jurisdiction.
(1)	(2)	(3)	(4)
1. S	ırvey Circle-I, Ernakulam.		<ul> <li>(i) All cases assessable or assessed to Income-tax in Survey Circle-I, Ernakulam, within the territorial jurisdictoin of the Income-tax Circles at Ernakulam, Mattancherry and Alwaye as on the 15th November, 1982.</li> <li>(ii) All new cases discovered in the course of survey operations in the territorial jurisdiction of the Income-tax Circles at Ernakulam and Mattancherry.</li> <li>(iii) All persons whose cases have been or may be transferred to the Income-tax Officer under section 127(1 of the Income-tax Act 1961.</li> </ul>

### WEALTH TAX

No. 7/82-83:—In exercise of the powers conferred on me under Sub-section (1) of Section 8A of the Wealth-tax Act, 1957 (Act 27 of 1957) and in supersession of all other notifications issued in this behalf from time to time, I, the Commiss-ner of Wealth-tax, Cochin, hereby direct that with effect from the fore-noon of the 15th November, 1982, the Wealth-tax Officer, specified in column 3 of the Schedule appended hereto shall perform, the functions of the Wealth-tax Officer within the area and in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof:—

### SCHEDULE

Sl. No.	Name of the Circle.	Designation of the tax Officer.	Wealth- Area of Jurisdiction.
(1)	(2)	(3)	(4)
1. Sv	rvey Circle-I, Ernakulam.	Wealth-tax Officer, Survey Circle-I, Ernakulam.	<ul> <li>(i) All cases assessable or assessed to Wealth-tax in Survey Circle-I, Ernakulam, within the territorial jurisdiction of the Wealth-tax Circles at Alwaye, Ernakulam and Mattancherry as on the 15th November, 1982.</li> <li>(ii) All cases of Wealth-tax assesses enlisted for Income-tax in Survey Circle-I, Ernakulma, falling within the territorial jurisdiction of the Wealth-tax Circles at Ernakulam and Mattancherry.</li> <li>(iii) All persons whose cases have been or may be transferred to the Wealth-tax Officer u/s. 8B of the Wealth-tax Act 1957.</li> </ul>

### **GIFT-TAX**

No. 8/82-83:—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) of Section 7A of the Gift-tax Act, 1958 (Act 18 of 1958) and in supersession of all the notifications issued in this behalf from time to time, I, the Commissioner of Gift-tax, Cochin, hereby direct that with effect from the fore-noon of the 15th November 1982, the Gift-tax Officer specified in coumn 3 of the Schedule appended hereto shall perform the functions of the Gift-tax Officer within the area and in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof:—

#### SCHEDULE

Sl. Name of Circle. No.	Designation of the tax Officer.	Gift- Area of Jurisdiction.
(1) (2)	(3)	(4)
1. Survey Circles-I, Ernakulam.	Gift-tax Officer, Survey Circle-I, Ernakulam.	<ul> <li>(i) All cases assessable or assessed to Gift-tax in Survey Circle-I, Ernakulam, within the territorial jurisdiction of the Gift-tax Circler at Alwaye, Ernakulam and Mattancherry, as on the 15th November, 1982.</li> <li>(ii) All cases of new assessees who are not assessed to Income-tax or Wealth-tax in the territorial jurisdiction of the Gift-tax Circles at Ernakulam and Mattancherry</li> <li>(iii) All persons whose cases have been or may be transferred to the Gift-tax Officer u/s. 7B of the Gift-tax Act, 1958.</li> </ul>

G. R. PATWARDHAN, Commissioner of Gift-tax, Cochin.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Maha Singh s/o Shri Harl-Singh r o Vill, Mukhmel Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) S Shri Om Parkash, Jai Prakash, Prem Piakash s/o Shri Piara Lal r/o Vill. Mukhmelpur, Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/ST-II/3-82.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated Vill. Garhi, Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—
33-376 GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 59 Bighas 19 Biswas, Khasra No. 130, 138/2, 139, 140, 146/2/2, 352, 383, 396, 397, 400, 401, 413, 414, 416 Vill. Garhi Khasra, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Hukam Chand s/o Shri Narayan Dass and G.A. Shri Mangeram and Sh. Balwan Singh r/o 2039, Rani Bagh, Shakurbasti, Delhi.

> (Transferor) I**n Kumar K**athuria

(2) Shri Arun Kumar Kathuria s/o Shri Ram Lal Kathuria r/o B-3, Kirti Nagar, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6903.---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Hiran Kundna, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, land. Mg. 28 Bighas and 16 Biswas Vill, Hirakundana, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982 Seal:

2¢#1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-82/9005.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 3, Netaji Subhash Marg, situated at Darya Ganj Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Sarup Sukhija s/o Shri Udho Dass r/o 1/34, Geeta Colony, Delhi-31.

(Transferor)

(2) Shri Surender Kumar Blecha s/o Shri Chaman Lal Balecha r/o 3/5037-38, Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULED

45% of one fourth undivided share in respect of property No. 5037-38 on plot No. 3 in all mg. 206, 2/3 sq. yds. at Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date 9-11-1982

(1) Shri Mohan Lal Pahuja s/o Shri Parma Nand Pahuja through his G.A. Shri Murli Dhar Valesh s/o Shri Gulab Rai Valecha r/o 1-8/92 Ramesh Nagar, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Niranjan Valecha s/o Shri Gulab Rai r/o 3/144 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-82/9014.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the as the Said Act.), have reason to believe that an eliminovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 3/144, Ramesh Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 4908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March, 1982

New Delhi on March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

and /or

of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No 3/144, Mg. 100 sq. yds. Ramesh Nagar, New Delhi.

> SUDFUR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 9-11-1982 Seal :

 Shri Dharam Pal Gola s/o Shri R. N. Gola
 Smt. Devi Rani Gola w/o Shri Dharam Pal Gola both r/o 4598-12, Darya Gani, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Indento Private Limited, 4598-12B Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/9009.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No. 4598-12-B, Darya Ganj, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used it rein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as very in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of the basement is measuring 1023 sq. ft. and half ground floor, Mg. 936.85 sq. ft. in property bearing Gola Cottage, H. No. 4598-12-B. Darya Ganj, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Delhi/New Delhi

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/7001.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Habatpura, Najafgarh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) S/Shri Satyarth Parkash, Amar Nath, Vidhya Sagar, and Rishi Pal ss/o Shri Shital Dass r/oVill. Hebatpura, Najafgarh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hari Parkash Gupta 9/o Shri Mohan Lal Gupta r/o 605, Najafgarh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring I (on) Killa, Khasra No. 97, sit. at Vill. Hebatpura, Najafgarh, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

## PART III--SEC. 1]

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6915.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sham Sundar s/o Shri Attar Singh, r/o Vill. Burari, Delbi.

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal Yadav as M.G. of Master Manoj, Master Girish, Master Hemant, Master Chinu r/o Qt. No. 23 Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 2 Bighas 2 Biswas, Khasra No. 525/1, Vill. Burari, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6904.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaud property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Indraj Singh
s/o Shrf Amar Singh
for self and GA of Smt. Dhapo Devi
wd/o Shri Hardwarl Lal,
S/Shri Ravi Kumar and Mahesh Kumar
ss/o Shri Chet Ram and
Shri Puran Lal
s/o Shri Amar Singh,
Shri Bhagwan adopted
s/o Shri Ram Kanwar,
Shri Jai Parkath
s/o Shri Harewari Lal
r/o Gali Chhawilya, Najafgarh, Delhi.

(2) Shri Anand Kumar s/o Shri Sri Chand r/o Rewari Haryana, Shri Ajit Kumar s/o Shri Mehar Chand, Shri Ram Bhagat s/o Shri Bansi Dhar r/o Dhansa Road, Najafgarh, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agrl. Land. Mg. 4 Bigha 4 Biswas 31 Killa No. 3, Najafgarh, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date : 3-11-1982 Scal :

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-11 G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6930.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

34-376GI/82

Agri. land situated at Vill. Kirori Soleman, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

922 tax (1) Shri Tara Chand s/o Shri Siri Niwas Shri Subhash Chand s/o Shri Hari Ram Smt, Jiwan Devi wd/o Shri Siri Niwas and Smt. Renu Devi w/o Shri Subhash Chand r/o Vill. Kirori Soleman, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Renu Goenka w/o Shri Anjani Goenka r/o C-19/78, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 9 Bighas 12 Biswas Kh. No. 909, 910 of Vill, Kirori Soleman Ng. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/7021.—Whereas. I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Λct in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, .1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surjit Singh s/o Shri Pritam Singh & Smt. Rashmi Bhalla d/o Shri Desh Singh Chopra r/o Vill. Burari Delhi through their G.A. Baldev Raj.

(Transferor)

(2) Shri Puneet Anand 8/0 Shri Ved 5/0 Shri Tara Chand Parkash r/0 46, Defence Colony, Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha and 2 Biswas, vide mustatil No. 123 Killa No. 1 situated at area Vill. Burari, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi /New Delhi.

Date: 3-11-1982

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No IAC/Acq. II/SR. II/3-82/7022.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri-land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Daljeet Bhalla w/o Sh. Surjit Singh Bhalla & Smt. Roop Rani w/o Sh. Pritam Singh Bhalla both r/o Vill. Burari Delhi, through the G.A. Baldev Raj s/o Tara Chand.

(Transferor)

(2) Smt. Dharam Devi D/o Sh. Ram Saran Dass Bhasin r o 46, Defence Colony Market, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2/3rd Share of land measuring 3 Bigha 1 Biswas (Northern Portion) vide mustatil No. 122, Killa No. 5/1, situated in the area of Vill. Burari, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-82.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1982

Rcf. No.· IAC/Acq. 11/SR. 11/3-82/6929,—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri-land situated at Vill. Kirori Sileman, Dekhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tara Chand s/o Siri Niwas, Sh, Subash Chand s/o Hari Ram, Smt. Jiwani Devi wd/o Siri Niwas Chand and Smt. Renu Devi w/o Subhash Chand 1/o Kirori Suleman, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar s/o Siri Niwas r/o H-122, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I and measuring 9 Bigha 14 Biswas sit, at vill. Kirori Suleman, Delhi.

SUDHIR-CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persions, namely:—

Date: 3-11-82.

 Shri Baljit s/o Indraj r/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. V. K. Electric Company, 1173, Kucha Mahajni Chandni Chowk, Delhi. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Dethi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/7026,---Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable respectly, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agr. land situated at

Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi on March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land (1-13) vide Khasra No. 122/15/1/2, Vill. Burari, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/6926.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269D of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Pooth Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, a pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhotu Ram s/o Sh, Chhangar, r/o Vill. Pooth Kalan, Delhi.

(Transferor)

Shri Ranbir Singh s/o Sh. Chhotu Ram,
 Santosh Devi (3) Dhanpati Ds/o Sh. Chhotu Ram r/o Vill. P.O. Pooth Kalan, Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 20 Bighas 3 Biswas (out of total 40 Bighas 6 Biswas being one half share) Vill. Pooth Kalan, Delhi. Part of Khasra Nos. 2/2/15, 24-1, 25/1, 3/17, 18, 19, 23, 48/23/2, 24/2, 53/5, 6/1, 60/4, 106/37.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-82.

PART III-SEC. 11

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-11,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. 1AC/Acq. II/SR. 1/3-82/9049.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-20, Kirti Nagar, New Delhi situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Khilla w/o Shrl Kanwar Singh r/o Vill Nawada, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Singh s/o Shri Harnam Singh r/o N-92, Kirti Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

2½ storeyed House bearing No. A-20, situated at Kirti Nagar, New Delhi area of Vill. Bassai Darapur. Delhi measuring 175 Sq. Yds.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 3-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/3-82/9052.—Wheeras I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Page 25 000 (a and hearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. E-38 situated at Ranjit Singh Road, Adarsh Nagar, Area of Vill. Bharola Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Mittal Construction Co. at E-38 Adarsh Nagar, Delhi through its partners Sh. Daya Ram Mittal Sh. Brijmohan Mittal & Smt. Manbhari Devi. (Transferor)
- (2) Shri Rameshwar Agarwal s/o Sh. Kesho Agarwal C/o Ajay Oil Industries, E-40, Industrial Area, Sonepat House on plot E-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. E-38, mg. 375 Sq. Yds. Situated at Ranjit Singh Road, Adarsh Nagar, area of Vill. Bharola Delhi State.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-82.

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/3-83/8990,—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-49, situated at Kirti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons, namely:—
35—376GI/82

(1) Shri Gobind Ram Sethi s/o Sh. Jagan Nath Sethi R/o H-49, Kiiti Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) (1) Kewla Devi Arya, (2) Sumitre Devi Arya, (3) Surya Parksh Arya, (4) Gita Jaiswal & (5) Shashi Arya all r/o Howrah.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. B-49, mg. 200 sq. Yds, situated in the abadt known as Kirti Nagar, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982.

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. I/3-82/9035,—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (her-inafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2189 (old No. 1496) situated at Kucha Akil Khan Masjid, Bazar Sita Rum, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Dalhi on March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not need or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 ' reby init at proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manually:—

- (1) Shri Ashok Kumar Kapoor s/o Dina Nath Kapoor & Smt. Kamlesh Kapoor w/o Ashok Kumar Kapoor both r/o 2189, Kucha Akil Khan, Bazar Sitaram, Delhi.
- (Transferor)
  (2) Shri Kailash Mehra s/o Sh. Lala Jagat Nath Mehra r/o 807, Katra Neel Chandni Chowk, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2189 (old No. 1406) built one plot measuring 72 Sq. Yds. in Kucha Akil Khan, in Kucha Jan Khan, Akabi Kalan Masjid, Bazar Sita Ram, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982.

#### 18355

#### FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## (1) Shri Ram Narain s/o Jug Lal 1/o Vill, Tajpur Khuid, Delhi.

whichever period expires later;

(2) Smt. Guidlal Kaur w/o S. Prliam Singh Gill r/o B-50, N. Krishna Park, Nejafgath New Delhi.

(Transferee)

## TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## Objections, if any, to the requisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

GOVERNMENT OF INDIA

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/7040.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri-Land situated at Vill. Tajpur Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

## THE SCHEDULE

Land measuring 7 Bigha 2 Biswas situated at Vill, Tajpur Khurd. Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982.

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR, II/3-82/6995.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated at Vill. Jharoda Kalan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Shri Prithi Singh s/o Sh. Subh Ram, r/o Vill. & P.O. Jharoda Kalan, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Deep Chand s/o Sh. Dharma, Smt. Hans Kaur w/o late Sh. Chiranji Lal r/o Vill. & P.O. Jharoda Kalan, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 9 Bigha 12 Biswas, out of Kh. No. 31/3/1 31/3/2, 31/3/3, 31/4, Vill. Jharoda Kalan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982.

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1982

No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/7033.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Vill. Palam, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tara Chand s/o Sh. Chhotu, r/o VPO: Palam, New Delhi-45.

(Transferor)

(2) Smt. B. K. Kalsi w/o Sh. Sarup Singh, C/o Ajit Singh

1/0 149, Vishanu Garden, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bigha of Vill. Palam, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-11-1982.

## FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/6944.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl Land situated at Vill. Tihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jashir Singh s/o Jagdish Singh r/o 17/35, Tilak Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kham Chand s/o Ram Chand r/o 16/36, Geeta Colony, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said' Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

200 Sq. Yds. Vill. Tihar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi.

Date: 3-11-1982.

#### FORM I.T.N.S .--

Shri S. Dharam Singh s/o
 Batan Singh,
 r/o 8629, Kishan Ganj, Gaushala Marg,
 Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Master Rahul P. Goyal s/o Sj. Ved Prakash 45/2, The Mail, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/6948.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land,

situated at Village Jhorada, Majra Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 10 bigha and 19 biswas comorising Kh. No. 15/1(4-16), 16-5/1(3-3), 16-6/2(3-0), Village Jharoda, Majra Burari, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/6961.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land, situated at Village Tajpur, Khurd, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982,

Delhi on March, 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ot

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ram Narain s/o Jag Lal, r/o Village Tajpur, Khurd Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bishan Kumar, Brahm Parkash, Vijay Pal, ss/o Ram Narain, r/o Village Tajpui, Khurd. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 10 Bigha 11 Biswas situated at Village Tajpur Khurd, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 3-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Kishan s/o Sh. Phoole, r/o Village Mamoorpur, Narela, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chander, Sh. Ram Kishan and Shri Daya Nand, all s/o Sh. Maya Ram all r/o 40 Pana Udyin, Narela, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION KANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/6941.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Village Mamoorpur, Naiela, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
36—376GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 19 Bigha 8 biswas situated at Vıllago Mamoorpur. Narela, Delhi.

SUDHIR CHANDRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Deihi.

Date: 3-11-1982

Scal;

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/6931.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Village Kirori Suleman, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi on March, 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income srising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Taia Chand s/o
Siri Niwas, Subhash Chand s/o
Hari Ram,
Smt. Jiwan Devi wd/o Siri Niwas, and
Smt. Reno Devi w/o Subhash Chand,
r/o Village Kirori Suleman,
Delhi

(Transferor)

(2) Shri Siri Niwas, Sahedov Sheel, Surinder Kumar ss/o N. Dass, r/o Bahadur Garh, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 12 Biswas situated at Village Kirori Suleman, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982

(1) Smt. Tara Tandon w/o Shri M. C. Tandon, r/o B/7, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bharti Devi w/o Shri Madan Lal Tandon, r/o 2563, Teliwara, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR.II/3-82/6992.--Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act, have reason to believe that the minovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Village Mussudabad, Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bigha 17 Biswas (out of 13 Bighas and 5 biswas) Kh. No. 33 Min(3-8) 35 Min(3-10) 34 Min(3-8) 32 Min (3-1) and 40 Min (1-8) situated at Village Masudabad, Sub-Tehsil Najafgarh, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq-Π/SR. II/3-82/6939.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Village Hastsal, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in March, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. K. Tyagi s/o Sh. O. P. Singh, r/o Hastsal, P.O. Utam Nagar, Delhi.

(Transferdr)

(2) Smt. Kesari Bai w/o Sh. Daulat Ram, r/o B-2/1 Ashok Vihar phase-II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha situated at Village Hastsal, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982

## FORM I.T.N.S ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

s/o L. Dewan Chand Sawhney, r/o No. D-1/7, Rajouri Garden, New Delhi. (Tra (2) Shri Subhash Khanna and Chander Khann

(1) Shri Inderiit Singh Sawhney

(Transferor)

(2) Shri Subhash Khanna and Chander Khanna, ss/o Shri Kedar Nath Khanna, r/o Original Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/3-82|SR-II|6996,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the isomovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Agri. land,

situated at Village Qadiput, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Bighas 8 biswas Khasta Nos. 1347 (4-16), 1346(4-16), 1346(4-16) 1328(4-16), Village Qadipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR. II/3-82/6993.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land

18366

situated at Village Masudabad, Najafgarh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in March, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tara Tandon w/o M. C. Tandon, r/o B/7, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(2) Smt. Bharti Devi w/o Madan Lal Tandon, r/o 2563, Teliwara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Cays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas and 17 Biswas (out of 5 Bighas and 12 Biswas, situated in Village Masudabad, Sub-Tehsil, Najafgarh, New Delhi, Kh. No. 35 Min(2-10) & 34 Min. (3-8).

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Satyarth Prakash, Amar Nath, Vidhya Sagar and Rishi Pal ss/o Shri Shital Dass, r/o Hebathura, Najafgarh, (Transferor)

(2) Shri Raj Kumar s/o Nanu Ram, r/o 942, Najafgarh, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. JAC/Acq. I1/SR-II/3-82/7002.—Whereas I SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land,

situated at Village Hebatpura, Najafgarh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg 1 Kılla, Khasra No. 98, Vıllage Hebatpura, Najafgarh, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I P. ESTATE, NFW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX.

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq. Π/SR-I/3-82/9069.---Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Oberoi Apartments

situated at 2 Sham Nath Marg, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) East India Hotels Ltd., 7 Sham Nath Marg, Delhi-54.

(Transferor)

(2) Indu Bala Dhillon, 7 Sham Nath Marg, Delhi-54.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Apartment bearing No. Torrace 6 in Block C-II at Oberoi Apartments 2 Sham Nath Marg, Delhi-54.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) East India Hotels Ltd 7 Sham Nath Marg, Delhi-54.

(Transferor)

(2) Shri J. R. Lal Oberoi Duplex No. 8 Block CII, 2 Sham Nath Marg, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-82/9037.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRÁ,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and boaring No.

Oberoi Apartment, situated at 2 Sham Nath Marg, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, unlikely an entired expires later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Oberoi Apartment, Duplex 8 Block CII 2 Sham Nath Marg. Delhi-54.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:---

Seal:

Date: 11-11-1982

37-376 GI/82

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, IP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th November 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/3-82/9041.—Whereas UDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

28 Block, No. D-1, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gian Singh Bedi s/o Sardar Ram Singh Bedi, B-274, Derawala Nagai, Delhi.

(Transferor)

Shri Mahadev Pd. Kharkia 5/0
 L. Sh. Phool Chand Kharkia,
 Gita Devi, w/o Mahadev Pd. Kharkia,
 125-Cotton Street,
 Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storeyed building No. 28, Block No. D-1, Model Town, Delhi Mg. 511.6 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 11-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ret. No. IAC/Acq.II/SR-1/3-82/9036.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Oberoi Duplex, Apartments situated at 2 Sham Nath Marg, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

Delhi in March 1982

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s The East India Hotels Ltd., 7 Sham Nath Marg, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Vir Wanchoo & Mrs. Kamla Wanchoo Oberoi Duplex 3, Oberoi Apartments 2 Sham Nath Marg, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immiovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Oberoi Apartments, Oberoi Duplex 3 Block Cl & Lawns 2 Sham Nath Marg. Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi-

Date: 9-11-1982

18372

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3/82/6969,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Singhu, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dalela alias Balla s/o Sheo Nath r/o VPO Singhu, Delhi

(2) International Land & Finance, Co. 3-Doctors Lane. Gole Market, New Delhi through its partners Shri R. C. Mehta etc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land Mg, 4 Bighas 16 Biswas Vill, Singhu, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Delhl/New Delhi

Date : 9-11-1982

#### FORM LTNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) International Land & Finance Co. 3 Doctors Lane, Gole Market, New Delhi.

Singhu Delhi.

Shri Dalela alias Balie S/o Seo Nath r/o VPO

### (Transferee)

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Singhu, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Vill, Singhu, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-11-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82|6937.—Whereas I. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 27/72, Punjabi Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

(1) Smt. Vidya Wati Seth wd/o Dwarka Dass and Prem Nath Seth s/o Dwarka Dass Seth and Kamal Seth s/o Seth Dwarka Dass r/o 27/72, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Chawla and Jagdish Chawla sons Mitha Ram r/o 1857, Noor Ganj, Pul Bangesh, Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 27/72, Mg. 545.411 sq. yds. Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority . Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-11-1982 Seal:

#### FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FI.OOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/3-82/9002.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2/3rd share of property No. 63 situated at Block D, Bali Nagar, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in March 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not bene truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Kumar s/o Shori Lal r/o C-63, Bali Nagar, New Delhi.

Transferor

(2) Shri Shori Lal s/o Shri Girdhari and Shri Davindar Kumar s/o Shori Lal r/o C-63, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2/3rd share of property No. 63, Block D, Mg. 255.1/3 sq. yds. (undivided) at Bali Nagar, area of vill. Bassi Darapur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-11-1982

Seal

- Shri Ram Swaroop 3/o Shri Shibban and Ram Dhari, Karan Singh s/o Shri Tuhi Ram r/o E-66, Mangla Puri, New Delhi-45.
- (2) Shri Satnam Singh s/o Shri Lachhman Singh r/o B-77, phase II, Maya Puri, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/3-82/7061.--Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri, land situated at Ambar Hai near Qutabpur, Teh.

Agri. land situated at Ambar Hai near Qutabpur, Teh, Najafgarh, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Delhi in March 1982

at Delhi in March 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided one-half share, in land measuring 19 bigha, 13 biswas bearing Mustatil No. 29, Killa No. 19, 23|2, 24|1, 24|2 and mustatil No. 48, Killa No. 3, 4, situated at Amber Hai, near Qutabpur in Teh. Najafgarh, Delhi,

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-11-1982

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/3-82/7060.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri-land situated at Vill. Amber Nai, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--38-376GI /82

(1) Shri Ram Swaroop s/o Shri Shiban and Ram Dhari, Karan Singh 5/0 Shu Tuhi Ram r/o E-66, Mangla puri, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Dev Solanki s/o Master Hari Kishan Solanki 1/0 RZ-2-A/1, Raj Nagar, Palam colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Un-divided share one-half in land measuring 19 bigha 13 biswas, bearing Mustatil No. 39, Killa No. 19, 23/2, 24/1, 24/2, and mustatil No. 48, Killa No. 3, 4, situated at Amber Hai, Delhi,

SUDHIR CHANDRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

=<u>---</u>

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR I/3-82/9020.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. IC/36, Rohlak Road, Karol Bagh, situated at Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property s aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay fax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bachan Singh, Partap Singh & Surinder Singh r/o IC/36, Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.
- (Transferor)
  (2) Shii Kamal Kumar, Parveen Kumar & Rakesh
  Kumar & r/o 30/33, Rohtak Road, New Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

IC/36, Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi 21 storeyed house, 286.08 Sq. Yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

THE GAZETTE OF INDIA, DECEMBER 18, 1982 (AGRAHAYAN 27, 1904) PART III-SEC. 17

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Naraini Devi w/o Shri Busheshei r/o 1261 Rang Mahal Noverty Cinema Delhi.

(Transferor) (2) Smt Bhagwati Devi w/o Shii Suraj Bhan r/o Rewari Bara, Hazan

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR.I/3-82/9027A.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 5122A, situated at Rui Mandi, Sadar Bazai, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

107 6 Sq. Meters House No. 5122A, Rui Mandi, Sadar Bazar, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.1/3-82/8997.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 2206, situated at Colony No. 8, Gali Shanker Kali, Masjit, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sant. Satya Wati w/o Shri Hajari Sher, Singh and D/o Pandit Jay Narain, r/o 2208/12, Part-2, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chand s/o Shri Brij Mohan Lal and Smt. Santosh Kumari w/o Shri Brij Mohan Lal, r/o 2255 Gali Dacotan, Turkman Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

½ Share Billa Divided, in ground floor a shop one tin shed measuring 320.09 Sq. Yds. property No. 2206, Gali Shanker Kali masjid Illaka No. 8, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

Seal;

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/3-82/6905.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Najafgarh, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Indraj Singh s/o Shri Amar Singh for self and G.A. of Smt. Dhaopo Devi w/o Shri Hardwari Lal, Ravi Kumar and Mahesh Kumar s/o Shri Chet Ram, and Puran Chand s/o Shri Amar Singh, Siri Bhagwan, adopted s/o Hardwari Lal Rs/o Gali Chhawaliya Najafgarh, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar 5/0 Shri Nanu Ram r/0 Najafgarh, New Delhi, Ved Parkash s/0 Mohan Lal r/0 605, Najafgarh, New Delhi, Pawan Kumar s/0 Shri Babu Rama r/0 193, Najafgarh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 7 Biswas Mustatil No. 31 Killa No. 4/1 Najafgarh, Deihi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 3-11 1982

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. LAC/Acq.II/SR.I/3-82/8998.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2206, situated at Ilaka No. 8, Gali Shanker Kali Masjid.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Satya Wati w/o Shii Hajari sher Sngh d/o Pandit jay Narain, r/o 2208/13, part-2, Bazar, Sita Ram, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Mahinder Kumar s/o Shri Muna Lal, and Asha Rani w/o Shri Mahinder Kumar, r/o 2161 Gali Sudhama, Bazar Sita Ram, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Laplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

l share divided, one storeyed, Ground floor in shop, one shed measuring 320.09 Sq. Yds. property No. 2206 Gali Shanker Kali Masjid, Illaka No. 8, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 3-11-1982 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, G-13 GROUND FIORR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELH[

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/3-82/8993.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 11, situated at 45 the Mall, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) faciltating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rantires & Financiers (P) Ltd. 45 the Mall, D. lhi-7.

(Tiansferor)

(2) Mrs. Poonam Badhwas W/o Shri Sudhir Badhwas R/o 24/21, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-11, measuring 110 Sq. Yds., 45 the Mall, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date : 9-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLORR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6969,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Singhu, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasjon of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dalela alias Balle 5 /o Sheo, R/o VPO Singhu, Delhi.

(Transferor)

(2) International Land & Finance Co.
 3 Doctors Lane, Gole Market,
 New Delhi
 Through its partners Shri R. C. Mehta, etc.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 4 Bighas 16 Biswas, Village Singhu, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi

Date: 9-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6971.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Singhu, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhl in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
39—376GI/82

 Shri Dalela alias Balle s/o Sheo Nath R/o VPO Singhu, Delhi.

(Transferor)

(2) International Land & Finance Co., 3-Doctors Lane, Gole Market, New Delhi Through its partners Shri R. C. Mehta etc. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 8 Bighas 4 Biswas, Village Singhu, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Ranga-II,
Delhi/New Delhi

Date : 9-11-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLORR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6967.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agricultural land situated at Village Singhu, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dalela alias Balle s/o Sheo Nath R/o Singhu, Delhi.

(Transferor)

(2) International Land & Finance Co., 3-Doctors, Lane, Gole Market, Delhi through its partners Shri R. C. Mehta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 8 Bighas 4 Biswas, Village Singhu, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi /New Delhi

Date: 9-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/3-82/9025A.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5122A, situated at Rui Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Naraini Devi W/o Shri Basehhar Lal R/o 1261 Rang Manal Novelty Cinema, Delhi.

(Transferor)

 Shri Ramesh Chand R/o Sural Bhan R/o Bara Hazari Rewari, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

107.6 sq yards with two shops, M.C.D. No. 5122A, Rui Mandi, Sadar Bazar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 9-11-1982

#### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.I/3-82/8983.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Property No. 1391 to 1400 situated at Maliwara Ward No. 5, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Pokar Mal Jain S/o Late Shri Gashi Ram R/o 3739 Gali Zamadar, Pahari Dhiraj, Delhi.
   Smt. Sheela Devi w/o Shri Aadinath Jain R/o 1/5334, Gali No. 14, Balbir Nagar Extension, Shahdara, Delhi-6.
- (2) Shri Ashok Kumar Jain S/o Shri Sumat Prasad Jain, Smt. Savita Jain W/o Shri Ashok Kumar Jain, R/o 25, Kailash Apartments, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Nos. 1391 to 1400 measuring about 166 sq. yards situated at Maliwara Ward No. 5, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 9-11-1982

#### FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Pawan Kumar Gupta Tilak Ram
 156 Part II, Gujranwala Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kharati Ram Puri S/o I. Shri Kharak Singh R/o 50 Suneta Coffee Parada Colaba, Bombay-5.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref No. IAC Acq.II/SR-II/3-82/6910.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Maich, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 2 Bighas 11 Biswas bearing No. Kh. No. 510 of Village Burari, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

18390

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S/Shri Dev Dutt and Parma Nand Sons of Shri Ram Singh R/o Village Burari. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shama Jain and Santosh Jain, R/o 886-L, Kidar Bullding, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferco)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6988.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982 Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION :in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. (1-19) vide Kh. No. 515/1, Villago Burari, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 3-11-1982

(1) Smt. TaraTandon w/o M. C. Tandon R/o B/7 N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bharti Devi w/o Madan Lal Tandon R/o 2563 Teliwara, Delhi.

#### GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLORR CR BUILDING, I.P. ESTATE, **NEW DELHI** 

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 3rd November 1982

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6994.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Masudabad,

> EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Najafgarh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Agricultural land Mg. 3 Bighas and 1 Biswas (out of 6 Bighas and 9 Biswas) Khasra No. 32 Min. (3-1) and 33 Min. (3-8) Village Masudabad, Sub-Tehsil Najafgarh, New

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :-

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 3-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/3-82/6966.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 '(43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Agricultural land situated at Village Singhu, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Jage & Bakhtawar Ss/o Shri Misri Both R/o Singhu, Delhi.

(Transferor)

(2) International and Finances Co., 3-Doctors Lane Gole Market, New Delhi Through its partners S/Shri R. C. Metha etc. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 9 Bigha of village Singhu, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 9-11-1982

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLORR CR BUILDING, IP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II/3-82/7019.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bindapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

40-376GI/82

(1) Smt. Arvinder Kaur Anand W/o Shii Jugur Singh Anand R/o 32/78 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s, Aatee Industries, Village Bindapur, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of built property consisting of 2 rooms with boundary walls built on the land measuring 205 Sq. yards of Kh. No 275, situated in Lal Dora of Village Bindapur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 9-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6965.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Singhu, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely;—,

 S/Shri Jage & Bakhtawar Se/o Shri Misri Both R/o Singhu, Delbi.

(Transferor)

 International and Finances Co., 3-Doctors Lane Gole Market, New Delhi Through its partners S/Shri R. C. Metha etc. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and measuring 8 bigha of village Singhu, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-11-1982

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II, 3-82/6960.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Plot No. C-245, situated at .

Hari Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Ashok Kumar and Ashwarni Kumar Ss/o Chuni Lal Rs/o A/195, Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi.
- (2) Smt. Sona Devi w/o Sh. Ram Dular, Jaswal, Ram Kumar and Ram Sanware Ss/o Sh. Brij Lal Jaswal Rs/o W8-33, Maya Puri New Delhi.

(Transferce)

18395

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. C-245, mg. 220 sq. yds. bearing Kh. No. 2065 situated at Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 9-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR.II 3-82/6938.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 95, situated at Mecnakshi Garden Najafgarh Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Sunder Kaur Anand W/o S. Mahinder Singh Anand R/o No. 9834, Multani Dhanda Paharganj, Sadar, Thana Road, New Delhi.
- (Transferor)
  (2) Sh. Rakesh Kumar S/o Mohan Lal Kumar R/o
  WZ 115/A, Meenakashi Garden New Delhi.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. land No. 95, area 203 Sq. yds. Vill. Tihar Abadi Mecnakashi Garden Najafgarh, Road, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 9-11-82

#### FORM I.T.N.S,--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACOUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.Π/SR-I'3-82|8977,---Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1535, Nai Sarek, Ward No. 5, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moore or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Vijay Naresh Gupta S/o L. Ramji Lal Rais, Sh. M. 1 Gupta S/o L. Miththan Lal Rais 3. Sri Ram Gupta S/o L. Mithathan Lal Rais R/o Ahata Bhondu Mal G. T. Raod, Ghaziabad (UP) members of HUF Rumji Lal Rais.
  - (Transferor)
- (2) Sh. Shiy Ram Gaur, Rajvir Gaur sons of Ajaipal Sharma R/o 1762, Chirakhana, Naj Sarak, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 1535 measuring 48 sq. ft. on G.F., 738.28 Sq. ft. (Stair) Hnd floor mg. 562.40 sq. ft., Ist floor mg. 7.38.28 sq. ft. Nai Sarak (Amir Chand Marg) Ward No. 5, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 9-11-82

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82/6991.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. on Plot No. 7, Punjab Bagh situated at Vill. Shakurpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Labh Kaur, Kuldip Singh & Jaspel Singh all R/o 7/17 Punjabi Bagh, Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Satya Nand Arya & Sh. Narendra Kumar Arya both R/o 153, Jamuna Lal Bazar Street, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on plot No. 7, on Road No. 17, Class C, Mg. 557.15 sq. yds, at Punjabi Bagh, area of Vill. Shakurpur Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/3-82, 7047.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Vill, Nowada Majra, Hastasal, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Nand Singh Chawla & Sons (HUF), C-4, Rajouri Garden, New Delhi through Sh. Nand Singh Chawla.
- (Transferor) (2) Sh. S. Sanyosh Singh & S. Bhupindar Singh S o Seth Tirlok Singh R o 1/6-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in agri, land Mg, 12 Bighas and 2 Biswas Khasra Nos. 821(5-15) 822(6-7), Vill. Nawada Majra, Hastsal Delhi.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority.
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Date: 3-11-82

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd November 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-II/3-82/7046.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri land situated at

Vill, Nawada Majra, Hastsal, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely "—

- (1) Sh. Kirpal Singh Chawla & Sons (HUF) C-4 Rajouri Garden, New Delhi through its Karta Sh. Kirpal Singh Chawla
- (2) Sh. S. Mohan Singh and S. Sher Singh Sons of Seth Trilok Singh R/o 1/6-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in agri. land mg. 12 Bighas and 2 Biswas Kh. Nos. 821 (5-15), 822(6-7) with tube well Vill. Nawada Majia, Hastsal, Delhi.

SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 3-11-82

#### 18401

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELIII

New Delhi, the 10th November 1982

Ret No IAC/Asull SR-II/3 82 7043 -Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proputy, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-bearing No J 6 62 Kajouri Golden Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred unfor the Pegistration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering. Officer at Delhi in Maich 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:——41—376Gf/82

(1) Sh Gurchaian Singh S/o S Sardar Singh R o A/43 Vishal Fuclave, New Delhi und 2 Devki Nandan S/o Kedar Nath R/o E-3, Rattan Park, New Delhi

(Transferor)

(2) Sh. Phoola Kochhar w/o Sh. Iqbal Singh R. o C-16. Sudershan Park, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. J-6/62, Mg. 160 sq. yds. Rajouii Garden, Vill Taterpur, Delhi

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acuisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 10-11-82 Seal . FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 10th November 1982

Ref. No. CA-5/771/SR-Haveli-II/82-83.—Whereas, I SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 614-A, Nana Peth situated at Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Haveli-II in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Husenbi d/o Sultansaheb Gokakkar, 614, Nana Peth, Pune-2. Now residing at C/o Shri Sayyed Saheb Nadap, Khade Bazar, H. No. 30/31, Near S. T. Stand, Belgum, (Karnataka).
- (2) Shri Punamchand Kachardas Bhalgat, Popatlal Dalichand Bhalgat, & Shri Kachardas Dalichand Bhalgat 1219, Kasba Peth, Pune-II.
- (3) 12 Tenants and Transferee. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & building CTS No. 614-A, Nana Peth, Poona—252.60 Sq. Mtr. (Property as described in the sale deed registered under document No. 2071 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune on March 82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pnona.

Date: 10-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE 12, Sadhu Waswani Chowk, Pune-1 Karve Road, Pune-4

Pune-1, the 10th November 1982

Ref. No. CA-5/772/SR-Haveli-II/82-83.—Whereas, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS No. 47/3A.F.P. No. 70/3A, situated at Pune-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Pune in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arun G. Nagpurkar, 52/C, Parijat, Gokhale Road, Dadar, Bombay.
- (2) M/s. Ravi Promotors, By partner Shri A. C. Shah & Shri Laxmichand Chhabria, 461, Budhwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

CTS No. 47/3A F.P. No. 70/3A, Erandavane, Pune-4. (Property as described in the sale deed registered under document No. 1563 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune in March 82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 10-11-1982

(1) The Wind Chii Co operative Housing Society Ltd., 2-k, Alipore Avenue, Calcutta 27.

(Transferor)

(2) Shri Arjun Lal Jain, 2-K, Alipore Avenue Calcutta 27

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref AC-22/R-II/Cal/82 83 —Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No F/5 in 2nd Floor situated at 2 K. Alipote Avenue, Calcutta 27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 'SRA Calcutta on 31 3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afterend persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The term, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area 1671 sq ft being flot No 5 et 2nd I loot at 2K Alipore Avenue, Calcutta 27 More particularly described in deed No 2830 of SRA Calcutta of 1982

C ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwar Road, Calcutta-16,

Date 12 11-1982 Seal .

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### (1) The Wind Cliff Co-operative Housing Society Ltd., 2-K, Alipore Avenue, Calcutta 27.

(Transferor)

# (2) Dr. Gopal Das Dattani, 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. AC-23/R-II/Cal/82-83.—Whereas, 1, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F/No. 2 at Ground floor situated at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Registering Officer

at S.R.A. Calcutta on 31-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

# THE SCHEDULE

Area 1620 sq. ft. being Flat No. at Ground Floor at 2-K. Alipore Avenue, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2831 of S.R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) The Wind Cliff Co-operative Housing Society Ltd., 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27. (Transferor)

(2) Smt. Sita Devi Muranka, 2-K. Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. AC-24/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I,

#### C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat No. 11, 5th Floor, situated at 2k, Alipore Avenue, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R.A. Calcutta on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area: 1579 sq. ft. being Flat No. 11 at 5th Floor at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2827 of S.R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Calcuttn, the 12th November 1982

Ref AC-25/R-II/Cal/82-83 —Whereas, I C ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No Flat 6 at 3rd floor situated at 2 K, Alipore Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRA Calcutta on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tix Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) The Wind Cliff Co-operative Housing Society Ltd., 2 K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

  (Transferor)
- (2) Mrs Puspa Devi Gupta, 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area 1602 Sq ft. being Flat No 6 at 3rd Flor at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27, More particularly described in deed No 2828 of SRA Calcutta of 1982

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54 Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date 12-11-1982 Sent

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### (2) Shri N. K. Tibrewalla, 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

2-K. Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferor) (Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

AC-27/R-11/Cal/82-83.—Whereas, I C ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 8 at 4th Floor situated at 2 K, Alipore Avenue, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the registering officer

at S.R.A. Calcutta on 31-3-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ef:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(1) The Wind Cliff Co-operative Housing Society Ltd.,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acr, to the following persons, namely :--

#### THE SCHEDULE

Area: 1504 sq. ft. being Flat No. 8 at 4th Floor, at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2833 of S.R.A. Calcutta of 1982

C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1982

(1) The Wind Cliff Co-operative Housing Society Ltd., 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pradip Kr. Saragi, 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. AC-28/R-II/Cal/82-83.--Whereas, I C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. Flat No. 4 at 2nd floor situated at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R.A. Calcutta on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--. 42-376GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Arca: 1664 sq. ft, being Flat No. 4 at 2nd floor at 2-K. Alipore Avenuc, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2834 of S.R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA Competent Autho hy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S .----

(1) The Wind Cliff Co-operative Housing Society Ltd., 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rabindra Kr. Gupta, 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Rcf. AC-26/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 7 3rd. Floor situated at 2-K, Alipore Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the olfice of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 31-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area :1678 sq. ft. being Flat No. 7 at 3rd floor at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2832 of S.R.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

Seal

(1) The Wind Cliff Co-operative Housing Society Ltd., 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Vimal Kr. Sarogi, 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. AC-29/R-JI/Cal/82-83.—Whereas, I C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Flat No. 3 at 1st floor situated at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R.A. Calcutta on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area: 1739 Sft. being flat No. 3 at 1st floor at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2835 of S.R.A. Cal of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (1) The Wind Cliff Co-operative Housing Society Ltd., 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Shri K. K. Tibrewalla, 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. AC-30/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I C. ROKHAMA,

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 9 at 4th floor situated at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at S.R.A. Calculta on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area: 1700 Sft. being flat No. 9 at 4th floor, at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2836 of SR.A. Calcutta of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 12-11-1982

#### FORM I.T.N.S.———

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. AC-31/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I C. ROKHAMA,

at S.R.A. Calcutta on 31-3-1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Flat No. 2, at 1st floor situated at 2,K, Alipore Avenue, Calcutta-27

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Wind Cliff Co-operative Housing Society Ltd., 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27,
  - (Transferor)
- Shri Anil Kr. Saraogi,
   Kr. Alipore Avenue, Calcutta-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area: 1504 Sft. being flat No. 2 at 1st Floor at 2-K, Alipore Avenue, Calcutta-27. More particularly described in deed No. 2839 of S.R.A. Cal of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1982

# FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 10th November 1982

Ref. No. P. R. No. 2166 Acq. 23/1/82-83 —Whereas, I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 198 paiki T.P.S. 14, F.P. 226 sub-plot situated at 2-1/F, 2-1/D, 2-1/B, 2-1/A, 2-1/C, 2-1/E, situated at Hotel Siddharth, Shahibaug, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 16-3-1982

for an apparent consideration which is Iess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ilaben Piyushbhai Chaitanyaprasad Diwanji, Through Power of Attorney Holder, Shri Dahyabhai Amtharam Patel, 9, Vrandavan Colony, Shahibaug, Ahmedabad.
- (2) Shri Shahibaug Rameshwar Co.-op. Housing Society, Through: Secretary Shri Prahladbhai Bechardas Patel, 32, Nalkunj Society, Behind Civil Hospital, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land adm,  $278.70 \times 6$  sq. mtrs. i.e. 1672 sq. mt. situated at Shahibaug, Ahmedabad, duly registered by S. R. A'bad, vide sale deed Nos. 3693, 3694, 3697, 3698, 3701 and 3702/16-3-1982 i.e. property as fullly described therein.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I

Ahmedabad

Date: 10-11-1982

Scal.

# FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ITYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 252/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-120 situated at Sattenapalli Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. Hanumantharao, S/o Nagendram, Rudiavaram village, Sattenapalli Tq, Guntui, Dt. (Transferor)
- (2) Sri N. V. Satyanarayana S/o Sri P. Venkateswarly, being minor by Guardian mother No. Samrajyamma, Main Road, Sattenapalli, Guntur Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Door No. 2-120 near Surya Talkies, Sattenapally, Guntur Dt., area 106 sq. yd. registered with S.R.O., Narasaraopet, vide document No. 2702/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 8-11-1982

# [PART III—SEC. 1

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 253/82-83.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceed-

ing Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 100 R.S. No. 89/1 and R.S. No. 67/3, R.S. No. 90/1 and 2 situated at Tangellamudi, Somavarappadu Fluru

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri M. Kannayyamma W/o Govinda Rao, Eluru. (Transferor)

(2) Flura Co-op. Building Society, Flura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Tangellamudy, R.S. No. 700, Somavarappadu R.S. No. 89/1 & 2, R.S. No. 67/3, R.S. No. 90/1 & 2, registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 1715/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Hyderabad (A.P.),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-11-1982

FORM NO. LT.NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 254/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. 90/1, & 2 situated at Somavarappad Eluru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—376GI/82

(1) Shri B. Kondamma W/o Venkatramaiah, Eluru.

(2) Eluru Co-op. Building Society, Eluru.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Somavarappadu, in R.S. No. 90/1 & 2, area of 1-14-1/2 Cents, near Eluru, registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 254/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hvderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 255/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS 67/3 situated at Somawarapadu, Eluru (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the unsideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati D. Sanyasamma W/o Nagaraju, Eluru.
- (2) Eluru Co-op. Building Society, Eluru.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land of A. 1-00 cents, at Somavarappadu, near Eluru, registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 1638/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAO. No. 256/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. No. 700 situated at Tangellamudi, Eluru,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri G, Suryanarayana, & others, S/o China Appanna, Eluru, (Transferor)
- (2) The Eluru Co-op. Building Society, W. G. 5, Eluru. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land of 2-16 Acrs, at Tangellamudi, in R.S. No. 700 near registered with S.R.O., Eluru, vide document No. Eluru, 256/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982 Scal:

(1) Shrimati M. Adilaxmi, W/o S. Apparao, Eluru. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Eluru Co-op. Building Society, Eluru. (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immov-

Hyderabad, the 8th November 1982

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 257/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

RS 89/2 situated at Somavarappada Eluru

at Eluru on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Acr. 1-27 Cents Land at Somavarappadu, near registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 1602/82.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC. No. 258/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Srilaxminarayana Rice Mill Sattenapalli (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sattenapalli on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Y. Narayanaraju, S/o Nagaraju, Morrispet Tenali.

(Transferor)

(2) 1. Shri P. Gopaiah, S/o Subbaiah, Narnapadu Village, Sattenapally, Z. M. Venkatramaiah, S/o Pullaiah, Sattenapalli, Guntur, Dt., 3. M. Ramapullaiah, S/o Hanumaiah, Kakkaraju, Garlapadu village, Sattenapalli Tq., 4. Narisetty Marreyya S/o Chinnaiah, L. G. Padu, Sattenapally Tq., 5. K. Rama Krishna Rao, S/o Venkatappaiah, L. G. Padu Village, Sattenapally, Tq. Guntur Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Sri Laxminarayana Rice & Flour Mill Sattenapally, Guntur Dt., registered with S.R.O., Sattenapally, vide document No. 1145/82, area in 2091 Sq. ft.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A-P.)

Date: 9-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC. No. 259/82-83.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. D. No. 176/3 situated at Sattenapalli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Sattenapalli on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Y. Nagaraju, S/o Narayanaraju, Morrispet, Tenali.

(Transferor)

 P. Gopalah, S/o Sabbaiah, Sattenapalli,
 M. Venkataramaiah, S/o Pullelah, Redamakkena Sattenapally, Guntur Dt., 3. M. Rama Pullaiah, S/o Hanumalah, Lakkaraju, 4. Narisetty Marreyya S/o Chinnaiah, L. G. Padu, Sattenapalli GTR. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property in D. No. 176.3, Sri Laxminarayana Rice & Flour 1991, at Sattonapalli, Guntur Dt., registered with S.R.O., Sattonapalli, Guntur Dt., vide document No. 1145/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-11-1982

# FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC No. 260/82-83.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D. No. 176.3 situated at Sattenapalli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sattenapalli on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Y. Venkata Raju, \$/o Narayanaraju, Maridipet, Tenali, Guntur, Dt.

(Transferor)

(2) 1. P. Gopaiah, S/o Subbaiah, Sattenapalli, 2. M. Venkatramedah, S/o Pullaiah, Redamakkena Sattenapalli, 3. M. Rama Pullaiah S/o Hanumaiah Lakkaraju, Garlapadu village, Sattenapalli, 4, N. Marreyya S/o Chinnaiah, L. G. Padu, Sattenapalli Tq. GTR. Dt. 5. K. Ramakrishna Rao, S/o Venkatappaiah L.G. Padu, Guntur. Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at D. No. 176/30-73 Cents Sri Laxminarayana Rice & Flour Mill at Sattemapelli, Guntur Dt., registered with S.R.O., Sattenapalli, vide document No. 1380/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabed (A.P.)

Date: 9-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC. No. 261/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Rs. No. 533/2 situated at BMVM Bhimavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhimavaram on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such tran fer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the adduction or evasion of the liability of the transferor as pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. V. Sita Savithri, W/o Narasimharao, D. No. 23-1-2(1). Bhimavaram W.G. Dt.

(Transferor)

(2) The State Employees Co.-op. Building Society, Ltd. No. 160-F, Bhiimavaram President S. M. David, BMVM.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property in R.S. No. 553/2, O-80 Cents at Bhimavaram, registered with S.R.O., Bhimavaram vide document No. 667/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-11-1982

#### FORM ITNS-----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shrimati K. Ramana Shri W/o Venkateswara Rao, Bhimavaram D. No. 23.1.2 2 W.G. Dt.

(Transferor)

18425

(2) The State Employees Co.-op. Building Society, Ltd., No. 160-F, President S. M. David, Bhimavaram. (Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC. No. 262/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS. No. 553/2 situated at Bhimavaram (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bhimavaram on March 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 553/2, O-80 Cents at Bhimavaram registered with S.R.O. Bhimavaram vide document No. 666/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—44—376GI/82

Date: 9-11-1982

Shri B. Sreyananda Swamyji, S/o Sriramamurthy,
 No. 23-1-2 (4), Bhimavaram.

(Transferor)

(2) The State Employees Co-op. Building Society, Ltd. No. 160-F, Bhimavaram, President S. M. David. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC. No. 263/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 553/2 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 553/2, 0-80 Cents at Bhimavaram registered with S.R.O., Bhimavaram, vide document No. 668/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-11-82 Seal:

(1) B. V. Radhakrishna Murthy, S/o Sriramamurthy, D. No. 23.1.2.(3), Bhimavaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The State Employees Co-op. Building Society, Ltd., No. 160-F, President Sri S. M. David, Bhimavaram. (Transferees)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC No. 265/82-83.-Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS:No. 553/2 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhimavaram on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 553/2, 0-80 Cents at Bhimavaram registered with S.R.O., Bhimavaram vide document No. 669/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

Date: 9-11-82

(1) Smt. Cherukuvada Bramaramba & Others, W/o Suryanarayana Sarma, Tanuku.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) K. Balaramamurthy, & Others, S/o Venkataratnam Tanuku. (Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC. No 263/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

No. D No. 22-40 situated at Tanuku

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Tanuku on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); House property No. 22-40 Assessment No. 678 area 361.60 Sq. yds. Sajjapuram village, Tanuku, Registered with S.R.O. Tanuku, vide document No. 551/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Ch. Bhramaramba, W/o Suryanarayana Sarma, & Others, Tanuku. (Transferor)

(2) K. Balaramamurthy, S/o Venkataratnam, & His Sons, Tanuku.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC. No. 266/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. RS.20/2 situated at Sajjapuram Tanaku
(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in office of the Registering Officer
at Tanuku on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property in R.S. No. 20/2, in 364-3-0 sq.yds. Sajjapuram village, by the side of Govt., Arts College, Tanuku, W.G.Dt., registered with S.R.O., Tanuku vide document No. 663/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-11-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)
Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC No. 267/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immiovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D. No. 30.1.12 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijaytawada on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. V. Padmanabharao, S/o Veeraraghavaiah, Governorpet, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Sri K. Srinivasa Rao, S/o Venkateswara Rao, Arandalpeta, Vijayawada.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

101 Sq. yds, site with Thatched house in NTS. No. 660 Mpl. Ward No. 25, Revenue Ward No. 9, Block No. 13, Door No. 30-1-12, Vijayawada registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2073/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-11-82

(1) Shri K. V. Raghavarao, S/o Venkata Suryaprakasha Rao, overnorpeta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. V. Apparao, S/o Khaja Venkateswara Rao, Arundalpet, Vijayawada.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official. Gazette.

Hyderabad, the 9th November 1982

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RA.C. No. 268/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. No. 30.1.12 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at NTS. No. 660, in 101 Sq. yds. H. No. 30-1-12, Mpl. Ward. No. 25, Revenue Ward No. 9, Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 2070/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-11-82

Sour.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC No. 269/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D. No. 30.1.12 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on March '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Shri K. V. Raghunadha Rao, S/o Venkata Padma-nabha Rao, Governorpeta, Vijayawada,

(Transferor)

(2) Sri K. Srinivasa Rao., S/o Venkateswara Rao, Aruldelpeta, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property in NTS. No. 660, D. No. 30-1-12, area of 101 sq. yds., site with a thatched house Mpl. Ward No. 25, Revenue Ward No. 9, Vijayawada, registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 2074/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 9-11-82

#### 18433

# FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC.No. 270/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D. No. 30.1.12 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vijayawada on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—45—376/82

(1) Shii K. V. Vasudeva Rao, S/o K. V. Suryaprakasha Rao, Governorpeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri K. V. Apparao, S/o K. Venkateswara Rao, Aruldelpeta, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property in NTS. No. 660, D. No. 30.1.12, area in 101 sq. yds, with thatched House Mpl. Ward No. 25, Revenue Ward No. 9, Block No. 13, Viiayawada, registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 2072/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-11-82

# FORM ITNS (1)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri K. V. Madhusudhana Rao, S/o Venkata Padmanabharao, Vijayowada-2, Governorpet. (Transferor)

 Shri K. V. Srinivasa Rao, S´o Venkateswara Rao, Aruldelpet, Vijayawada.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC. No. 271/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. D. No. 30-1-12 situated at Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 190b) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property in NTS. No. 660, Mpl. Ward No. 25, Rev. Ward No. 9, Block No. 13, D. No. 30-1-12, Asstt. No. 21707, area in 101 Sq. yds. with a Thatched House, registered with S.E.O., Vijayawada, vide document No. 2075/82-83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-11-82

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 9th November 1982

Ref. No. RAC No. 272/82-83.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

D. No. 30-1-12 situated at Vijayawada

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vijayawada on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri K. V. S. Prakasha Rao, S/o Veera Raghavalah, Governorpet, Vijayawada-2.

(Transferor)

Shri K. V. Apparao, S/o K. Venkateswara Rao, Arundelpet, Vijayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property in NTS, No. 660, Mpl. Ward No. 25, Rev. Ward No. 9, Block No. 13, Door No. 30-1-12, Asstt. No. 21707, area in 101 sq. yds, with thatched, house at Vijayawada, registered with S.R.O, Vijaywada, vide document No. 2071/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 9-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 227/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D. No. 23-6-8 situated at Patnam bazar at Guntur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds 'the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ch. Sivaji, S/o Venkataratnam Fancy Merchant, Kummaripalem St., Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. M. Alivelu Manga Tayatu, W/o Sri M. Koteswara Rao, C/o Sri Hanunam Iron Stores, Patnam Bazar, Guntur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Door No 23-6-8, Patnam Bazar, Guntur, 25 1/3 Sq. yds, Ground & First Floor, building, registered with S.R.O., Guntur, vide document No 2496/82,

M. JEGAN MOHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri B. Suryanarayana, S/o Satyanarayana Murthy, 16-21-12, Panchamul ha Anjeneya Swamy Street, Tenali. (Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 228/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 150, 167 situated at Tenali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Ch. Srinivasa Rao, S/o Laxmayya, Door No. 15-8-12, Market area Tenali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

T.S. No. 150, 167, Building in 548 Sq. yds, at Tilak Road, Chenchupeta, 1st Ward, 6th Block, Tenali, registered with S.R.O, Tenali, vide document No. 1154/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 229/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 150 & 151 situated at Tenali

T.S. No. 150 & 151 situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenali on March, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri B. Suryanarayana S/o Shri Satyanarayana Murthy. 16-21-12—Panchamukha Anjaneya Swamy Street, Tenabli.

(Transferor)

 Ch. Srinivasa Rao, S/o Shri Laxmaiah,
 No. 15-8-12, Market area, Tenali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building in Tilak Road, Chenchupet, 1st Ward, 6th Block, T.S. No. 150 & 151, registered with SRO, Tenali, vide document No. 1438/82, Area in 548 sq. yds.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 230/82-83.—Whereas I.

M. JEGAN MOHAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing D. No. 4-4-123 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at guntur in March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Yepuri Muttayya,
S/o Venkatrayudu,
2. Smt. Y. Savitramma,
W/o Muttayya,
3. Sri Y. Satyanarayanarao, and
4. Sri Y. Mallikarajun Rao,
5. Sri Y. Poorna Chandra Rao,
6. Y. Ganeswarrao,
3 to 6 are ss/o Muttayya,

Kolakaluru, Tenali Taluk, Guntur Dt. (Transferor)

(2) Smt. Ch. Annapoornamma, W/o Laxminarayana, 5th Line, 2nd Cross Road, Chandramouli Negar, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THF SCHEDULE

House property bearing door No. 4-4-123, situated in 5th line, Chandramoulinagar, Guntur, in 237 3/9 sq. yds. registered with SRO, Guntur, vide document No. 2248/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date · 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Smt. G. Krishnakumari, W/o Venkatareddi, Stambhala Garuvu, Guntur.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 231/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

D. No. 198 situated at Nallapadu, Guntur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforseaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri P. Sambasivareddi, S/o Shri Ramamurthy Reddi, Vijaywada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land in Nallapadu Village, of Guntur Municipality, bearing D. No. 198, area 3-04 Cents, registered with \$.R.O. Guntur, vide document No. 2374/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 232/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovnible property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

D. No. 581A & 581-C situated at Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on March, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—
46—376GI/82

 1 Smt. P. Nagamalleswaramma, W/o Shri Venkata Pullarao,
 Sri Palagani Apparao, S/o Sri Venkata Pullarao, Guntur.

(Transferor)

(2) Sri Tota Sivayya, S/o Sri Paddayya, Pata Guntur, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Dry land situated in Guntur Rural Area, in D. No. 581-A & 581-C, of 4-94 Cents registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 2307/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

 Sri Ch. Venkata Anantha Laxminarayana, S/o Sri Anantha Suryanarayana, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Y. Innareddi, S/o Sri Chinapareddi, Bentachintala Village, Guntur, Dt.

(Transferce)

GOVFRNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 233/82-83.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing D. No. 139/1, & 140/3A, 140/3 & 142/20, situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the feir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th econocalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

RCC roofed building situated in Korctepadu of Guntur Municipal area in D. No. 139/1, 140/3A, D. No. 1403, D. No. 142/10, 1244.4 or 0.22 Centra, registered with SRO, Guntur vide document No 2914/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 234/82-83.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 215 situated at Suryaraopet Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nouce under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Vansi Krishua, being minor by Guardian and father Sri Mutta Venkataesh S/o Sri Sarvaraidu, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri K. Venkata Satyendra Madan, S/o Sri Syamasundara Rao, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ac. 2-00 Land at Surayaraopeta, Kakinada Muncipality in Ward, No. 2, of Kakinada, vide document No. 2446/82 SRO, Kakinada.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 235/82-83—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 215 situated at Suryaraopet, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ivow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely:—

(1) Sri M. Venkatesh, S/o Sri Sarvaraidu, Kakinada.

(Transferor)

(2) Sri Syamasundara Rangagao, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ac. 1-00 land at Surayaraopeta, Kakınada Muncipality in Ward, No. 2 in S. No. 215, Kakınada registered with SRO, Kakınada, vide document No. 2447/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 236/82-83.—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS. No. 25/1, 26/1 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Kakinada on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any motions or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Tatahbai, S/o Sri Ramaswami, Timmapuram.

(Transferor)

(2) Sri Degala Irwin Thomson, Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereins are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ac 1-32 Cents of Vacant land in Ramanayyapeta of Kakinada Muncipality in RS No. 25/1, & 26/1, registered with SRO, vide document No. 2364/82 (SRO Kakinada).

M. TESAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 237/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 600 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sri Gandham Gopal Vithal

s/o Sri Venkayya,

2. Sri Gandham Naga Venkayyanaidu,
being minor by Guardian and father
Sri Gopal Vithal,
R/o 22-11-14, 13th Ward, Venkayya Naidu,
Veedi, Bhimavarma.

(Transferor)

(2) Sri T. Venkateswara Rao, S/o Sri T. Prakasharao, L.G. Padu Sivaru, Gollavanitippa, Bhimavaram, W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrl. land situated in Bhimavaram Municipal limits bearing RS No. 600 3-16 Cents registered with SRO, Bhimavaram vide document No. 688/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

#### FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 238/82-83.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS No. 600 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Sri Gandham Gopal Vithal

s/o Sri Venkayya, 2. Sri Gandham Naga Venkayyanaidu, being minor by Guardian and father Sri Gopal Vithal, R/o 22-11-13, 14th Ward, Venkayya Naidu,

Veedhi. Bhimavarma.

(Transferor)

(2) Sri T. China Venkateswara Rao, S/o Sri Toram Prakasharao, L.G. Padu Sivaru, Gollavanitippa, Bhimavaram, Taluk, W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land situated in Bhimavaram area 3-16 3/4 Cents in R.S. No. 600, registered with S.R.O., Bhimvaram, vide document No. 689/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-87 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. 239/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

RS No. 600 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavaram on March, 1982

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Sri Gandham Gopal Vithal
 s/o Sri Venkayya,
 Sri G. Naga Venkayyanaidu,
 being minor by Guardian and father
 Sri Gapal Vithal,
 R/o 22-11-13, 14th Ward, Venkayya Naidu,

(Transferor)

(2) Sri T. Venkateswara Rao, S/o Sri T. Prakasharao, L. G. Padu Sivaru, Gollavanitippa, Bhimavaram, Taluk, W.G. Dt.

Veedhi, Bhimavarma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. Land situated in Bhimavaram Municipal limits bearing RS No. 600 3-16 3/4 Cents registered with SRO, Bhimavaram vide document No. 690/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

# PART III—SEC. 11

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 240/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro. 25,000/- and bearing No.

RS No. 600 situated at Bhimavaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhimavatam on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been touly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aciets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchases of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-47-376GT/82

(1) 1. Sri Gandham Gopal Vithal s/o Sri Venkayya, 2. Sri G. Naga venkayyanaidu, being minor by Guardian and father Sri Gopal Vithal, R/o 22-11-13, 14th Ward, Venkayya Naidu,

(Transferor)

(2) Sii T. China Venkateswara Rao, S/o Sri T. Prakasharao, L.G. Padu Siyaru, Gollavanitippa, Bhimavaram, Taluk, W.G. Dt.

Veeddhi, Bhimavarma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period or 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agil, land situated in Brimavaram Municipal Limits, bearing RS No. 600 3-16-3/4 Cents registered with SRO Bhiniavaram, vide document No. 687/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 241/82-83.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D. No. 387 situated at Ankireddipalem Guntur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Peta Ramayya, S/o Jaggayya,
  - 2. Sri P. Jagannadharao, S/o Ramayya,
  - 3. Sri P. Sasidharao,
  - 4. Sini P Salishararao,
  - 5. Sri P. Nageswatarao, 3, 4, 5, are sons of Jegannadharao, Lalpuram, Guntur Taluk.

(Transferor)

- (2). 1. Sri N. Seetayya, S/o Kotayya,
  - 2. Sri N. Apparao, S/o Kotayya,
  - 3. Sri N. Venugopalarao, S/o Laxminarayana,
  - 4. Ch. Mohana Rao, 8/o Venkateswarly, 2 to 4 are residents of Laxmipuram, Guntur,
  - N. Sambasiya Rao, S/o Subbarao Takkillapadu, Guntur,
  - N. Vijayalaxıni D/o Scetayya, Chandramouli Nagar, Guntur.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforegaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land situated in Lafruram on D. No. 387, Ankireddipalem Guntur, Dt. area in 122 Cents registered with S.R.O. Guntur vide document No. 2821/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

Seal

FORM ITNS----

 1. Sri N Anandaraju, S/o Niranjanam and
 2 Sri Returi Hanumantha Rao, Mangalagiri, Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Yenuga Srilaxmi, W/o Satyanarayana, Mangalagiri. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONET, OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 8th Novemby 1982

Ref. No. RAC No. 242/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair maket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3/100 share situated at Stimmasa Mahal Guntur (and more fully described in the S heduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

3/100 Share in Cinema Theatre known as 'Srinivasa Mahal' Mangalagiri, Guntur registered with S.R.O, Guntur, vide document No. 1662/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 243/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 25/1 and 26/1 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the R gistering Officer at Kakinada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shri K. Ramaswami, S/o Syrayya, Timmapuram.
  (Transferor)
- (2) Shri Degala Irwin Thomson, S/o Soleman Jacob, Kakinada.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions uned herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Total Ac. 1-32 Cents of Vacant land in Ramanayyapeta, of Kakinada Municipality in R.S. No. 25/1 and 26/1 registered with S.R.O., Kakinada, vide document No. 2365/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC No. 244/82-83 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000 's and beauting No

D. No 380-A situated at Reddipalam Guntur

(and mor fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registerin Officer

at Guntur on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Λ. Manikyamma, W/o Venkatappareddi, Reddipalem, Guntur Sıvarlu, Guntur Dt.

(Transferor)

- 1. Shri V. Kesavanarayana, S/o Rnjagopalarao,
   2. V. Babu Nagendra Maruti Varaprasad,
   S/o Ramachandrayya,
  - 3. A. Venkatramayya, S/o Chalamayya,
  - 4. Shri Anna Padnabharao, S/o Ramalingayya Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Dry land situated in Reddipalem of Guntur Panchayat area in D. No. 380/A registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 2167/82 area in 1-10 Cents.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Date: 8-11-1982

 Shri A Pullamraju, S/o Bapiraju, Gandhinagaram, Kakinada.

(2) Shii Sii N. John. S/o Venlata Ratnam, Door No.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 245/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7-1-25 situated at Gandhinagaram Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Degistering Officer at Kakinada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which englit to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

7-1-25 Gandhinagaram, Kakinada.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House Property at Door No. 7-1-25, Ward No. 1, Gandhinagaram area in 475 sqf. vds registered with S.R.O. Kakinada vide document No. 2167/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

(2) Smt.

#### FORM ITNS———

(1) Smt. A. t. Narasayamma, W/o Sii Pullamraju, Gandhinagaram, Kakinada,

N. Mariamma, W/o Sri N. John, D. No.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-(AX,

ACQUISITION RATIGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 246/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. 7-1-25 situated at Gandhinagaram, kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the keg stering Officer

at Kakinada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conclaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the land Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, to, the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the stud Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

7-1-25, Gandhinagaram, Kakinada.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Grzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of th's notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House propert, at Door No. 7-1-25, Ward No. 1, Gandhinagarani, Kakinada, 475 Sq. vds, registered with S.R.O., kakinada vide document No. 2195/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hydorabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 247/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 13.2.15 and 13.2.16 situated at Kakinada (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to, be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. D. V. Ramanayamma, W/o Ramachandraraiu.
  - Sti D. Prabhakara Krishna Lakdhmi Narasimharaju S o Ramachandi iraju,
  - 3. Sri D. Ramachandra Chakravarti, S/o P. L.
  - Narasimharaju, So D. Venkatasriharaju, S/o Late Rama-4. Sn D. D. chandraraju,
  - 5. Sri D. Naveen, M/g., father Sti B. V. Srihariraju, Kakinada.

(2) Sri Sathi Vecrredi, S/o Venkatarayudu, alias Venkata Reddi, Tilak Street, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property bearing door Nos. 13.2.15 & 13.2.16, of Kakinada, registered with S.R.O., Kakinada, vide document No. 2242/82, area in 861 92 sq. yd.,

> M. JEGAN MOHAN Compatent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 248/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13.2.15 and 13.2.16 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kakinada in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---48-376GI/82

(1) 1. Smt. D. V. Ramanayamma, W/o Ramchandraraiu

(Transferor)

2. Sri D. P. K. L. N. Raju, S/o Ramachandraraju,

3. Sri D. Ramachandrachakravarti, 4. Sri D. B. V. Srihar Raju. S/o chandraraju,

Navcen, S/o Sri B. V. Srihariraju, Sri Kakinada.

(2) Smt. Sathi Santakumari, W/o Veereddi, Tilak Street, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property bearing door Nos. 13.2.15 and 13.2.16 of Kakinada, in 527-3 sq. yds. registered with S.R.O., Kakinada, vide document No. 2243/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-1982

## FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Rcf. No. RAC. No. 249/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 8-20-11 situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the registering officer at Kakinada on Mar 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1)11. Smt. M. Syamalamba, W/o Sivarao, D. No. 10-86, Secunderabad, 2. Sri M. Satyanarayana, Chavalivari, ST Kakinada 4. Sri M. V. Ramanarao, S/o Satyanarayana, 5. Sri M. Krishna Prasad, by GPA, Holder Sri M. Satyanarayana S/o Sivarao 6. Sri M. K. V. Sivarao, R/by GPA, holder Sri M. Perrajarao, Spo, Sivarao, residing at Door No. 8-20.11, Kakinada.

(Transferor)

(2) 1. Smt. D. V. Ramanayamma, W/o Late Ramachandraraju, 2. Sri D. P. Krishnalaxmi Narasimharaju, 3. Sri D. B. V. Srihariraju, 4. Sri D. P. K. L. Narasimharaju, 5. Sri D. Ramachandrachakravarthi, M/g. Sri D. P. K. L. Narasimharaju, 6. Sri D. B. V. Srihariraju, minor by Guardian and father Butchi Venkata Srihariraju, Chavarivari Street, Kakinada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property at door No. 8-20-11, Chavalivari Street, Kakinada, registered with S.R.O., Kakinada, vide document No. 2405/82,

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-82,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 250/82-83.—Wheeras, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

48-1-8 situated at Palakole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Palakole in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 off 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ch. Ravi Sankar, Being M/p. Guardian & Father Sri Chegondi Suryanarayana rao, Doddipatla Narasapuram Tq., W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Sri B. Ramakrishna Reddi S/o Suryanarayana, No. 11.1.23, 5th Ward, Palakole.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property bearing door No. 48-1-8, Palakole, 356-6 sq. yds, registered with S.R.O., Palakole, vide document No. 711/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-11-82.

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th November 1982

Ref. No. RAC. No. 251/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

2-120 situated at Sattenapalli Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on March 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. Hanumantharao, Rudravaram village, Sattenapalli, Guntur dt.

  (Transferot)
- (2) Sri N. P. Venkateswarlu, Kirana Business, Kattamurivari Street, Sattenapalli, Guntur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property bearing Door No. 2-120 near Surya Talkies, Sattenapalli, Guntur Dt., 116 sq. yds., registered with S.R.O., Sattenapalli, vide document No. 1287/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8 11-82. Seal :

#### FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC. No. 312/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Bodhan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bodhan on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Imamuddin Shaikh Imam s/o Nizamuddin Shaikh Imam, G P.A. M. Shaikh Imam, Pocharam, Bodhan.

(Transferor)

(2) Sri Arif Ali Khan <sub>8</sub>/o Abdul Rahman Khan, Pocharam, Bodhan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 12 & 16/2 area 4 acres 35 guntas at Pocharam, Bodhan Tq. registered with S.R.O., Bodhan vide document No. 1025/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Bodhan.

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Asif Ali Khan s/o Abdul Jabbar Khan, Bodhan.
(Transfereo)

(1) Sri Ikramuddin Shaikh Imam s/o Nizamuddin

Shaikh Imam, GPA of Mumtazunnisa Begum,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 10th November 1982

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. RAC No. 313/82-83.-Whereas, I, M. JEGAN

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

MOHAN,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

sioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Bodhan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodhan on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land S. No. 15/1 2 acres 21 guntas at Bodhan taluk registered with S.R.O. Bodhan vide document no. 1022/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1982.

Seal

(1) Sri S. Pedda Papanna s/o S. Yerukala Pedapapamma, Kurnool.

(Transferor)

(2) S<sub>11</sub> R. Thimmayya 5/0 R. C. Devadanam, Kurnool

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC. No. 314/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'seld Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kallur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kurnool on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Jand at Kallur town, Kurnool survey No. 624/1, 649/1, 0.98 cents registered with the S.R.O., Kurnool vide document No. 1238/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC. No. 315/82-83.—Whereas, I, M, JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Kurnool on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Gaddam Obul Reddy S/o G. Siva Reddy, Dinnedevarapadu village, Kurnool.

(2) M/s Lepakshi Estate Traders, Managing partner Y. Bal Reddy S/o Y. Anthiah Reddy, 66/45, Kota, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Kallur village, Kurnool town area 1 acre registered with S.R.O., Kurnool vide document No. 1325/82.

> M. JEGAN MOHAN. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-11-1982,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Gaddam Krishna Reddy \$/0 Sanjeevareddy, Dinnedevarapadu village, Kurnool Tq.

(2) M/s. Lepakshi Estate Traders, Managing partner Sri Y. Balreddy S/o Y. Anthiah Reddy 66/45, Kota, Kurnool.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC. No. 316/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, its respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : — 49-376GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Kallur village, Kurnool town area 2 acres registered with S.R.O., Kurnool vide document No. 1326/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-11-1982.

# FORM ITNS ....

- (1) Sri A. Rajeswarappa (2) A. Bojeswarappa S/o Shanmukhappa, Dinnedevarapadu, Kurnool Taluk. (Transferor)
- (2) M/s. Lepakshi Estate Traders, Managing partner Sri Y. Balreddy s/o Sri Antian Reddy, 66/45, Kurnool.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC. No. 317/82-83.—Wheeras, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Kalluru village

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Kurnool on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 2 acres at Kalluru village, Kurnool Town registered by the S. R. O., Kurnool vide document No. 1331/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-11-1982.

(1) Sri C. Siva Reddy S/o G. Sanjeevareddy, Dinnedevarapadu, Kurnool Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Lepakshi Estate Traders, Managing partner Sri Y. Balireddy S/o Y. Anthiah Reddy, Kota, Kurnool.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC. No. 318/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Kalluru village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Kurnool on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land 1 acre at Kalluru, Kurnool registered vide document No. 1329/82 registered by the S.R.O., Kurnool.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—.

Date: 10-11-1982.

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC. No. 319/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Kallur village

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer Kurnool on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Aot in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 Sri Gaddam Dana Reddy S/o G. Sanjeeva Reddy Dinne devarapadu village Kurnool taluk.

(Transferor)

(2) M/S Lapakshi Estate Traders, Managing partner Y. Bal Reddy S/o Anthayya Reddy, 66/45, Kota, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Kallur village registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 1330/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC. No. 320/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Land situated at Kalluru village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Gaddam Mohana Reddy S/o G. Sivareddy, Dinnedevarapadu, Kurnool Taluk.

(Transferor)

(2) M/S. Lepakshi Estate Traders, Managing parter Sri Y. Balreddy, 66/45, Kota, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land area 1 acre at Kalluru, Kurnool town, Kurnool registered by the S.R.O., Kurnool vide document No. 1327/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-11-1982.

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s Kamath Builders, Rep. by S.A. Kamath, B-3, Bindu Shopping Centre, Tilak Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. R. Sudarshan, W/o T. Sudarshan, 1-7-1072/B, RTC X Roads, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

RAC No. 321/82-83.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing No. Flot M. JEGAN MOHAN, being the Competent

bearing No. Flat situated at Gandhinagar Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at Hyderabad in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said memovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. B-8, Muncipal No. 1-1-524/A and A1, Gandhi nagar, Hyderabad plinth area 670 sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 1811/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 10-11-82

Soal:

FORM I.T.N.S.-

(1) S. Balaiah S/o Narsimha 16-11-163 Moosaram bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Ganga co-operative Housing Society Ltd. Sec. D. Anil Kumar Tilaknagar Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC 322/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Land situated at Teegalguda Malakpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ase given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land at Teegalguda Malakpet area 7487.18 sq. mts. registered with Sub-Registrar Azampura, vide Doc. No. 773/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

RAC No. 323/82-83.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. land situated at

Teegalaguda Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D, of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri B. Pandu alias B. Pandu Reddy, 16-11-183, Moosaram Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s The Ganga Cooperative Housing Society Ltd., Rep. by its Secretary Sri D. Anil Kumar, 2-2-1105/7, Tilaknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open plot of land in S. No. 22/A & 38/A (part) of Tecgalaguda, area 7532 sq. mts. registered with S.R.O. Azampura vide document No. 787/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A:P.)

Date: 10-11-82

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC 324/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at

Teegalguda Malakpet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Azampura in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50-376GI/82

(1) B. Pandu alias B. Pandu Reddy S/o Rangareddy H. No. 16-11-183 Moosarambagh Hyderabad.

(Transferor)

(2) M s The Ganga Co-operative Housing Society Ltd. Sec. D. Anil Kumar R/o Tilak Nagar Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Teegalguda Malakpet area 10214 sq. yards registered with Sub-Registrar Azampura vide Doc. No. 772/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 10-11-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC. 325/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 137/1,2 & 5 situated at

Suidabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Dr. C. Narasimha Reddy, S/o S. Reddy, 17-10-410, Saidabad, Hyderabad.
  - (Transferor)
- (2) M/s Tirumala Cooperative Housing Society by Umapathi Reddy, Malakpet, Hyderebad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from: the service of notice on the respective personn. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Plot of land measuring 97 cents bearing S. Nos. 137/1, 137/2 and 137/5, Saidabad, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1869/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 10-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC 326/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at

Teegalguda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Nandiah S/o Antaiah Amberpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) M,'s Aravindnagar Co-operative Housing Society H. No. 3-6-361/46 Himayannagar Hyderabad-500029.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Carette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land area 273 sq. yards in survey No. 64,65 and 66 at Theegalguda registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2217/82.

M. JEGAN MOHAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-82

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC 327/82-83.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land situated at

Teegalguda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Śri Dhananjeya, S/o Nandiah, Amberpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Aravindanagar Co-op. Housing Society Ltd., H. No. 3-6-361/46, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open plot of measuring 2731 sq. yds. in S. Nos. 64, 65 and 66 at Teegalguda, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2216/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 10-11-82

(Transferee)

#### FORM ITNS----

## (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Rcf. No. RAC 328/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

bearing No. Land situated at Teegalguda Hyderabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Sri Dass, S/o Nandiah. Amberpet, Hyderabad.

(2) M/s Aravindanagar Co-op. Housing Society Ltd. H. No. 3-6-361/46, Himoyatnagar, Hyderabad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land S. No. 64, 65 and 66 situated at Teegalaguda, Hyderabad admeasuring 2731 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2215 '82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-11-82

FORM 1.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sh. Anil Kumar S/o Nandiah Amberpet Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Aravindnagar Co-operative Housing Society Ltd., H. No. 3-6-361/46 Himayatnagar Hyderabad-29.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th November 1982

Ref. No. RAC 329/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Teegalguda, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Teegalguda area 2731 sq. yards in survey No. 64, 65, 66 registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 2214/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD PATNA, BIHAR

Patna-800 001, the 10th November 1982

Ref. No. III-608/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Municipal Holding No. 23A (Old) 56 (New), Ward No. 1 (Old) 4 (New), Circle No. 2 situated at Bahadur Sukhraj Rai Road, Mohalla Khanjarpur, Dist.-Bhagalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhagalpur on 1-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Harjinder Rekhi W/o Sri Shamsher Singh Rekhi through Sri Shamsher Singh Rekhi S/o Dr. D. P. Singh R/o C-3 Kasai Colony, Mohalla/P.S. Doranda, Dist. Ranchi.

(2) Shri Satyanarain Dokania S/o Sri Mohan Lal Dokania As self and karta of a Hindu Joint Family residing At-Sulaganj, P.S. Kotwali, Dist.-Bhagal-

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring .0355 hectors with three storied pueca building situated at Bahadur Sukhraj Rai Road in Mohalla Khanjarpur P.S. Baruri Dist. Bhagalpur and morefully des-cribed in deed No. 2394 dated 1-3-82 registered with D.S.R. Bhagalpur.

> P. K. DUBEY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 10-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Kanta Arora R/o 69, Chawranghee Road, Calcutta-20.

(Transferor)

(2) Smt. Rita Devi R/o Saila Bala Ray Road, B. Deoghar (Santhal Pargana).

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR

Patna-800 001, the 10th November 1982

Ref. No. III-609/Acq/82-83.—Whereas I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Blhar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and No. As per deed No. 1691 dated 5-3-1982 situated at Mouza Kunda, B. Deoghar, Dist.-Santhal Pargana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 5-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bigha 10 Kathas with pucca building situated at mouza Kunda, Deoghar Dist.-Santhal Pargana and morefully described in deed No. I-1691 dated 5-3-1982 registered with Sub-Registrar of Assurances Calcutta.

P. K. DUBFY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 10-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR

Patna-800 001, the 11th November 1982

Ref. No. III-616/Acq/82-83.-Whereas I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 1169/B (Marked as 1169/B-2), Ward No. II (Old) situated at Harmo and Bhuinya Toli Road, Dist.-Ranchi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 3-3-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

51-376GI/82

- (1) 1. Most Mehmooda Khatoon W/o Late Hassan Jilani.
  - 2. Smt. Akhtari Khatoon W/o Md. Maseeuddin, 3. Smt. Ahmadi Khatton W/o Md. Mahmood Alam
  - Smt. Masooda Khatoon W/o Md. Shamshar 5. Smt. Saiyada Khatoon W/o Md. Serjul Haque. 6. Smt. Ismat Khatoon W/o Md. Tabrex Khan

  - Rafat Khatoon
  - 8. Nikhat Khatoon 9. Nusrat Khatoon

  - 10. Sanaullah Jilani 11. Zeyaullah Jilani and

12. Habibullah Jilani

No. 2 to 12 sons and daughters of Late Hassan Jilani No. 1, 3, 5 and 7 to 12 are resident of Church Road, P.S. Lower Bazar, Dist.-Ranchi. No. 2 residing at Doranda, P.S. Doranda, Dist.-Ranchi.

No. 4, resident of Kanke Road, P.S. Nanke, Dist.-Ranchi.

No. 6 resident of Purulia Road, P.S.-Lower Bazar, Dist.-Ranchi.

No. 9, 10, 11, 12 are minor through their mother and natural guardian Most. Mahmooda Khatoon. (Transferors)

Shri Omprakash Agrawal and Sri Chander Bhan Agrawal Both sons of late Shiv Lal Agrawal, C/o M/s Haryana Transport Co., R/o Irgu Toli, Dist. Panchi (2) Shri Omprakash Agrawal and Sri Chander

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land measuring 4 Kathas 12 Chattak and 12 Sq. Ft. situated at Harmo and Bhuinya Toli Road, Dist.-Ranchi and morefully described in deed No. 2059 dt. 3-3-1982 registered with D. S. R. Ranchi.

> P. K. DUBEY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD BIHAR

Patna-800 001, the 11th November 1982

Ref. No. III-611/Acq/82-83.—Whereas I. P. K. DUBEY, Range Bihar Patna

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Holding No. 17 situated at Rajendra Nagar Colony,

Sakchi, Jamshedpur, Distt. Singhbhum. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jameshedpur on 6-3-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Swarn Kaur, W/o Sardar Harbans Singh, of 83, Mahatama Gandhi Road, Agra Cantonment, P.S. Agra Distt. Agra (U.P.) through her attorney Md. Basiruddin, S/o Late Nizamuddin of 16, Rajendra Nagar, Colony, P.S. Sakchi, Jamshedpur, (Transferee)
- (2) Smt. Surma Banerjee, W/o Sri Sushil Kumar Baner-jee of 17, Rajendra Nagar Co-operative Housing Colony, P.S. Sakchi, Jamshedpur, Distt. Singh-

(Transferee) (3) Srnt. Swarn Kuar, The transferor is still residing. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The tierms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One pucca double storeyed residential building consisting of three rooms dining space, two kitchens, one store room, one garrage, two latrines, one bath room cum-latrine and verandas and court, yard, with pucca wall on the ground floor and five rooms, one dining space two latrines, one bath room one stare, and one kitchen, verandahs stair case etc. standing on holding No. 17, situated of Rajendra Nagar Colony, Sakchi, Jamshedpur, Distt. Singhbhum, more fully described in Deed No. 1774, dated 6-3-1982 regd. with Sub-Registrar, Jamshedpur.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-11-1982

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR,
BORNIG CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th November 1982

Ref. No. III-613 /Acq. /82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax, Acquisition Range, Bihar Patna

Range, Bihar Patna being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 1374 and 1375, Holding No. 619/A, Ward No. VII-B situated at Rajasthan Road, Burdwan Compound, Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 18-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesalt property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gautam Ghosh S/o Shri Tarak Nath Ghosh Through Constituted Attorney, Shri Tarak Nath Ghosh, R/o Rajasthan Road, Burdwan Compound, Dist. Ranchi.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Pratima Choudhary W/o Sri Sujib Choudhary R/o Rajasthan Road, Burdwan Compound, Dist. Ranchi.
  - Sri Kriti Choudhary
     S/o Late Umapado Choudhary
     R/o Sarda Babu Street,
     P.S. /Dist. Ranchi.
     Sri Satyabrata Sinha
  - S/o Sri Abanindra Nath Sinha
    4. Smt. Utpal Sinha
    W/o Sri Satyahrata Sinha

W/o Sri Satyabrata Sinha Both R/o Tharpakhna H. B. Road, Dist. Ranchi.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 0.56 acres approximately with double storicd building situated at Rajasthan Road, Burdwan Compound, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 2387 dated 18-3-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORNIG CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th November 1982

Ref. No. 111-614/Acq./82-83,—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Plot No. 1169/B (Marked as 1169/B-1), Ward No. II (Old) situated at Harmo and Bhuinya Toli Road, Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 2-3-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Nezar Alam S/o Late Md. Bashiruddin R/o Church Road, P.S. Lower Bazar, Dist. Ranchi.
- (2) Shri Omprakash Agrawal S/o Late Shiv Lal Agrawal C/o M/s. Haryana Transport Co. R/o Irgu Road, Dist. Ranchi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land measuring 4 Kathas 12 Chattak and 12 Sq. Ft. situated at Harmo and Bhuinya Toli Road, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 2049 dated 2-3-82 registered with D.S.R. Ranchi.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-11-82 Seal:

#### FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORNIG CANAL ROAD, PATNΆ-800 001 Patna-800 001, the 11th November 1982

Ref. No. JII-615/Acq./82-83.—Whereus, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1169/B (Marked as 1169/B-3), Ward No. II (Old) situated at Harmo and Bhuinya Toli Road, Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ranchi on 2-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Enamul Haque S/o Late Md. Bashiruddin R/o Church Road, P.S. Lower Bazar, Dist. Ranchi. (Transferor)
- (2) Chander Bhan Agrawal S/o Late Shiv Lal Agrawal C/o M/s. Haryana Transport Co. R/o Irgu Road, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land measuring 4 Kathas 12 Chartal and 12 Sq. Ft. situated at Harmo and Bhuinya Toli Road, Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 2048 dated 2-3-82 registered with D.S.R. Ranchi.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 10th November 1982

Ref. No. III-610/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 524, Circle No. 6, Ward No. 2, Holding No. 397A (Old H. No. 312 and 102), S.P. No. 782 (Part) 783 (Part) & 784 (Part) situated at Exhibition Road, P.S. Kotwali, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Paina on 16-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

 Indu Bala Sen Trust, Exhibition Road, Patna-1, through present Trustees:

(i) Dr. Sudhanshu Kumar Sen S/o Late Narendra Nath Sen R/o Fraser Road, P.S. Kotwali, Dist. Patna.

 (ii) Sri Shankar Ashucosh Sen S/o Late Ashutosh Sen R/o Aziza Imam Flat, S.F. Verma Read, P.S. Kotwali, Dist, Patna.

P.S. Kotwali, Dist. Patna.

(iii) Mrs. Tapati Sen
W/o Late Umapati Sen
R/o "Tara" Riding Road,
P.S. Phulwari Shariff,
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Yatri Travels Pvt. Ltd., Exhibition Road, Patna through its Director, Sri Surinder Ahuja S/o Sri R. P. Ahuja, residing at S. K. Nagar, Patna-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring .78 Kathas approximately with single storied building situated at Exhibition Road, P.S. Kotwali, Dist. Patna and morefully described in deed No. 2397 dated 16-3-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 10-11-82

#### FORM I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR. BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 Patna-800 001, the 11th November 1982

Ref. No. III-612/Acq. /82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Khata No. 33, Khesra No. 41, Ward No. 34, Circle No. 24, Holding No. 468/361, Touzi No. 5453 situated at Anandpur, Boring Canal Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patna on 5-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Prem Bahadur Mathur, S/o Late Chandra Kumar Mathur; 2. Sri Kaushal Kishore Mathur, alias Dipak, S/o Sri Prem Bahadur Mathur, resident of Moh. Babu Bazar, Thana Arrah, Distt. Bhojpur. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Premshila Gupta, W/o Dr. Madan Mohan Gupta; 2. Dr. Madan Mohan Gupta S/o Late Sri Bishwanath Gupta, R/o Village Dhamar, Thana, Arrah Muffasil, Distt. Bhojpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 kathas with double storeyed pucca building situated at Rajapur Hassan presently known as Anandpur, Boring Canal Road, Patna, P.S. Shrikrishnagar, Distt. Patna and morefully described in Deed No. 2163; dated 5-3-82 registered with D.S.R., Patna.

> P. K. DUBEY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 11-11-82

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3, CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/330.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land, situated at Jaspal Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Baldev Singh s/o Shri Ranga Singh, r/o V. Sultanwind, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Kundan Lal s/o Shri Tirath Ram r/o Johal Raju Singh, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

One plot of land measuring 420 sq. yds., situated in Jaspal Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 21720 dated 18-3-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3, CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1982

Ref. No ASR/82-83/331—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>5</sub>. 25,000/-and bearing No.

One plot of land

situated at Gokal ka Bagh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
52—376GI/82

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Banta Singh, 1/o Thathgarh, Teh Lain Taran, Disti Amritsa

(Transferor)

(2) M/s S R Mechanical Works, Gokal Ka Bugh, East Mohan Nagar Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S No 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

One plot of land, measuring 277.7 sq. yds, situated at Gokal ka Bagh, Sultanwind, Amritan, as mentioned in sale deed No 22243 dated 25-3-1982 of the Registering Authority, Amritan

ANAND SINGH, I.R.S
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3. CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/332.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. on property

situated at Katra Karam Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Olince of the Registering Officer at S.R. Amritsar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sum Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Maminder Pal Singh s/o Shri Gurbachan Singh, Smt. Dildar Kaur w/o Gurbachan Singh, r/o 195 Shastri Nagar, Amritan.

(Transferor)

(2) Smt. Shakantla Davi w/o Shi Mohinder Kuma: Jain 3/4 share, Shir Arhant Kumar, Rajesh Kumar ss/o Sail Mohinder Jemmar 1/4 share, r/o 132 Jangi Shiyala, Katra Hari Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Otheral Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property measuring 227 sq. yds., situated in Bazar Hakimanwala, Katra Karam Singh, Amritsur, as mentioned in sale deed No. 22420 dated 29-3-1982, of the Registering Authority, Amritsur.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-11-1982

Scal:

#### \_

## FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1982

Ref. No. AR-I/4686/82-83.—Whereas I, R. K. BAQAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 4/207 of Parel Segri Divn. Parcl

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Bombay on 16-3-1982 (Dominent No. BOM-703/80) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Bank of Maharashtra

 Smt. Laxmibai Narayan Chaudhary
 Smt. Vanmala Rajaram Chaudhari Partners of M/s Nunaya Sagar Press, (Mortgager Vendors).

(Transferor)

(2) I. Shri Dinmohamed C. Chanara.

2. Shri Sadrauddin N. Bhanji,

4. Shri Habib B. Rajan.

3. Shri Sabmohamed A. Chaka.

(Transferee)

(3) Paper Sales (International) Bank of Maharashtra.
(Person in occupation of the property)

(4) 1. Smi. Laxmibai N. Chaudhari,
2. Smt. Vaumala R. Chaudhari,
Partners of M/s. Nirnava Sagar Press
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM-703 registered with the Sub-Registrar, Bombay on 16-3-1982.

R. K. BAQAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-11-82

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th November 1982

C.R. No. 62/34382/82-83/ACQ.B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

transfer with the object of :-

No. 1376 situated at 32nd Cross, 4th T' Block Jayanagar, Bangalore-560 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore on 5-5-1982

No. 1376, situated at 32nd Cross, 4th 'T' Block, Jayanagar, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Neela Gopalakrishna, No. 1376, 32nd Cross, 4th 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri V. M. Ramachandra Rao, N. Bharathi, No. 27, St. John's Church Road, Bangalore-560 005.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 446 Dt. 5-5-1982] 1376, 32nd Cross 4th 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-11-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 8th November 1982

C.R. No. 62/34893/82-83/ACQ-B.-Whereas I,

Basavangudi, Bangalore on 19-5-1982

C.R. No. 62/34673/02-03-10-05
MANIU MADHAVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. 67-68, later No. 84, Now 102, situated at Govindappa Road, Basavangudi, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shanta Bai, No. 102, Govindappa Road, Basavangudi, Bangalore-560 004.

(Transferor)

(2) Shri K. A. Sathyanarayana Setty, No. 403, Avenue Road, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 580 dated 19-5-1982] Old No. 67-68, later No. 84, Now 102, Govindappa Road, Basavangudi, Bangalore-4.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th November 1982

C.R. No. 62/34307/81-82/ACQ-B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Sy. No. 84 situated at Doddathoguru Village, Begur Hubli, Bangalore South Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bangalore South Taluk on 29-3-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the axid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. Jayadev
 Police Station Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri Lakshman Kumar Daga 39, Commercial Street, Bangalore-560 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

[Registered Document No. 7977 dated 29-3-82] Sy. No. 84 measuring 23 Acres 14 Guntas at Doddathoguru Village, Begur Hubli, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd November 1982

CR. No. 62/35467/82-83/Acq/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 80 (Old No. 292/3) situated at IV Main Road, Mallcswaram, Bangalore-3,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar under document No. 1239/82-83 on 29-6-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. N. Sampoornamma & Others, No. 9A Sannidhi Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) The Bangalore Urban Co-operative (Apartment) Housing Society Ltd., No. 9, Nehrunagar, Bangalore-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1239/82-83 dated 29-6-1982] All that property bearing No. 8 (292/3), situated at 4th Main Road, Malleswaram, Bangalore-3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th November 1982

C.R. No. 62/34291/81-82/Acq./B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 131

D. No. 14/1, 23 & 24 situated at Thenkapet Ward.
Mudandambur Village, Udupi Taluk .S.K. District
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at \*Idupi, under document No. 1160/81-82 on 30-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nagaveni & others, by G.P.A. Holder, Smt. Nagaveni, W/o Shri Subraya Madhyastha, Ajjairkad, Udupi Taluk, S.K. District.

(Transferor)

(2) Smt. Vasanthi, W/o Sri M. Sridhar, 'Parijatha' Malpe Kadavoor Village, Udupi Taluk, South Kanara.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1160/81-82 dated 30-3-1982] All that property bearing Site No. 131, D. No. 14/1, 23 & 24, Thenkapet Ward, Mudanidambur Village, Udupi Taluk, S.K. District.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd November 1982

C.R. No. 34367/82-83/Acq.B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 955, situated at II Main Road, IV Block, Rajajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar under document No. 678/82-83 on 15-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—53—376GI/82

(1) Shri K. Thirumalamma & Smt. Nagamani M. Kumar, 10/1, 8th Main Road, 9th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri Ram Autar Gupta, & Smt. Rekha R. Gupta, 955, II Main Road, Rajajinagar, Bangalore-560 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 6/8/82-83 dated 15-5-1982] All that property bearing No. 955, situated at II Main Road, 4th Block, Rajajinagar, Bangalore-560 010.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-11-1982

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### BANGALORE-560 001 ACQUISITION RANGE

Bangalore-560 001, the 6th November 1982

CR 'No. 62/34906/82-83/Acq.B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs... 25,000/- and bearing

No. 17A (Southern portion) situated at Industrial Sub-Urh, Rajajinagar Extension, Yeswantapur, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar under document No. 874/82-83 on 27-5-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, inrespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) 1: Late Smt. Kanchana Bai, Smt. Parvathi Bai, & 3. Smt. Chetan Bai, Kaypeecee Investments, represented by the power of attorney holder Sri Yeshwanth Jeeva Bhai, No. 10, Ulsoor Road, Bangalore.

(Transferor)

 Sri K. G. Suryanarayana Gupta,
 Smt, K. S. Shanthamma, W/o Sri Suryanarayana Gupta,
 No. 117/A, Bull Temple Road, Cross, Bangalore-19.

 Sri Venkatachalapathy,
 Smt. P. Srilakshmi, W/o P. Venkatachalapathy, No. 61/62, East Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.

5. Sri D. Ramanjaneyalu,

6. Smt. D. R. Ashwathamma W/o Sri D. Ramanjaneyalu, No. 79/4, Magadi Road, Bangalore-23,

7. Sri K. Sreedhar,

8. Smt. Srirangamma, W/o Late K. Doraiswamy Ayyangar, both residing at No. 29, 3rd Main Road, Ramamohanapuram, Bangalore-1, under the name & style of Sri Raghavendra Enterprises.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 874/82-83 Dated 31-5-82]

All that property bearing 17A (Southern portion) & situated at Industrial Sub-Urb, Rajajinagar Extn., Yeswantapur, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-11-1982

#### FORM IT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th November 1982

CR. No. 62/34905/8-83/Acq.B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

No. 17/A, Northern portion) situated at Industrial sub-urb. Rajajinagar Extension, Yeswantpur, Bangalore

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rajajinagar under document No. 873/82-83 on 27-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability , of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Late Smit. Kanchan Bai (1) 1.1

Smt. Parvathi Bai and 3. Smt. Chetan Bai of Kaypeecee investments represented by the power of attorney holder Sri Yeswanth Jeena Bhai, No. 10, Ulsoor Road, Bungalore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sridhar,
No. 29, 3rd Main Road, Bangalore-21,
2. Smt. Vedamma, W/o Sri M. Thirumalachar,
No. 36, 6th Cross, Malleswaram, Bangalore-3.
3. Sri K. G. Suryanarayana Gupta,
No. 117A, Bull temple Road Cross, Bangalore-19.
4. Smt. K. S. Shandhamma,
W/o Sri K, G. Suryanarayana Gupta,
No. 117A Bull Temple Road Cross, Bangalore-19.
5. Sri P. Venkatachalapathy,

Sri P. Venkatachalapathy,
 No. 61/62, East Park, Road,
 Maleswaram, Bangalore-3.
 Sri P. Venkatesh Babu

No. 61/62, East Park Road, Maleswaram, Bangalore-3

7. Sri D. Ranjaneyalu and 8.

Maleswaram, Bangalore-3. Smt. D. R. Ashwathamma, W/o Sri D. Ramanjaneyalu, No. 79/4, Magadi Road, Bangatore-23 under the name and style of "Sri Narasimba Enterprises".

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 873/81-83. Dated 27-5-1982) All that property bearing No. 17/A, (Northern portion), Industrial Sub-urb, Rajajinagar Extension, Yeswantpur, Bangalore.

> MANNU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-11-1982

#### FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th October 1982

CR. No. 62/35201/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6 & 7 situated at Poorna Seshachar Lane, Chickpet, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Under the Document No. 968/82-83 on 23-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 Shri Kota, R. Subbaiah Setty @ Nandakumar, No. 13/1, Ashoka Pillar Road, Hnd Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) M/s. Sona Enterprises,
No. 79, Vanivilas Road,
Basavangudi, Bangalore-4
by its Partners (1) K. Satyanarayana,
(2) K. G. Murali (3) K. G. Ashwath and (4)
K. G. Suresh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 968/82-83 dated 29-3-1982)
All that property bearing No. 6 and 7, situated at Poorna
Seshachar Lane, Chickpet, Bangalore,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 8-10-1082

NOTICE UNDER SECTON 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001 Bangalore-560 001, the 23rd October 1982

CR. No. 62/34311/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 442 situated at Avenue Road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar, under document No. 4469/81-82 on 23-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Abdul Kayoum, No. 47, Dispensary Road, Kalasipalaym, Bangalore2.

(Transferor)

(2) Shri B. G. Raghavendra Gupta, No. 205/C, 6th 'A' Main Road, Jayanagar, III Block, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 4469/81-82 dated 22-3-1982]
All that property bearing No. 442, situated at Avenue Road, Div. No. 18, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

18502

Soni: Saroja Jayaram,
 D/o late Sri B. S. Hanumatha Gowda,
 No. 18, Old Veterinary Hospital Road,
 Basavanguid, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri Subba Rao Chayan, No. 14, Eralagu Venkatappa Lane, Thiglarpet, Bangalore-2.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th November 1982

CR. No. 62/34271/81-82/ACQ.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107/67, situated at Vth Block, VIth Main, Jayanagan, Bangalore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar, Bangalore on 24-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5347 dated 24-3-1982) Site No. 107/67, Vth Block, VIth Main Jayanagar, Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalere.

Date: 8-11-940

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd November 1982

C. R. No. 62/34540/81-82/ACQ/B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 198E, situated at IIIrd Block, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jayanagar on 7-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri K K. Vishwanath, No. 9, 1st Main Road. Fata Silk Farm, Bangalore-560 004.

(Transferor)

(2) Shri Rathnamma, No. 121, 6th Main Road, IVth Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 63 dated 7-4-1982] Vacant site No. 198E, IIIrd Block, Jayanagar, Bangalore-11.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-11-1982

### FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 12th November 1982

C.R. No. 62/34456/81-82/ACQ/B.—Whereas, J MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Sy. No. 118/1. situated at Kunjibettu Ward of Udupi, Shivalli Viklage,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi on 17-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Savithri Saralaya K. Vijaya Lakshmi Saralaya Kalinga Rao Lane Udupi.

(Transferor)

(2) Vittal Akaran Bhosle Heera Bai Vittal Bhosle Kalinga Rao Lane Udupi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1140 dated 17-3-1982] Sy. No. 118/1. Shivalli Village, Udupi Kunjibettu Ward.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-11-1982

Scal:

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Lucy D'Souya W/o Robert Rozario Kumbar, Somwarpet.

(Transferor)

(2) Shri B. S. Chengappa, I.O.B., Madikeri.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th November 1982.

C.R. No. 62/34429/81-82/ACQ/B.—Whereas, 1. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 138, 137, 26/2, 26/5 situated at Garagandour (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samwarpet on 18-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saidl immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—376GI/82

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1086 dated 18-3-1982] Sy. No. 138, 137. 26/2, 26/5 in Garagandour.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Col. Amrit Prakash Bhatya S/o Jethanand No. 4, Bridge Street, Longford Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar SukhamiS/o M. C. Sukhami4, May Fair Road,Flat No. 402, Calcutta-700019.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th November 1982

C.R. No. 62/34256/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-2-3-4 situated at Saripura, Goloor Hobli Tumkur Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur on 4-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3681/81-82 dated 4-3-1982] All that property bearing S. No. 1-2-3-4 situated at Saripura Survey Goloor Hobli Tumkur Taluk.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-11-1982

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISTTION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 12th November 1982

C.R. No. 62/34257/81-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 6/1, 10/1, 11, 12, 13 situated at Saripura, Goloor Hobli, Tumkur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tumkur on 4-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Col. Amrit Prakash Bhaffya S/o Jethanand No. 4, Bridge Street, Longford Town, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Arvind Kumar Sukhani S/o M. C. Sukhani at No. 4, May Fair Road, Flat No. 402, Calcutta-700019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the salt property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3680/81-82 dated 4-3-1982] All that property bearing S. Nos. 6/1, 10/1, 11, 12, 13 situated at Saripura, Goloor Hobli Tumkur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-11-1982

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Amrit Prakash Bhateja S/o Jetha Anand, No. 4, Bridge Street "Longford, Town", Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Manichand SukhaniS/o Phulchand Sukhani4, May Fair Road, Flat No. 2,Calcutta-700019.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

BANGALORE-560001 ACQUISITION RANGE,

Bangalore-560001, the 12th November 1982

C.R. No. 62/24255/81-82/ACQ/B.—Whereas I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 92 situated at Manchagondanahalli village Tumkur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur under document No. 3682/81-82 on 4-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe) with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 3682/81-82 Dated 4-3-82]
All that property bearing No. 92 situated at Manchagon-danahalli village Tumkur.

THE SCHEDULE

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D.(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd November 1982

Ref. No. 9658.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 255/6, Karur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Karur (Doc. 865/82) on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Marudamuthu
 S/o Annavi Moopan,
 L.G.B. Workshop, Vengawedu,
 Karur.

(Transferor)

(2) The Karur Investments (Firm)
West Prathakshinam Road,
Karur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 255/6, Karur. (Doc. 865/82)

R. P. PILLAI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 3-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16rd November 1982

Ref. No. 9693.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 6, Block No. 12 and 13, situated at Chidambaram Town (Doc. No. 331/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chidambaram on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Rajamani Ammal W/o Ranganathan Gopathy Narayanasamy Chetty Street, No. 5, I Floor, T. Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) B. Sivakumaran, Socretary, The Tamil Nadu Electricity Board Employees Coop. House Building Society Ltd., (Sangam Registration No. SAHG35), Nagacherrykulam, Kilakarai, Chidambaram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at No. Ward No. 6, Block No. 12 and 13, Chidambaram Town.

(Doc. No. 331/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 16-11-1982

## PART III-SEC. 1]

#### FORM I'INS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16rd November 1982

Ref. No. 17107.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 13 and 14, S. No. 3550, situated at Mylapore village South Madras (Doc. No. 445/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Vedantha Desikar Devasthanam, Represented by its Trustees,
 K. Srinivasan,
 S. Varadachari,
 A. S. V. Varadachariar, Kesaveperumal Sannathi Street, Mylaore, Madras-4.

(Transferor)

(2) L. Muthiah, Partner of Civil Engineer Corporation, No. 'F' Block, I Floor, PARSN Gemini Complex, Madras-6.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at No. Plot No. 13 and 14, S. No. 3550, Mylapore village, South Madras.
(Doc. No. 445/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Madras-600006

Date: 16-11-1982

#### PORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Senkamn Pillai, No. 95, West Colony, Kumarapalayam, Salem District.

(Transferor)

(2) Tmt. Pushpavalli, No. 74, Fanepet, Second Street, Fanepet, Maidras-35.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17031.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old No. 68, Second Street, Fanepet, situated at Madras-35 (Doc. No. 637/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras South on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at No. (New No. 74 Old No. 69) Second Street, Fanepet, Madras-35. (Doc. No. 637/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 16-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. P. K. Suply, M. V. Aboobucker, and M. Mohammed, Hotel Samco, No. 47, Mowbrays Road, Alwarpet, Madras-18.
 (Transferor)

(Transferon

(2) M/s. P. Guru Ramachandran, G. Ashok & G. Ramesh, 29, Ponnusamy Naicken Street, Royapettah, Madras-14.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-1 SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17042—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Old Door No. 41, New No. 70, Pillayar situated at Koil Street, Teynampet, Madras-18 (Doc. No. 380/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

Mylapore, Madras on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

1908) in the office of the Registering Officer at

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
55—376GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions med herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Bearing (Old Door No. 41) New Door No. 70, Pillayar Koil Street, Teynampet, Madras-18, (Doc. No. 380/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 16-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 16th November 1982

Ref. No. 17069,-Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 429, Indira Nagar Housing Board Scheme, situated at Madras

(Doc. No. 1275/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet, Madras on March 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M. Surya Prakash, Plot No. 1227 Sector No. 12, West K. K. Nagar, Madras-78.

(Transferor)

(2) K. G. Kamesh, 124, 4th Street, Abiramapuram, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the rablication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 429, Indira Nagar Housing Board Scheme, Madras (Doc. No. 1275/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. R. Shankar Kumar, No. C/352, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) N. Girija, No. 9, I Lane, R. H. Road, Madras-600004.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17045.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing R.S. No. 3900/1, Plot No. 4, Pugh's Rond, situated at Chamiers Road, Madras-28 (Doc. No. 411/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, remely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saud immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at R.S. No. 3900/1 Plot No. 4, Pugh's Road, Chamiers Road, Madras-28.

(Doc. No. 411/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600066

Date: 16-11-1982

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# **OFFICE** OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 11943.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing G.S. No. 321 situated at Sanganur (Doc. No. 838/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Awt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) S. Venkatachalam
S/o M. Sethu Raman,
Employed in Alamu Medicals,
Gandhipuram,
Coimbatore-12.

(Transferor)

(2) Mrs. Mariamma Ramamurthy, W/o Dr. T. Ramamurthy, 71, S.R.P. Nagar, Coimbatore-11.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at G. S. No. 321, Sanganur. (Doc. No. 838/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assirtant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date: 16-11-1982.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 9706.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. B12, Block No. 33, situated at T.S. No. 3/1&3/2 Thennur village, Wuraiyur, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Woraiyur, Trichy Doc. No. 31/82) on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. R. Chidambaram S/o Arunachalam Chettiar, B11. Main Road, Thillai Colony, Trichy.

(Transferor)

(2) A. Sundarambal
W/o Arunachala Pillai,
D22, 10th Cross,
West Extent,
Thillai Nagar Town,
Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. B12, Block No. 33, T.S. No. 3/1&3/2, Thennur Village, Woraiyur, Trichy. (Doc. No. 391/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II

Date: 16-11-1982

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 11981.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

T. S. No. 7/1875, Old No. 322, New No. 890, 891, 893, situated at Range Gowder Street, Combatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1045/82) on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 N. Susila W/o Late Doraisamy, D. No. 14 Dadabath Street, No. 9, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Kanagasabapathy S/o S. Kandasamy Chettiar, 24/80, Edaiyar Street, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 7/1876, Old Door No. 322, New Door No. 890, 891, 893, Range Gowder Street, Coimbatore. (Doc. No. 1045/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-11-1982

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 11938.--Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 427/1, Ettimadai Village,

situated at Coimbatore Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto). has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. No. 1154/82) on 11-3-82
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Saraswathi W/o Sh. K. Ramasamy Naidu, Krishnaveni, D/o Sh. K. Ramasamy Naidu, Kuniamuthur (Coimbatore Dt.).

(Transferor)

(2) Sh. Ramalingam S/o Sh. Karuppusami Gounder, Kandegoundan Saki, Ettimadai. Colmbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in S. No. 427/1, Ettimadai village, Coimbatore Tk. (Document No. 1154/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-11-82

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th November 1982

Ref. No. 11938 - Whereas I. R. P. Pll I AI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 427/1, situated at Ettimadai village Combatore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Document No. 1153/82) on 11-3 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Sm. Saraswathi
Wyo Su. & Ramasamy Nuidu
2. Krishnaveni
D o Sh. K. Ramasamy,
Kumamet'an (Coimbatore Dt.).

(Transferor)

(2) Sh. Nachimuthu S/o Katuppasamy Gounde Kandegounden Salai, Ettimadai, Coimbatore Dt

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in S No. 427/1, Ettimadai village, Coimbatore Taluk, (Document No. 1153/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madias-600 006

Date: 6-11-1982

Seal;

#### FORM FINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17101.—Whereas, I, R: P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing

R. S. No. 4573/15 & R.S. No. 4573/46, situated at No. 9, Leith Castle South Street, Mylapore, Madras-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 520/82) on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorrectax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—376GI/82

(4) C. H. Al Himsani Haroon, Mrs. H. Afifa, No. 9, Leith Castle South Street, Santhome, Macras-28.

(Transferor)

18521

(2) Mrs. Leela Stellas, No. 2, Vth Trust Cross Street, Mandavallipakkam, Madras-Z8;

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by, any of the aforesaid persons within a period of 45" days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this motion in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unnde and building at R. S. No. 4573/15 & R. S. No. 4573/16, No. 9 Leith Castle South Street, Mylapore, Madras, 28.

(Doc. No. 520/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Assassistion, Range-II, Madras-600 006.

Date : 1641141982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17106.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing S. No. 1738, Plot No. 4 AVM Avenue, situated at Mylapore village, (Doc. No. 446/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore, Madras on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11 of 1922] or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Muthu Venkatachalam, 137, Luz Church Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) K. Shanmugam, AVM Avenue, 6, Dr. Radhakrishnan Road, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 1738, Plot No. 4, AVM Avenue, Mylapore village.

(Doc. No. 446/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-11-1982

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 11th November 1982

Ref. No. 17051 .-- Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 76 in T.S. No. 8 (Block No. 9) situated at Kalaikundram village, Saidapet Taluk, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II, Saidapet, Madras (Document No. 970/82) on March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Kanni, 6, 10th Cross Street, Indra Nagar, Madras-600020.

(Transferor)

(2) Dr. S. Gnanashanmugam & Dr. G. Brinda, 7. Muthurama Mudali Street, Madras-600004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and Building at 6, 10th Cross Street, Plot No. 76 (T.S. No. 8) Indra Nagar, Madras-20—Document No. 970/ 82).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-11-1982

#### PORM THIND

NOTICE UNDER SECTION 269D(h) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ravindranath Rai Rep. by Power Agent Mrs. Lalitha Rai, 17, Subba Rao Avenue, Madras-6.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF THE EA

(2) M/s. Peevee Presicion Works (P) Ltd., 19, IInd Main Road, Gandhi Nagar, Madras 20,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600006, the 16th Nuvember 1982

Ref. No. 17066.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating Rs. No. 5, Adyar village, Saidapet T.K situated at Madras District (Doc. No. 1101/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet, Madras on March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other access which there not been for which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land at R.S. No. 5, Adyar village, Saidapet T.K., Madras District. (Doc. No. 1101/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-11-1982

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Gangadhar Shika Rep. by Power Agent Mrs. Lalitha Rai, 17, Subba Rao Avenue. Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Sheila Lulla, Miss Peya Lulla. Miss Puja Lulla, 14, Arch Beshop Mathias Avenue, Madras-28.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 16th November 1982

Ref. No. 17066.—Whereas, I, R. P. PILLIAI,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 5, Adyar village, Saidapet T.K. situated at Madras District, (Doc. No. 1102/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Saidapet, Madras in March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publica-

tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at No. R.S. No. 5, Adyar village, Saidapet T.K. Madras District. (Doc. No. 1102/82).

> R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-11-82

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

#### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 16th November 1982

Ref. No. 17066 — Whereas, I, R. P. PHLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 5, Adyar village, Saidapet F.K. situated at Madras District (Doc. No. 1103/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet, Madras in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Manmohan Rai Rep. by Power Agent Mrs. Lalitha Rai, 17, Subba Rao Avenue, Madras-6.

(Transferor)

Mrs. Sheila Lulla,
 Peya Lulla & Puja Lulla,
 14, Λιch Beshops Mathias Avenue,
 Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at No R.S. No. 5 Adoyat village, Saidapet T.K. Madras District. (Doc. No. 1103/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 16-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 11985.-Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fa exceeding Rs. 25000/- and bearing No. fair market value

G. S. No. 28, Kumarapalayam village, situated at Coimba-

tore Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore-II (Doc. No. 1219/82) on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1, N. P. Somasundaram, N. P. Somasundaram, S/o K. N. Ponnusamy Chettiar,
 Smt. Visalakshi Ammal, W/o. Sri N. P. Somasundaram
 Sri S. Palanisamy, S/o Shi N. P. Somasundaram
 All are residing at 27/4-B, Fast Sambandam Road, R. S. Puram, Coimbatore. (Transferor)

(2) M/s. Sri Ram & Co., represented by Shri V. Subramanian, No. 107, East Thiruvenkatasamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

(Agricultural land in G. S. No. 28, Kumarapalayam village, Coimbatore Taluk-Document No. 1219/82)

R. P. PILLAT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006.

Dated 16.11.1982 Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 11976.—Whereas, J, R. P. PILLAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old T. S. No. 9/280, New T. S. No. 9/27. situated at Old Door No. 129, New No. 130, Vivekananda

Road, Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 1047 82) on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Mrs. Gawri Sadasivam W/o Late Sadasivam,
   Mrs. Chitra Gopal W/o Gopal,

  - 3. Mrs. Geetha Parimalakanthan W/o Parimlalakanthan,
  - Mrs. Sujatha Chandrasekaran D/o Late Sadasiyam.
  - Miss Vijayalakshmi Sadasivam D/o Late Sadasivam,

130. Vivekananda Road, Ram Nagar, Coimbatore-9.

(Transferor)

- Smt. V. Umayal W/o. R. M. Vellayan,
   N. R. M. Lakshmanan S/o. N. Ramanathan Chettlar,

  - 3. L. S. Venkatachalam S/o. L. Shanmugham, 4. Mrs. M. Visalakshi W/o. M. Meyyappan, 5. Mrs. M. Meyyammal W/o. V. Mohan, 6. Mrs. V. Sundara Valli Achi W/o. A. N Venkatachalam Chettiar,
  - A. L. AR. V. Kalafraja S/o. Vellayam Chettiar, 130, Vivekananda Road,

Coimbatore-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. Old T. S. No. 9/280, New T. S. No. 9/27. Old door No. 129, New No. 130, Vivekananda Road, Coimbatore. Doc. No. 1047/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-600006,

Dated 16.11.1982 Scal:

PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGF-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 11988.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. Nos. 277, 276, 356/2, Malur Village, situated at Coonoor. (Doc. No. 200/82).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coonool on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
57—376 GI/82

 The Nilgiri Tea Estate Ltd., A Company Regd. Office at Mailoor Fstate, Kullu Combai P.O.
 Rep. by Director George John, S/o. A. V. George, Ancheril Gardens, Kottayam.

(Transferor)

(2) R. Manuammal, W/o. K. Ramalingam, Hoshatty, Melur P. O., Coonoor.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given n that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land at No. S. Nos. 277, 276, 356/2, Melur village, Coonoor, Doc. No 200/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Dated 16.11.1982 Seal:

#### FORM ITNS ....

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17044.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 3739, No. 3 Crescent Street,

situated at Seethamma Colony, Madras-18, (Doc. No. 403 /

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Meenakshi, Chellam Subramaniam, No. 3, Crescent Street, Seethamma Colony, Madras-18.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena Narayanan, S. Narayanan, 27, Krishnaswamy Avenue, Luz Church Road, Madras-4.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within .45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. S. No. 3739, No. 3 Crescent Street, Seethamma Colony, Madras-18) (Doc. No. 403/82).

R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006.

Dated 16,11.1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17041.—Whereas, I, R, P. PILLAI,

transfer with the object of :-

and/or

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 1832/12 Flat No. 12 situated at Door No. 113. Shri Ganga Apartments, Mylapore, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 378/82) on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 B. Krishna Kumar, 101, Royapettah High Road, Madras-14.

(Transferor)

A. Panduranga,
 Swami Naicken Street,
 Madras-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. Flat No. 12, R. S. No. 1832/12, Door No. 113, Shri Ganga Apartments, Mylapore, Madras. Doc. No. 378/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Madras 600006.

Dated 16.11.1982 Scal :

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 11941.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

KMS Theatre, Door Nos. 12-6-212A, 212C, situated at 214. 212D, 213, Ooty Main Road, Chikkadasampalayam, Mettu palayam, CBE.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam, CBE (Doc. No. 557/82) on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Rajagopul & Others, Bungalowmedu, Mettupalayam.

(Transferor)

S. Chokkalingam,
 S. Kalarajan,
 Co-Operative Colony,
 Mettupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at No. KMS Theatre, Door Nos. 12-6-212A, 212C, 214, 212D, 213, Ooty Main Road, Chikkadasampalayam, Mettupalayam, Coimbatore, Doc. No. 557/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II,
Madras-600006.

Dated: 16-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th November 1982

Ref. No. 63/Mar/82.—Whereas I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 32 situated at Kalappa Achari St. Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Document No. 820/82) on March 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. S. M. Seyed Mohamed Bhuary and S Mohamed Musthafa 5 Bangaramman St. Madras-3

(Transferor)

(2) N. Kuppuswamy
31 Kalappa Achari St. Park Town,
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 32 Kalappa Achari St. Park Town Madras-3 (Document No. 820/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Madras-600 006.

Dated: 12-11-82.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th November 1982

Ref. No. 60/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1325/1A situated at 34 Madhavaram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sembiam (Document No. 259/82) on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kiran Chemicals 15 Haddows Road Madras 600 034.

(Transferor)

 Mahendra Warehousing Corporation 95A Chittaranjan Avenue Calcutta 700 012,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice
   in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lands in S. No. 1325/1A, 34 Madhavaram village Madras (Document No. 259/82)

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Madras-600 006.

Dated: 12-11-1982

(1) W Rajendralal 84 Seven Wells St. Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Pawari Bai, 28 Nattu Pilliar Koil St. Madras-1.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600006, the 18th November 1982

Ref. No. 64/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Kandappa Chetty St. Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Document No. 837/82) on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

may be made in writing to the undersigned:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 8 Kandappa Chetty Street Madras. (Document No. 837/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600 006.

Date: 18-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th November 1982

Ref. No. 75/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS Nos. 479/1 & 480 at Wuthucotton St Periamet Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perimamet (Document No. 344/82) on Macrh 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilirating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely::—

 Manickam Chetty and others 56 Sami Pillai St. Choolai Madras-7.

(Transferor)

(2) Doulatram and others 10 Rosary Church Road Santhome Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & buildings in RS Nos. 479/1 and 480 Wuthucotton St Perlamet Madras-3 (Document No. 344/82).

S. LAHIRI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1.
Madras-600006.

Date: 12-11-82,

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600006

Madras-600 006, the 6th November 1982

Ref. No. 78/Mar/82.—Wheras, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act. 1981 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beauty and structured at Aleberty Fields Market.

No. 278 Sydnhams Road situated at Nehru Timber Market Choolai Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Document No. 390/82 on March 1982

for an apparent confideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personal namely --58-376 GL/82

 Smt. B. K. Pankajammal 57A Bazullah Road T Nagar, Madras-600 017.

(Transferor)

(2) M. Malleswari Eastern St. Eluru, West Godavari Dist. Andhra Pradesh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property are homeometric for a property and the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XMA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 278 Sydenhams Road Mehru Timber Market Choolai Madros (Document No. 390/82).

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-7
Madras-600006

Date: 6-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 11th November 1982

Ref. No. 91/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 93/14—931/1-B situated at Boganapalli, Krishnagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Krishnagiri (Document No. 457/82) on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any lneome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Chennayyan Co-op. Colony III Cross Krishnagiri-635 001.

(Transferor)

(2) K. A. S. Kadirvelu & K. A. S. Mathorubagan 67-01 Tiruvannammalai Road, Beddannapalli, Krishnagiri-635 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in S. No. 93/14—Sub Division No. 931/1B Boganapalli, Krishnagiri. (Document No. 457/82)

S. LAHIRI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 11-11-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 12th November 1982

Ref. No. 93/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15 situated at Bajanai Koil St. Copalapuram TVK Nagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sembiam (Document No. 1127/82) on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Egavalli & S Nagabushanam
 Bajanai Koli St Gopelapuram Madras 600 081.

(Transferor)

(2) K. V. Manivasagam 15 Bunder Garden St. Perambur Madras 600 011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
   45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at No. 15 Bajanai Koil Street Gopalapuram, Madras 600 081. (Document No. 1127/82)

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 12-11-1982.

Scal :

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) A, Parameswaramma 31 Venkier Street Madras-1.

\_\_\_\_\_\_

(Transferor)

(2) A Parameswaramma5 Nattu Pillaiyar Koil St. Madras-1.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 12th November 1982

Ref. No. 98/Mar/82.—Wheeras, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovible property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 31 situated at Venklar Street Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sowcarpet (Document No. 109/82) on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforebaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at No. 31 Venkier St Madras-1. Document No. 109/82)

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said but I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Maniyambadi Nattar Thanjavur Mariamman Koil St Maharajakadai Road Oldpet Krishnagiri.

(Transferor)

(2) R Raman, 6A Dasaratha Rama Chetty Baganapalli, Douladabad Krishnagiri.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras 600006, the 18th November 1982

Ref. No. 103/Mar/82—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 or 1961) therematter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable interpretation having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5. Nos. 285 and 287 situated at Krishnagiri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Krishnagiri (Document No. 437/82) on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the accressid property, and I have reason to believe the apparent consideration therefor by mode than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lands in S. Nos. 285 and 287, Oldpet, Krisbuagiri. (Document No. 437/82)

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding: for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-11-1982.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006.

Madras-600006, the 18th November 1982

Ref. No. 118/Mar/82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 284/2 situated at Iyen Thanichiyam, Nilokottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vadipatti (Document No. 189/82) on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K K Rajangam, Kondayampatti Nilokottai.
  - (Transferor) orani Ammal

(2) Annapoorani Ammal W/o Muthusamy Konar, C. Pudur Sithalangudi, Nilakottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lands in S. No. 284/2, Iyen Thanichiyam, Nilakottal. (Document No. 189/82)

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 18-11-1982

#### FORM ITNS----

(1) T M Kandaswamy 41A Agraharam Tiruchengode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX. 1961 (43 OF 1961)

(2) Senthil Finance, 6 North Mada St Tiruchengode.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1. MADRAS-600006.

Madras-600006, the 18th November 1982

Ref. No. 130/Mar/82.-Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6 situated at North Mada St. Tiruchengode (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Document No. 591/82) on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULED

Land & Building at No. 6 North Mada St., Tiruchengode. (Document No. 591/82)

> S. LAHIRI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 18-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17007.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T.S. No. 31, 32, 33 Block No. 17 situated at Nayudu Lane, Kotturpuram, Adyar Village, (Doc. No. 1066/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said. Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

(1) Mrs. Krishnavini Arimal, W/o L. Andrews, 14, Nayudu Street, Kottuspuram, Madan-35, Madras-35.

(Transferor)

(2) P. R. Bindhumadhavan, I-D, Old Tower Block, Nandanam, Madras-35.

(Transferee)

- (a) by any of the aforemid persons within a period of may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at No. T.S. No. 31, 32, 33, Block No. 17, Nayudu Lanc, Kotturpuram, Adyar village. (Doc. No. 1066/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 16-11-1982 Seal:

#### 18545

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17046.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
R.S. No. 3900/1, Plot No. 4, Pugh's Road, situated at Chamiers Road, Madras-28 (Doc. No. 410/82) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registration Officer at Mylapore, Madras on March 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or eny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—59—376 GI/82

 P. R. Shankar Kumar, No. C 352, Defence Colony, New Delhi

(Transferor)

(2) V. N. Narendia, Kartha, representing his H.U.F. No. 9, 1st Lane. R. H. Road, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land at R.S. No. 3900/1, Plot No. 4, Pugh's Road, Chamiers Road, Madras-28.
(Doc. No. 410/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date . 16-11-1982.

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 16th November 1982

Ref. No. 17075.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Old door No. 14. New door No. 115, situated at General Patters Road, Madras-2. (Doc. No. 179/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Triplicane, Madras on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Mahalakshmi Munuswamy Naidu,
 Mr. M. Rajaram,
 Mr. M. Srinivasan &
 Miss M. Jyothibai,
 Sunkuvar Agraharam Street,
 Chintadripet,
 Madras-600 002.

(Transferor)

(2) M/s. Aroosia Thaikka, K. T. M. Abdul Khader, 7. Fourth Street, Nungambakkam High Road, Madras-600 034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at Bearing (Old Door No. 14), New Door No. 115, General Patters Road, Madras-2 (Doc. No. 197/82)

R. P. PILLAI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date . 16-11-1982.

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) V. V. Chandra Sekhar, T. N. H. B. Block, N-No. 1, Santhome High Road, R. A. Puram, Madras-28.

(Transferor)

(2) K. S. Noor Mohamed, No. 29, 23rd Cross Street, Besant Nagar, Madras-90.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madfas-600 006, the 16th November 1982

Rcf. No. 17113.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. No. 14, Old door No. 90, New No. 4/208, situated at M.G.R. Road, Palavakkum No. 142, Chingleput Dist. Plot

No. 42

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Saidapet, Madras (Doc. No. 1083/82) on March 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. R.S. No. 14/Plot No. 42, Old door No. 90, New No. 4/208. MGR Road, Palavakkam No. 142, Chingleput Dist. (Doc. No. 1083/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 16-11-1982

Scal:

#### FORM NO. LT.N.S .--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th November 1982

Ref. No. 1/Mar/82.—Whereas, I S LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31 situated at Edapalayam Street, Madras-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Document No. 112/82) in March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Munuswamy Nadar & Kaliswari, 9-Andiappan Street, Washermanpet, Madras-600021.

  (Transferor)
- (2) M. Sundaram, 79-Nynjappa Naicken St., Madras-3, and M. Muthuselvan, 338 Raja St. Colmbartore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at No. 31 Edapalayam Street, Madras-3. (Document No. 112/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 12-11-1982

Scal :

#### FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600006

Madras, the 18th November 1982

Ref. No. 2/Mar/82.—Whereas, I S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7 situated at Varadier St., Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sowcarpet (Document No. 120/82) on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Saraswathi Bai & Others, 35-K.N. Tank St., Madras-1. (Transferor)
- (2) Mr. J. Richard Selvaraj, 17-Kanniah Naidu St., Madras-1. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at No. 7 Varadier St., Madras-1. (Document No. 120/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date . 18-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras, the 12th November 1982

Ref. No. 3/Mar/82.—Whereas, I S. LAHIRI, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 24 situated at Vaidyanatha Mudali St., George Town. Madras-1

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sowcarpet (Document No. 124/82) in March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri S. Dwarakanath & Samanthakamani C., S. Harendranath, 35-Luz Avenue, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri V. Subrahmanyam Chetty & V. S. Manjula. 12-Ayalur Muthian Mudali St., Madras-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Building at No. 24, Vaidyanath Mudali St., Madras-1. (Document No. 124/82).

> S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 12-11-1982

#### ) 1**8**551

#### FORM I.T N S ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Calcutta, the 12th November 1982

Ret. No. 4/Mar/82 —Whereas, 1 S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 9 situated at Andiappan Naicken St., Madras-1 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sowcarpet (Document No. 113/82) in March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chaganlal & Babulal, 9-Audiappa Naicken St, Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. Jumerbai and Ashok Kumai, 2-Muniappan St., Madras-1, 56-Padavattamman Koil St., Kosapet, Madras-12.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land & Building at No. 9 Andiappan Naicken St., Madras-1 (Document No. 113/82).

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 18-11-1982

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-I, MADRAS-600006

Madras, the 11th November 1982

Ref No 6/Mar/1982—Whereas, I S LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No 248 Sydenhams Road situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Document No 364/82) (364/82) in March 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A C Shanmugain 24 Murugappa Mudali St Madras-7 and Shankar N Patel 9-Damodar Mudali St, Kelleys, Madias-10

(Transferor)

(2) Shii Heena ahas M D Khanna, 247 Kilpauk Garol Road Madras-10

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at No 248 Sydenhams Reed, Madrus (Document No 364/82)

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I Madras-600006

Date . 11-11-1982 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras, the 18th November 1982

Ref. No. 44/Mar/82.—Whereas, I S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S.Nos. 61/3, 62 and and 98/1-2-C situated at Vadaman-

galam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Parur (Document No. 72/82) in March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Thangavel Nayanar, Arasampatty village Krishnagiri-635201. (Transferor)

(2) Shri A. Subramaniya Chettiar, Arasampatti village Krishnagiri-635201. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Lands in S. Nos. 61/3, 62 and 98/1-2 C in Vadamongalam village. (Document No. 72/82).

> S. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—376 GI/82

Date: 18-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Dr. K. V. Bhaskara Rao & 3 Minors, Government Hospital Quarters, Angole, Andhra Pradesh. (Transferor)

 Smt. K. Pushpa Forma and others, 15-Appa Garden St., Kilpauk, Madras-10.
 (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras, the 11th November 1982

Ref. No. 50/Mar/82.—Whereas, I S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing No. 75 and 76 situated at Madavakkam Tank Road, Kilpauk, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Document No. 756/82) in March, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building 75 and 76 Madavakkam Tank Road Kilpauk, Madras-10.
(Document No. 756/82).

S. LAHTRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 11-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Radheshyam Jalan & Smt. Moina Devi Jalan,

(Transferor)

(2) Smt. Champa Debi Daga

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-23/82-83/SI. 659 IAC/ACQ.R-I/Cal.--Whereas, I C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5 situated at Camac Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

R.A., Calcutta on 21-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

4, Panchi Dhobani Lane, Calcutta-7.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2.18% of the right title and interest in premises No. 5, Camac Street, Calcutta, represented by Flat No. B/6, covering 2298 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 12-11-1982 Seal:

#### FORM ITNS ----

(1) Sri Radheshyam Jalan & Smt. Maina Devi Jalan (Transferor)

(2) Smt. Sovita Mohata

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-33/82-83/Sl. 660 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 situated at Camac Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed herero), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 23-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

4.67% of the right title and interest in premises No. 5, Camac Street, Calcutta represented by Flat No. AB/7, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 23-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Calcutta

Date: 12-11-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-30/82-83/Sl. 661 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, J. C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 situated at Camac Street, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R.A., Calcutta on 23-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Sri Radheshyam Jalan & Smt. Maina Devi Jalan.
  (Transferor)
- (2) Sri Satya Narain Beriwal & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2.22% of the right title and interest in premises No. 5, Camac Street, Calcutta represented by Flat No. D/3, covering 2340 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances. Calcutta on 23-3-82.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcuttn

Date: 12-11-1982

(1) Shri Ganeshlall Purushottamdas. H.U.F.

. (Transferor)

(2) Narayan Prasad Sanganeria

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-47/82-83/Sl. 662 IAC/Acq. R-1/Cal.—Whereas, 1, ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5A, situated at Robinson St., P.S. Park St., Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at S.R.A. on 6-3-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by my of the aforesaid persons within a period of 45 ys from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3A on 3rd floor being covered area of 1636 sq. ft. at premises No. 5A, Robinson Street, Calcutta-17.

C. ROKHAMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 12-11-1982

#### 18559

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Ganeshlall Purushottamdas

(Transferor)

(2) Shri Nandan Prasad Sanganeria

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-48/82-83/Sl. 663 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said, Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5A situated at Rabinson Street, P.S. Park Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R A. on 6-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3B on 3rd floor being covered area of 1636 sq ft. at premises No. 5A, Robinson Street, P. S. Park Street, Calcutta-17.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

FORM ITNS----

(1) Shri Atish Chandra Sinha

(2) Smt. Sabita Devi Arya

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-42/82-83/Sl. 664 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, 1 C. ROKHAMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 227/2, A.I.C. Bose, Road, Cal. situated at A.J.C. Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.A., Calcutta on 11-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the evict of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Cays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of two storeyed building situated on a land of 32 cottahs & 15 chittacks at 227/2, A.J.C. Bose Road, Calcutta.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Calcutta

Date: 12-11-1982

(1) Radheyshyam Jalan & Maina Devi Jalan.

(Transferor)

(2) Smt. Uma Binani.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-32/82-83/Sl. 665-IAC/Acg. R-I/Cal.— Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

Rs. 25,000/- and bearing
No. 5 situated at Camuc Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
R. A., Calcutta on 23-3-1982
for an apparent consideration
which is less than the four market value of the aforesaid pro-

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2.54% of the right title and interest in the premises No. 5, Camac Street, Calculta, represented by Flat No. A/4, registered before the R.A. Calculta on 23-3-1982.

> C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby untinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely 61—376GI/82

Date: 12-11-1982

(1) Radhéshyám Jálan & Maina Devi Jalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Pradip Kumar Agarwal.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-29/82-83/Sl, 666-IAC/Acq. R-I/Cal—. Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herwinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 situated at Camac Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R: A., Calcutta on 23-3-1982

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the still instrument of
transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2.26% of the right title and interest in the premises No. 5, Camac Street, Calcutta, represented by Flat No. B/1, registered before the R.A., Calcutta on 23-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Rang-1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Date : 12-11-1982

# FORM LT.N.S.-

(1) Radhashyam Jalan & Maina Devi Jalan.

(Transferor)

(2) Shri Madanial Jain & Ors.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-31/82-83/Sl. 667-JAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I. C. ROKHAMA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/- and

bearing

No. 5 situated at Camac Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R., Calcutta on 23-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2.26% of the right title and interest in the premises No. 5, Camac Street, Calcutta, represented by Flat No. C/5, registered before the S.R., Calcutta on 23-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Date: 12-11-1982

(1) Shri Madan Mohan Sen & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Md. Jahangir & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I.

CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-52/82-83/Sl. 668-IAC/Acq. R-J/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269D of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 79/1, situated at Phears Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Colcutta on 15-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, 'a pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Partly one and partly two storeyed building together with land measuring 1 cottah 12 chittacks at 79/1, Phears Lane, Calcutta registered before the S.R.A., Calcutta on 15-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-1
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Date : 12-11-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shrl Vinode Kumar Sadani.

(Transferor)

(2) Smt. Rekha Poddar & Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-21/82-83/Sl. 669 IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 56 situated at Strand Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

R.A., Calcutta on 31-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concestment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property situated at 56, Strand Road, Calcutta on land measuring 5K 5ch 36 sft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 31-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Áhmed Kidwał Road, Calcutta-70 0016

Date: 12-11-1982

(1) Alliance Properties.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Prem Kaur & Ors.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-26/82-83/Sl. 670-IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2B situated at Ganesh Chandra Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R.A., Calcutta on 18-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons... whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 5 on ground floor at 2/B, Ganesh Chandra Avenue Calcutta, registered before the S.R.A., Calcutta on 18-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Date: 12-J1-1982

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1982

Ref. No. TR-40/82-83/Sl. 671-IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Flat No. D/5, situated at

AND DESCRIPTION OF THE PERSON 
5, Camac Street, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

officer at

R.A., Calcutta on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Radheshyam Jalan & Muina Devi Jalan.
- (2) Smt. Padma Devi Jain & Ors.

(Transferor)

(3) Smt. P. Jain & Ors.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2.23% of the right title and interest in Premises No. 5. Camac Street, Calcutta, represented by Flat No. D/5, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 1634 on 3-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1982

Ref. No. TR-41/82-83/Sl. 672-IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. B/5, situated at 5, Camac Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/στ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Radheshyam Jalan & Smt, Maina Devi Jalan.
(Transferors)

(2) Smt. Bimale Devi Daga & Ors.

(Transferee)

(3) Smt. B. Daga & Ors. (Person in occupation).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2.24% of the right title and interest in Premises No. 5, Camac Street, Calcutta, represented by Flat No. B/5 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 1635 on 3-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Date: 15-10-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th October 1982

Ref. No. TR-39/82-83/SI. 673-IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Fit No. A/5 situated at

No. Fit No. A/3 situated a 5, Camac Strect, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Radheshyam Jalan & Smt. Maina Devi Jalan. (Transferor)

(2) Smt. Sobhagwati Daga & Ors.

(Transferce)

(3) Smt. S. Daga & Ors. (Person in occupation).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2.25% of the right title and interest in Premises No. 5, Camac Street, Calcutta, represented by Flat No. A/5 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, vide Deed No. 1633 on 3-3-1982.

C. ROKHAMA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Date: 15-10-1982

FORM I.T.N.S.—

(1) Kamala Chatterjee & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. K. Chowdhury.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. 120/82-83/Sl. 674-IAC/Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16 situated at Linton Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Norther portion of land in premises No. Linton Street, Calcutta, measuring 3K 12Ch. 18sft. more or less together with brick built structure registered before the R.A., Calcutta on 15-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Date: 12-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Kamala Chatterjee & Ors.

(Transferor)

(2) Mrs. Rubee Noor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. TR-119/82-83/Sl. 675-IAC/Λcq. R-I/Cal.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16 situated at Linton Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Oalcutta on 15-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Demarkated southern portion of land in premises No. 16, Linton Street, Calcutta, on an estimated area 3K 12Ch. 18 sft. with structure registered before the R.A., Calcutta on 15-3-1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-70 0016

Date: 12-11-1982